सत्यमेव जयते

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

68वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020

NATIONAL FILM AWARDS 2020

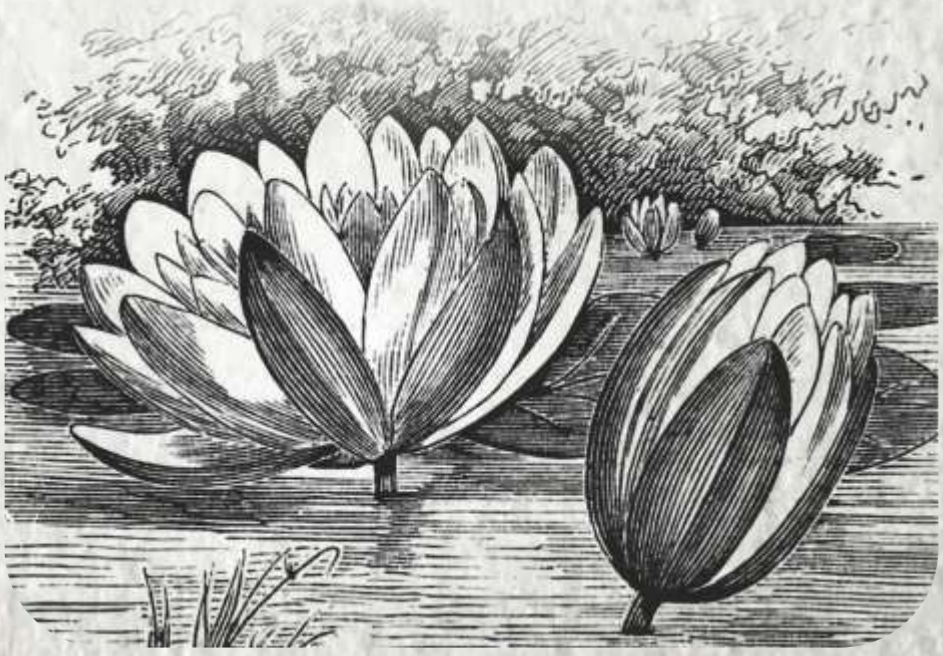

आधिकारिक विवरणिका

THE OFFICIAL CATALOGUE

Azadi Ka Amrit Mahotsav

आधिकारिक विवरणिका

THE OFFICIAL CATALOGUE

रविंद्र भाकर (निदेशक, डीएफएफ)
Ravinder Bhakar (Director, DFF)

इंद्राणी बोस (उप निदेशक, एनएफए)
Indrani Bose (Deputy Director, NFA)

सम्पादक: **शम्भू साहू** (अंग्रेज़ी), **पंकज रामेंदु** (हिन्दी)
Editors: **Shambhu Sahu** (English), **Pankaj Ramendu** (Hindi)

सहयोग: **अरविंद कुमार, अनूप कुमार**
Assisted by: **Arvind Kumar, Anup Kumar**

संयोजन: **प्रदीप एस, मनीष शर्मा**
Co-ordination: **Pradeep S, Manish Sharma**

डिज़ाइन: **इम्बोस, डिज़ाइन एण्ड प्रिंट स्टूडियो**
Design: EMBOSS, design and print studio

कला निर्देशक: **मुकेश चंद्रा**
Creative Director: **Mukesh Chandra**

प्रकाशक: **के.सं.ब., सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय**
Publisher: **CBC, Ministry of Information and Broadcasting**

© Ministry of Information and Broadcasting, Government of India except the film related material.

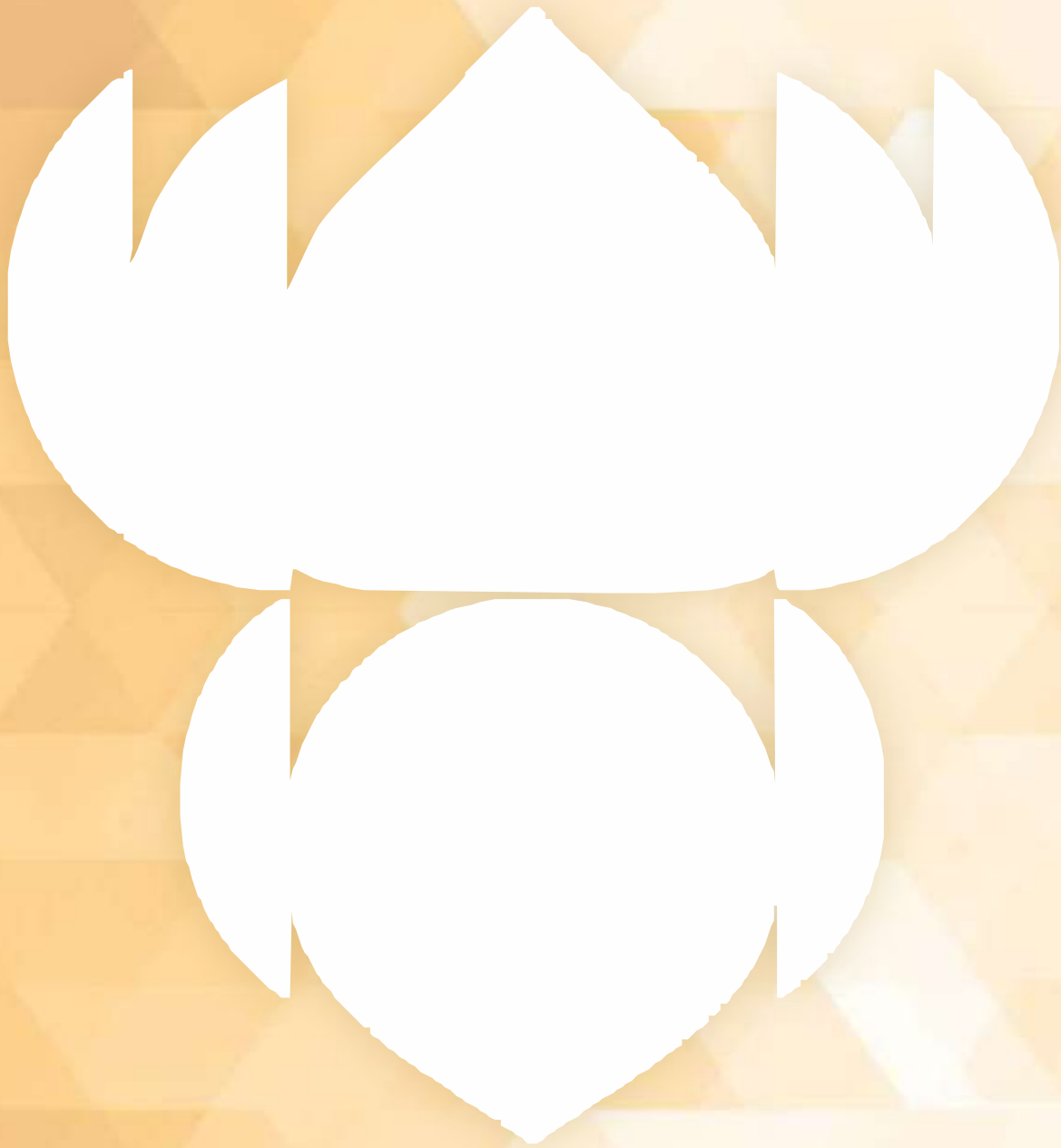

विषय सूची
CONTENTS

दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार 009
DADASAHEB PHALKE AWARD

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार के विषय में 011
About Dadasaheb Phalke Award

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार : अब तक सम्मानित 013
Dadasaheb Phalke Award Past Recipients

पुरस्कार चयन समिति 018
Award Committee

आशा पारेख – प्रोफाइल 023
Asha Parekh – Profile

निर्णायक मंडल (फ़ीचर फ़िल्म) 028
Feature Film Jury

निर्णायक मंडल (गैर–फ़ीचर फ़िल्म) 034
Non-Feature Film Jury

निर्णायक मंडल (सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन) 038
Best Writing on Cinema Jury

प्रादेशिक निर्णायक मंडल (फ़ीचर फ़िल्म) 040
Regional Feature Film Jury

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश निर्णायक समिति 045
Film Friendly State Jury Committee

फ़ीचर फ़िल्में 047
FEATURE FILMS

फ़ीचर फ़िल्में - एक नज़र में 048
Feature Films - At a Glance

सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म 050
Best Feature Film

इन्दिरा गांधी पुरस्कार: निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 052
Indira Gandhi Award for Best Debut Film of a Director

लोकप्रिय एवं स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 054
Award for Best Popular Film
Providing Wholesome Entertainment

सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 056
Best Film on Social Issues

पर्यावरण संरक्षण / परिरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 058
Best Film on Environment Conservation/Preservation

सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म 060
Best Children's Film

सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म 062
Best Assamese Film

सर्वश्रेष्ठ बंगाली फ़िल्म 064
Best Bengali Film

सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म 066
Best Hindi Film

सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म 068
Best Kannada Film

सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म 070
Best Marathi Film

सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म 072
Best Malayalam Film

सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म 074
Best Tamil Film

सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फ़िल्म 076
Best Telugu Film

सर्वश्रेष्ठ हरियाणवी फ़िल्म 078
Best Haryanvi Film

सर्वश्रेष्ठ दिमासा फ़िल्म 080
Best Dimasa Film

सर्वश्रेष्ठ तुलु फ़िल्म 082
Best Tulu Film

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन 084
Best Direction

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (साझा) 085
Best Actor (Shared)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री 087
Best Actress

विषय सूची
CONTENTS

सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता 088
Best Supporting Actor

सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री 089
Best Supporting Actress

सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार 090
Best Child Artist

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक 093
Best Male Playback Singer

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका 094
Best Female Playback Singer

सर्वश्रेष्ठ छायांकन 095
Best Cinematography

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक) 096
Best Screenplay (Original)

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद) 097
Best Screenplay (Dialogues)

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन (साउंड डिज़ाइनर) 098
Best Audiography (Sound Designer)

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन 099
(अंतिम मिक्स्ड ट्रैक का पुनः ध्वनि आलेखक)
Best Audiography
(Re-Recordist of the Final Mixed Track)

सर्वश्रेष्ठ सम्पादन 100
Best Editing

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन 101
Best Production Design

सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा डिज़ाईनर 102
Best Costume Designer

सर्वश्रेष्ठ मेकअप कलाकार 103
Best Make-up Artist

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत) 104
Best Music Direction (Song)

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड स्कोर) 105
Best Music Direction (Background Score)

सर्वश्रेष्ठ गीत 106
Best Lyrics

सर्वश्रेष्ठ नृत्यकला 107
Best Choreography

सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन पुरस्कार (स्टंट कोरियोग्राफर) 108
Best Action Direction Award (Stunt Choreography)

विशेष उल्लेख 109
Special Mention

कथासार 115
Synopsis

ग़ैर फ़ीचर फ़िल्में 121
NON-FEATURE FILMS

ग़ैर फ़ीचर फ़िल्में - एक नज़र में 122
Non-Feature Films - At a Glance

सर्वश्रेष्ठ ग़ैर फ़ीचर फ़िल्म 124
Best Non-Feature Film

निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 126
Best Debut Non-Feature Film Of A Director

सर्वश्रेष्ठ मानवजातीय फ़िल्म 128
Best Ethnographic Film

सर्वश्रेष्ठ जीवनी फ़िल्म 130
Best Biographical Film

सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म 132
Best Arts and Cultural Film

सर्वश्रेष्ठ विज्ञान एवं तकनीक फिल्म 134
Best Science and Technology Film

सर्वश्रेष्ठ प्रचार फ़िल्म 136
Best Promotional Film

सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फ़िल्म 138
Best Environment Film

सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 140
Best Film on Social Issues

विषय सूची
CONTENTS

सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक फ़िल्म 144
Best Educational Film

सर्वश्रेष्ठ अन्वेषण फ़िल्म 146
Best Exploration Film

सर्वश्रेष्ठ खोजी फ़िल्म 148
Best Investigative Film

सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फ़िल्म 150
Best Short Fiction Film

पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म 152
Best Film on Family Values

निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार 154
Special Jury Award

सर्वेश्रेष्ठ निर्देशन 155
Best Direction

सर्वश्रेष्ठ छायांकन 156
Best Cinematography

सर्वश्रेष्ठ संगीत आलेखन 157
Best Audiography

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन 158
Best On-Location Sound Recordist

सर्वश्रेष्ठ संपादन 159
Best Editing

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन 160
Best Music Direction

सर्वश्रेष्ठ प्रकथन / वॉइस ओवर 161
Best Narration/ Voice Over

कथासार 162
Synopsis

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन 165
BEST WRITING ON CINEMA

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक 166
Best Book on Cinema

विशेष उल्लेख 168
Special Mention

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश पुरस्कार 173
FILM FRIENDLY STATE AWARD

सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म अनुकूल राज्य 175
Most Film-Friendly State

विशेष उल्लेख 176
Special Mention

68वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020

NATIONAL FILM AWARDS 2020

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार

भारतीय सिनेमा के संवर्धन और विकास में अप्रतिम योगदान के लिए किसी एक फ़िल्मी व्यक्तित्व को दिया जाता है। इसके अंतर्गत पुरस्कार स्वरूप स्वर्ण कमल, ₹10,00,000/– प्रशस्ति पत्र तथा शॉल प्रदान किया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 1969 में भारतीय सिनेमा के जनक, धुंडिराज गोविन्द फ़ाल्के के सम्मान में इसे स्थापित किया था।

The Dadasaheb Phalke Award

is given to a film personality for his / her outstanding contribution to the growth and development of Indian Cinema. The Award comprises a Swarna Kamal, a cash Prize of ₹10,00,000/- (Rupees Ten Lakh) and a shawl. The award was instituted in 1969 by the government in honour of the father of Indian cinema, Dhundiraj Govind Phalke.

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

भारतीय सिनेमा के जनक धुंडिराज गोविंद फाल्के या दादासाहेब फाल्के (1870–1944) ने 1913 में भारत की पहली फ़ीचर फिल्म *राजा हरिश्चंद्र* के द्वारा एक विलक्षण नवोन्मेषी फिल्मी जीवन की शुरुआत की। निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक के रूप में उन्होंने अपनी कंपनी हिंदुस्तान फिल्म्स के द्वारा सिर्फ 15 सालों में 95 फ़ीचर फिल्मों और 26 लघु फिल्मों का निर्माण किया। उनकी महत्त्वपूर्ण फिल्मों में *मोहिनी भस्मासुर* (1913), *सत्यवान सावित्री* (1914), *लंका दहन* (1917), *श्री कृष्ण जन्म* (1918) और *कालिया मर्दन* (1919) शामिल हैं।

तेजी से बदलता कैरियर, हठी स्वभाव और विदेश यात्राएं, 20वीं सदी के उषाकाल में एक पारिवारिक व्यक्ति के बजाए उन्हें 21वीं सदी के किशोर के ज्यादा नजदीक ले आते हैं। मुद्रण व्यवसाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने फ़ोटोग्राफ़ी स्टुडियो से अपना कार्य शुरू किया। फिर कला की शिक्षा प्राप्त की और वे एक ज़ादूगर और मंच कलाकार भी बने। चित्रकार राजा रवि वर्मा से प्रेरित होकर उन्होंने लीथोग्राफ़ी और ओलियोग्राफ़ी में दक्षता हासिल की। बाद में उन्होंने अपना प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया। आधुनिकतम प्रौद्योगिकी और मशीनरी के बारे में सीखने के लिए उन्होंने जर्मनी की यात्रा भी की। हालांकि अपने भागीदार के साथ विवाद होने पर उन्होंने मुद्रण व्यवसाय छोड़ दिया। एक मूक फिल्म *दि लाइफ ऑफ क्राइस्ट* से गहरे रूप में प्रभावित होने पर उन्होंने फ़िल्म बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने लंदन से एक कैमरा, प्रिंटिंग मशीन, परफ़ोरेटर और कच्चा माल खरीदा। उन्होंने वहीं पर फिल्म बनाने का क्रैश कोर्स भी किया। इसके बाद उन्होंने भारत की पहली फ़ीचर फ़िल्म *राजा हरिश्चंद्र* बनायी। इस फ़िल्म को 1913 में बंबई के कोरोनेशन सिनेमा में प्रदर्शित किया गया और उसे अपार सफलता मिली। प्रथम विश्वयुद्ध के कारण भयंकर वित्तीय और कच्चे माल का संकट पैदा हो गया था, फिर भी उनका हौसला पस्त नहीं हुआ। उन्होंने लघु, वृत्तचित्र, शिक्षाप्रद, ऐनिमेशन और हास्य फ़िल्में बनायीं। जल्दी ही उन्होंने पाँच व्यावसायिकों की भागीदारी में एक फ़िल्म कंपनी हिंदुस्तान फ़िल्म्स की स्थापना की, जिसमें एक स्टूडियो था और प्रशिक्षित टेक्नीशियन और अभिनेता भी थे। एक बार फिर वे अपने भागीदारों के साथ संकट में फंस गये और उन्होंने कंपनी छोड़ दी।

फाल्के ने कुछ और फ़िल्मों का निर्देशन किया लेकिन वे अब अवरोध महसूस करने लगे थे। 1931 के बाद उनकी मूक फ़िल्में सवाक फ़िल्मों के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं कर पा रही थीं। उनकी अंतिम फ़िल्मों में *सेतु बंधन* (1932) और सवाक फिल्म *गंगावतरण* (1937) थीं। 1944 में उनका देहावसान हो गया। दादा साहब फाल्के ने फिल्मों की एक महान परंपरा का सूत्रपात किया। उन्होंने कई विपत्तियों और निजी त्रासदियों को झेला और ऐसे भारतीय फ़िल्म उद्योग की बुनियाद रखी जो आज विश्व में सर्वाधिक सफल और वैविध्यपूर्ण फ़िल्म उद्योग है।

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

Dhundiraj Govind Phalke or Dadasaheb Phalke (1870-1944) is regarded as the father of Indian cinema. He directed India's first feature film, *Raja Harishchandra,* in 1913, flagging off a remarkably inventive career. A producer, director and screenwriter, he is believed to have made 95 feature films and 26 short films - a significant number - that his company Hindustan Films made in barely 15 years. His amazing body of films include *Mohini Bhasmasur* (1913), *Satyavan Savitri* (1914), *Lanka Dahan* (1917), *Shri Krishna Janma* (1918) and *Kaliya Mardan* (1919).

His rapid career switches, headstrong nature and trips abroad, more closely characterise a teenager in the 21st century, than a family man at the dawn of the 20th century. Starting out in a photography studio, he studied art, was a magician and stage performer, before joining the printing business. Inspired by the painter Raja Ravi Varma, Phalke specialised in lithographs and oleographs. Later, he started his own printing press, and even travelled to Germany to learn more about the latest technology and machinery. However, following a dispute with his partners, he quit the printing business. Greatly impressed by a silent film, *The Life of Christ,* he decided to make a film. He perforator and raw stock, and even got a crash course in film making. He soon made *Raja Harishchandra,* on a righteous king who sacrifices his family and kingdom to fulfil a vow and uphold the truth. India's first feature film *Raja Harishchandra* was exhibited at Bombay's Coronation Cinema in 1913, and was a grand success. Undeterred when World War I brought a severe financial and raw stock crunch, he made shorts, documentary features, educa-tional, animation and comic films. Soon he established a film company, Hindustan Films, in partnership with five businessmen, with a studio, and trained technicians and actors. Again he ran into trouble with his partners and quit.

Phalke directed a few more films, but felt constrained. More-over, his silent films were unable to cope with competition from the talkies after 1931. Among his last films were *Setu Bandhan* (1932) and a talkie, *Gangavataran* (1937). He died in 1944. Dadasaheb Phalke leaves behind a pioneer's legacy, not only of his astonishing films, but a joyous inventiveness, and a resilient, unbowed spirit that weathered many reverses and personal tragedies. Little did he know then that he was laying the foundation for the Indian film industry, today the most prolific and diverse in the world.

पूर्ववर्ती दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

01 देविका रानी रोरिच
Devika Rani Roerich
■ 1969 ■

02 बी.एन. सरकार
B.N. Sircar
■ 1970 ■

03 पृथ्वीराज कपूर
Prithviraj Kapoor
■ 1971 ■

04 पंकज मल्लिक
Pankaj Mullick
■ 1972 ■

05 सुलोचना (रूबी मेयर्स)
Sulochana (Ruby Myers)
■ 1973 ■

06 बी.एन. रेड्डी
B.N. Reddy
■ 1974 ■

07 धीरेन गांगुली
Dhiren Ganguly
■ 1975 ■

08 कानन देवी
Kanan Devi
■ 1976 ■

09 नितिन बोस
Nitin Bose
■ 1977 ■

10 आर.सी. बोराल
R.C. Boral
■ 1978 ■

पूर्ववर्ती दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

11

सोहराब मोदी
Sohrab Modi
■ 1979 ■

12

पी. जयराज
P. Jairaj
■ 1980 ■

13

नौशाद अली
Naushad Ali
■ 1981 ■

14

एल. वी. प्रसाद
L.V. Prasad
■ 1982 ■

15

दुर्गा खोटे
Durga Khote
■ 1983 ■

16

सत्यजीत राय
Satyajit Ray
■ 1984 ■

17

वी. शांताराम
V. Shantaram
■ 1985 ■

18

बी. नागी रेड्डी
B. Nagi Reddy
■ 1986 ■

19

राज कपूर
Raj Kapoor
■ 1987 ■

20

अशोक कुमार
Ashok Kumar
■ 1988 ■

पूर्ववर्ती दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

21
लता मंगेशकर
Lata Mangeshkar
■ 1989 ■

22
ए. नागेश्वर राव
A. Nageswara Rao
■ 1990 ■

23
बी.जी. पेंठारकर
B.G. Pendharkar
■ 1991 ■

24
डॉ. भूपेन हज़ारिका
Dr. Bhupen Hazarika
■ 1992 ■

25
मज़रूह सुल्तानपुरी
Majrooh Sultanpuri
■ 1993 ■

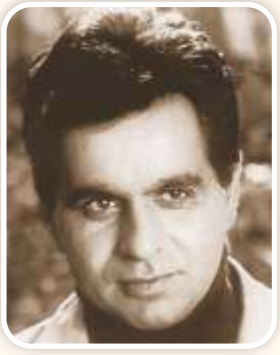
26
दिलीप कुमार
Dilip Kumar
■ 1994 ■

27
डॉ. राजकुमार
Dr. Rajkumar
■ 1995 ■

28
शिवाजी गणेशन
Shivaji Ganesan
■ 1996 ■

29
कवि प्रदीप
Kavi Pradeep
■ 1997 ■

30
बी.आर. चोपड़ा
B.R. Chopra
■ 1998 ■

पूर्ववर्ती दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

31
ऋषिकेश मुखर्जी
Hrishikesh Mukherjee
■ 1999 ■

32
आशा भोंसले
Asha Bhosle
■ 2000 ■

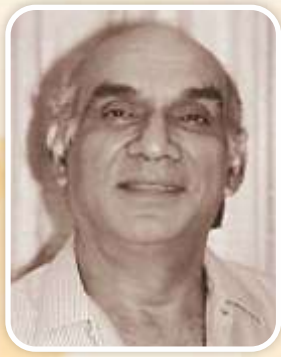
33
यश चोपड़ा
Yash Chopra
■ 2001 ■

34
देव आनंद
Dev Anand
■ 2002 ■

35
मृणाल सेन
Mrinal Sen
■ 2003 ■

36
अडूर गोपालाकृष्णन
Adoor Gopalakrishnan
■ 2004 ■

37
श्याम बेनेगल
Shyam Benegal
■ 2005 ■

38
तपन सिन्हा
Tapan Sinha
■ 2006 ■

39
मन्ना डे
Manna Dey
■ 2007 ■

40
वी.के. मूर्ति
V.K. Murthy
■ 2008 ■

पूर्ववर्ती दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

41
डी. रामानायडू
D. Ramanaidu
■ 2009 ■

42
के. बालाचंदर
K. Balachander
■ 2010 ■

43
सौमित्र चटर्जी
Soumitra Chatterjee
■ 2011 ■

44
प्राण
Pran
■ 2012 ■

45
गुलज़ार
Gulzar
■ 2013 ■

46
शशि कपूर
Shashi Kapoor
■ 2014 ■

47
मनोज कुमार
Manoj Kumar
■ 2015 ■

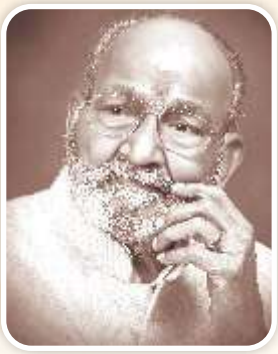
48
के विश्वनाथ
K Viswanath
■ 2016 ■

49
विनोद खन्ना
Vinod Khanna
■ 2017 ■

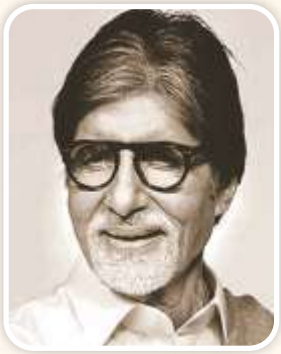
50
अमिताभ बच्चन
Amitabh Bachchan
■ 2018 ■

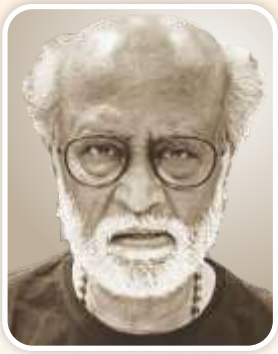
51
रजनीकांत
Rajinikanth
■ 2019 ■

दादासाहब फाल्के पुरस्कार समिति

DADASAHEB PHALKE AWARD COMMITTEE

आशा भोंसले (Asha Bhosle)

1

आशा भोसले एक विख्यात पार्श्व गायिका और उद्यमी हैं, जिन्हें 2011 में गिनीज बुक ऑफ दि वर्ल्ड रिकॉर्ड ने संगीत इतिहास में मोस्ट रिकॉर्डिस्ट आर्टिस्ट के तौर पर मान्यता दी है। अपने 7 दशक लंबे कार्यकाल में इन्होंनें करीब 1000 फिल्मों में 12000 से ज्यादा गाना गाए। हिंदी के अलावा इन्होंनें 20 भारतीय और विदेशी भाषा के गाने गाएं हैं। अपने ऊंचे सुर के लिए चर्चित और अक्सर विविधता प्रस्तुत करने वाली आशा भोसले ने पॉप संगीत, गजल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कव्वाली, रबिन्द्र संगीत और भारत और विदिशो में कई कन्सर्ट में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। इन्हें 2000 में दादा साहेब फ़ाल्के, 2008 में पद्म विभूषण से नवाजा जा चुका है।

Asha Bhosle is a renowned playback singer and entrepreneur, who was acknowledged by the Guinness Book of World Records as the 'most recorded artist in music history' in 2011. In a career spanning over seven decades, she has sung over 12000 songs in about 1000 movies. Apart from Hindi, she has sung in over 20 Indian and foreign languages. Renowned for her soprano voice range and often credited for her versatility, her works include film music, pop music, ghazals, bhajans, traditional Indian classical music, folk songs, qawwalis, Rabindra Sangeet and numerous solo concerts in India and abroad. She was conferred the prestigious Dadasaheb Phalke Award in 2000 and the Padma Vibhushan in 2008. She made her acting debut in 'Mai' (2013), and earned critical acclaim for her performance.

हेमा मालिनी (Hema Malini)

2

हेमा मालिनी भारतीय रजत पटल की सबसे बड़ी और विख्यात अभिनेत्रियों में से एक और प्रशिक्षित भारतीय शास्त्रीय नर्तक हैं (भरननाट्यम, कुचिपुड़ी और मोहिनीआट्टम)। जब वह अपने नृत्य करियर के शीर्ष पर थीं तब उन्होंनें भारतीय फिल्मों में प्रवेश किया। इन्होंनें शोले, सीता और गीता जैसी अनेक जुबली हिट्स दी. और अपने वक्त के लगभग सभी शीर्ष अभिनेताओं के साथ अभिनय किया। इन्होंने समाज में महिलाओं की भूमिका पर जोर देते हुए फिल्मों और टेलीविजन निर्माण और निर्देशन के क्षेत्रों में कार्य किया। इन्हों नृत्यकला को भी उभारने में योगदान दिया। इन्हें पद्म श्री से नवाजा जा चुका है। यह मथुरा से लोकसभा सांसद भी हैं। यह राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

Hema Malini is one of the biggest icons of the Indian silver screen and a trained Classical Indian dancer (Bharatnatyam, Kuchipudi and Mohiniyattam). She arrived on the Indian film scene while she was at the top of her dancing career. She has given numerous jubilee hits such as 'Sholay', 'Seeta aur Geeta', etc. and was paired with almost all the top actors of the time. She made pathbreaking in-roads in the areas of films and television production and direction, emphasising the role of women in society. She also brought to the fore the art of dance choreography. She has been awarded the coveted Padma Shree honour. She is a Member of Parliament in Lok Sabha representing the Mathura constituency. She has been the Chairperson of the National Film Development Corporation.

पूनम ढिल्लन (Poonam Dhillon)

पूनम ढिल्लन फिल्म और टीवी जगत का जानामाना नाम है, इन्होंनें अपने अभिनय का सफर 1978 में यश चौपड़ा की त्रिशूल से शुरु किया। इन्होंनें तेलगु, कन्नड़, मराठी, गुजराती, पंजाबी और हिंदी में 100 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया जिसमें नूरी, सवेरे वाली गाड़ी, सोहिनी महिवाल, कसम आदि शामिल हैं। इसके अलावा यह चर्चित टीवी शो जैसे अंदाज, किटी पार्टी, बिग बॉस सीजन 3, चुस्त–दुरुस्त, दि रेस्टोरेंट शो, और एक नई पहचान में भी अभिनय कर चुकी हैं। रंगमंच पर भी इनके नाटक जैसे, दि परफेक्ट हसबैंड, दि परफेक्ट वाइफ, प्यार में कभी कभी और यू टर्न को काफी सराहा गया है। अब यह डिजनी हॉटस्टार के दिल बेकरार के साथ ओटीटी प्लेटपार्म में भी प्रवेश कर चुकी हैं।

Poonam Dhillon is a very well-known film, Television and theatre actor. Starting her acting career in 1978 with Yash Chopra's 'Trishul', she has acted in over 100 movies in Hindi (including 'Noorie', 'Saveerey Wali Gadi', 'Sohini Mahiwal', 'Kasam', etc.), Telugu, Kannada, Marathi, Gujarati and Punjabi. She has also worked in popular Television shows such as 'Andaz', 'Kitty Party', 'Bigg Boss Season 3', 'Chust–Durust' and 'The Restaurant Show', and 'EK Nayi Pehchaan'. She ventured into theatre with highly appreciated plays like 'The Perfect Husband', 'The Perfect Wife', 'Pyaar Mei Kabhi Kabhi', and 'U Turn'. She has now entered the OTT space with 'Dil Bekekar' on Disney+ Hotstar.

3

टी.एस नागाभरना (T.S. Nagabharana)

4

टी.एस नागाभरना कन्नड़ फिल्म उद्योग में फिल्म निर्देशक, लेखक, निर्माता, और अभिनेता है। यह अपनी फिल्म, संथा शिशुनाला, शरीफा, एक्सीडेंट, और आस्फोटा के लिए जाने जाते हैं। इन्होंनें करीब 36 कन्नड़ फिल्मों का निर्देशन किया है जिसमें से करीब 9 फिल्मों ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और 14 को राज्य सम्मान हासिल हो चुका है। यह समानान्तर सिनेमा के अगुवा में से एक और बेनेका नाम की रंगमंच संस्था के संस्थापक हैं। यह उन चंद फिल्म निर्देशकों में से हैं जिन्होंनें मुख्यधारा और समानान्तर सिनेमा के बीच सफलतापूर्वक सामंजस्य बनाया है।

T.S. Nagabharana is a film director, writer, producer and actor in the Kannada film industry. He is known for his films such as 'Santha Shishunala Sharifa' (1990), 'Accident' (1984), and 'Aasphota' (1988). He has directed about 36 films in Kannada, of which about nine have won National Film Awards and 14 State Awards. He is one of the pioneers of Parallel Cinema and the founder of a theatre organisation called 'Benaka'. He is one of the few film directors to have successfully straddled both mainstream and parallel cinema. He has also achieved success in both television and cinema.

उदित नारायण (Udit Narayan)

उदित नारायण हिंदी सिनेमा जगत के एक अहम और जानेमाने पार्श्व गायकों में से एक हैं। इन्होंनें मैथली लोक गायक के तौर पर शुरुआत की, इन्हें 1980 में उन्नीस बीस (संगीत–राजेश रोशन) में पहली बार गाने का मौका मिला। 1988 में आई कयामत से कयामत तक में गाए इनके गाने, पापा कहते हैं, बड़ा नाम करेगा ने इन्हें रातों रात सितारा बना दिया। इन्होंनें 40 विभिन्न भाषाओं में करीब 22,000 गीत गाए हैं। इन्हें तीन बार (लगान, जिंदगी खूबसूरत है, और स्वदेश के लिए) राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुका है। इसके अलावा यह पांच फिल्म फेयर अवार्ड और दो स्क्रीन अवार्ड सहित अनेको सम्मान से नवाजे जा चुके हैं। इन्हें 2016 में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा इन्हें 2001 में नेपाल का

Udit Narayan is one of the most prominent playback singers of Hindi cinema. He started as a Maithili folk singer and eventually got his first break in 1980 in 'Unees Bees' (music: Rajesh Roshan). He attained stardom with his superhit song 'Papa kehte hain bada naam karega' from 'Qayamat Se Qayamat Tak' (1988). He has sung about 22,000 songs in 40 different languages. He has won three National Awards – for 'Lagaan' (2002), 'Zindagi Khubsurat Hai' (2003), and 'Swades' (2005); five Filmfare Awards, two Screen Awards and many other awards. He was conferred the second highest civilian award - Padma Bhushan, in 2016. He also received Prabal Gorkha Dakshina Bahu, one of the highest civil honours in Nepal, in 2001.

5

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता परिचय
DADASAHEB PHALKE AWARD WINNER PROFILE

आशा पारेख

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता, 2020

आशा पारेख सुप्रसिद्ध भारतीय फिल्म अभिनेत्री, निर्देशक, निर्माता और प्रशिक्षित भारतीय शास्त्रीय नर्तक हैं। 1959–1973 के दौर में आशा पारेख को अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की बदौलत हिंदी फिल्म जगत की 'हिट गर्ल' के नाम से पहचान मिली। इन्होंनें अपने फिल्मी सफर की शुरूआत बतौर बाल कलाकार की और आगे चलकर दिल दे के देखो (1959) में इन्होंनें प्रमुख अभिनेत्री की भूमिका निभाई, इस फिल्म की प्रसिद्धि ने इन्हें रातों रात फिल्मी जगत के शीर्ष पर पहुंचा दिया।

इन्होंनें करीब 95 फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें अपने दौर के दिग्गज फिल्मकारों जैसे शक्ति सामंत, (कटी पतंग), राज खोसला ('मैं तुलसी तेरे आंगन की', 'दो बदन' और 'मेरा गांव मेरा देश'), नासिर हुसैन (दिल दे के देखों से शुरुआत करने के बाद 1961–1971 तक के दौर में नासिर हुसैन की 6 फिल्मों इन्होंनें अभिनय किया) के नाम भी शामिल हैं।

इसके साथ ही अपने ज़माने के हिंदी फिल्मों के सुपरस्टार रह चुके अभिनेता जैसे राजेश खन्ना (कटी पतंग), धर्मेन्द्र ('आए दिन बहार के', 'आया सावन झूम के'), शम्मी कपूर (दिल देके देखो और तीसरी मंजिल), मनोज कुमार (उपकार और दो बदन) देव आनंद (जब प्यार किसी से होता है), जॉय मुखर्जी (ज़िद्दी और लव इन टोक्यो), राजेंद्र कुमार (घराना), जीतेन्द्र (कारवां) आदि के साथ भी अभिनय किया।

कटी पंतग के लिए इन्हें 1971 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर अवार्ड, और 2002 में फिल्म फेयर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड सहित और कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इसके अलावा यह 1998–2001 तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की प्रमुख भी रह चुकी हैं. फिल्मों में इनके अतुलनीय योगदान के लिए 1992 में इन्हें पद्म श्री से नवाज़ा गया ।

इनके प्रोडक्शन हाउस 'आकृति' के बैनर तले, इन्होंनें कई टीवी सीरियल जैसे ज्योति (1998), पलाश के फूल (1989), कंगन, कोरा कागज (1998) और दाल में काला (1998) का निर्माण (कुछ का निर्देशन) किया।

अभिनेत्री बनने से पहले इन्होंनें विभिन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्य जैसे कत्थक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी और कत्थकली का अध्ययन किया।

एक पारंगत नर्तक के तौर पर इन पर फिल्माए गए कुछ सदाबहार नगमों में, सायोनारा.. सायोनारा (लव इन टोक्यो), ओ मेरे सोना रे सोरा और आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा (तीसरी मंज़िल), कांटा लगा (समाधि), सौ साल पहले (जब प्यार किसी से होता है), जाइए आप कहां जाएंगे (मेरे सनम) और अच्छा तो हम चलते हैं (आन मिलो सजना) शामिल हैं ।

Asha Parekh

Dadasaheb Phalke Award Winner, 2020

Asha Parekh is a renowned Indian film actress, director and producer, and also an accomplished Indian classical dancer. She gave many super hit films, especially between 1959-1973, and was thus called the 'Hit Girl' in the Hindi film industry. She started as a child actor and made her debut as the lead heroine in 'Dil Deke Dekho' (1959), which became a big hit and catapulted her into a big star.

She went on to act in over 95 films, including those with some of the top filmmakers of her time – such as Shakti Samanta ('Kati Patang'), Raj Khosla ('Main Tulsi Tere Angan Ki', 'Do Badan' and 'Mera Gaon Mera Desh'), and Nasir Hussain (she featured in his six more films between 1961-1971, after her debut in his 1959 film 'Dil Deke Dekho').

She also starred opposite the biggest Hindi film stars of her time, such as Rajesh Khanna ('Kati Patang'), Dharmendra ('Aaye Din Bahaar' and 'Aaya Sawan Jhoom Ke'), Shammi Kapoor ('Dil Deke Dekho' and 'Teesri Manzil'), Manoj Kumar ('Upkar' and 'Do Badan'), Dev Anand ('Jab Pyar Kisise Hota Hai'), Joy Mukherji ('Ziddi' and 'Love in Tokyo'), Rajendra Kumar ('Gharana'), Jeetendra ('Caravan'), etc.

She won the Filmfare Award for Best Actress for 'Kati Patang' (1971) and Filmfare Lifetime Achievement Award in 2002, and many other major recognitions.

She was conferred the Padma Shri by the Government of India in 1992 for her notable contribution to films. She also served as the Head of the Censor Board of Film Certification (CBFC) during 1998-2001.

Under her production house Akruti, she produced many TV serials (and directed a few) such as 'Jyoti' (1988), 'Palash Ke Phool' (1989), 'Kora Kagaz' (1998), 'Dal Mein Kaala' (1998) and 'Kangan' (2001).

Much before becoming an actor, she had studied different Indian classical dance forms such as Kathak, Bharatnatyam, Kuchipudi, Odissi and Kathakali.

Being an accomplished dancer, many of her film songs have become evergreen. Some of her most memorable songs include: Sayonara… Sayonara ('Love in Tokyo'), O Mere Sona Re and Aaja Aaja Main Hoon Pyar Tera ('Teesri Manzil'), Kaanta Laga ('Samadhi'), Sau Saal Pehle ('Jab Pyar Kisise Hota Hai'), Jaaiye Aap Kahan Jayenge ('Mere Sanam'), and Achha Toh Hum Chalte Hai ('Aan Milo Sajna').

68वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020

NATIONAL FILM AWARDS 2020

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार तीन वर्गों में दिये जाते हैं–फ़ीचर फ़िल्म, गैर–फ़ीचर फ़िल्म तथा सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन। प्रत्येक वर्ग के लिए अलग निर्णायक मण्डल होता है।

57वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों से फ़ीचर फ़िल्म श्रेणी में विजेताओं का चयन द्वि–स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है। ये हैं पाँच प्रादेशिक समितियाँ और एक केन्द्रीय समिति। चयन समिति के सदस्य सिनेमा, संबद्ध क्षेत्रों और मानवीय शास्त्रों से जुड़े हुए प्रतिष्ठित लोग होते हैं। चयन प्रक्रिया के दौरान विचार–विमर्श पूर्ण रूप से गोपनीय होते हैं जिससे सदस्यों को बाहरी प्रभावों से दूर रखने में मदद मिलती है और पूरी स्वतन्त्रता, निष्पक्षता के साथ पुरस्कार विजेताओं का चयन किया जाता है।

The National Film Awards are given in three sections, viz., Feature Films, Non-Feature Films and Best Writing on Cinema. Each section has a different jury.

Since the 57th National Film Awards, the awards in feature film section are decided through a two-tier selection process comprising five regional panels and a central jury. The juries are distinguished persons in the field of cinema, other allied arts and humanities. The jury deliberations are confidential, which provides an enabling environment to insulate the jurors from external influences, and also facilitates selection with impartiality, freedom and fairness.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

अध्यक्ष (Chairperson)

विपुल अमृतलाल शाह Vipul Amrutlal Shah

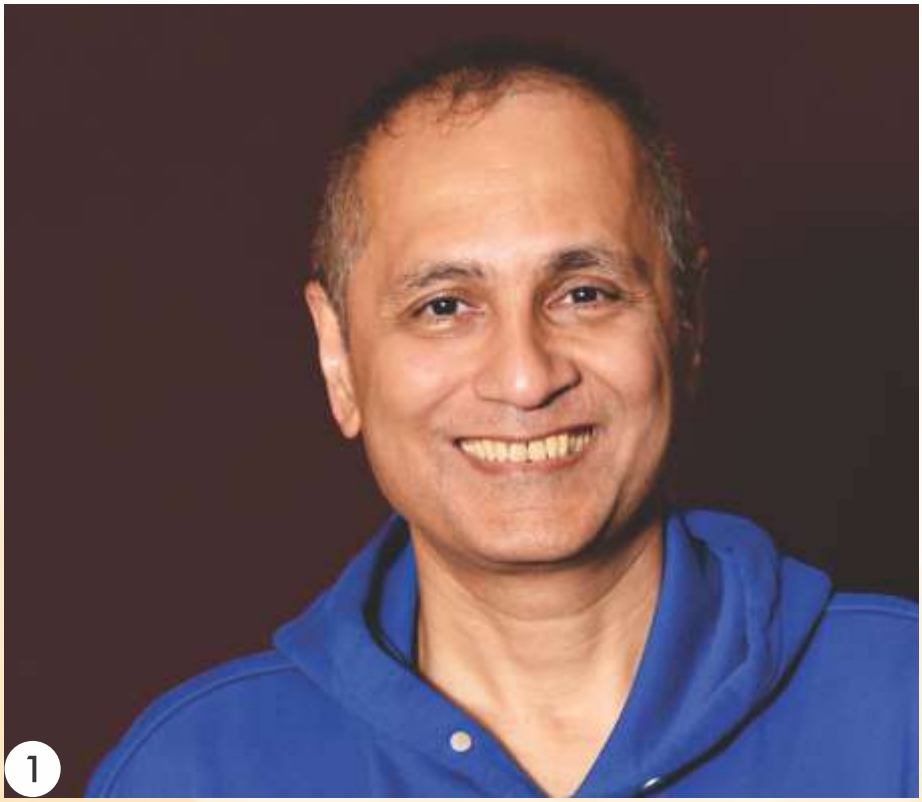

विपुल अमृतलाल शाह चर्चित फिल्म एवं टेलिविजन निर्माता, निर्देशक हैं। विपुल ने 1983 में बतौर अभिनेता गुजराती नाटकों से अपने सफर की शुरुआत की और फिर 1993 में गुजराती टेलिविजन जगत में कदम रखा। दूरदर्शन के लिए 6 गुजराती धारावाहिकों के करीब 140 एपिसोड बनाए। आगे चलकर कई चर्चित हिंदी शो जैसे जीवन मृत्यु, एक महल हो सपनों का – पहला डेली सोप जिसने हिंदी में 1000 एपिसोड और गुजराती में 700 एपिसोड पूरे किये थे। पुकार आदि का निर्माण किया। निर्देशक के तौर पर इनकी पहली फिल्म थी, दरया चोरू। हिंदी सिनेमा जगत में इनकी शुरूआती तीन फिल्मे आंखे, वक्त– रेस अगेन्सट टाइम और नमस्ते लंदन सुपरहिट रहीं. बतौर निर्माता इनकी पहली फिल्म थी, सिंग इज किंग जिसने इस साल सबसे ज्यादा कमाई की। इसके अलावा इन्होंनें, लंदन ड्रीम्स और एक्शन रीप्ले का निर्देशन भी किया। इनके निर्माण में कुछ लव जैसा, फोर्स, कमांडो, हॉलिडे–ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी, फोर्स 2, कमांडो 2, नमस्ते इंग्लैंड, कमांडो 2 आदि फिल्में शामिल है।

Vipul Amrutlal Shah is a leading film producer-director and a member of the Indian entertainment industry for over two decades. He started his career as a Gujarati stage actor in 1983, before venturing into Gujarati television production-direction in 1993. He later made many popular Hindi shows: 'Jeevan Mrityu' (1994), 'Ek Mahal Ho Sapno Ka' (1995) – the first Hindi soap to run for 1000 episodes, 'Pukaar' (2014), etc. He began film direction in 2000 with the Gujarati film 'Darya Choru', followed by three superhit Hindi films: 'Aankhen' (2002), 'Waqt – Race against Time' (2005), and 'Namastey London' (2007). His successful film franchise includes 'Singh is Kinng' (2008), 'Force' (2011) 'Commando' (2013), 'Force 2' (2015), 'Commando 2' (2016), 'Namastey England' (2018), 'Commando 3' (2019), etc. He's also made 'London Dreams' (2009), 'Action Replayy' (2010), 'Holiday–A Soldier is Never Off Duty' (2014), etc.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

ए. कार्तिकराजा (सदस्य) A. Karthikraaja (Member)

2

ए. कार्तिकराजा एक प्रख्यात सिनेमेटोग्राफर है। वह तमिल फिल्म जगत के कई नामी गिरामी निर्देशक जैसे के. भाग्यराज, आर.वी. उधाया कुमार, धारणी (रामणि), मनोज कुमार, रतनकुमार और शंकर–सुरेश के साथ कई तमिल फिल्मों में काम कर चुके हैं। चेन्नई के आद्यार फिल्म इंस्टिट्यूट से 1977–80 में स्नातक किया। इनकी कुछ चर्चित फिल्मों में, चिन्ना गाउंदर (1991), एजामन (1993), वान्जा गिरिजा (1994), रेत्ताई जादाइ वायासु (1997), ओरु ऊला ओरु राजाकुमारी (1995), इधिरम पुधिरम (1999), वानाविल (2000), राज्यम (2002), आई लव यू डू (2002), थुन्नाई मुधालवर (2015) और इनायाथलम (2017) शामिल हैं।

A. Karthikraaja is a well-known cinematographer who has worked in several Tamil films with reputed directors such as K. Bhagyaraj, R.V. Udhaya Kumar, Dharani (aka Ramani), Manoj Kumar, Rathnakumar, and Sankar-Suresh. A 1977-80 batch student of Adayar Film Institute in Chennai, some of his popular films include 'Chinna Gounder' (1991), 'Ejaman' (1993), 'Vanaja Girija' (1994), 'Rettai Jadai Vayasu' (1997), 'Oru Oolaa Oru Rajakumari' (1995), 'Edhirum Pudhirum' (1999), 'Vaanavil' (2000), 'Raajiiyam' (2002), 'I Love You Do' (2002), 'Thunai Mudhalvar' (2015), and 'Inayathalam' (2017).

धरम गुलाटी (सदस्य) Dharam Gulati (Member)

धरम गुलाटी भारतीय फिल्म टेलिविजन संस्थान के पूर्व छात्र हैं और करीब 30 साल से भी ज्यादा वक्त से फिल्मों, विज्ञापनों और टेलिविजन उद्योग के लिए छायाकार निर्देशक, निर्देशक और निर्माता से काम कर चुके हैं। इन्होंनें रमेश सिप्पी, विधु विनोद चौपड़ा, केतन मेहता, पंकज पाराशर, कल्पना लाजिमी और स्व. विजय तेंदुलकर जैसे फिल्मकारों के साथ काम किया है। यह इंटरनेशनल एंमी अवार्ड (एशिया क्षेत्र) के निर्णायक मंडल के सदस्य, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय चयन समीति) इंडियन टेली अवार्ड, आईडीपीए अवार्ड और आईटीए में निर्णायक मंडल में रह चुके हैं। यह एफटीआईआई के पूर्व छात्र संघ का प्रबंधन भी देख रहे हैं और एफटीआईआई की अकादमिक परिषद एवं तकनीकि सलाहकार समीति में भी रह चुके हैं।

Dharam Gulati, an alumnus of FTII, has worked in the film, advertising and TV industry for over 30 years as director of photography, director and producer. He has worked with filmmakers like Ramesh Sippy, Vidhu Vinod Chopra, Ketan Mehta, Pankuj Parashar, Kalpana Lajmi and the Late Vijay Tendulkar. He has been on the jury of International Emmy Awards (Asian Region), National Film Awards, Mumbai International Film Festival (Chairman International Selection Committee), Indian Telly Awards, IDPA Awards and ITA. He has also been managing the Alumni Association of FTII (GreFTII). He has been on the Academic Council and Technical Advisory Committee of FTII.

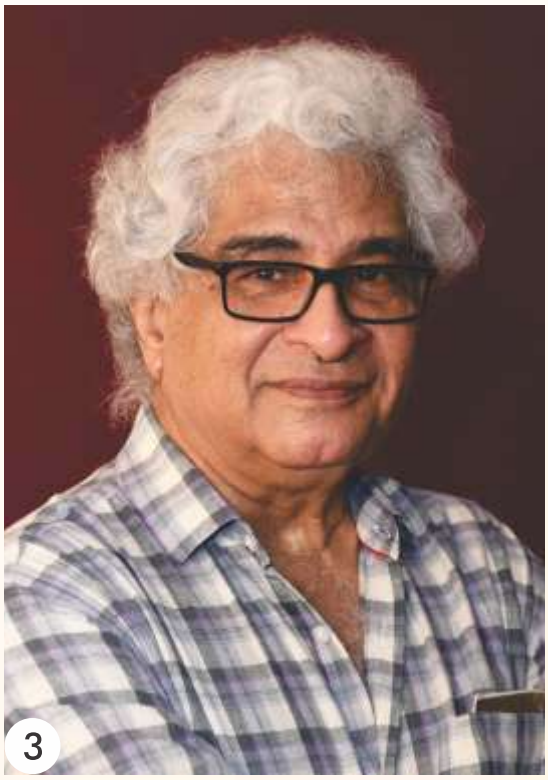
3

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

जी.एस. भास्कर (सदस्य) G.S. Bhaskar (Member)

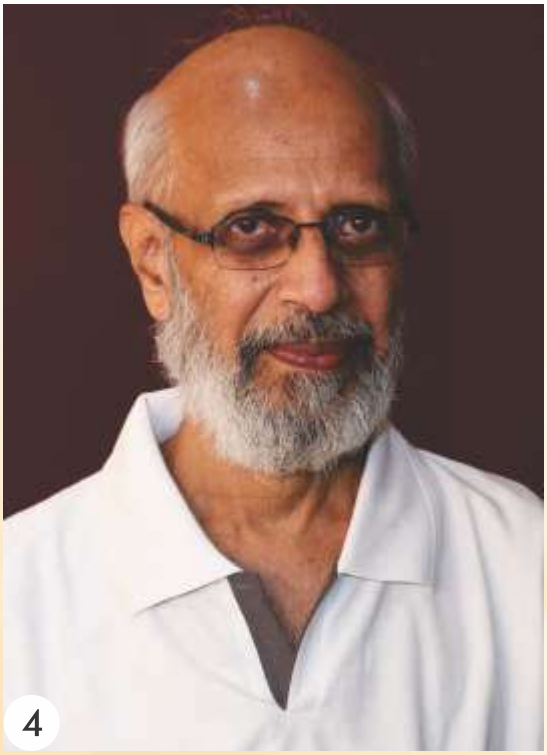
4

जी.एस. भास्कर अपनी उम्दा सिनेमेटोग्राफी के लिए दो बार सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी (1997, 2012) का कर्नाटक स्टेट अवार्ड जीत चुके हैं। भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान के स्नातक भास्कर ने प्रख्यात सिनेमेटोग्राफर ए.के. बिर के सानिध्य में सर रिचर्ड एटनबोरो की गांधी (1982) के साथ अपना फिल्मी सफर शुरू किया। उन्होंनें फिल्म जगत के कुछ बेहतरीन फिल्मकारों जैसे एम.एस सथ्यु, सई परांजपे, गिरीश कर्नाड, बी.वी. कारंथ, गिरीश कासारावल्ली, पी. शैषाद्रि और टी.एस. नागभरना क साथ काम किया है। इसके साथ ही वह कई फिल्म स्कूल जैसे एफटीआईआई, एसआरएफटीआई, विसलिंग वुड्स और एल वी प्रसाद एकेडमी में बतौर विजिटग फैकल्टी नई पीढ़ी को सिनेमेटोग्राफी के गुणों से परीचित करवाते हैं।

G.S. Bhaskar is a two-time winner of the Karnataka State Award for Best Cinematography in 1997 and 2012. A graduate of the Film & Television Institute of India (FTII), he further trained under the renowned cinematographer A.K. Bir beginning with Sir Richard Attenborough's 'Gandhi' (1982). He has worked with some of the finest filmmakers such as M.S. Sathyu, Sai Paranjpye, Girish Karnad, B.V. Karanth, Girish Kasaravalli, P. Sheshadri and T.S. Nagabharana. He has also served as the visiting faculty in many film schools such as FTII, SRFTI, Whistling Woods and LV Prasad Academy. He runs LACE Academy for Digital Cinema in Bengaluru to impart training to the next-gen filmmakers and cinematographers.

निशिगंधा वाड (सदस्य) Nishigandha Wad (Member)

निशिगंधा वाड, पीएचडी, एक पुरस्कार विजेता मराठी और हिंदी अभिनेत्री, शोधार्थी, कवि और लेखक हैं। यह अब तक 23 एकल नाटक, 151 से ज्यादा फिल्म और 127 टीवी सीरियल में काम कर चुकी हैं। यह मानव विज्ञान में एक से अधिक बार डॉक्टरेट कर चुकी हैं। 9 पुस्तकों की लेखक निशिगंधा की पुरस्कार विजेता किताबों में इयालु तिवालु, अनुष्का, और फूलपांखी है। यह मराठी पत्रिका चार चौघी का 11 साल से संपादन कर रहीं हैं। अभिनय के क्षेत्र में इन्हें 35 अलग अलग पुरस्कार मिल चुके हैं जिसमें 2003 में स्मिता पाटिल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस भी शामिल हैं। इन्होंनें भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय ए पी जे अब्दुल कलाम और श्रीमति प्रतिभा पाटिल की उपस्थिति में प्रतिष्ठित कार्यक्रम का संचालन भी किया है। यह एक प्रशिक्षित कत्थक नर्तक हैं।

Nishigandha Wad, PhD, is an award-winning Marathi and Hindi actor, scholar, poet and author. She has featured in 23 one-act plays, over 151 films and 127 TV serials including 'Andhayug', 'Sasural Simar Ka', etc. She has multiple doctorates, and has written nine books, including the State Award-winning titles 'Ivalu Tiwalu' (1991); 'Anushka' (1993), and 'Phulpankhi' (1995). She has edited the Marathi magazine 'Char Choughi' for 11 years. She has won about 35 different awards for her acting including the Smita Patil Award for Excellence in Acting in 2003. She is also a compere of repute and a trained Kathak dancer.

5

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

रवि शंकर खेमू (सदस्य) Ravi Shankar Kemmu (Member)

रवि शंकर खेमू फिल्म, थियेटर और टेलिविजन के साथ बतौर निर्देशक, लेखक, अभिनेता और निर्माता जुड़े हैं। इन्होंनें अपने फिल्मी सफर की शुरुआत बतौर अभिनेता मलयालम फिल्म फुटबॉल (1982) से की थी। कश्मीर विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय नाट्य संस्थान से स्नातक करने के बाद इन्होंनें संगीत नाटक अकादमी की फैलोशिप पर भारतीय नाट्य कला के रूप विषय पर अध्ययन किया। यह श्याम बेनेगल की कई फिल्मों और टेलिविजन प्रोडक्शन में उनके सह निर्देशक रहे हैं। इन्होंनें कई नाटकों, लघु फिल्म, वृत्तचित्र और टीवी सीरीज का निर्माण किया है। यह कई हिंदी फिल्मों जैसे राजनीति, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, जुनूनियत मैं अभिनय कर चुके हैं।

Ravi Shankar Kemmu has been associated with films, theatre and television as a director, writer, actor and producer. He started his career as an actor in the Malayalam film 'Football' in 1982. After graduating from Kashmir University and the National School of Drama, he studied theatrical art forms of India on a fellowship of Sangeet Natak Akademy. He was an associate director for Shyam Benegal for his many films and television productions. He has directed and produced many theatrical productions, short films, documentaries and TV series. He has also acted in Bollywood films like 'Raajneeti', 'Zindagee Na Milegee Dobara', 'Janooniyat', etc. He is also the proprietor of Martand Movies and ex-director, Cinemaya Media India.

एस.थंगदुरई (सदस्य) S. Thangadurai (Member)

एस.थंगदुरई जो फिल्म फेयर पत्रिका के क्षेत्रीय संपादक के पद से सेवानिवृत्त हुऐ हैं, एक प्रख्यात फिल्म पत्रकार और दक्षिण भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानीय लोगों में से एक हैं। अपन चार दशक लंबे पत्रकारिता के सफर में इन्होंनें करीब 2000 से ज्यादा रिपोर्ट लिखी हैं। एक बहुआयामी प्रतिभा के धनी थंगदुरई दक्षिण भारत में लोकप्रिय फिल्मफेयर पुरस्कार का मुख्य आधार रहे हैं। इन्हें टॉलीवुड, मॉलीवुड और कॉलीवुड उद्योग की गहन जानकारी, इन्हें फिल्मों की तीखी आलोचना और फिल्म उद्योग के साथ घनिष्ठ संबंधो के लिए जाना जाता है। यह टीवी प्रोडक्शन हाउस टेली जूम के प्रचारकों में से एक हैं। यह प्रोडक्शन हाउस तमिल में ज्ञान आधारित गेम शो के लिए जाना जाता है जिसमें रापा अवार्ड विजेता शो जैकपॉट भी शामिल है।

S. Thangadurai, who retired as Regional Editor of the Filmfare magazine, is a well-known film journalist and one of the most respected authorities on South Indian cinema. He has penned over 2000 reports in a career spanning four decades. A multi-faceted personality, he has been the mainstay of the popular Filmfare Awards in South India. He is well-regarded for his in-depth knowledge of the Kollywood, Mollywood and Tollywood industry, incisive critical reviews of films and close rapport with the film industry. He was also one of the promoters of Telly Zoom, a TV production house specialising in knowledge-based game shows in Tamil, including the highly popular and RAPA Award-winning show, 'Jackpot'.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

संजीव रतन (सदस्य) Sanjeev Rattan (Member)

8

संजीव रतन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्माता, निर्देशक और लेखक हैं। 2011 में इनकी फिल्म पनचक्की ने सर्वश्रेष्ठ लघु काल्पिनक और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते थे। वहीं इनकी फिल्म दिले च बस्या कोई, ने सर्वश्रेष्ठ डोगरी फिल्म का पुरस्कार जीता। पंजाब विश्वविद्यालय से रंगमंच एवं कला में स्वर्ण पदक के साथ स्नातोकोत्तर करने के बाद यह विधु विनोद चौपड़ा की फिल्म करीब और मिशन कश्मीर में चीफ असोसियेट रहे। इनकी हिमाचली फीचर फिल्म, माने दे फेरे जर्मनी, जापान, सिंगापोर, और बैंकॉक में कई फिल्म फेस्टिवल में चयनित हुई। इसके साथ ही धर्मशाला, शिमला और हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी आधिकारिक चयन हुआ। यह 2015 और 2017 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में गैर फीचर खंड और 2018 में फीचर फिल्म खंड के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य रहे हैं।

Sanjeev Rattan is an award-winning producer, director and writer. In 2011, his film 'Panchakki' received two National Film Awards for Best Short Fiction and Best Music Direction, while his 'Dile Ch Basya Koi' won another for the Best Dogri Film. A Gold-medalist in Theater and Arts from Panjab University, he has been a chief associate in Vidhu Vinod Chopra's 'Kareeb' and 'Mission Kashmir'. His Himachali feature 'Mane De Phere' was screened at various film festivals in India and also in Germany, Japan, Singapore and Bangkok. He's been a Jury member for the National Film Awards – for the Non-Feature Section in 2015 and 2017 and Feature Film Section in 2018.

श्रीलेखा मुखर्जी (सदस्य) Sreelekha Mukherji (Member)

श्रीलेखा मुखर्जी एक चर्चित बंगाली अभिनेत्री और फिल्मकार हैं। इन्होंनें 1990 में पारासुरामेर कुथार के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार हासिल किया था। बतौर अभिनेत्री इनकी अन्य फिल्मों में शिल्पी, चिरोशोखा हे, लाज, द्वितीयो पोक्खो, एला र चार ओध्याय, एवं कालकोक्खो शामिल हैं। रबिन्द्रभारती विश्वविद्यालय से शास्त्रीय संगीत में स्नातोकोत्तर श्रीलेखा ने कुछ डॉक्यूफीचर और टेलीफिल्म का निर्देशन किया और कई नाटक, फीचर फिल्म और टेलीफिल्म के लिए पार्श्व संगीत तैयार किया है।

Sreelekha Mukherji is a well-known Bengali actor and filmmaker. She won the National Film Award for Best Actress in 1990 for 'Parasuramer Kuthar', her debut film directed by the Late Nabyendu Chattopadhyay. Her other films as an actor include 'Shilpi', 'Chiroshokha He', 'Laaj', 'Dwitiyo Pokkho', 'Ela-r Chaar Odhyay', and 'Kaalkokkho'. A Master's degree holder in Classical Music from Rabindra Bharati University, she has directed a few docu-features and telefilms and has composed background music for several plays, feature films and telefilms.

9

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

वी.एन. आदित्य (सदस्य) V.N. Aditya (member)

10

वी.एन. आदित्य फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता है जो तेलुगु फिल्म जगत से जुड़े हुए हैं। इन्होंनें उदय किरण, रीमा सेन अभिनीत फिल्म मानासंथा नुव्वे से अपने सफर की शुरूआत की। आगे चलकर इन्होंनें, श्रीराम, नेनुन्नानु, बॉस, मानासु मात विनाडु, आटा, जैसी फिल्मों का निर्माण किया। इनके साथ फिल्म जगत की चर्चित अभिनेता जैसे, अक्कीनेनी, नागार्जुन, श्रिया सरन, आरती अग्रवाल, नयनतारा, पूनम बाजवा, नवदीप, अंकिता झावेरी, सिद्धार्थ नारायणन, इलियाना डिक्रूज काम कर चुके हैं। यह तेलुगु फिल्म, रेनबो का निर्माता, निर्देशक हैं। इनकी अंग्रेजी भाषा में बनी फिल्म, फोर्स्ड ऑरफन्स ने अमेरिका सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 11 पुरस्कार प्राप्त किए। यह केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, हैदरबाद की सलाहकार समीति के सदस्य भी हैं।

V.N. Aditya is a film director, screenwriter, and producer associated with Telugu film industry. He made his debut with 'Manasantha Nuvve' (2001) starring Uday Kiran and Reema Sen. His later films include 'Sriram' (2002), 'Nenunnanu' (2004), 'Boss' (2006), 'Manasu Mata Vinadu' (2005), 'Aata' (2007). He also produced and directed a Telegu feature, 'Rainbow', in 2008. His 'Forced Orphans' (2018), an English language directorial made in the US, won 11 International laurels at various film festivals. His recent ventures include 'Love@65' and 'Valliddari Madhya'. He has also been associated with the Central Board of Film Certification, Hyderabad as an advisory panel member.

विजी तम्पी (सदस्य) Viji Tampi (Member)

विजि (आर. वेणुगोपाल) तम्पी, फिल्मकार, अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता है, इन्होंनें मुख्यतौर पर मलयालम फिल्म जगत के लिए ही काम किया है। इनके फिल्मी सफर की शुरूआत 1983 में बतौर एसोसियेट डायरेक्टर हुई, इसके बाद 1988 में इन्होंनें, डेविड, डेविड, मि. डेविड फिल्म में पहली बार निर्देशन किया। इसके बाद इन्होंनें 30 फिल्मों का निर्देशन किया जिसमें, सूर्या मानासम, जर्नलिस्ट, जानम, कृथ्यम, बड़ा दोस्त, केमिस्ट्री, अप्रैल फूल, नादाकामे उलाकम, नादोदिमन्नन आदि शामिल हैं। इन्होंनें कई चर्चित टीवी श्रंखला का निर्देशन, फिल्म कहानी लेखन, कई फिल्मों और टीवी सीरियल में चरित्र अभिनय भी किया है। इनकी टेलिफिल्म एन्नी, और अम्मा को केरला स्टेट अवार्ड मिल चुका है। वर्तमान में यह कई फिल्मी संगठनों से जुड़े हैं जिसमें केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, एम्मा (असोसियेशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट), सिफ्दा (साउथ इंडियन फिल्म डायरेक्टर्स असोसियेशन) आदि शामिल है।

Viji (R. Venugopal) Tampi is a filmmaker and actor in the Malayalam film industry. Since his debut with 'David, David Mr. David' (1988), he has directed over 30 films, including 'Soorya Manasam' (1992), 'Journalist' (1993), 'Janam' (1993), 'Simhavalan Menon' (1995), 'Kudumbakodathy' (1996), 'Naranathu Thampuran' (2001), 'Krithyam' (2005), 'Bada Dosth' (2006), 'Chemistry' (2009), 'April Fool' (2010), 'Nadakame Ulakam' (2011), 'Nadodimannan' (2013), etc. He has also directed popular TV series, written film stories, and played character roles in his films and TV series. His telefilms 'Annie' (2004) and 'Amma' (2005) have won the Kerala State Awards. He is a member of film bodies, such as CBFC, AMMA (Association of Malayalam Movie Artists), SIFDA (South Indian Film Directors Association), etc.

11

गैर–फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS JURY)

अध्यक्ष (Chairperson)

चित्रारथा पूरन सिंह Chitrartha Puran Singh

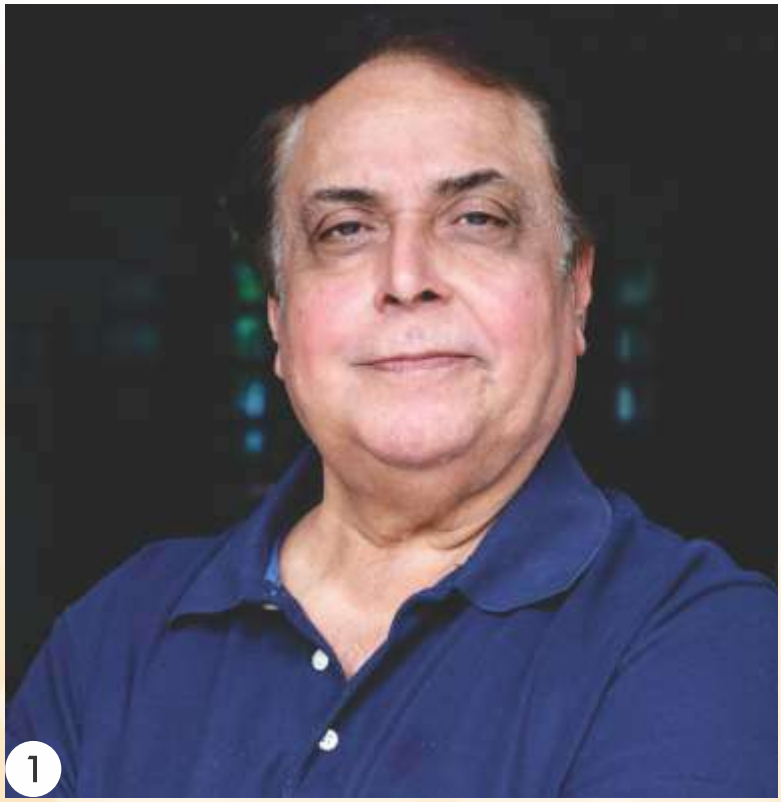

चित्रारथा पूरन सिंह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक हैं। अपने सफर की शुरूआत इन्होंनें 1981 में बतौर निर्देशक छन्न परदेसी से की, जिसे सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ। इनकी एक और फिल्म, शहीद उधम सिंह को राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। दिल्ली के सेंट स्टीफन से इकोनॉमिक हॉनर्स में स्नातक करने के बाद, 1972 में इन्होंनें भारतीय फिल्म एव टेलिविजन संस्थान (एफटीआईआई) की ओर रुख किया। इसके बाद यह लेख टंडन के सहायक रहे। आगे चलकर इन्होंनें फिल्म और टेलीविजन दोनों के लिए विभिन्न विधाओं जैसे कॉमेडी, सामाजिक, अपराध और ऐतिहासिक विषयों पर लेखन और निर्देशन किया।

Chitrartha Puran Singh is a National Film Award-winning film director. He made his directorial debut in 1981 with 'Chann Pardesee', which won the National Film Award for Best Punjabi Film. Another of his film, 'Shaheed Uddham Singh' (2000) won the National Film Award for Best Film on National Integration. He joined the Film and Television Institute of India (FTII) in 1972, after graduating from Delhi's St. Stephens College with Economics Honours. After FTII, he assisted Lekh Tandon on a couple of films. Over the years, he has been writing and directing for both films and television in different genres such as comedy, social, crime and historical.

गैर–फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS JURY)

दिलीप वीरेन्द्र सूद (सदस्य) Dilip Virender Sood (Member))

2

दिलीप वीरेन्द्र सूद एक लेखक, निर्देशक और निर्माता है जिन्हें, छह–6, समर ऑफ 99, छोड़ो ना यार और बीच, जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। इनकी हालिया फिल्म छह–6 का प्रीमयर बोस्टन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था। वहीं इनकी लघु फिल्म, व्हाइट पैबल, टोक्यो, जापान के किनिको अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सवर में प्रदर्शित हो चुकी है। यह दूरदर्शन के चर्चित युवा शो, यहां के हम सिंकदर का निर्देशन कर चुके हैं। इन्होंनें, स्कूलडेज और खामोश सा अफसाना जैसे शो का लेखन, निर्माण और निर्देशन किया है। इसके साथ ही इन्होंनें लघु फिल्म, वेब सीरिज, वृत्तचित्र, विज्ञापन फिल्म, जागरुकता फिल्म का निर्माण भी किया है। अपने दो दशक लंबे फिल्म सफर में इन्हें दुनियाभर के विभिन्न फिल्म फेस्टिवल में इनकी फिल्मों को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ कहानी और सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार हासिल हो चुका है।

Dilip Virender Sood is an award-winning director, producer and writer. His last feature film 'Chhe-6' (2018) premiered at the Boston International Film Festival, while his short 'White Pebble' was screened at the Kineko International Children Film Festival, Tokyo, Japan. His other films include 'Summer of 99', 'Chhodon Naa Yaar' and 'Beach'. He produced and directed popular shows such as 'Yahan Ke Hum Sikandar', 'School Days' and 'Khamosh Sa Afsana'. In a career spanning two decades, he has also written his TV shows, made short films, web series, documentaries, ads and public awareness films. He has won awards for Best Director, Best Film, Best Story and Best Screenplay for his films.

एम के भास्कर रॉव (सदस्य) M.K. Bhaskara Rao (Member)

एम के भास्कर रॉव एक वरिष्ठ पत्रकार और कन्नड़ भाषा के जाने माने फिल्म आलोचक है। इन्होंनें दशकों तक संयुक्त कर्नाटक और प्रजावाणी जैसे लोकप्रिय भारतीय स्थानीय दैनिके के लिए काम किया। इन्होंने कन्नड़ फिल्म पुरस्कार समिति और गुणवत्ता टैग समितियों के सदस्य के रूप में काम किया है, जिसके प्रमुख बी.वी. कारंथ और एम.एस. सथ्यु जैसी नामी हस्ती रह चुकी है। इन्होंने कर्नाटक मीडिया अकादमी पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। यह एक स्थापित लघु कथाकार भी हैं।

M.K. Bhaskara Rao is a senior journalist and well-known film critic in the Kannada language. He has worked with popular Indian vernacular dailies such as 'Prajavani' and 'Samyukta Karnataka' for decades. He has served as a member of the Kannada Film Award Committee and Quality Tag Committees, which were headed by legendary B.V. Karanth and M.S. Sathyu, respectively. He has won several prestigious awards, including the Karnataka Media Academy award. He is also a published short story writer.

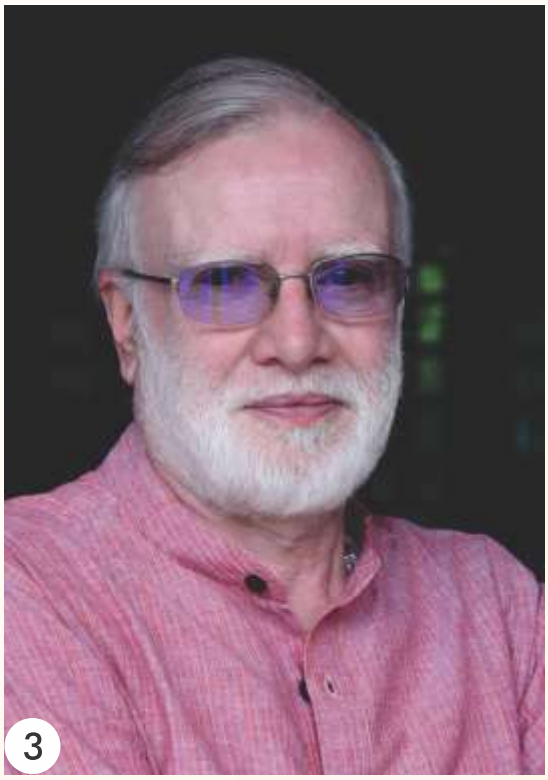
3

गैर–फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS JURY)

नकुल देव (सदस्य) Nakul Dev (Member)

4

नकुल देव पुरस्कार विजेता, फिल्मकार, लेखक, निर्देशक, निर्माता और कोरियोग्राफर हैं। जिनके पास 20 सालों से भी ज्यादा का अनुभव है। इनके पर्यावरण पर बनाए वृत्तचित्र, बिफोर आई डाई को दुनियाभर के करीब 200 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में प्रदर्शित किया गया है और इसे करीब 60 अंतर्राष्ट्रीय सम्मान हासिल हो चुके हैं। इनकी फीचर फिल्मों में आस्मा, अखनूर, और एक इंडो–बेल्जियन सह–निर्माण में बनी फिल्म, दि लॉस्ट मोंक शामिल है। इनकी अन्य कामों में, इन दि नेम ऑफ लव, बस्तर–फ्रोजन टियर्स और कैटल इंश्योरेंस शामिल है। इनके नाम पर 50 से ज्यादा कमर्शियल और कॉरपोरेट फिल्म, नाको के लिए एड्स पर वृत्तचित्र और फेस्ट फीस्ट नॉर्थ ईस्ट नाम से ट्रेवल शो शामिल हैं। यह कई फिल्म महोत्सवों के निर्णायक मंडल में रह चुके हैं।

Nakul Dev is an award-winning filmmaker, writer, director, producer and cinematographer with over 20 years of experience. His environmental documentary 'Before I Die' (2021) has travelled to over 200 international film festivals and got 60 international awards. His feature films include 'Aasma' (2019), 'Akhnoor' (Hindi & French, 2007), and an Indo-Belgian co-production 'The Last Monk' (English, 2006). His other works include 'In the Name of Love', 'Bastar: Frozen Tears'; and 'Cattle Insurance'. He has to his credit over 50 commercials and corporate films; a documentary on AIDS for NACO and a travel show titled 'Fest Feast North East'. He has been a jury member for various film festivals.

सत्यप्रकाश उपाध्याय (सदस्य) Satyaprakash Upadhyay (Member)

सत्यप्रकाश उपाध्याय ने अपने सफर की शुरूआत मंच कोरियोग्राफर के तौर पर की इसके बाद इन्होंनें आलाप और चिल्ड्रन ऑफ वॉर में सहायक निर्देशक की भूमिका निभाई। इनके निर्देशन में बने पहले वृत्तचित्र, बुनकर–दि लास्ट ऑफ दि वाराणसी वीवर्स को सर्वश्रेष्ठ फिल्म (कला एवं संस्कृति) का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार हासिल हुआ। इसे भारतीय पैनोरमा (इफ्फी 2018) और जयपुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया, इसके साथ ही यह 2019 में बर्लिन के इंडो–जर्मन फिल्म सप्ताह के लिए भी नामांकित, 11वें केरल फिल्म महोत्सव और 2019 के पुर्तगाल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में काफी सराहा गया।

Satyaprakash Upadhyay is one of the co-founders of Narrative Pictures. He started his career as a part-time choreographer, before becoming an assistant director in 'Aalaap' (2012) and 'Children of War' (2014). His directorial debut documentary 'Bunkar-The Last of the Varanasi Weavers' (2018) won the National Film Awards for Best Film (Art & Culture). It was screened at the Indian Panorama (IFFI 2018) and Jaipur International Film Festival (JIFF 2019), and nominated for the Indo-German Film Week (Berlin 2019). His short film production, 'Neer' won recognition at the 8th Dada Saheb Phalke Film Festival 2018; 11th IDSFFK, Kerala; and the Internacional Festival Signos de la Noite Lisboa, Portugal 2019.

5

गैर–फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS JURY)

सिलादित्य सेन (सदस्य) Siladitya Sen (Member)

6

सिलादित्य सेन फिल्म आलोचक, लेखक और पत्रकार हैं जो आनंद बाजार पत्रिका से जुडे हुए हैं। वह भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 1999 के भारतीय पैनोरमा की निर्णायक मंडल सदस्य और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2000 के सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक और लेखन के निर्णायक मंडल के सदस्य रह चुके हैं। इसके साथ ही मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2004, बंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (2013, 2018), केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोतस्व 2019 और कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2022 से भी जुड़े रहे हैं। यह 2001 से 2005 तक राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के 'सिनेमा इन इंडिया' के संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं। इनकी पुस्तकों में, सिनेमा स्वर ओ संकेत (बंगाली फिल्म पत्रकारिता संगठन से 1998 की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक से सम्मानित), मृणाल सेनार फिल्म जात्रा, तनवीर मोकाम्मेल–किच्छु काजकर्मा किच्छु बेंछे थाका, दि सिनेमा ऑफ दि मेज्योरिटी आदि शामिल हैं।

Siladitya Sen is a film critic, author and journalist with the Anandabazar Patrika. He's been a jury member for the Indian Panorama (IFFI) in 1999 and the National Film Award for Best Book and Writing on Cinema in 2000. He's been an Editorial Board member (2001-05) for the NFDC's 'Cinema in India'. His book 'Cinemar Swar o Sanket' won the Best Book Award from Bengal Film Journalists Association in 1998. His other books include 'Mrinal Sener Film Jatra' (2015); 'Tanvir Mokammel' (2018), 'The Cinema of the Majority' (2017). He has worked with other international film festivals in Mumbai (2004); Bengaluru (2013 & 2018); Kerala (2019); and Kolkata (2022).

योगेश कुलकर्णी (सदस्य) Yogesh Kulkarni (Member)

योगेश कुलकर्णी, अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं। इन्होंनें भोजपुरी, मराठी और अहिरानी भाषा में संगीतमय फिल्म का निर्माण किया है जिसमें, हमके माफी देइ दा, पिंजरेवाली मुनिया और मोल शामिल हैं। बतौर अभिनेता इन्होंनें कई कमर्शियल, सीरियल और फीचर फिल्मों में अभिनय किया है। इनकी फिल्म मोल, अहिरानी बोली की सबसे बड़ी हिट है, इस फिल्म में महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र की संस्कृति और सौंदर्य को दर्शाया गया है। यह शराब की लत छुड़ाने और पुनर्वास के क्षेत्र में भी काम कर रहे हैं, यह अक्सर सिनेमा पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों और सेमिनारों का आयोजन और उनमें भाग लेते रहते हैं।

Yogesh Kulkarni is an actor, director and producer. He has produced musical films in Bhojpuri, Marathi and Ahirani languages, including 'Humke Mafi Dei Da' (2004), 'Pinjarewali Muniya', and 'Mol' (2018). He has also worked as an actor in many commercials, serials and feature films. His film 'Mol', which is the biggest film in the Ahirani dialect, depicts the beauty and culture of the Khandesh region in Maharashtra. The film has been written and directed by him. He has also been working in the field of alcohol de-addiction and rehabilitation. He often organises and participates in various programs and seminars based on cinema.

7

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन ज्यूरी
BEST WRITING ON CINEMA JURY

अध्यक्ष (Chairperson)

अनंत विजय Anant Vijay

अनंत विजय एक सम्मानित पत्रकार और लेखक हैं। पत्रकारिता में दो दशक से ज्यादा के अनुभव के दौरान इन्होंनें मुख्यतौर पर सिनेमा, राजनीति, संस्कृति और साहित्य के लिए लेखन किया। इन्हें 2018 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म आलोचक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, प्रतिष्ठित गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान और फादर कामिल बुल्के सम्मान प्राप्त हो चुका है। वर्तमान में यह दैनिक जागरण के साथ जुड़े हुए हैं जहां पर इनका साप्ताहिक स्तंभ पिछले 12 वर्षों से प्रकाशित हो रहा है। तमाम साहित्यिक महोत्सवों, हिंदी साहित्यिक इकाइयों और संपादकीय समूह का हिस्सा रह चुके अनंत के नाम पर बतौर लेखक 12 पुस्तकें भी हैं। यह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार निर्णायक मंडल के अध्यक्ष, चयन समीति के अध्यक्ष (कोंकणी फिल्म्स), इफ्फी 2019 और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के 75 क्रियेटिव माइंडस (सदस्य, निर्णायक मंडल) रह चुके हैं।

Anant Vijay is an award-winning film critic, journalist and author. As a senior journalist, he has worked across Television & Print Media and has written mainly on the cinema, and politics of culture and literature. He won the 2018 National Film Award as the Best Film Critic. He has also received the Ganesh Shankar Vidyarthi Award and Father Camille Bulcke Award. He is presently working with Dainik Jagran, where his weekly column has been running for 12 years. He has authored 12 books, including 'Bollywood Selfie' (2015) and 'Amethi Sangram' (2020). He has also been a part of literature festivals, Hindi literary bodies, and editorial boards. He has served as Jury Chairman for National Film Awards; Chairman for Selection Jury (Konkani Films), in IFFI 2019 and Jury Member, in the I&B Ministry's '75 Creative Minds', 2021.

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन ज्यूरी
BEST WRITING ON CINEMA JURY

अलका साहनी (सदस्य) Alaka Sahani (Member)

अलका साहनी इंडियन एक्सप्रेस, मुंबई में सह संपादक हैं। वह मुख्यतौर पर सिनेमा और संस्कृति पर ही लिखती है। 2014 में इन्हें 'लुकिंग बियॉन्ड दि ग्लैमर एंड ग्लिट्ज ऑफ इंडियन सिनेमा' के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म आलोचक का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। इसके साथ ही 2019 में रेडइंक अवार्ड के लाइफ स्टाइल एवं मनोरंजन की प्रिंट/डिजिटिल श्रेणी में सादत हसन मंटो पर लिखे इनके लेख को स्पेशल मेन्शन, सम्मान हासिल हुआ था। वह भारतीय और विश्व सिनेमा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक और विश्लेषणात्मक लेखन करने में विश्वास रखती हैं।

Alaka Sahani is an Associate Editor with The Indian Express, Mumbai. She writes extensively about cinema and culture. In 2014, she won the National Film Award for Best Film Critic for 'looking beyond the glamour and glitz of Indian cinema'. Her article on Saadat Hasan Manto received a 'Special Mention' in the Lifestyle and Entertainment – Print/Digital category of the RedInk Award in 2019. She believes in writing comprehensive and analytical pieces about various aspects of Indian and world cinema. She also regularly interviews and profiles film personalities.

डॉ. जी. धनंजयन (सदस्य) Dr. G. Dhananjayan(Member)

डॉ. जी. धनंजयन (पीएचडी, एमबीए) प्रबंधन के क्षेत्र से जुड़े एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता लेखक और फिल्मकार हैं। इन्हें कॉरपोरेट जगत में कई प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ वरिष्ठ पद पर रहकर काम करने का 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। सिनेमा पर इनके लेखन के लिए इन्हें 2014 और 2016 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। फिल्म व्यवसाय में मुंबई यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट कर चुके धनंजयन पिछले 17 सालों में तमिल, मलयालम और हिंदी की 35 फिल्मों का प्रोडक्शन, मार्केटिंग एवं वितरण कर चुके हैं। बतौर फिल्म वितरक वह अपनी अनूठी फिल्म मार्केटिंग और प्रचार कौशल के लिए जाने जाते हैं।

Dr. G. Dhananjayan (PhD, MBA) is a National Award-winning author, filmmaker, film distributor, and screenplay writer. He has worked with corporates in senior positions for over 30 years, including Kansai-Nerolac Paints, Saregama-HMV, AirTel, Vodafone, Moser Baer Entertainment and Disney-UTV. He won the National Film Award twice for his writing on cinema in 2014 and 2016. With a doctorate in film business from Mumbai University, he was involved in the production, marketing and distribution of 35 films for 17 years. He is also the Founder-Director of BOFTA Film Institute in Tamil Nadu and a partner in Infiniti Film Ventures. He is one of the founding members of and present Vice President of the Tamil Film Active Producers Association.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | पूर्व पैनल
FEATURE FILMS JURY | EAST PANEL

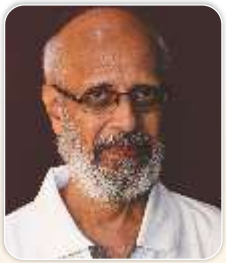

जी.एस. भास्कर (अध्यक्ष) G.S. Bhaskar (Chairperson)

जी.एस. भास्कर सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी के लिए दो बार कर्नाटक स्टेट अवार्ड विजेता रह चुके हैं। भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान से स्नातक के बाद इन्होंनें विख्यात सिनेमेटोग्राफर ए के बिर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया और सर रिचर्ड एटनबर्ग की गांधी से काम की शुरूआत की। फिल्म जगत के बेहतरीन फिल्मकारों जैसे ए एस सथ्यु, सई परांजपे, गिरीश कर्नाड, बी वी कारंत, गिरीश कासरवल्ली, पी शेषाद्रि और टी एस नागभरना के साथ काम किया। कई फिल्म स्कूल जैसे एफटीआईआई, एसआरएफटीआई, विशलिंग वुड्स और एलवी प्रसाद एकेडमी में विजिटिंग फैक्ल्टी के तौर पर सेवाएं दी है। यह नई पीढी के फिल्मकारों और सिनेमेटोग्राफरों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से बंगलुरू में डिजिटल सिनेमा के लिए लेस अकादमी चलाते हैं।

G.S. Bhaskar is the two-time winner of the Karnataka State Award for Best Cinematography in 1997 and 2012. A graduate of the Film & Television Institute of India (FTII), he further trained under the renowned cinematographer A.K. Bir beginning with Sir Richard Attenborough's 'Gandhi' (1982). He has worked with some of the finest filmmakers such as M.S. Sathyu, Sai Paranjpye, Girish Karnad, B.V. Karanth, Girish Kasaravalli, P. Sheshadri and T.S. Nagabharana. He has also served as the visiting faculty in many film schools such as FTII, SRFTI, Whistling Woods and LV Prasad Academy. He runs LACE Academy for Digital Cinema in Bengaluru to impart training to the next-gen filmmakers and cinematographers.

के. जी . दास (सदस्य) K.G. Das (Member)

के. जी . दास भारत सरकार के फिल्म डिविजन के पूर्व निदेशक हैं। इन्होंनें 4 बंगाली फीचर फिल्मों और 42 वृत्तचित्रों के लिए लेखन और निर्देशन किया है। इन्हें दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, तीन बार बंगाली फिल्म पत्रकारिता अवार्ड और अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रीय अवार्ड हासिल हो चुके हैं। इनकी फिल्म दो बार भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के पैनोरमा खंड में प्रदर्शित की जा चुकी है। इसके अलावा इनकी फिल्में दुनियाभर के करीब 45 फिल्म महोत्सव मे जा चुकी है।

K.G. Das is a former director of Films Division, Govt. of India. He has scripted and directed four Bengali feature films and 42 documentaries. For his films, he has received two National Film Awards, three Bengal Film Journalist Awards (BFJA), and other prestigious regional awards. His films have been screened twice in the Indian Panorama section of the International Film Festival of India. Besides, his films have also travelled to over 45 international film festivals around the world.

प्रांजना दत्ता (सदस्य) Pranjana Dutta (Member)

प्रांजना दत्ता असम के एक चर्चित टीवी, सिनेमा और रंगमंच अभिनेत्री हैं। जिन्हें अपने 24 साल के सफर में कई बार सराहना और सम्मान हासिल हो चुका है। यह एक समाजसेवी और सत्रिय एवं बिहु नर्तकी हैं। इनके हुनर की बदौलत इन्हें नामी शो में अपने अभिनय का कौशल दिखाने का मौका मिला। एक स्वतंत्र, सशक्त, हुनरमंद और दो लड़कों की एकल पालक प्रांजना अपने जगत के अन्य लोगों के लिए एक मिसाल हैं।

Pranjana Dutta is a popular TV, cinema and theatre actor of Assam, who has received many awards and accolades in her 24 years of acting career. She is also a social worker and a Sattriya and Bihu dancer. Her talent opened doors for her to act in several renowned shows. An independent, strong, skilful and single parent of two adorable sons, she has set the standards high for everyone in the business.

श्रीकात गौतम (सदस्य) Srikant Gautam (Member)

श्रीकात गौतम एक अभिनेता, निर्देशक, गीतकार, और कहानी–पटकथा–संवाद लेखक हैं। इन्होंनें उडिया भाषा में ऑडियो–वीडियो एल्बम, टेलिफिल्म, टीवी सीरियल और फीचर फिल्म का निर्माण किया है। इन्होंनें अपने सफर की शुरूआत बतौर बाल कलाकार की। आगे चलकर इन्होंनें अपने काम में निर्देशन और लेखन के हुनर को भी जोड़ा। इन्हें 1990 से ही एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी शख्स के तौर पर जाना जाता है। इन्हें लेखन के लिए स्टेट फिल्म अवार्ड मिल चुका है। इसके अलावा इनके अन्य रचनात्मक प्रदर्शनों के लिए इन्हें कई प्रमाणपत्रऔर सम्मान प्रदान किए गए हैं।

Srikant Gautam is an actor, director, lyricist, and story-screenplay-dialogue writer. He has produced audio-video albums, telefilms, TV serials, and feature films in the Odia language. He started his career as a child artist and grew up to be a performer. In the meanwhile, he added writing and direction to his portfolio. He is a popular multi-talented name in Odisha since 1990. He has received the state film award for writing, besides many more honours and certificates for his various creative performances.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | उत्तर पैनल
FEATURE FILMS JURY | NORTH PANEL

ए. कार्तिकराजा (अध्यक्ष) A. Karthikraaja (Chairperson)

ए. कार्तिकराजा एक विख्यात सिनेमेटोग्राफर है इन्होंने नामचीन निर्देशकों जैसे के.भाग्यराज, आर.वी.उदय कुमार, धारणी (रमणी), मनोज कुमार, रतनकुमार, और शंकर सुरेश के साथ कई तमिल फिल्मों में काम किया। चैन्नई के आदयार फिल्म संस्थान से 1977–80 के स्नातक कार्तिकराजा के फिल्म सफर में, चिन्ना गौंउंदर (1991), एजामन, वान्जा गिरिजा, रेत्तई जादइ वायासु, ओरु ऊला, ओरी राजकुमारी, एधिरम पुधिरम, वानविल, राज्यम, आई लव यू डू, थुनाई मुधलवार और इनायाथलम जैसी फिल्में शामिल हैं।

A. Karthikraaja is a well-known cinematographer who has worked in several Tamil films with reputed directors such as K. Bhagyaraj, R.V. Udhaya Kumar, Dharani (aka Ramani), Manoj Kumar, Rathnakumar, and Sankar-Suresh. A 1977-80 batch student of Adayar Film Institute in Chennai, some of his popular films include 'Chinna Gounder' (1991), 'Ejaman' (1993), 'Vanaja Girija' (1994), 'Rettai Jadai Vayasu' (1997), 'Oru Oolaa Oru Rajakumari' (1995), 'Edhirum Pudhirum' (1999), 'Vaanavil' (2000), 'Raajiiyam' (2002), 'I Love You Do' (2002), 'Thunai Mudhalvar' (2015), and 'Inayathalam' (2017).

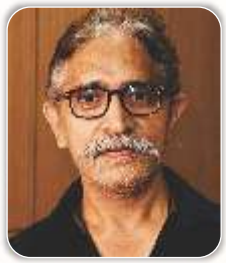

अरविंद सिंह (सदस्य) Arvind Singh (Member)

अरविंद सिंह ने भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान, पुणे से 1996 में सिनेमेटोग्राफी में स्नातक करने से पहले 1993 में बनारस हिंदु विश्वविद्यालय से मास कम्यूनिकेशन में अध्ययन किया। इसके बाद इन्होंनें फिल्म उद्योग में अपने कदम रखे, इनके किए कामों कुछ बेहतरीन रचनाएं जैसे, स्पेशल ओप्स, साइलेंस, बंदो में था दम, और सीक्रेट्स ऑफ दि कोहिनूर शामिल है। इन्होंनें अपने वक्त के बेहतरीन निर्देशक जैसे नीरज पांडे और अबन देओहंस के साथ काम किया है। इसके अलावा इन्होंनें कुछ कमर्शियल और म्यूजिक वीडियों के लिए भी काम किया है। यह लोड्ज और ऑग्सबर्गर फिल्म महोत्सव में भी हिस्सा ले चुके हैं।

Arvind Singh studied Mass Communication at Benaras Hindu University (BHU) in 1993, before graduating from the Film and Television Institute of India (FTII), Pune with a specialisation in Cinematography in 1996. Thereafter, he joined the industry and worked on some notable work including 'Special Ops' (2020), 'Silence' (2021), 'Bandon Mein Tha Dum!' (2022), and 'Secrets of Kohinoor' (2022). During these, he worked with some notable directors such as Neeraj Pandey and Aban Deohans. He has also worked on a few commercials and music videos. He has participated in the Lodz and Augsburg film festivals.

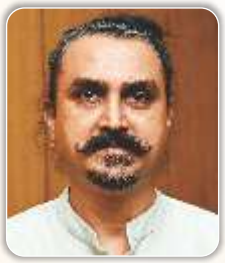

भरत दिलीप शितोले (सदस्य) Bharatt Dilip Shitole (Member)

भरत दिलीप शितोले पिछले 23 सालों से भारतीय मनोरंजन उदयोग का हिस्सा हैं। इन्हें अपने वृत्तचित्र, इंडियन आर्म्स एंड आर्मर्स के लिए 2015 के 20वें अखिल भारतीय बाल शिक्षा ऑडियो वीडियो फेस्टिविल में राष्ट्रीय एनसीईआरटी सम्मान प्राप्त हो चुका है। इन्होंनें सिनेमा, एनिमेशन फिल्म, विज्ञापन, वृत्तचित्र, विज्ञान फिल्मों केलिए काम किया है। यह केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड मुंबई के सदस्य और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पैनल में शामिल बाहरी विशेषज्ञ हैं. उन्होंने विज्ञान प्रसार की विज्ञान फिल्म कार्यशालाओं और संगोष्ठियों की अध्यक्षता की है और अंतर्राष्ट्रीय एनीमेशन फिल्म समारोहों में भाग लिया है। वर्तमान में, वह कुछ हिंदी फीचर फिल्मों पर काम कर रहे हैं, जिनमें से एक आदिपुरुष, महाकाव्य रामायण पर आधारित है।

Bharatt Dilip Shitole has been a part of the Indian entertainment industry for over 23 years. He won a national NCERT award for his documentary 'Indian Arms and Armours' at the 20th All India Children's Educational Audio Video Festival (AICEAVF) in 2015. His work revolves around cinema, animation films, ads, documentaries, science films, etc. He is an advisory panel member of CBFC, Mumbai, and an empanelled external expert with the Indian Space Research Organisation (ISRO). He has presided over Vigyan Prasar's science film workshops and seminars and participated in international animation film festivals. Presently, he is working on a few Hindi feature films including Adipurush, based on the epic Ramayan, as its Concept Head.

कोपिल बोरा (सदस्य) Kopil Bora (Member)

कोपिल बोरा असम के रंगमंच और फिल्म अभिनेता हैं। इन्होंने असमिया फिल्म 'द्वार' (2012) के लिए पहले फिल्मफेयर ईस्ट अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। करीब 50 से अधिक नाटकों में अभिनय करने के बाद इन्होंनें विद्युद चक्रवर्ती की असमिया फिल्म 'गन गन जाने जाने' के साथ फिल्मी सफर की शुरुआत की। इसके बाद इन्होंनें 'सोम', 'अस्ता राग', 'कादंबरी', 'बिधाता', 'अहीर भैरव', 'जीवन बटोर लोगोरी', 'जेतुका पाटोर दोरे', 'राग', जाहु बरुआ की 'अजेयो' जैसी हिट फिल्मों में अभिनय किया। इसके अलावा कोथनोडी', 'मोरिसिका', 'प्रोथोम प्रेम' और 'दैट गस्टी मॉर्निंग' आदि फिल्मे भी शामिल हैं। वृत्तचित्रों के निर्माण निर्देशन, रेडियो नाटक कलाकार होने के साथ इन्होंनें टीवी पर भी अपनी कला के जौहर दिखाए।

Kopil Bora is a theatre and film actor from Assam. He won the Best Actor Award in the first ever Filmfare East Awards for the Assamese film Bidyut Chakravarty's 'Dwaar' (2012). He began as a stage actor in the Cotton College in 1997, and went on to act in over 50 plays before making his debut with Bidyut Chakraborty's Assamese film 'Gun Gun Gaane Gaane'. It was followed by hits like 'Mon', 'AstaRaag', 'Kadambari', 'Bidhata', 'Aahir Bhairav', 'Jiwan Bator Logori', 'Jetuka Pator Dore', 'Raag', Jahnu Barua's 'Ajeyo', 'Kothanodi', 'Morisika', 'Prothom Prem' and 'That Gusty Morning', etc. He has also produced and directed documentaries, been a radio drama artist, acted in numerous TV serials and hosted popular TV shows.

विनोद अनुपम (सदस्य) Vinod Anupam (Member)

विनोद अनुपम फिल्म एवं कला समीक्षक हैं इन्हें 2002 मे सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। यह 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के निर्णायक मंडल के सदस्य रहे हैं; इसके अलावा नवाचार समिति, भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय संग्रहालय के सदस्य, पूर्व सचिव और सदस्य, बिहार संगीत नाटक अकादमी भी रह चुके हैं। इन्हें 1988 में सर्वश्रेष्ठ युवा लेखक का राज्य पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। इन्होंने दूरदर्शन और बिहार सरकार के लिए फिल्मों, धारावाहिकों और वृत्तचित्रों के लिए एक पटकथा लेखक के रूप में काम किया है। इसके अलावा इन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित प्रकाशनों के लिए पुरस्कार विजेता कॉलम भी लिखे और संपादित किए हैं।

Vinod Anupam is a film and art critic. He won the National Film Award for the Best Film Critic in 2002. He has been a jury member, 65th National Film Award; member, Innovation Committee, National Museum of Indian Cinema; former secretary and member, Bihar Sangeet Natak Akademi. He did his M.A. (Hindi) and also attended a Film Appreciation course from FTII, Pune. He won a state award for best youth writer in 1988. He has worked as a scriptwriter for films, serials and documentaries for Doordarshan and Govt. of Bihar. He has also written and edited award-winning columns for various eminent publications.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | दक्षिण - I पैनल
FEATURE FILMS JURY | SOUTH-1 PANEL

रवि शंकर खेमू (अध्यक्ष) Ravi Shankar Kemmu (Chairperson)

रवि शंकर खेमू का फिल्मों, टेलिविजन, और रंगमंच से नाता निर्देशक, लेखक, अभिनेता और निर्माता के तौर पर रहा। इन्होंनें अपने फिल्मी सफर की शुरुआत 1982 में मलयालम फिल्म फुटबॉल से बतौर अभिनेता की, कश्मीर विश्वविद्यालया और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक करने के बाद इन्होंनें संगीत नाटक अकादमी की फैलोशिप पर भारत के नाट्य कला के रूप का अध्ययन किया। यह श्याम बेनेगल की कई फिल्म और टेलिविजन प्रोड्क्शन में उनके असोसियेट डायरेक्टर रहे। इन्होंनें कई नाटक, लघु फिल्म, वृत्तचित्र और टीवी सीरिज का निर्माण और निर्देशन किया। इन्होंनें हिंदी फिल्म जैसे राजनीति, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, जुनूनियत आदि में भी काम किया। यह मार्तंड मूवीज के मालिक और सिनेमाया मीडिया इंडिया के पूर्व निदेशक भी हैं।

Ravi Shankar Kemmu has been associated with films, theatre and television as a director, writer, actor and producer. He started his career as an actor in the Malayalam film 'Football' in 1982. After graduating from Kashmir University and the National School of Drama, he studied theatrical art forms of India on a fellowship of Sangeet Natak Akademi. He was an associate director for Shyam Benegal for his many films and television productions. He has directed and produced many theatrical productions, short films, documentaries and TV series. He has also acted in Bollywood films like 'Raajneeti', 'Zindagee Na Milegee Dobara', 'Janooniyat', etc. He is also the proprietor of Martand Movies and ex-director of Cinemaya Media India.

अनुपमा सुब्रमण्यम (सदस्य) Anupama Subramaniam (Member)

अनुपमा सुब्रमण्यम अनुपमा सुब्रमण्यम पिछले तीन दशकों से ज्यादा वक्त तक मनोरंजन पत्रकार रही हैं। इस दौरान इन्हें मीडिया की सभी विधाओं में काम किया. वर्तमान में यह डेक्कन क्रॉनिकल के चैन्नई संस्करण की मनोरंजन संपादक हैं। बतौर फिल्म समीक्षक इन्होंनें अखबार के लिए करीब 3500 फिल्मों की समीक्षा की है। इन्होंनें म्यूजिक कंपनी एचएमवी की वेबसाईट के लिए साक्षात्कार पर आधारित 100 से ज्यादा एपिसोड किए हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम यह ज़ी तमिल टीवी चैनल के लिए भी कर चुकी हैं। इन्होंने नॉर्वे ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन 'एनआरके' के साथ भी काम किया है, जहाँ उन्होंने फुल–लेंथ डॉक्यूमेंट्री 'फॉरगॉटन कॉलोनीज़ ऑफ़ ट्रैंक्यूबर' और 'लविंग पूना' नामक एक टेली–फ़िल्म की पटकथा और समन्वय किया है।

Anupama Subramaniam has been an entertainment journalist for over three decades, with experience across print, television, and online media. Currently, she is the Entertainment Editor of Deccan Chronicle's Chennai edition. As a film critic, she has reviewed about 3500 Tamil films for the newspaper. She made over 100 interview-based episodes for the music company HMV's website, and a similar program for Zee Tamizh TV channel as well. She has also worked with 'NRK', the Norwegian Broadcasting Corporation, where she scripted and coordinated the full-length documentary 'Forgotten Colonies of Tranquebar' and a tele-film titled, 'Loving Poona'.

प्रमोद प्रताप पुर्सवाने (सदस्य) Pramod Pratap Purswane (Member)

प्रमोद प्रताप पुर्सवाने 59वे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अपनी नॉन फीचर फिल्म, एंड वी प्ले ऑन के लिए स्वर्ण कमल से सम्मानित हो चुके हैं। यह मुख्यतौर पर टीवी कंटेट पर काम करते हैं। यह सामाजिक मुद्दों से जुड़े फिल्मी विषयों के शोध, लेखन, निर्माण और निर्देशन में भी शामिल रहते हैं। मुंबई विश्वविद्यालय से इतिहास के छात्र और कानून में स्नातोकोत्तर करने के साथ इन्होंनें विज्ञापन में डिप्लोमा भी किया है।

Pramod Pratap Purswane was awarded the Swarna Kamal for the Best Non-Feature Film titled 'And We Play On' in the 59th National Film Awards. He has worked extensively in creating television content. He has also been involved in researching, writing, producing and directing films on topics of social relevance. A student of history and a post-graduate in law from Mumbai University, he also has a diploma in advertising.

सजीव पुज़हूर (सदस्य) Sajeev Pazhoor (Member)

सजीव पुज़हूर मलयालम सिनेमा के पटकथा लेखक और निर्देशक हैं। इन्होंने दिलीश पोथन की 'थोंडीमुथलम द्रिक्सक्षियम' (2017) से एक पटकथा लेखक के रूप में अपनी पहचान बनाई, जिसकी बदौलत इन्होंनें राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार जीत. इन्होंनें मलयालम फिल्म उद्योग में 'स्वपनम' (2013) से अपनी शुरुआत की, जिसे शाजी एन. करुण ने निर्देशित किया था। इन्होंनें मलयालम में कई फिल्मों की पटकथा लिखी है और 80 से अधिक वृत्तचित्र फिल्मों का निर्देशन भी किया है, जिनमें से दो ने राज्य पुरस्कार भी जीता है।

Sajeev Pazhoor is a screenwriter and director in Malayalam cinema. He made a mark as a screenwriter with Dileesh Pothan's 'Thondimuthalum Driksakshiyum' (2017), which won him national and state awards. He made his debut in the Malayalam film industry through 'Swapaanam' (2013), which was directed by Shaji N. Karun. He has written scripts for many movies in Malayalam and also directed more than 80 documentary films, two of which won the state award.

विष्णु मोहन (सदस्य) Vishnu Mohan (Member)

विष्णु मोहन पटकथा लेखक और निर्देशक हैं। इन्होंनें मलयालम फिल्म मेप्पादियां से अपने निर्देशन की शुरूआत की। यह पहली मलयालम फिल्म थी जो दुबई के एक्सपो 2020 में प्रदर्शित की गई। इन्होंनें मोहनलाल अभिनीत देशभक्ति नाटक 'अमर जवान, अमर भारत' (2017) का भी निर्देशन किया, जो उरी हमले की पृष्ठभूमि पर आधारित था। इन्होंने टीवी विज्ञापनों और प्रचार वीडियो को भी लिखा और निर्देशित किया है और कई कॉर्पोरेट वृत्तचित्रों पर भी काम किया है। इन्हें बंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक के लिए जेसी डेनियल फाउंडेशन पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले हैं।

Vishnu Mohan is a director and scriptwriter from Kerala. He made his directorial debut with the hit Malayalam film 'Meppadiyan'. It was also the first Malayalam film to be shown at Expo 2020 in Dubai. He also directed the patriotic drama 'Amar Jawan, Amar Bharath' (2017), starring Mohanlal, which was set against the backdrop of the Uri Attack. He has also written and directed TV commercials and promotional videos and has also worked on many corporate documentaries. He has received many honours, including the Best Film Award at the Bengaluru International Film Festival and the JC Danial Foundation Award for the Best Debut Director.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | दक्षिण - II पैनल
FEATURE FILMS JURY | SOUTH-II PANEL

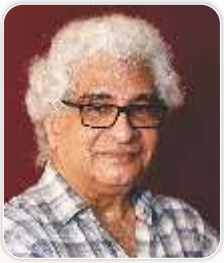

धरम गुलाटी (अध्यक्ष) Dharam Gulati (Chairperson)

धरम गुलाटी एफटीआईआई के पूर्व छात्र रहे धर्म गुलाटी ने फिल्म, विज्ञापन और टीवी उद्योग में एक सिनेमेटोग्राफर, निर्देशक और निर्माता के रूप में 30 से अधिक वर्षों तक काम किया है। अपने फिल्मी सफर में इन्होंने रमेश सिप्पी, विधु विनोद चोपड़ा, केतन मेहता, पंकज पाराशर, कल्पना लाजमी और स्वर्गीय विजय तेंदुलकर जैसे फिल्म निर्माताओं के साथ काम किया है। यह इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स (एशियाई क्षेत्र), राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय चयन समिति), इंडियन टेली अवार्ड्स, आईडीपीए अवार्ड्स और आईटीए के निर्णायक मंडल में रहे हैं। यह एफटीआईआई के पूर्व छात्र संघ का प्रबंधन भी कर रहे हैं और एफटीआईआई की अकादमिक परिषद और तकनीकी सलाहकार समिति में रहे हैं।

Dharam Gulati an alumnus of FTII, has worked in the film, advertising and TV industry for over 30 years as a cinematographer, director and producer. He has worked with filmmakers like Ramesh Sippy, Vidhu Vinod Chopra, Ketan Mehta, Pankuj Parashar, Kalpana Lajmi and the Late Vijay Tendulkar. He has been on the jury of International Emmy Awards (Asian Region), National Film Awards, Mumbai International Film Festival (Chairman International Selection Committee), Indian Telly Awards, IDPA Awards and ITA. He has also been managing the Alumni Association of FTII (GreFTII). He has been on the Academic Council and Technical Advisory Committee of FTII.

जॉयदीप घोष (सदस्य) Joydeep Ghosh (Member)

जॉयदीप घोष जॉयदीप घोष एक वृत्तचित्र और लघु फिक्शन फिल्मकार और भारतीय स्वतंत्र सिनेमा आंदोलन के हिस्से रहे हैं। भारतीय फिल्म एवं टीवी संस्थान,पुणे से स्नातक जॉयदीप ने भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के द्वारा निर्मित कई सारे वृत्तचित्र और फिल्म बनाई हैं। यह भारत में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य रहे हैं, जैसे कि भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी), बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, आदि।

Joydeep Ghosh has been a part of the Indian independent cinema movement and is a documentary and short fiction filmmaker. A graduate of the Film and TV Institute of India (FTII), Pune, he has made quite many documentaries and a feature film produced by the National Film Development Corporation of India (NFDC). He has been a jury member for various international film festivals in India namely the International Film Festival of India (IFFI), Bengalore International Film Festival, Kolkata International Film Festival, etc.

नागराज कोटे (सदस्य) Nagaraja Kote (Member)

नागराज कोटे नागराज कोटे कन्नड़ के स्टैंडअप कॉमेडियन, फिल्मकार और लेखक हैं। इन्होंने 1980 में रंगमंच से सफर की शुरूआत की और आगे चलकर करीब 100 से ज्यादा नाटकों का निर्देशन किया। इनकी स्टैंडअप कॉमेडी, नागेलोका के 5000 से ज्यादा शो हो चुके हैं और यह पूरे कर्नाटक में हिट रहा है। 2005 में एक पेड़ के ऊपर प्रदर्शित इनका नाटक 'नेले' लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हो चुका है। रंगमंच के प्रति उनका जुनून टीवी धारावाहिकों और फिर फिल्मों तक बढ़ा, इन्होंने कन्नड़ फिल्म 'बनदी' का निर्देशन किया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव 2015, हैदराबाद में 'सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म पुरस्कार' और 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्म' के लिए 2016 का राज्य पुरस्कार जीता। 2010 में, कर्नाटक सरकार ने उन्हें 'राज्योत्सव पुरस्कार' प्रदान किया। **Nagaraja Kote** is a Kannada standup comedian, filmmaker and writer. He started with theatre in 1980 and has since then directed more than 100 theatre dramas. His standup comedy 'Nageloka' crossed 5000 shows and has been a hit all over Karnataka. His play 'Nele', performed atop a tree in 2005, got into the Limca book of Records. His passion for theatre extended to TV serials, and then to films. He directed the Kannada film 'Banaadi' which won the 2016 State Award for 'Best Children Film Award' and the 'Best Indian Film' at the International Children's Film Festival 2015, Hyderabad. In 2010, the Karnataka Government bestowed the 'Rajyotsava Award' on him.

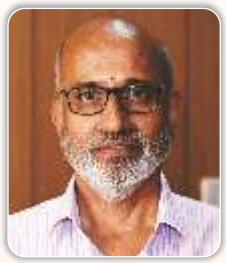

आर. मंजुनाथ (सदस्य) R. Manjunath (Member)

आर. मंजुनाथ कर्नाटक के चर्चित फिल्म एंव टेलिविजन जगत के सिनेमेटोग्राफर हैं। इन्हें 1994–95 में आरागिनि फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफर का कर्नाटक राज्य पुरस्कार प्राप्त हुआ। 1975–76 में सिनेमेटोग्राफिक टेक्नोलॉजी से डिप्लोमा करने के बाद इन्होंने लब्धप्रतिष्ठित सिनेमेटोग्राफर जैसे डी.वी. राजाराम, एन.जी राव और वी. रघुनाथन के सहायक के तौर पर काम किया। कन्नड़ फिल्म मिथिलेया सीथेयारु से इन्होंने स्वतंत्र रूप से सिनेमेटोग्राफर का काम संभाला। इन्होंने दो राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म, जंबो सावारी और हाराकेया कुरी सहित दर्जनों पुरस्कार प्राप्त फिल्मों के लिए भी सिनेमेटोग्राफी की। यह कर्नाटक राज्य पुरस्कार समीति और बंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निर्णायक मंडल के सदस्य रह चुके हैं। यह केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पैनल सदस्य भी हैं।

R. Manjunath is a well-known film and television show cinematographer from Karnataka. He won the Karnataka State Film Award for Best Cinematographer for 'Aragini' in 1994-95. After getting a diploma in Cinematographic Technology in 1975-76, he assisted well-known cinematographers such as D.V. Rajaram, N.G. Rao and V. Raghunathan. He became an independent cinematographer with the Kannada movie 'Mithileya Seetheyaru' (1988). He has worked on two National Award-winning films – 'Jamboo Savari' (1989) and 'Harakeya Kuri' (1992) – and over a dozen state award-winning films. He's been a jury member of Karnataka State Film Award Committee (2010 -2011) and the Bengaluru International Film Festival (2020). He is a Panel Member of the Central Board of Film Certification (CBFC) from 2021.

तेजस धनराज (सदस्य) Tejas Dhhanraj (Member)

तेजस धनराज पटकथा लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं इन्होंने भारत की विभिन्न भाषाओं जैसे हिंदी, मराठी, तेलुगु, कन्नड़ आदि के लिए फिल्म और सीरिज पर काम किया है। इन्होंने प्रभुदेवा अभीनीत तापन्ना से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा. इन्होंने कई फिल्मों, टीवी शो और वेब सीरीज के लिए कहानी और पटकथा लेखन, निर्माण और निर्देशन किया। इनकी कुछ फिल्मों में ऑपरेशन परिंदे, नाटासार्वभौउमा(कन्नड़) और अदभूत (मराठी) शामिल हैं। इन्हें टेलीविजन क्षेत्र में इनके योगदान के लिए 6 बार राज्य सरकार से सम्मान प्राप्त हो चुका है। इनकी अन्य रचनाओं में तेलुग क्राइम थ्रिलर, कितिकी (36 एपिसोड), अद्दुगोदालु, तारासौराभालु, डॉ कोंडापल्ली शेषाग्रि राव– दि पैंटर और लघु फिल्म प्रोटेक्ट गर्ल चाइल्ड(प्रसार भारती–यूनिसेफ अवार्ड विजेता) भी शामिल है।

Tejas Dhhanraj is a screenwriter, director and producer who has worked in films and series of different Indian languages such as Hindi, Marathi, Telugu, Kannada, etc. He made his debut with 'Tapana' (2004), starring Prabhu Deva. He has written stories and screenplays and produced and directed many films, TV shows and web series. Some of his films include 'Operation Parindey' (2020); 'Natasaarvabhouma' (Kannada, 2019), and 'Adbhoot' (Marathi, 2020). He has won six state government awards for his television work. His other works include a 36-episode Telugu crime thriller 'Kitiki', ''Addugodalu', 'Tarasourabhalu', 'Dr Kondapalli Sheshgiri Rao-The Painter' and the short film 'Protect Girl Child' (winner of the Prasar Bharti-Unicef Award).

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | पश्चिम पैनल
FEATURE FILMS JURY | WEST PANEL

श्रीलेखा मुखर्जी (अध्यक्ष) Sreelekha Mukherji (Chairperson)

श्रीलेखा मुखर्जी एक प्रसिद्ध बंगाली अभिनेत्री और फिल्मकार हैं। इन्हें 1990 में पारासुरामेर कुठार फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ। इनकी पहली अभीनीत फिल्म का निर्देशन स्व. नब्येन्दु चट्टोपाध्याय ने किया था। बतौर अभिनेत्री इनकी फिल्मों में कालकोख्खो, शिल्पी, चिरोशोखा हे, लाज, द्वितियो पोक्खो, एला–र चार ओध्योय शामिल हैं। रबिन्द्र भारती वि.वि से शास्त्रीय संगीत में स्नातोकोत्तर कर चुकी श्रीलेखा ने कुछ डॉक्यूफीचर और टेलीफिल्म का निर्देशन भी किया है, और कई नाटकों, फीचर फिल्म और टेलिफिल्म के लिए पार्श्वसंगीत भी तैयार किया।

Sreelekha Mukherji is a well-known Bengali actor and filmmaker. She won the National Film Award for Best Actress in 1990 for 'Parasuramer Kuthar', her debut film directed by the Late Nabyendu Chattopadhyay. Her other films an actor include 'Shilpi', 'Chiroshokha He', 'Laaj', 'Dwitiyo Pokkho', 'Ela-r Chaar Odhyay', and 'Kaalkokkho'. A Master's degree holder in Classical Music from Rabindra Bharati University, she has directed a few docu-features and telefilms and has composed background music for several plays, feature films and telefilms.

अभिषेक शाह (सदस्य) Abhishek Shah (Member)

अभिषेक शाह अभिषेक शाक लेखक, निर्देशक और हेल्लारो फिल्म के सह–निर्माता है, यह फिल्म गुजरात की पहली सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाली फिल्म है। इसी फिल्म के लिए, इन्हें भारत के 50 वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता खंड में सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक के रूप में 'विशेष उल्लेख' और महात्मा गांधी एफ्रो एशियन फिल्म अवार्ड में 'बेस्ट डेब्यू अवार्ड' भी मिला। इन्होंने FIPRESCI & INDIA का ग्रां प्री 2019 पुरस्कार भी जीता। यह दो दशकों से मुख्यधारा के रंगमंच में लेखक, निर्देशक और अभिनेता रहे हैं। इसके साथ ही गुजराती फिल्मों के लिए कास्टिंग डायरेक्टर भी रहे हैं और टीवी विज्ञापनों और प्रोमो फिल्मों से जुड़े रहे हैं।

Abhishek Shah is the writer, director, and co-producer of 'Hellaro' (2019), the first-ever Gujarati film to win the National Award for Best Feature Film. For the film, he also received 'Special Mention' as a Best Debut Director in the International Competition section at the 50th International Film Festival of India and 'Best Debut Award' at the Mahatma Gandhi Afro Asian Film Award. It also won the Grand Prix 2019 Award of FIPRESCI-INDIA. He has been a writer, director, and actor in mainstream theatre for two decades. He has also been a casting director for Gujarati films and has been associated with TV commercials and promo films.

नीलाभ कौल (सदस्य) Neelabh Kaul (Member)

नीलाभ कौल एफटीआईआई पुणे के पूर्व छात्र नीलाभ कौल प्रशिक्षित सिनेमेटोग्राफर और जुनूनी फिल्मकार हैं। इन्होंने लघु फिल्मों और वृत्तचित्रों से लेकर टेलीविजन और विज्ञापनों तक, समानांतर सिनेमा से मुख्यधारा के बॉलीवुड तक तमाम परियोजनाओं पर काम किया है। सिनेमेटोग्राफर के तौर पर इनकी फीचर फिल्मों में 'तारा', 'आभास', 'छल', 'जानशीन', 'आर्यन', किसान, 'लाहौर', 'जीना है तो ठोक डाल', 'भाजी इन प्रॉब्लम' और 'पटेल की पंजाबी शादी' शामिल हैं। उनकी कुछ अन्य उल्लेखनीय कृतियों में 'कश्मीर फाइल' (निर्देशक / छायाकार के रूप में), 'टर्निंग पॉइंट' (इसने यूनेस्को, पेरिस, स्पेन और तिरुवनंतपुरम में पुरस्कार जीते) और 'कोल 2001: एन इंडियन सिनेरियो' (ह्यूस्टन ऊर्जा सम्मेलन में आधिकारिक भारतीय प्रविष्टि) जैसी वृत्तचित्र शामिल हैं।

Neelabh Kaul, an alumnus of FTII Pune, is a cinematographer by training and a filmmaker by passion. He has worked on a range of projects – from short films and documentaries to television and commercials to parallel cinema and mainstream Bollywood. His feature films as cinematographer include 'Tara' (1992), 'Abhaas' (1997), 'Chhal' (2002), 'Janasheen' (2003), 'Aryan' (2006), Kisaan (2009), 'Lahore' (2010), 'Jeena Hai Toh Thok Daal' (2012), 'Bhaji in Problem' (2013) and 'Patel Ki Punjabi Shaadi' (2017). Some of his other notable works include documentaries such as 'Kashmir File' (as director/cinematographer), 'Turning Point' (it won awards in UNESCO, Paris, Spain and Thiruvananthapuram) and 'Coal 2001: An Indian Scenario' (official Indian entry to the Houston Energy Conference).

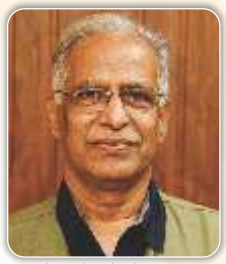

प्रमोद पवार (सदस्य) Pramod Pawar (Member)

प्रमोद पवार प्रमोद पवार मराठी रंगमंच के एक जाने माने अभिनेता और निर्देशक हैं। इन्होंने कई हिंदी फिल्मों में भी अभिनय किया है। यह भारत की कई थियेटर सोसाइट के सदस्य रह चुके हैं। इनके कई एकल अभिनीत नाटक चर्चित रहे हैं। यह सर्वश्रेष्ठ अभिनय और निर्देशन के लिए की बार सम्मानित हो चुके हैं जिसमें, उथावा, काहुर, स्ट्रेंजर, अनामिक, अर्ज मोथा नामि आदि शामिल है। इन्हें आघात फिल्म के लिए महाराष्ट्र सरकार और अन्य कई महोत्सवों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान हासिल हुआ। यह करीब 6000 रंगमंच प्रस्तुति दे चुके हैं जिसमें पुरस्कार विजेता नाटक जैसे, तिलक अणि आगरकर और आर्य चाणक्य शामिल है। इनमें प्रमोद केंद्रीय भूमिका में थे।

Pramod Pawar is a well-known actor-director in Marathi-language theatre. He has also worked in various Hindi films. He has served as a member of many theatre societies in India. He has also worked in many notable One Act plays. He has won best actor and best director awards for his works in 'Uthava', 'Kahur', 'Stranger', 'Anamik', Arj Motha Nami', etc. He received the Best Actor award for the film 'Aaghat' by the Maharashtra Government and other notable honours. He has had about 6000 stage performances, including in award-winning plays such as 'Tilak Ani Agarkar' and 'Arya Chanakya', where he played the central character.

राधेश्याम पिपलवा (सदस्य) Radheshyam Pipalwa (Member)

राधेश्याम पिपलवा राधेश्याम पिपलवा पिछले 24 सालों से बतौर निर्माता, लेखक और निर्देशक फिल्मीजगत से जुड़े हुए हैं। इन्होंने कोंकणी संगीतमय फिल्म 'नचोम–इया कुम्पासर' (2015) का निर्माण किया, जिसने सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फिल्म सहित तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। इसके साथ ही इसे 21 अलग–अलग अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार भी हासिल हुए और और सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल स्कोर के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कारों के लिए शॉर्टलिस्ट भी की गई थी. इनकी निर्देशित पहली फीचर फिल्म 'चिड्डी बल्ला' को 33 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों मिले और यह 2019–20 की सबसे अधिक सम्मानित फिल्मों में से एक रही। इन्होंने 300 से अधिक टीवी विज्ञापनों और एक लघु फिल्म 'वसुंधरा: सेव द मदर अर्थ' का निर्माण किया है, जिसे कान फिल्म समारोह में प्रदर्शित किया गया था।

Radheshyam Pipalwa has been a producer, writer and director in his filmmaking career spanning 24 years. He produced 'Nachom-ia Kumpasar' (2015), a Konkani musical film, which went on to win three National Film Awards including the Best Konkani Film. It also won 21 different international awards and was also one of the shortlisted films for the prestigious Oscars awards for Best Original Score. His directorial debut feature film 'Chiddi Balla' was also one of the most awarded films of 2019-20 including 33 international awards. He has produced over 300 TV commercials and a short film 'Vasundhara: Save the Mother Earth', which was showcased at the Cannes film festival.

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश निर्णायक समिति
FILM FRIENDLY STATE JURY COMMITEE

एस. प्रियदर्शन (अध्यक्ष) S. Priyadarsan (Chairperson)

एस. प्रियदर्शन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक हैं। चार दशक लंबे अपने फिल्मी सफर में, इन्होंनें मलयालम, तमिल, हिंदी और तेलुगु भाषा में करीब 96 फिल्मों का निर्देशन किया. इनकी शुरुआत 1984 में मलयायल सिनेमा से हुई. इनकी फिल्म कांचीवरम (तमिल, 2007) और मरक्कर दृलायन ऑफ दि अरेबियन सी (मलयालम,2019) ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। यह केरल राज्य फिल्म सम्मान भी प्राप्त कर चुके हैं। 2012 में, इन्हें भारत के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म श्री से नवाजा गया। इन्होंनें हिंदी में करीब 29 फिल्मों का निर्देशन (डेविड धवन के बाद दूसरे, सबसे ज्यादा) किया जिसमें, विरासत, हेराफेरी, हंगामा, भूल भुलैया, आदि शामिल हैं। यह 2017 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार निर्णायक मंडल (केंद्रीय) के और इफ्फी 2019 केअध्यक्ष रह चुके हैं। यह 2011–2014 तक केरल राज्य चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष थे। इन्होंनें कई भारतीय और विदेसी ब्रांड की करीब 160 विज्ञापन फिल्में भी बनाई हैं।

S. Priyadarsan is a National Award-winning film director, producer and scriptwriter. In a career spanning over four decades, he has directed more than 96 films in Malayalam, Tamil, Hindi and Telugu languages. He began his career in 1984 in Malayalam cinema. His films 'Kanchivaram' (Tamil, 2007) and 'Marakkar: Lion of the Arabian Sea' (Malayalam, 2019) have won the National Film Awards for Best Feature Film. He has also won many Kerala state film honours. In 2012, he was conferred 'Padma Shri', India's fourth highest civilian award. He has directed 29 Hindi films (second highest, after David Dhawan), including hits like 'Viraasat' (1997), 'Hera Pheri' (2000), 'Hungama' (2003), 'Bhool Bhulaiyaa' (2007), etc. He headed the Central Jury (Feature Films) for the National Film Awards in 2017 and IFFI in 2019. He was the Chairman of Kerala State Chalachithra Academy from 2011-2014. He has also done over 160 ad films for many popular Indian and foreign brands.

जी.पी. विजय कुमार (सदस्य) G.P. Vijay Kumar (Member)

जी.पी. विजय कुमार चैन्नई स्थित फिल्म प्रोडक्शन एवं वितरण कंपनी सेवन आर्ट्स इंटरनेशलन लिमिटेड के संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं। पिछले 35 सालों में, इनकी कंपनी ने मलयालम, तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषा मे करीब 43 फीचर फिल्मों का निर्माण और 75 फिल्मों का वितरण किया है। इनमें से कई फिल्में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी हैं। यह भारतीय फिल्म जगत से विविध रूप से जुड़े हुए हैं, जैसे, निदेशक, केरल राज्य फिल्म विकास निगम, अध्यक्ष, केरल फिल्म चेंबर ऑफ कॉमर्स, उपाध्यक्ष, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2021, निर्णायक मंडल अध्यक्ष (पूर्वी जोन) आदि।

G.P. Vijay Kumar is the Founder and Managing Director of Seven Arts International Limited, a film production and distribution company based in Chennai. In the last 35 years, his company has produced 43 feature films in Malayalam, Tamil, Telugu and Hindi languages and distributed 75 films. Many of these films have won national and regional awards. He has been associated with the Indian film industry in various capacities such as: Director, Kerala State Film Development Corporation; President, Kerala Film Chamber of Commerce; Vice President, Film Federation of India; Jury Chairman (Eastern Zone), National Film Awards 2021; etc.

अमित रविन्द्रनात शर्मा (सदस्य) Amit Ravindernath Sharma (Member)

अमित रविन्द्रनात शर्मा फिल्म निर्देशक, निर्माता, विज्ञापन फिल्मकार, और क्रोम पिक्चर, प्रोडक्शन हाउस के सह–संस्थापक हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म बधाई हो (इसी बैनर के तहत निर्देशित और निर्मित), उस अधेड़ उम्र के जोड़े की समस्या को सामने लाते हैं जो अपने दो जवान बेटो के होने के बाद 51 वर्ष की उम्र में गर्भवती हो जाती है।

उनके कुछ महत्वपूर्ण टीवीसी में पूजा दीदी–फेसबुक, डव स्टॉप दि ब्यूटी टेस्ट, लाइफबॉय–हेल्प ए चाइल्ड रीच फाइव, साइलेंट नेशनल एंथम, गूगल रीयूनियन और कई अन्य शामिल हैं। इनके कामों को प्रतिष्ठित कान्स लायंस, डी एंड एड, स्पाइक्स एशिया, एडफेस्ट, लंदन इंटरनेशनल अवार्ड, एबिस सहित कई अन्य सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनकी अगली फिल्म भारतीय फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम के जीवन पर आधारित है।

Amit Ravindernath Sharma is a film director, producer, ad filmmaker and co-founder of Chrome Pictures, a production house. His National Award-winning feature film 'Badhaai Ho' (directed and produced under his banner), addressed the issues that a middle-aged couple, with two grown-up sons, face when they get pregnant at the age of 51. Some of his groundbreaking TVCs include Pooja Didi-Facebook, Dove #StopTheBeautyTest, Lifebuoy-Help A Child Reach Five, Silent National Anthem, Google Reunion and many more. His works have won the very prestigious Cannes Lions, D&AD, Spikes Asia, Adfest, London International award, Abbys amongst others. His next is a biopic of the Indian football coach Syed Abdul Rahim.

फ़ीचर फ़िल्में
FEATURE FILMS

68वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020
NATIONAL FILM AWARDS 2020

35 मि.मि. या बड़े गेज या डिजिटल प्रारूप में बनी किन्तु फ़िल्म प्रारूप अथवा वीडियो / डिजिटल प्रारूप में जारी किसी भी भारतीय भाषा में बनी और केन्द्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा फ़ीचर या फ़ीचरेट के रूप में प्रमाणीकृत फ़िल्म फ़ीचर फ़िल्म श्रेणी के लिए पात्र है।

Films made in any Indian language, shot on 35 mm or in a wider gauge or digital format but released on a film format or video/digital format and certified by the Central Board of Film Certification as a feature film or featurette are eligible for feature film section.

फ़ीचर फ़िल्में । एक नज़र में

- **सूररई पौत्रु (तमिल)**
  सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म
  सर्वश्रेष्ठ अभिनेता
  सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री
  सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक)
  सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड स्कोर)

  SOORARAI POTTRU (Tamil)
  Best Feature Film
  Best Actor
  Best Actress
  Best Screenplay (Original)
  Best Music Direction (Background Score)

- **मंडेला (तमिल)**
  इंधिरा गाँधी पुरस्कार निर्देशक की
  सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म
  सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद)

  MANDELA (Tamil)
  Indira Gandhi Award for Best Debut Film of a Director
  Best Screenplay (Dialogue)

- **तान्हा जी : द अन्संग वॉरीअर (हिन्दी)**
  लोकप्रिय एवं स्वस्थ मनोरंजन करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
  सर्वश्रेष्ठ अभिनेता
  सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा डिजाइनर

  TANHAJI : THE UNSUNG WARRIOR (Hindi)
  Award for Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment
  Best Actor
  Best Costume Designer

- **फनरल (मराठी)**
  सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

  FUNERAL(Marathi)
  Best Film on Social Issues

- **तलेदंडा (कन्नड़)**
  पर्यावरण संरक्षण / परिरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

  TALEDANDA (Kannada)
  Best Film on Environment Conservation/Preservation

- **सुमी (मराठी)**
  सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म
  सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार

  SUMI (Marathi)
  Best Children's Film
  Best Child Artist

- **एके अय्यप्पनुम कोशियुम (मलयालम)**
  सर्वश्रेष्ठ निर्देशन
  सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता
  सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका
  सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन (स्टन्ट कोरियोग्राफी)

  AK AYYAPPANUM KOSHIYUM (Malayalam)
  Best Direction
  Best Supporting Actor
  Best Female Playback Singer
  Best Action Direction Award (Stunt Choreography)

- **सिवरंजनियुम इन्नुम सिला पेंगल्लुम (तमिल)**
  सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री
  सर्वश्रेष्ठ संपादन
  सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म

  SIVARANJANIYUM INNUM SILA PENGALLUM (Tamil)
  Best Supporting Actress
  Best Editing
  Best Tamil Film

- **टक–टक (मराठी)**
  सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार

  TAK – TAK (Marathi)
  Best Child Artist

- **मी वसंतराव (मराठी)**
  सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक
  सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन(साउंड डिज़ाइनर)

  MI VASANTRAO (Marathi)
  Best Male Playback Singer
  Best Audiography (Sound Designer)

- **अभिजात्रिक (बांग्ला)**
  सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फ़िल्म
  सर्वश्रेष्ठ छायांकन

  AVIJATRIK (Bengali)
  Best Bengali Film
  Best Cinematography

- **डोल्लु (कन्नड़)**
  सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म

  DOLLU (Kannada)
  Best Kannada Film

- **मालिक (मलयालम)**
  सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन (अंतिम मिक्स्ड ट्रैक का पुनः ध्वनि आलेखक)

  MALIK (Malayalam)
  Best Audiography(Re-Recordist of the Final Mixed Track)

FEATURE FILMS | AT A GLANCE

- कप्पेला (मलयालम)
  सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन
  KAPPELA (Malayalam)
  Best Production Design
- नाट्यम (तेलुगु)
  सर्वश्रेष्ठ मेकअप कलाकार
  सर्वश्रेष्ठ नृत्यकला
  NATYAM (Telugu)
  Best Make-up Artist
  Best Choreography
- अल वैकुंठपुर्रमुलो (तेलुगु)
  सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत)
  ALA VAIKUNTHAPURRAMULOO (Telugu)
  Best Music Direction (Songs)
- सायना (हिंदी)
  सर्वश्रेष्ठ गीत
  SAINA (Hindi)
  Best Lyrics
- ब्रिज् (असमिया)
  सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म
  BRIDGE (Assamese)
  Best Assamese Film
- तुलसीदास जूनियर (हिन्दी)
  सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म
  विशेष उल्लेख
  TOOLSIDAS JUNIOR (Hindi)
  Best Hindi Film
  Special Mention
- गोष्ट एका पैठणीची (मराठी)
  सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म
  GOSHTA EKA PAITHANICHI (Marathi)
  Best Marathi Film
- थिन्कलाज्चा निश्चयम
  सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म
  THINKALAZCHA NISHCHAYAM (Malayalam)
  Best Malayalam Film
- कलर फोटो
  सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फ़िल्म
  COLOUR PHOTO (Telugu)
  Best Telugu Film
- दादा लख्मी (हरियाणवी)
  सर्वश्रेष्ठ हरियाणवी फ़िल्म
  DADA LAKHMI (Haryanvi)
  Best Haryanvi Film
- सेमखोर (दिमासा)
  सर्वश्रेष्ठ दिमासा फ़िल्म
  विशेष उल्लेख
  SEMKHOR (Dimasa)
  Best Dimasa Film
  Special Mention
- जीतिगे (तुलु)
  सर्वश्रेष्ठ तुलु फ़िल्म
  JEETIGE (Tulu)
  Best Tulu Film
- वान्कु (मलयालम)
  विशेष उल्लेख
  VAANKU (Malayalam)
  Special Mention
- जून (मराठी)
  विशेष उल्लेख
  JUNE (Marathi)
  Special Mention
- गोदाकाठ (मराठी)
  विशेष उल्लेख
  GODAKAATH (Marathi)
  Special Mention
- अवांछित (मराठी)
  विशेष उल्लेख
  AVWANCHHIT (Marathi)
  Special Mention

सूररई पोत्रु
सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म
Soorarai Pottru | Best Feature Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 2,50,000/-

Tamil | **153 min** | **Director:** Sudha Kongara | **Production Company:** 2D Entertainment Pvt Ltd | **DOP:** Niketh Bommi | **Music**: G.V. Prakash Kumar | **Editor:** Sathish Suriya | **Screenplay:** Shalini Ushadevi, Sudha Kongara | **Art Director:** Jacki | **Sound Design:** Vishnu Govind & Sree Shankar | **Costume Designer:** Poornima Ramasamy | **Cast:** Suriya, Aparna Balamurali, Paresh Rawal, Mohan Babu, Urvashi Karunas, Vivek Prasanna, Krishna Kumar

FEATURE FILMS

कथासार - नेदुमारन राजागंम उर्फ मारा के छोटे से गांव का एक पूर्व भारतीय वायु सेना का अधिकारी है, जिसका सपना है एक ऐसी एयरलाइन शुरू करने का है जिसमें आम आदमी भी उड़ान भर सके। उसे सुंदरी उर्फ बोम्मी जो एक बेकरी चलाती है उससे प्यार हो जाता है और दोनों शादी कर लेते हैं। जब मारा की मुलाकात अपने आदर्श परेश गोस्वामी से होती है, जो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी का मालिक है। तो वह अपना विचार उसके सामने रखता है। लेकिन जब उसे ठुकरा दिया जाता है तो दृढ़ निश्चयी मारा अपनी मां पेची, बोम्मी और अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने मकसद को पूरा करने निकल पडता है।

Synopsis - Nedumaaran Rajangam aka Maara, an ex-Indian Air Force officer from a village in Madurai, dreams of starting an airline company and make the commoners fly. He falls in love with for Sundari aka Bommi, a baker, and marries her. When Maara meets his idol Paresh Goswami, the head of one of the biggest airline companies in the country, he puts forward his ideas to him, only to get rejected. Still, an unperturbed and determined Maara manages to achieve his goal with the support of his mother Pechi, Bommi, and friends.

परिचय

सुधा कोंगारा (Sudha Kongara)

सुधा कोंगारा पटकथा लेखक और फिल्म निर्देशक हैं। इन्होंनें रेवती की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म "मित्र–माय फ्रेंड" से बतौर पटकथा लेखक शुरुआत की, जो तमिल ब्लॉकबस्टर थी और कई भाषाओं में दोबारा बनाई गई। इनकी फिल्म "इरुदू सुत्तुरु" ने 4 फिल्म फेयर अवार्ड और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया है। 'सूररई पौत्रु' को भी अकादमी अवार्ड और गोल्डन ग्लोब अवार्ड में पहचान मिली। ओटीटी पर इनके कामों में नेटफ्लिक्स की "पावा काढाइगलष" में "थंगम खंड" और अमेजन प्राइम के "पुथम पुधु कालाई" में "इल्लामाइ इधोइदो" शामिल है।

Sudha Kongara is a screenplay writer and film director. She started as a screenwriter for Revathi's National Award-winning film 'Mitr: My Friend', and has made Tamil blockbusters which have seen multilingual remakes. Her film 'Irudi Suttru' won four Filmfare awards and a National Award. 'Soorarai Pottru' has also received recognition from the Academy Awards and Golden Globe Awards. On OTT, her works include 'Thangam' segment in Netflix's 'Paava Kadhaigal' and 'Illamai Idhoidho' in Amazon Prime's 'Putham Pudhu Kalai'.

PROFILE

2डी एंटरटेन्मेंट प्रा. लि. (2D Entertainment Pvt Ltd)

2डी एंटरटेन्मेंट प्रा. लि. एक फिल्म प्रोडक्शन कंपनी है जिसके प्रमुख अभिनेता सूर्या शिवकुमार, उनकी पत्नी ज्योतिका सदाना और दोस्त राजशेखार करपूरसुंदरपांदियन हैं। इन्होंनें करीब 15 समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यवसायिक रूप से सफल फिल्मों का निर्माण किया है जिसमें, 'सुररई पोत्रु', '36 वयाधिनिले', 'पोमंगल वन्धाल' और '24' शामिल है। इनका मकसद फिल्मों में सामाजिक रूप से प्रेरक और नवीन कहानियों को लाना है। ताकि दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन और जुड़ाव हो सके।

2D Entertainment Pvt Ltd is a film production company headed by actor Suriya Sivakumar, his wife Jyotika Sadanah, and friend Rajsekar Karpoorasundarapandian. It has produced more than 15 critically-acclaimed and commercially successful films, including 'Jai Bhim', 'Soorarai Pottru', '36 Vayadhinile', 'Ponmagal Vandhal' and '24'. It aims to deliver socially inspiring and innovative stories into movies that entertain and engage billions of audiences around the globe.

प्रशस्ति – देश में कम लागत वाले विमानन उद्योग की शुरुआत करने वाले एक साहसी उद्यमी की यात्रा का उत्कृष्ट चित्रण।

Citation - For an outstanding portrayal of the journey of an adventurous entrepreneur, who heralded the low-cost aviation industry in the country.

मंडेला

निर्देशक की पहली फ़िल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार

Mandela | Indira Gandhi Award for Best Debut Film of a Director

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,25,000/-

Tamil | **143 Min** | **Director:** Madonne Ashwin | **Production Company:** YNOT Studios | **DOP:** Vidhu Ayyanna | **Editor:** Philomin Raj | **Screenplay:** Madonne Ashwin | **Music:** Bharath Shankar | **Lyrics:** Yugabharathi and Arivu | **Cast:** Yogi Babu, Sheela Rajkumar, Sangili Murugan, Mukesh, G.M. Sundar

FEATURE FILMS

कथासार - एक स्थानीय नाई की किस्मत रातों–रात बदल जाती है जब वह गाँव के चुनाव में एक निर्णायक वोट बन जाता है।

Synopsis -A local barber's fate turns overnight when he become the single deciding vote in in an election in his village.

परिचय

मडोन अश्विन (Mandonne Ashwin)

मडोन अश्विन फिल्म निर्देशक हैं जो मुख्यतौर पर तमिल फिल्म उद्योग के लिए काम करते हैं। इन्हें अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'मंडेला' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यह फिल्म, निर्देशक के शिल्प और कहानी कहने की उनकी मजबूत समझ को प्रस्तुत करती है।

Mandonne Ashwin is a film director associated mainly with the Tamil film industry. He has won the National Award for his directorial debut feature 'Mandela'. Having won laurels as a promising upcoming director, this film marks the craft of the filmmaker and his strong sense of storytelling.

PROFILE

वायनॉट स्टूडियोज (Ynot Studios)

वायनॉट स्टूडियोज की स्थापना 2010 में हुई, इसका लक्ष्य कुछ वैकल्पिक बनाने के साथ दर्शकों के अनुभव को अद्भुत बनाना है। इसने दक्षिण भारत के साथ साथ हिंदी फिल्म जगत में भी अपनी पहचान बनाई है। प्रोडक्शन हाउस की कई फिल्मों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर सराहना और सम्मान मिला है।

Founded in 2010, **YNOT Studios** is a production house with a vision to deliver alternative content and at, the same time, making the audience experience wonderful. It is a name to reckon with in South India and most recently, in Hindi film industry as well. Several projects from this production house have been honoured with numerous national and international awards in the past.

प्रशस्ति – प्रजातंत्र में प्रत्येक वोट के मूल्य को मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए।

Citation - For highlighting the value of every single vote in a working democracy in an entertaining manner.

तान्हा जी : द अन्संग वॉरीअर

लोकप्रिय एवं स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Tanhaji: The Unsung Warrior | Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 2,00,000/-

Hindi | **135 Min** | **Director:** Om Raut | **Production Companies:** Ajay Devgn Fflims & Super Cassettes Ind. Pvt. Ltd. | **Writter:** Prakash Kapadia, Om Raut | **Narration:** Sanjay Mishra | **DOP:** Keiko Nakahara | **Editor:** Dharmendra Sharma | **Costume Designer:** Nachiket Barve & Mahesh Sherla | **Cast:** Ajay Devgn, Saif Ali Khan, Kajol, Neha Sharma, Sharad Kelkar

FEATURE FILMS

कथासार - तान्हाजी मालुसरे 17वीं सदी के एक गुमनाम योद्धा थे, जो छत्रपति शिवाजी के सबसे करीबी सहयोगियों और भरोसेमंद सिपाहसलारों में से एक थे। कोंडाना किला जो मराठों का गौरव था उसे उदयभान और उसकी मुगल सेना ने अपने कब्जे में कर लिया था। किले को वापस पाने के लिए तान्हाजी ने मुगलसेना पर गुरिल्ला युद्ध करने की योजना बनाई। मुट्ठी भर मराठा सैनिको के साथ तान्हाजी ने उन पर हमला बोल देते हैं। इस युद्ध में मराठों को कोंडाना किला वापस मिल जाता है, लेकिन वह अपने शेर– बहादुर तान्हाजी को खो देते हैं। तान्हाजी की वीरता आज भी राष्ट्र को गौरवान्वित करती है। उनके जाने से जो खालीपन आया उसे इतिहास में कभी कोई नहीं भर सका।

Synopsis - Tanhaji Malusare was an unsung warrior from the 17th century. One of Chhattrapati Shivaji's most trusted lieutenants, Tanhaji planned a surgical strike against the Mughal army headed by Udaybhan, to get back the Kondana Fort. When the fort, which was the pride of the Marathas, was under the control of Udaybhan and his Mughal army, Tanhaji struck armed only with a handful of Marathas. In the war, the Marathas won the Kondhana Fort, but they lost their Lion – the brave Tanhaji, whose valour still makes the nation proud. He left behind a void that none in history could ever fill.

परिचय | PROFILE

ओम राउत (Om Raut)

ओम राउत हिंदी फिल्मों के लेखक और निर्देशक हैं। इन्होंनें मुंबई से इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग में स्नातक किया और फिर न्यूयॉर्क में सायराक्युज विश्वविद्यालय से सिनेमा में स्नातोकोत्तर किया। इन्होंनें 2015 में पुरस्कार विजेता फिल्म, 'लोकमान्य– एक युग पुरुष' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया। 2016 में इन्होंनें मुंबई के स्वातंत्र्यवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक में विनायक दामोदर सावरकर पर आधारित लाइंट एंड साउंड शो का निर्देशन किया। वर्तमान में वह प्रभास अभिनीत 'आदिपुरुष' का निर्देशन कर रहे हैं।

Om Raut is a Hindi film writer and director. He did his bachelors in Electronic Engineering from Mumbai, and then Masters in Cinema from Syracuse University in New York, United States. He made his directorial debut in 2015 with the award-winning film 'Lokmanya: Ek Yug Purush'. In 2016, he conceived and directed a Light & Sound show based on Vinayak Damodar Savarkar at Swatantryaveer Savarkar Rashtriya Smarak, Mumbai. He is currently filming Prabhas-starrer Adipurush.

अजय देवगन फिल्मस एवं सुपर कैसेट इंडस्ट्रीज प्रा. लि (Ajay Devgn Fflims & Super Cassettes Ind. Pvt. Ltd.)

अजय देवगन फिल्म्स या एडीएफ फिल्म प्रोडक्शन हाउस है जिसकी स्थापना 2000 में सुपरस्टार और फिल्मकार अजय देवगन ने की थी। इस बैनर के तले कई चर्चित फिल्मों जैसे 'राजू चाचा', 'बोल बच्चन', 'सन ऑफ सरदार', 'सिंघम रिटर्न्स', 'शिवाय' और 'तान्हाजी' का निर्माण हो चुका है। एडीएफ की एक वीएफएक्स कंपनी भी है जिसका नाम एनवाय वीएफएक्सवाला है, इसकी शुरूआत 2015 में हुई थी।

सुपर कैसेट इंडस्ट्रीज प्रा. लि–म्यूजिक एवं फिल्म कंपनी है और दुनिया के सबसे बड़े यू ट्यूब चैनल की मालिक भी है। 30 साल पहले शुरू हुई म्यूजिक कंपनी आज एक शानदार फिल्म स्टूडियो में बदल चुकी है, जो हर साल करीब 20–25 फिल्मों का निर्माण करती है।

Ajay Devgn films or ADF is a film production house established in 2000 by superstar and filmmaker Ajay Devgn. The banner has produced popular films such as 'Raju Chacha', 'Bol Bachchan', 'Son of Sardaar', 'Singham Returns', 'Shivaay', and 'Tanhaji'. ADF also has a VFX wing called NY VFXWAALA, started in 2015. Ajay Devgn also runs a multiplex chain called NY Cinemas in North India.

Super Cassettes Ind. Pvt. Ltd. is music and film company and the owner of the largest YouTube Channel in the world. Started off as a music company 30 years ago, Super Cassettes Ind. today has transformed itself into a formidable film studio, producing 20-25 films annually. Some of its films include 'Kabir Singh', 'Tanhaji', 'Ludo', 'Satyameva Jayate', 'Chandigarh Kare Aashiqui', and 'Pati Patni Aur Who'.

प्रशस्ति – 17वीं शताब्दी के एक गुमनाम योद्धा के कारनामों को परदे पर जीवंत करने के लिए, जो नए सिरे से रुचि और देशभक्ति की भावना को जागृत करता है।

Citation - For bringing alive on-screen exploits of an unsung warrior of the 17th century who continues to arouse renewed interest and patriotic fervour.

फनरल

सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Funeral | Best Film on Social Issues

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

Marathi | **125 Min** | **Director:** Vivek Dubey | **Production Company:** Before After Entertainment | **Screenplay:** Ramesh Maruti Dighe | **DOP:** Anurag Solanki | **Editor:** Nilesh Gavanad | **Cast:** Aroh Velankar, Prema Sakhardande, Vijay Kankare.

FEATURE FILMS

कथासार - हीरा एक गरीब परिवार से हैं जो अंतिम संस्कार का काम करता है। फिल्म में हीरा के ज़हन में एक सवाल है कि जब इंसान पैदा होता है तो वह रोता है और दुनिया हंसती है, लेकिन जब वह मरता है तो वह शांत रहता है और पूरी दुनिया रोती है आखिर ऐसा क्यों। दूसरी तरफ वह मृतक के लिए तदनुकूल अंतिम संस्कार की व्यवस्था करता है ताकि परिवार के लोग उसे यादगार तरीके से अलविदा कह सकें।

Synopsis - Heera is a lower-middle class businessman who is into the world of funeral rites and procession. In the film Heera asks an uncanny question: when a human being is born, he cries but the whole world around him is happy. When a human being dies, he is silent and the whole world around him cries. Why is that? Meanwhile, Heera creates customised funeral processions for the dead, through which the families can bid goodbye to the deceased in a memorable way.

परिचय

विवेक दुबे (Vivek Dubey)

विवेक दुबे विज्ञापन एजेंसी में बतौर क्रियेटिव 9 साल काम कर चुके हैं। वह पिछले 4 सालों से खुद के विषय तैयार करके उनपर फिल्म निर्देशन कर रहे हैं।

Vivek Dubey spent nine years working as a creative person in different advertising agencies. He has been directing films and developing his own concepts for the past four years.

PROFILE

बिफोर आफ्टर एंटरटेन्मेंट (Before After Entertainment)

BEFORE AFTER entertainment

बिफोर आफ्टर एंटरटेन्मेंट एक फिल्म प्रोडक्शन कंपनी है जिसकी शुरूआत रमेश मारुति दिघे ने 2010 में की थी। 'फनरल' इनका पहला फिल्म प्रोडक्शन है।

Before After Entertainment is a film production company started in 2010 by Ramesh Maruti Dighe. 'Funeral' is its first film production.

प्रशस्ति – मृत्यु में सम्मान की अहमियत को उजागर करने के लिए।

Citation - For highlighting the value of dignity in death.

तलेदंडा

पर्यावरण संरक्षण / परिरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Taledanda | Best Film on Environment Conservation /Preservation

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

Kannada | **132 Min** | **Director:** Praveen Krupakar | **Production Company:** Kripanidhi Kreations | **Screenplay:** Praveen Krupakar | **DOP:** Ashok Cashyap | **Editor:** B.S. Kemparaju | **Cast:** Sanchari Vijay, Mangala N., Chaitra Achar, Ramesh P

FEATURE FILMS

कथासार - कुन्ना दिव्यांग हैं जिसका पर्यावरण पेड़ पौधों से विशेष लगाव है क्योंकि पिता की मौत के बाद से कुन्ना अपनी मां की छत्र छाया में बड़ा हुआ है, जो वन विभाग की एक नर्सरी में दिहाड़ी मजदूर है। जब गांव को हाइवे से जोड़ने के लिए सरकार एक सड़क निर्माण के लिए मंजूरी देती है, तो स्थानीय विधायक अपनी जमीन बचाने के लिए सड़क योजना में हेरफेर कर देता है जिससे कई पेड़ो को काटना ज़रूरी हो जाता है। कुन्ना पेड़ों के काटे जाने का विरोध करता है, इस प्रक्रिया में उसकी सरकारी अधिकारियों के साथ हाथापाई हो जाती है और उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है। क्या कुन्ना पेड़ों को कटने से रोक पाएगा।

Synopsis - Kunna, a specially-abled person, has an exemplary concern for environment, plants and trees. After his father's demise, Kunna grows up with his mother Kethamma, working as a daily labour in a forest department nursery. When a road gets sanctioned by government to connect the village to the highway, a local MLA manipulates the road plan to safeguard his own land. This results in requirement of felling of many trees. Kunna opposes tree felling, and in the process, he manhandles the government officers and gets arrested. Will Kunna be able to stop the felling of trees?

परिचय

प्रवीण कृपाकर (Praveen Krupakar)

प्रवीण कृपाकर कन्नड़ फिल्म उद्योग के फिल्म निर्देशक, अभिनेता, पटकथा लेखक और निर्माता हैं। इसके साथ ही वह 1996 से मैसूर विश्वविद्यालय में शिक्षक भी हैं।

Praveen Krupakar is a film director, actor, scriptwriter and producer in the Kannada film industry. He has also been a faculty member at the University of Mysore where he has been teaching from 1996.

PROFILE

कृपानिधि क्रियेशन्स (Kripanidhi Kreations)

कृपानिधि क्रियेशन्स की स्थापना 1995 में प्रवीण कृपाकर ने की थी। वह पिछले 34 सालोंसे फिल्म जगत का हिस्सा हैं। इस उद्यम में उनका साथ डॉ (श्रीमति) हेमामालिनी कृपाकर भी हैं जो एक क्लीनिकल सायकोलॉजिस्ट और शिक्षक हैं। इन्होंनें अभी तक विभिन्न सरकारी विभागों के लिए करीब 46 वृत्तचित्र और चैनल्स जैसे दूरदर्शन, डीडी 9 और उडिया टीवी के लिए कई टेलिफिल्म का निर्माण किया है।

Kripanidhi Kreations was founded on in 1995 by Praveen Krupakar, who has been in the film industry for the past 34 years. This venture has been supported by Dr. (Mrs.) Hemamalini Krupakar, a clinical psychologist and a special educator. It has produced more than 46 documentaries for various governmental departments and many telefilms for channels such as Doordarshan, DD 9 and Udaya TV, etc.

प्रशस्ति – सदाबहार जंगलों के संरक्षण के लिए स्थानीय आदिवासियों के संघर्ष को उजागर करने के लिए।

Citation - For highlighting the struggle of local tribes in conserving the evergreen forest.

सुमी
सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म
Sumi | Best Children's Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

Marathi | **93 Min** | **Director & DOP:** Amol Vasant Gole | **Production Company :** Harshall Kamat Entertainment | **Screenplay:** Prasad Namjoshi | **Editor:** Gandhali Kulkarni | **Music:** Rohan | **Sound Design:** Rohit Pradhan | **Cast:** Akanksha Pingle, Divyesh Indulkar, Nitin Bhajan

FEATURE FILMS

कथासार - सुमत उर्फ सुमी महाराष्ट्र के गांव की रहने वाली किशोरी है। वह अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती है, लेकिन स्कूल घर से 12 किमी दूर हैं और उसके पास साइकिल खरीदने के लिए पैसे नहीं है। वह उसी स्कूल में जाने वाले चिन्मय को मनाती है कि वह उसे साइकिल सिखा दे, वहीं उसके पिता कड़ी मेहनत करते हैं ताकि उसकी बेटी की साइकिले के लिए पैसे जमा हो सकें। रास्ते में कोई उसके पिता की जेब काट लेता है और दोनो पिता–बेटी निराश हो कर लौटते हैं। अब क्या सुमी का स्कूल जाने का सपना अधूरा रह जाएगा। क्या सुमि का परिवार लड़कियों की शिक्षा को लेकर तय रूढिवादी मान्यताओं को और आर्थिक बाधाओं को पार कर पाएगी।

Synopsis - Sumat also called Sumi is a young girl from rural Maharashtra. She wants to pursue further education, but can't afford a bicycle needed to go to the secondary school located 12 kilometres away. She convinces Chinmay, who goes to the same school, to teach her cycling. Meanwhile, Sumi's father, Vasant, works hard and accumulates enough money to buy his daughter a bicycle. On the way, he gets pick-pocketed, and both Vasant and Sumi return home utterly disappointed. Will Sumi go to school? Will her family break the financial and orthodox beliefs around girl education?

परिचय

अमोल वसंत गोले (Amol Vasant Gole)

अमोल वसंत गोले हिंदी और मराठी फिल्म के सिनेमेटोग्राफर हैं। इससे पहले इन्होंनें कई हिंदी फिल्मों की प्रचार तस्वीर लेने का काम किया है जिसमें 'तारे ज़मीन पर', 'रंग दे बसंती', 'मक़बूल' आदि शामिल है। इसके बाद इन्होंनें 'नीरो दि गेस्ट' नाम के वृत्तचित्र से सिनेमेटोग्राफी की शुरूआत की और आगे चलकर 'स्टेनली का डब्बा' सहित एक दर्जन से ज्यादा फिल्मों की सिनेमेटोग्राफी की. इसके साथ ही डिजिटल उपयोग में आने वाले डीएसएलआर कैमरा से गाजर, हवा हवाई, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मराठी फिल्म इन्वेस्टमेंट और एलिज़ाबेथ एकादशी फिल्मों का छायांकन किया. नसीबवान इनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी।

Amol Vasant Gole is a cinematographer in Hindi and Marathi films. Previously, he shot publicity still for many Hindi films including 'Taare Zameen Par' (2009) 'Rang De Basanti' (2007),'Maqbool' (2003), etc. He then cinematographed the documentary 'Nero's Guests' (2010) and over a dozen films including 'Stanley ka Dabba' (2011) – shot digitally using DSLR cameras; 'Gajar' (2012); 'Hawaa Hawaii' (2011); National Award-winning Marathi films 'Investment' (2013) and 'Elizabeth Ekadashi' (2014)', etc. 'Nashibvaan' (2019) was his directorial debut.

PROFILE

हर्षाल कामत एंटरटेन्मेंट (Harshall Kamat Entertainment

हर्षाल कामत एंटरटेन्मेंट की स्थापना 2019 में हर्षाल कामत द्वारा की गई, जिसका मकसद डिजिटल कंटेट और फिल्म, लघु फिल्म, वेब सीरीज, संकलन आदि तैयार करना है। 'सुमी' इनकी पहली मराठी फीचर फिल्म है। इनके प्रोडक्शन में हिंदी और अंग्रेजी की चार फीचर फिल्में शामिल हैं।

Harshall Kamat Entertainment (HKE) was founded in 2019 by Harshall Kamat, with an aim to create digital and film content including films, short-films, web-series, anthologies, etc. Its maiden venture is a Marathi feature film titled 'Sumi'. Its production line-up includes four feature films in Hindi and English.

प्रशस्ति – दूर–दराज के इलाकें में अपनी शिक्षा जारी रखने की इच्छुक एक लड़की और जिन बाधाओं का वह सामना करती है, उसे एक प्रेरक कहानी के तौर पर बताने के लिए।

Citation - For narrating the inspiring tale of a young girl who is keen on continuing her education in a distant place and the hurdles she faces.

ब्रिज्
सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म

Bridge | Best Assamese Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Assamese | **89 Min** | **Direction & Screenplay:** Kripal Kalita | **Producer:** Sabita Devi | **DOP:** Ramen Rabha | **Editor:** Kishore Deka | **Sound Design & Mixing:** Amrit Pritam, MPSE | **Music:** Kripal Kalita | **Production Designer:** Rohini Kumar Deka | **Art Director:** Dipen Chutia | **Cast:** Shiva Rani Kalita, Protim Bora, Anindita Das, Swapnil Nath, Kripal Kalita

FEATURE FILMS

कथासार - ब्रिज, ब्रह्मपुत्र नदी की एक सहायक नदी के किनारे रहने वाली एक किशोरी के सशक्तिकरण और असमान्य संघर्षों के रंग से भरी दास्तान है। सहायक नदी पर पुल नहीं होने की वजह से वहा पर रहने वाले किन मुसीबतों का सामना करते हैं ये बस वही समझ सकते हैं। यह फिल्म उन लोगों की बेबसी जो हर साल अपना सब कुछ गंवा देते हैं, इन हरी भरी वादियों के अंदरूने हिस्सों में रहने वाले गरीब असहाय, ईमानदार और सीधा सादे लोग जिनके लिए जिंदगी यानी रोज़ कुआं खोदना रोज पानी पीना, जिनके विकास में सिर्फ बाधाएं हैं उनकी तकलीफों को उजागर करने का एक प्रयास है।

Synopsis - 'Bridge' is a colorful canvas of an unusual struggle and empowerment of a teenage girl residing at the bank of a tributary of the river Brahmaputra. Without a small bridge over its tributary, how troublesome and hard their lives become only the locals can feel and understand. This film makes an attempt to draw the attention towards the agony of the people losing everything every year and the daily troubles and hindrances faced in the development of the helpless, poor, honest and simple people residing in the interior parts of the green valley.

परिचय

कृपाल कलित्ता (Kripal Kalita)

कृपाल कलित्ता असम के फिल्म निर्देशक हैं। वह ऑल इंडिया रेडियो में ग्रेडेड अभिनेता और रंगमंच के निर्देशक और अभिनेता भी हैं। इन्होंनें अपने काम की शुरुआत वीडियो प्रोडक्शन 'अग्निबृष्टि' से की थी। यह 12 लघु फिल्में और 15 टेलीविजन सीरियल निर्देशित कर चुके हैं। इन्हें अपनी फिल्म जैसे, 'रेड टू ब्लैक', 'मेघ–दि क्लाउड' एंड 'जापी' के लिए कई सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। 'ब्रिज' इनके निर्देशन में बनी पहली फीचर फिल्म है।

Kripal Kalita is a film director from Assam. He is also a graded actor in AIR and a theatre director-actor. He started his career with video production 'Agnibristi'. He has directed 12 short films and 15 television serials. He has earned several awards for his films such as 'Red to Black', 'Megh: The Cloud' and 'Jaapi'. 'Bridge' is his first feature film as a director.

PROFILE

सबिता देवी (Sabita Devi)

सबिता देवी इससे पहले भी कई टीवी सीरियल जैसे 'मारम–एनाइओरी' और गुवाहाटी दूरदर्शन केंद्र के लिए टेलीफिल्म 'महामानब', लघु फिल्म, 'लोर ऑफ दि डस्क' और 'मेघ दि क्लाउड' की सह निर्माता रह चुकी हैं। ब्रिज इनकी राम कुमार दास के साथ निर्मित पहली फीचर फिल्म है।

Sabita Devi has previously co-produced a number of projects including the TV serial 'Maram-Enaiori' and telefilm 'Mahamanab' for Doordarshan Kendra, Guwahati; and short films 'Lore of The Dusk' and 'Megh: The Cloud'. 'Bridge' is her first feature film as a producer along with Rama Kumar Das.

प्रशस्ति – नदी के किनारे रहने वाली एक किशोरी जो गांव में पुल नहीं होने की वजह से एक असमामन्य संघर्ष से गुजरते हुए सशक्त बन जाती है।

Citation - A teenage girl residing at the banks on the river find an unusual struggle and empowerment without a bridge to their village.

अविजात्रिक
सर्वश्रेष्ठ बंगाली फ़िल्म

Avijatrik | Best Bengali Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Bengali | **139 Min** | **Direction, Screenplay & Dialogues:** Subhrajit Mitra | **Production Companies:** Gaurang Films, Bhandarkar Entertainment, NCKS | **Cinematographer:** Supratim Bhol | **Music:** Bickram Ghosh | **Sound Designer:** Tirthankar Majumdar | **Costume Designer:** Agnimitra Paul | **Cast:** Arjun Chakrabarty, Ditipriya Roy, Ayushman Mukherjee, Sabyasachi Chakrabarty

FEATURE FILMS

कथासार - अविजात्रिक आपको वहां से आगे ले जाती है जहां पर 1959 में अपु ट्रायलॉजी, आपुर संसार के साथ खत्म हुई थी। अपु की जिंदगी अपने 6 साल के बेटे के इर्द गिर्द ही सिमट कर रह गई है। कुछ रोमांच की तलाश में वह अपनी मातृभूमिक को अलविदा कहकर शंकर और काजोल के साथ कहीं दूर किसी नई शुरूआत की तलाश में निकल पड़ता है। यह फिल्म इससे पहले की ट्रायलॉजी जिसमें अपु की आंतरिक यात्रा और आत्म विकास को दिखाया गया है उसके बजाए उसके बाहरी दुनिया को जानने की तीव्र उत्कंठा पर केंद्रित है। यह फिल्म अपु और इसके बेटे के बीच के गहरे बंधन के इर्द गिर्द घूमती है।

Synopsis - 'Avijatrik' takes off from where 'The Apu Trilogy' had ended in 1959 with 'Apur Sansar'. Apu's life has come to a full circle as he lives his moments through his six-year-old son Kajol. Yearning for adventure, he bids farewell to his motherland and embarks on a spirited journey with Shankar and Kajol in search of new beginnings in a far-away land. The film focuses on Apu's overwhelming desire to explore the world outside, instead of his inner journey and self-growth, as portrayed in the earlier trilogy. It revolves around a sublime bond between Apu and his son.

परिचय | PROFILE

शुभ्रजित मित्रा (Subhrajit Mitra)

शुभ्रजित मित्रा कोलकाता के पुरस्कार विजेता निर्देशक हैं। इन्होनें अपने काम की शुरूआत वृत्तचित्र निर्देशक की। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में स्नातोकोत्तर करने के बाद इन्होंनें फिल्म निर्देशन में अल्पकालिक डिप्लोमा किया। इनकी पहली फीचर फिल्म थी, 'मोन अमोर... शेषेर कोबिता रिविजटेड' (2008), यह 6 फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं जिसमें 'आगुनपाखी', 'चोराबाली' और 'काकाबाबु ट्रायलॉजी' शामिल है। इनके कुछ वृत्तचित्रों में, 'हिमालयाज–अनसंग अनसीन', 'दि अननोन स्टोरीज ऑफ दि मसीहा' और 'फ्लकरिंग एंजेल्स' शामिल है। **Subhrajit Mitra** is an award-winning film director from Kolkata. He started his career as a documentary director. A postgraduate in computer science and engineering, he has done a part-time diploma in film direction. His debut feature was 'Mon Amour... Shesher Kobita revisited' (2008). He directed six feature films including 'Aagunpakhi', 'Chorabali' and the Kakababu trilogy. Some of his documentaries include 'Himalayas: Unsung, Unseen', 'The Unknown Stories of the Messiah' and 'Flickering Angels'.

गौरांग फिल्म्स एवं भंडारकर एंटरटेन्मेंट एवं एनसीकेएस (Gaurang Films & Bhandarkar Entertainment & NCKS)

गौरांग फिल्म्स 1976 से हिंदी, बंगाली, उडिया, असमिया, भोजपुरी और अंग्रेजी भाषा में फीचर फिल्म्स, वृत्तचित्र और लघु फिल्मों का निर्माण कर रहे हैं। इनकी बहुचर्चित फिल्मों में 'सफेद हाथी', 'आज का रॉबिहुड', 'हारमोनियम', 'अनोखा मोती', 'तीन मूर्ति', 'दि मेन हू सेव्ड किलापारा' और 'फ्लिकरिंग एंजेल्स' आदि शामिल है। **भंडारकर एंटरटेन्मेंट** के प्रमुख मधुर रामचंद्र भंडारकर, पीएचडी, चार बार के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता, निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक हैं जो अपने यथार्थवादी सिनेमा के लिए जाने जाते हैं। इनकी चर्चित फिल्मों में, 'चांदनी बार', 'पेज 3', 'ट्रेफिक सिग्नल', 'फैशन', 'जेल', 'दिल तो बच्चा है जी' और 'हीरोइन' शामिल हैं। इन्हें 2016 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से नवाजा गया था। **एनीकेएस एक्सप्लोरेशन** का मकसद लोगों तक सार्थक, सामाजिक चेतना और जिम्मेदार सिनेमा पहुंचाना है। इनकी पहली फिल्म 'धुमकुड़िया', आदिवासियों पर आधारित मानव तस्करी से जुड़ी फिल्म थी जिसे कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सराहना मिली। 'अविजात्रिक' इनकी दूसरी फिल्म है।

From 1976, **Gaurang Films** has been producing feature films, documentaries and shorts in Hindi, Bengali, Odia, Assamese, Bhojpuri and English. Their noteworthy films include 'Safed Haathi', 'Aaj Ka Robinhood', 'Harmonium', 'Aaj Ka Robinhood', 'Anokha Moti', 'Teen Murti', 'The Men Who Saved Killapara'and 'Flickering Angels', etc. | **Bhandarkar Entertainment** is headed by Madhur Ramchandra Bhandarkar, PHD, is a four time National Film Award-winning film director, producer and script writer. He is best known for making hard-hitting realistic film, such as 'Chandni Bar', 'Page 3', 'Traffic Signal', 'Fashion', 'Jail', and 'Heroine'. He was conferred Padma Shri in 2016 by Government of India. | **NCKS Explorations** aims to present to the world a meaningful, socially conscious, and responsible cinema. Their debut venture was 'Dhumkkudiya', a tribal film based on human trafficking, which has won many national and international accolades. 'Avijatrik' is their second film, as its associate producer.

प्रशस्ति – यह फिल्म सत्यजित रे निर्देशित क्लासिक अपु ट्रायलॉजी का सीक्वल है।

Citation - This is a sequel to the classic 'Apu trilogy' which was directed by Satyajitray.

तुलसीदास जूनियर
सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म

Toolsidas Junior | Best Hindi Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Hindi | **131 Min** | **Director:** Mridul Toolsidass | **Production Companies:** Ashutosh Gowariker Productions Pvt.ltd & Super Cassettes Ind. Pvt. ltd | **Screenplay:** Mridul Toolsidass, Ashutosh Gowariker | **DOP:** Kamaljeet Negi | **Editor:** Chandrashekhar Prajapati | **Lyrics:** Swanand Kirkire | **Music:** Daniel B. George | **Cast:** Sanjay Dutt, Rajiv Kapoor, Varun Buddhadev, Chinmany Chandraunshuh, Tasveer Kamil, Dalip Tahil

FEATURE FILMS

कथासार - सच्ची घटना पर आधारित 13 साल के बच्चे की कहानी जिसने नब्बे के दशक में कोलकाता के रिवर्ड स्नूकर क्लब सर्किट में इतिहास रच दिया था। कुशल स्नूकर खिलाड़ी तुलसीदास का छोटा बेटे मिडी का तब दिल टूट जाता है जब वह अपने पिता को क्लब चौंपियनशिप के फाइनल्स में 5 बार के विजेता जिमी टंडन से गलत वजह से हारते हुए देखता है। यहां से उस बच्चे की झकझोर देने वाला सफर शुरू होता है जिसमें उसे अपने बडे भाई की मदद मिलती है। मिडी अब तक के सबसे रोचक फाइनल में तमाम तरह के प्रयासों के बाद जिमी टंडन के सामने होता है।

Synopsis - Based on a true story, this is a coming-of-age film about 13-year-old boy, who went on to create history in the revered Snooker Club circuits of Kolkata in the nineties. Midi, the younger son of prolific snooker player Toolsidas, is heart broken when he witnesses his father lose unfairly to five times winner Jimmy Tandon in the Finals of the Club Championship. From here on, begins the most heart-wrenching journey of a little boy, aided by his 17-year-old gambler brother. Midi does everything possible to be up against Jimmy Tandon in the most fascinating Final ever.

परिचय | PROFILE

मृदुल तुलसीदास (Mridul Toolsidass)

मृदुल तुलसीदास मुंबई में रहने वाले लेखक और निर्देशक हैं। बतौर सह–लेखक और निर्देशक इनकी पहली फिल्म, 'मिस्ड कॉल' को काफी सराहना मिली थी। यह 2006 के इफ्फी की ओपनिंग फिल्म थी और 2007 के कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए भी चयनित हुई थी। इन्होंनें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोंकणी फिल्म, 'नाचोम–इया कुमपासर' की पटकथा लिखी है और टीवी शो, 'एवरेस्ट' के संवाद लिखे है। 'तुलसीदास जूनियर' इनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म है।

Mridul Toolsidass is a Mumbai-based film writer and director. His first film as co-writer and director 'Missed Call' got him critical acclaim. It was the opening film at IFFI, 2006 and was also selected for the Cannes Film Festival in 2007. He wrote the screenplay for the National Film Award-winning Konkani film 'Nachom-ia Kumpasar' (2014) and dialogues for the TV show 'Everest'. 'Toolsidas Junior' is his first Hindi feature film.

आशुतोष गोवारिकर प्रोडक्शन, सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि. (Ashutosh Gowariker Productions Pvt.ltd & Super Cassettes Ind. Pvt. ltd)

आशुतोष गोवारिकर प्रोडक्शन फिल्म कंपनी है जिसकी स्थापना ऑस्कर नामांकित निर्देशक आशुतोष गोवारिकर और उनकी पत्नी निर्माता सुनीता गोवारीकर ने की है। इनकी कुछ चर्चित फिल्मों में, 'स्वदेस', 'जोधा अकबर', 'मोहेनजो दारो', 'पानीपत', 'वॉट्स योर राशि' और 'खेले हम जी जान से', शामिल हैं। एजीपीपीएक ने अपनी शुरुआत टेलिविजन सीरियल एवरेस्ट से की थी। यह फिल्म, टेलिविजन या वेबसीरिज सभी प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हैं। **सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि.** – म्यूजिक एवं फिल्म कंपनी है और दुनिया के सबसे बड़े यू ट्यूब चैनल की मालिक भी है। 30 साल पहले शुरू हुई म्यूजिक कंपनी आज एक शानदार फिल्म स्टूडियो में बदल चुकी है, जो हर साल करीब 20–25 फिल्मों का निर्माण करती है।

Ashutosh Gowariker Productions (AGPPL) is a film company launched by the Oscar-nominated director Ashutosh Gowariker with his wife and producer Sunita Gowariker. Some of its popular films include 'Swades', 'Jodhaa Akbar', 'Mohenjo Daro', 'Panipat', 'What's Your Raashee' and 'Khelein Hum Jee Jaan Sey'. AGPPL made its debut into Television with 'Everest', a 100-episode limited series. It is dedicated to making content across all platforms be it movies, television, or web series. | **Super cassettes Ind. Pvt. ltd** is music and film company and the owner of the largest YouTube Channel in the world. Started off as a music company 30 years ago, Super cassettes Ind. today has transformed itself into a formidable film studio, producing 20-25 films annually. Some of its films include 'Kabir Singh', 'Tanhaji', 'Ludo', 'Satyameva Jayate', 'Chandigarh Kare Aashiqui', and 'Pati Patni Aur Who'.

प्रशस्ति – नब्बे के दशक के कलकत्ता शहर में रहने वाले एक 13 साल के लड़के की असल जिंदगी पर आधारित कहानी जिसने शहर के प्रतिष्ठित स्नूकर क्लब सर्किट में इतिहास रच दिया था।

Citation - Based on a true story, this is a coming-of-age film about a 13-year-old Kolkata boy who went on to create history in the revered snooker club circuits of the city in the nineties.

डोल्लू
सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म

Dollu | Best Kannada Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Kannada | **106 Min** | **Director:** Sagar Puranik | **Production Company:** Wadeeyar Movies | **DOP:** Abhilash Kalathi | **Editor:** B.S. Kemparaju | **Screenplay & Dialogues:** Shreenidhi D.S. | **Music:** M. Ananth Kamath | **Art:** Deviprakash | **Sound Design:** Nithin Lukose | **Cast:** Karthik Mahesh, Nidhi Hegde, Babu Hirannaiah, Chandra Mayur, Sharanya Suresh, Vijayalaxmi, Dr. Prabhu Deva D.S., Varun Srinivas, Chandramanu K.G.R., Gangadhar S.M.

FEATURE FILMS

कथासार - यह फिल्म भद्रा की कहानी बताती है जो एक डोलू ड्रम बजाने वाले और नर्तकों के दल का नेतृत्व करता है। पैसों का अभाव जुनून पर हावी हो जाता है और दल के सभी लोग पैसा कमाने के लिए गांव को छोड़कर बंगलुरू जैसे क्रूर मेट्रोपोलेटिन शहर की और रुख करते हैं। भाद्रा का अहसास होता है कि गांव के मंदिर का वार्षिकोत्सव बगैर उनके प्रदर्शन के पूरा नहीं होगा। सदियों पुरानी इस परंपरा को जीवित रखने के लिए वह अपने दल को फिर से एकजुट करने का फैसला करता है। अपने इस मिशन में इसे जो तकलीफें और बाधाओं का सामना करना पड़ता है वही फिल्म का सार है।

Synopsis - This film a story about Bhadra who leads a team of Dollu drummer and dancers. As money takes precedence over passion, the team leaves their village and lands in an unforgiving metropolitan city of Bengaluru. Bhadra realises that their village temple's annual rituals would remain incomplete without the team's performance. To keep the centuries' old tradition alive, he decides to reunite the team. His realisation that art isn't defined by the constructs of the society, and the hardships he faces in his mission forms the crux of the film.

परिचय

सागर पुराणिक (Sagar Puranik)

सागर पुराणिक अभिनेता, निर्देशक, और लेखक है जो कन्नड़ फिल्म और टीवी जगत से जुड़े हुए हैं। इन्हें इससे पहले 66 वें राष्ट्रीय पुरस्कार में लघु फिल्म 'महान हुतात्मा' के निर्देशन के लिए (विशेष उल्लेख) पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। 'डोल्लु' इनके निर्देशन में बनी पहली फीचर फिल्म है।

Sagar Puranik is an actor, director and writer in the Kannada film and TV Industry. He won the 66th National Award (Special Mention) for his direction of the short film 'Mahaan Hutatma'. 'Dollu' is his debut feature film as a director.

PROFILE

वाडेयार मूवीज (Wadeyar Movies)

वाडेयार मूवीज कन्नड़ फिल्मकार पवन वाडेयार और उनकी पत्नी अपेक्षा पुरोहित द्वारा 2019 में स्थापित किया गया। पवन एक फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, गीतकार, अभिनेता और निर्माता हैं जिन्हें 'गोविंद्या नम्हा', 'गुगली', 'राणा विक्रम', 'जेस्सी' और 'नटराज सर्विस' के लिए जाना जाता है। अपेक्षा अभिनेत्री, फैशन डिज़ाइनर और प्रशिक्षित नर्तक हैं।

Wadeeyar Movies is a production house launched in 2019 by Kannada filmmaker Pavan Wadeyar and his spouse Apeksha Purohit. Pavan is a film director, screenwriter, lyricist, actor and producer known for films such as 'Govindaya Namaha', 'Googly', 'Rana Vikrama', 'Jessie' and 'Nataraja Service'. Apeksha is an actress, fashion designer and trained dancer.

प्रशस्ति – डोल्लू एक काल्पनिक गांव जिसे डोल्लुकुनिता कला का जन्मस्थान माना जाता है, वहां के भद्रा की कहानी है जो एक डोल्लु ड्रमर है। यह फिल्म शहरीकरण के खिलाफ लोक कलाकारों की लड़ाई को दर्शाती है।

Citation - This film captures the fight of folk artists against urbanisation. Set in a fictional village believed to be the birthplace of the art from dollukunita, 'Dollu' is the story of Bhadra, a Dollu drummer.

गोष्ट एका पैठणीची

सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म

Goshta Eka Paithanichi
Best Marathi Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Marathi | **141 Min** | **Director:** Shantanu Ganesh Rode | **Production Company:** Planet Marathi | **Story, Screenplay, Dialogues:** Shantanu Ganesh Rode | **DOP:** Devendra Golatkar | **Editor:** Manish Shirke | **Lyrics & Music:** Manik, Ganesh | **Sound:** Shantanu Akerkar, Dinesh Uchil | **Art:** Sanjeev Rane | **Make up:** Sujit Jagtap | **Choreographer:** Sujith Kumar | **Cast:** Sayali Sanjeev, Suvrat Joshi, Arav Shetye, Nidhi Rasane

FEATURE FILMS

कथासार - इंद्रयानी अपने पति जो की फूल बेचने का काम करता है उसकी मदद करने लिए साड़ी में फॉल लगाकर पैसे अर्जित करती है। वह एक छोटे से शहर में अपने 5 साल के बेटे के साथ रहते हैं। एक अजीबो गरीब परिस्थिति में इंद्रयानी को एक बहुत कीमती, पैठानी, एक तरह की हांथ से बुनी हुई महाराष्ट्रियन पारंपरिक साड़ी ढूंढनी पड़ती है। वह उस ढूंढने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ती है।

Synopsis - Indrayani stitches sarifalls to earn and supports her loving husband Sujeet, a florist. They live in a small town and have a five year old son. In a strange situation, she has to find one particular costly 'Paithani', an exquisite hand-weaved traditional sari of Maharashtra. She leaves no stone unturned but gets a bundle of new experiences which reveal the dark and bright side of life. She realises that just like the owners, every sari also has its own destiny. It's a struggle of a simple lady to protect her self-respect and reputation.

परिचय

शांतुनु गणेश रोडे (Shantanu Ganesh Rode)

शांतुनु गणेश रोडे मराठी फिल्म 'जयजयकर' के निर्माता, निर्देशक और लेखक हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म और निर्देशक का महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा इन्होंनें हिंदी और मराठी में 'तिन्हिसांजु', 'बाबु बैंडबाजा', 'हनुमान', 'विथा', 'हरिओम विठ्ठल', 'अगादबम' जैसी फिल्मो का लेखन किया है।

Shantanu Ganesh Rode wrote, directed and produced the Marathi film 'Jayjaykar' (2014), which won the Maharashtra State Award for Best Film and Best Director. He has also written films such as 'Tinhisanja', 'Babu Bandbaja', 'Hanuman', 'Vitha', 'Hari Om Vitthala', 'Agadbam' in Hindi and Marathi languages.

PROFILE

प्लेनेट मराठी (Planet Marathi)

प्लेनेट मराठी की स्थापना 2017 में मराठी डिजिटल प्लेटफार्म के तौर पर, फिल्म निर्माता उद्यमी, ब्रांड इमेंजिंग विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता अक्षय बारदापुरकर द्वारा की गई थी. यह अब तक 4 मराठी फिल्म, 'एबी आणि सीडी', 'गोष्ट एका पैठानिचि', 'चंद्रमुखी' और 'तमाशा लाइव' का निर्माण कर चुके हैं। इनके मुख्य रूप से चार कार्यक्षेत्र हैं: फिल्म निर्माण ,प्रतिभा प्रबंधन, मराठी ओटीटी प्लेटफॉर्म, और पीआर और कार्यक्रम आयोजन।

Planet Marathi was founded in 2017 as a Marathi digital platform by film producer and entrepreneur Akshay Bardapurkar. It has so far produced four Marathi feature films: 'AB aani CD', 'Goshta Eka Paithanichi', 'Chandramukhi' and 'Tamasha Live'. It mainly has four verticals: film production and execution; talent management, Marathi OTT platform, and PR and events.

प्रशस्ति – एक महिला जो अपनी एक गलती को सुधारने के सफर में जिंदगी के नैतिक मूल्यों को हासिल करती है।

Citation - A journey of a woman who in the course of correcting one mistake she committed ends up discovering the ethical values in life.

थिन्कलाज्चा निश्चयम
सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म

Thinkalazhcha Nishchayam
Best Malayalam Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Malayalam | **108 Min** | **Writer & Director:** Senna Hegde | **Production Company:** Pushkar Films | **Screenplay:** Senna Hegde, Sreeraj Raveendran | **DOP:** Sreeraj Raveendran | **Editor:** Harilal K Rajeev | **Lyrics:** Nidheesh Nadery, Vinayak Sasikumar | **Music:** Mujeeb Majeed | **Sound:** Nixon George | **Costume Design:** Manu Madhavan | **Choreographer:** Satheesh Kumar | **Cast:** Anagha Narayanan, Aishwarya Suresh, Ajisha Prabhakaran, Arjun Ashokan, Sajin Cherukayil, Sunil Surya, Rajesh Madhavan

FEATURE FILMS

कथासार - उत्तरी केरल में एक आम से शहर कान्हांगद में विजयन की दूसरी बेटी सूजा की सगाई की तैयारी चल रही है। दुल्हन के दिमाग में अलग विचार चल रहे हैं, पिता आर्थिक संकट से जूझ रहा है। जैसे ही परिवार के सदस्य एक एक करके आना शुरू होते हैं। परिवार के राज बाहर निकलने लगते हैं। विवाहोत्सव के दो दिन पहले के घटनाक्रम को दर्शाती फिल्म विजयन के घर के इर्द गिर्द घूमती है।

Synopsis - Arrangements are underway for Vijayan's second daughter Suja's engagement in Kanhangad, a modest town in North Kerala. At what should be a perfect ceremony, the bride is having second thoughts and her father is in a financial mess. As the members of their family arrive one by one, family secrets start to surface. Set within the two days before the ceremony, the complete film unfolds in and around Vijayan's house.

परिचय

सेन्ना हेगड़े (Senna Hegde)

सेन्ना हेगड़े शिक्षा से इंजीनियर, काम के मामले में एनालिस्ट और दिल से फिल्मकार हैं। इनका हमेशा से मानना रहा है कि वह अपने स्थानीय लोगों से जो पाया है वह लौटाएं और बदलाव और असर पैदा करने में फिल्मों से बेहतर माध्यम कोई नहीं हो सकता है। उन्होंने अपने फिल्म निर्माण करियर की शुरुआत में किए गए विज्ञापन अभियानों के लिए कई कान्स पुरस्कार जीते हैं।

Senna Hegde is an engineer by education, an analyst by trade and a filmmaker by choice. He has always believed in giving back to his local community and believes his films are the medium to bring awareness and affect change. He has won multiple Cannes awards for the ad campaigns he made towards the beginning of his filmmaking career.

PROFILE

पुष्कर फिल्म्स (Pushkar Films)

पुष्कर फिल्म्स की स्थापना 2014 में पुष्कर मल्लिकार्जुनैया ने की थी। 6 सालों में इन्होंने करीब 13 फिल्मों का निर्माण किया जिसमें, 'किरिक पार्टी', 'अवने श्रीमन्नारायण', 'गोधी बन्ना साधरण मैकट्टू', 'कथेयोंडु शुरुवागिडे' और ब्लॉकबस्टर हिट 'विनम्र राजनेता नोगराज' जैसी फिल्में शामिल हैं।

Pushkar Films was founded in 2014 by Pushkar Mallikarjunaiah. Within a span of six years, it has produced 13 films such as 'Kirik Party', 'Avane Srimannarayana', 'Godhi Banna Sadharana Maikattu', 'Katheyondu Shuruvagide' and 'Humble Politician Nograj' which have turned out to be blockbusters.

प्रशस्ति – शादीवाले घर में होने वाली घटनाओं की रचनात्मक प्रस्तुति, क्योंकि दुल्हन की अलग ही योजनाएं होती है।

Citation - A series of events happening in a marriage house shown in an interesting way as the bride has different plans.

सिवरंजनियुम इन्नुम सिला पेंगल्लुम
सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म

Sivaranjaniyum Innum Sila Pengallum
Best Tamil Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Tamil | **116 Min** | **Director:** Vasanth S. Sai | **Production Company:** Hamsa Productions | **Story:** Asoka Mithran, Aadhavan B. Jeyamohan | **Screenplay & Dialogues:** Vasanth S. Sai | **DOP:** N. K. Ekambaram | **Editor:** Sreekar Prasad | **Music:** Ilaiyaraaja | **Cast:** Lakshmi Priyaa Chandramouli, Parvathy Thiruvothu, Kalieswari Sreenivasan, Karunakaran, Sunder Ramu

FEATURE FILMS

कथासार - शिवरंजनी कॉलेज में पढ़ने वाली एक होनहार धावक है, देवकी एक कामकाजी महिला है जो हमेशा अपनी निजता को बचाए रखती है। वहीं सरस्वती एक गृहिणी हैं जिसका काम खाना बनाना और अपने बच्चे की देखभाल करना है। तीनों महिलाएं – शिवरंजनी, देवकी और सरस्वती – समाज के विभिन्न वर्गों से संबंध रखती हैं। लेकिन उनके जीवन में जो एकरसता है वह उन्हें एक दूसरे से जोड़ती है। घरेलू हिंसा, परिवार की बाध्यता और कम उम्र में शादी और गर्भधारण करना, उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी है। यौनवाद और स्त्री द्वेष की उलझनों का सामना उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी में होता है। जिसने उनके वजूद को ही लगभग खत्म कर दिया है। फिल्म बहुत संवेदनशीलता के साथ उनकी जगह, आत्म मूल्य और खुद को लेकर उनके जागरूक होने की बारीकी को प्रदर्शित करती है।

Synopsis - Sivaranjani is a college student and a promising sprinter. Devaki is a working-women who keenly guards her privacy. Saraswathi is a nurturer who cooks meals and tends to her baby. All three women–Sivaranjani, Devaki and Saraswathi – belong to different strata of society, but are connected by monotony of their lives. Domestic violence, family dynamics and early marriage and pregnancy intrude into their lives. The casual sexism and entrenched misogyny play out in their everyday lives, threatening to usurp their individuality. The film sensitively captures their micro awakenings of identity, space and self-worth.

परिचय

वसंत एस साई (Vasanth S. Sai)

वसंत एस साई फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक हैं। के. बालाचंदर के साथ 18 फिल्मों में बतौर सहायक काम करने से पहले यह एक पत्रकार और लघु कथा लेखक थे। इनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म, 'केलडी कन्मनि' थी। इसके बाद से यह 14 फीचर फिल्म,15 लघु फिल्म और वृत्तचित्र बना चुके हैं। इनकी लघु फिल्म 'तक्कयिन मीधु नान्कु कन्कल' और 'सनथ' को 2006 और 2016 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ था, वहींइनकी फिल्म 'केलडी कन्मनि', 'आसाई' और 'सलम पोडादे' ने तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार जीते हैं।

Vasanth S. Sai is a film director and screenwriter. He was a journalist and short story writer, before assisting legendary director K. Balachander in 18 films. He made his directorial debut with 'Keladi Kanmani' (1990), and has since made 14 feature films, 15 short films and documentaries. His short films 'Thakayin Meethu Nanku Kankal' and 'Sanath' won National Film Awards in 2006 and 2016. His films 'Keladi Kanmani', 'Aasai', and 'Sathum Podathey' have won Tamil Nadu state film awards.

PROFILE

हमसा प्रोडक्शन्स (Hamsa Productions)

हमसा प्रोडक्शन्स फिल्म निर्देशक वसंथ एस साई की कंपनी है, जिसनेअबतक 14 फिल्में बनाई हैं और फिल्म जगत को कई प्रसिद्ध अभिनेताओं से परीचित कराया है। इन्होंनें कई विज्ञापन फिल्मों का निर्माण किया है। 'सिवारंजनियुम इन्नुम सिला पेंगल्लुम' इनकी पहली फिल्म है जिसे अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और प्रशंसा मिली है।

Hamsa Productions is owned by film director VasanthS. Sai, who has made 14 feature films and introduced many famous actors in the film industry. It has produced many advertisement films. 'Sivaranjaniyum Innum Sila Pengallum' is its maiden venture, which has received international awards and accolades.

प्रशस्ति – आधुनिक भारत की तीन युवतियों की कहानी जो अपने अस्तित्व की खातिर संघर्ष करती है।

Citation - A tale of three young women in modern-day India who strive to assert their individuality.

कलर फोटो

सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फ़िल्म

Colour Photo | Best Telugu Film

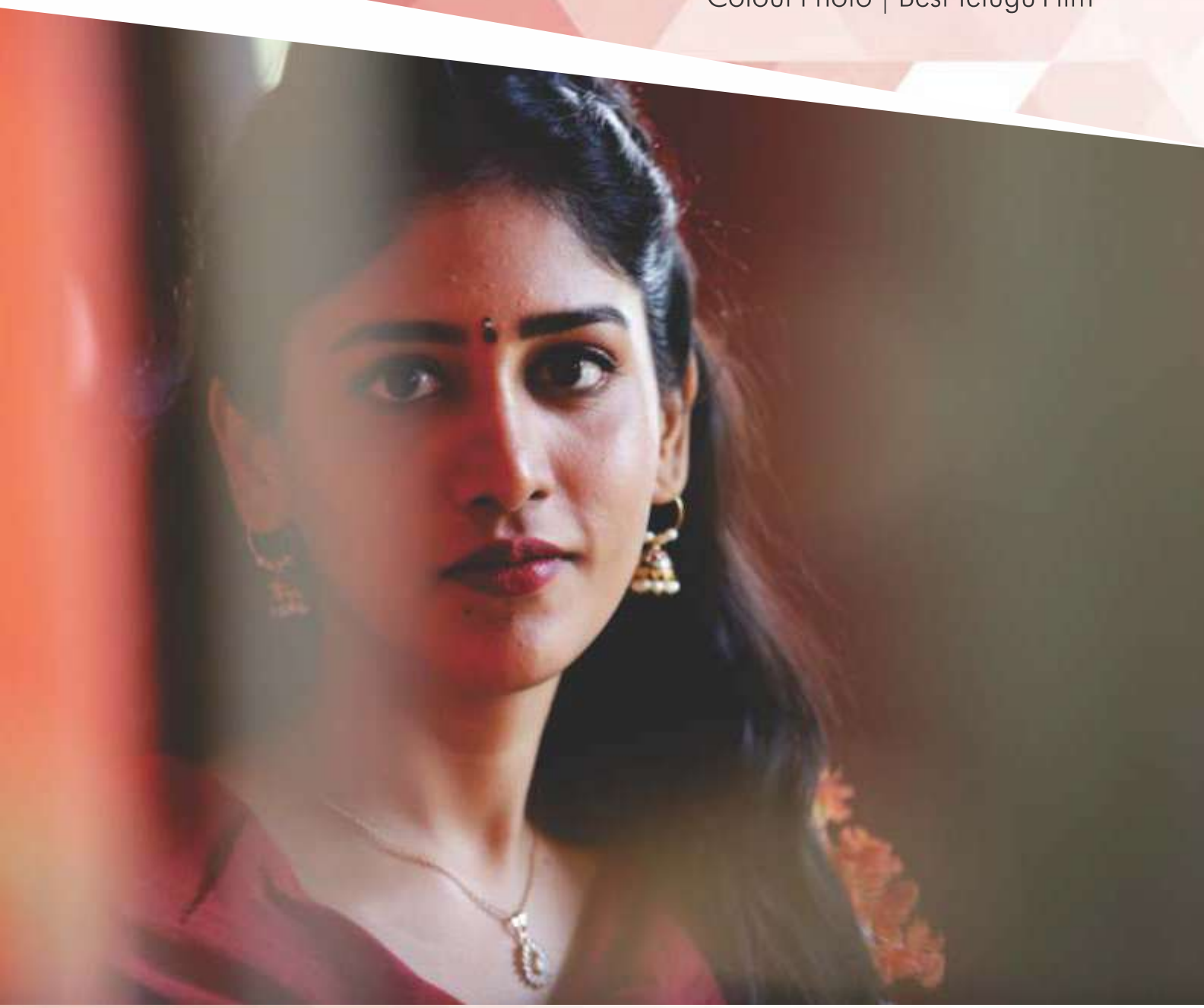

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Telugu | **143 Mins** | **Screenplay & Direction:** Angirekula Sandeep Raj | **Production Company:** Amrutha Productions | **Story:** Sai Rajesh Neelam | **Editor:** Kodati Pavan Kalyan | **DOP:** Venkat R. Shakamuri | **Music:** Kaala Bhairava | **Art Director:** Kranthi Priyam | **Lyrics:** Kittu Vissapragada, Krishna Chaitanya, Sai Kiran | **Cast:** Suhas, Chandini Chowdary, Viva Harsha, Sunil, Vidya, Divya.

FEATURE FILMS

कथासार - एक गहरे रंग के लड़के और श्वेतवर्ण की लड़की के बीच प्यार हो जाता है। सामाजिक भेदभाव के डर से दोनों अपने प्यार को छिपाए रखने का फैसला लेते हैं। परेशानी तब शुरू होती है जब लड़की का भाई लड़की की शादी एक गोरे लड़के से करने पर अड़ जाता है। जब उसे दोनों के बारे में पता चलता है तो दोनों को अलग करने के लिए वह किसी भी हद तक गुजरने को तैयार हो जाता है। असहाय और लड़ने में अक्षम युगल जोड़ा आत्महत्या कर लेता है। लेकिन लड़की बच जाती है, इससे पहले की वह सदमे से उबरे उसकी शादी कर दी जाती है। उसका पति उसे ठीक होने के लिए यात्रा पर जाने के लिए प्रोत्साहित करता है। वह अब अपने प्रेमी की यादों को सहेजने के लिए उसका एक रंगीन फोटो तलाशती है।

Synopsis - A dark-skinned boy and a fair-skinned girl fall in love. Fearing social discrimination, they decide to keep their love a secret. Trouble begins when the girl's brother, adamant on getting her married to a fair Complexion boy, finds out about them. He uses his power and manages to cruelly separate them. Helpless and unable to fight back, the couple commits suicide. But the girl survives and is married off before she even recovers from the trauma. Her considerate husband encourages her to go on a journey to heal herself. She now searches for a small colour photo to remember him.

परिचय PROFILE

अंगीरेकुला संदीप राज (Angirekula Sandeep Raj)

अंगीरेकुला संदीप राज ने अपने काम की शुरुआत यूट्यूबर के तौर पर की इनका तैयार किया हुआ 'चायबिस्किट' काफी चर्चित था। इन्होंनें चार साल के छोटे से अंतराल में 200 स्केच और लघु फिल्में की है। इनके लेखन को दर्शकों के साथ फिल्मकारों ने भी बहुत सराहा है। इन्हें कुछ नामचीन निर्देशकों के साथ पटकथा और संवाद के सह–लेखन का मौका मिला। 'कलर फोटो' इनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी जिसमें यह कई यूट्यूबर को बतौर कलाकार और तकनीशियन एक साथ लाए।

Angirekula Sandeep Raj started his career as a YouTuber, creating content on a popular YouTube channel called 'ChaiBisket'. He did 200 sketches and short films in a span of four years. His writing earned him praises from audiences and filmmakers alike. He got a chance to co-write the screenplay and pen dialogues for few well-known directors. 'Colour Photo' is his directorial debut film in which he brought together several YouTubers as cast members and technicians.

अमृता प्रोडक्शन्स (Amrutha Productions)

अमृता प्रोडक्शन्स की शुरुआत 2013 में नीलम सइ राजेश ने की। 'हृदय कालेयम' इनकी पहली फिल्म थी जिसे काफी सराहा गया और वह एक कल्ट कॉमेडी बन चुकी है। इनकी दूसरी फिल्म 'कोब्बारी मात्ता' ने बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़े, 'कलर फोटो' इनकी तीसरी फिल्म है।

Amrutha Productions was started in 2013 by Neelam Sai Rajesh. Its maiden venture was 'Hrudaya Kaleyam' (2014), which received appreciation and became a cult comedy. Its second project is was 'Kobbari Matta' (2019) was too a commercial success. 'Colour Photo' (2020) is their next film, while more are in the pipeline.

प्रशस्ति – सांवले रंग की त्वचा को रूपक के तौर पर इस्तेमाल करके समाज में मौजूद खामियों को प्रस्तुत करने के लिए।

Citation - For showcasing the fault lines in the society using dark skin colour as a metaphor.

दादा लखमी
सर्वश्रेष्ठ हरियाणवी फ़िल्म

Dada Lakhmi | Best Haryanvi Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Haryanvi | **154 Min** | **Director:** Yashpal Sharma | **Production Company:** Anhad Studio Pvt Ltd | **DOP:** Supratim Bhol | **Editor:** Aseem Sinha | **Music:** Uttam Singh | **Art Director:** Jayant Deshmukh | **Production Designer:** Rampal Balhara | **Costume Designer:** Mala Dey | **Cast:** Hitesh Sharma, Mukesh Musafir, Satish Kashyap, Yashpal Sharma, Yogesh Vats, Meghna Malik

FEATURE FILMS

कथासार - दादा लख्मी, हरियाणा के विख्यात लोक गायक पंडित लख्मीचंद (1903– 1945) की संगीत यात्रा पर आधारित है। वह एक अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और गायक यानी हरफनमौला थे। यहां तक कि बगैर शिक्षा के भी उनका व्यक्तित्व किसी साहित्यकार से कम नहीं था। बहुत ही कम समय में उन्हें इतनी ख्याति प्राप्त हुई कि लोग दूर दूर से बैलगाड़ी पर बैठकर उनकी रागिनी सुनने और स्वांग देखने आया करते थे। एक दिन एक व्यक्ति जलन के मारे उनके खाने और पानी में पारा और सिंदूर मिला देता है जिससे उनकी आवाज चली जाती है। फिल्म उनकी सामान्य जिंदगी और फिर से गाने की शुरूआत को लेकर किए गए संघर्ष को दर्शाती है।

Synopsis - 'Dada Lakhmi' is based on the musical journey of Pandit Lakhmichand (1903-1945), a hugely popular the folk artist of Haryana. He was an actor, director, producer, and singer – an all-round creator. Even without education, he was quite a learned personality. In a short period, he had became so famous that people would come on bullockcarts to listen to his raginis and to watch swangs. One day, a jealous saangi mixed mercury and sindoor in his food and water, due to which he lost his voice. The film shows his struggle to came back to normal and start singing again.

परिचय

यशपाल शर्मा (Yashpal Sharma)

यशपाल शर्मा हिंदी फिल्मों और रंगमंच के एक मंझे हुए अभिनेता हैं। इनकी कुछ यादगार फिल्मों में 'लगान', 'हज़ारो ख्वाहिशें ऐसी', 'गंगाजल', 'अब तक छप्पन', 'अपहरण', 'सिंग इज किंग', 'आरक्षण' और 'राउडी राठौर' है। यह ज़ी के 'मेरा नाम करेगी रोशन' और 'नीली छतरी वाली' में भी आ चुके हैं। यह एक रंगमंच अभिनेता है और कई नाटकों में प्रस्तुति दे चुके हैं।

Yashpal Sharma is a Hindi film actor and theatre artist. Some of his most memorable films include 'Lagaan' (2001), 'Hazaaron Khwaishein Aisi' (2003), 'Gangaajal' (2003), 'Ab Tak Chhappan' (2004), 'Apaharan' (2005),'Singh is Kinng' (2008), 'Aarakshan' (2011) and 'Rowdy Rathore' (2012). He also appeared in Zee's 'Mera Naam Karegi Roshan' and 'Neeli Chhatri Waale'. He is a stage actor and appears in live plays.

PROFILE

अनहद स्टूडियो (Anhad Studio)

अनहद स्टूडियो जयपुर और नई दिल्ली स्थित एक प्रमुख ऑडियो वीडियो प्रोडक्शन हाउस है। जिसके प्रमुख रविन्द्र सिंह राजावत हैं। यह स्टूडियो फीचर फिल्म, फिल्म डबिंग, कमर्शियल विज्ञापन फिल्म, सरकारी विज्ञापन तक हर क्षेत्र में कार्यरत है। इसके अलावा कार्टून फिल्म, विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों के लिए ई–लर्निंग परियोजना आदि पर भी काम करता है।

Anhad Studio is leading audio-video production house based in New Delhi and Jaipur, Rajasthan. Headed by Ravindra Singh Rajawat, the studio is a one-stop solution for feature films, film dubbing, commercial ad films, govt. ad films, TV serials, cartoon films, e-learning projects for book publishers in various languages, etc.

प्रशस्ति – पंडित लख्मीचंद की संगीत यात्रा पर जीवनी।

Citation - A biopic on the musical journey of Pandit Lakhmichand.

सेमखोर
सर्वश्रेष्ठ दिमासा फ़िल्म
Semkhor | Best Dimasa Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Dimasa | **93 Min** | **Director:** Aimee Baruah | **Production Company:** Aimee Baruah Production Society | **DOP:** Pradip Daimary | **Editor:** Rantu Chetia | **Sound Design & Mixing:** Amrit Pritam, MPSE | **Sync Sound:** Debajit Gayan | **Production Design:** Manoj Mishra | **Cast:** Aimee Baruah, Jagannath Seth, Sohandika Khersa, Prateek Hagjer.

FEATURE FILMS

कथासार - डिरो जो सेमखोर में समसा समुदाय से ताल्लुक रखता है, अपने पड़ोस के गांव जाता है और वहा पर उसकी मौत हो जाती है। उसकी मौत के बाद डिरो की पत्नी जो एक सहायक दाई की तौर पर काम करती है अपने तीन बच्चों की देखभाल करती है। वह अपनी महज 11 साल की इकलौती बेटी की शादी दिनार से कर देती है। दुर्भाग्य से मुरी एक लड़की को जन्म देने के बाद मर जाती है। सेमखोर की परंपरा के मुताबिक अगर महिला बच्चे को जन्म देने के दौरान मर जाती है तो नवजात को उसकी मां के साथ जिंदा दफ्नाया जाता है। लेकिन डिरो की पत्री मुरी के बच्चे की रक्षा करती है, इस तरह सेमखोर में एक नई सुबह होती है।

Synopsis - Diro, a man from the Samsa community in Semkhor, goes to a neighbouring village but gets confined there and eventually dies. After his death, Diro's wife, who worked as an assistant mid-wife, takes care of their three children. She gets their only daughter Muri, aged just eleven, married to Dinar. Unfortunately, Muri dies after giving birth to a girl child. As per the custom of Semkhor, if a woman dies during child birth, the infant is buried alive along with the mother. But Diro's wife protects Muri's infant, indicating a new dawn in Semkhor.

परिचय

एमी बरुआ (Aimee Baruah)

एमी बरुआ 25 असमिया फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं, यह कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मों में मुख्य भूमिका निभा चुकी हैं। 'सेमखोर' इनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है।

Aimee Baruah has acted in 25 Assamese feature films and played lead roles in many National Award-winning films. She makes her directorial debut with 'Semkhor'.

PROFILE

एमी बरुआ प्रोडक्शन सोसाइटी
(Aimee Baruah Production Society)

एमी बरुआ प्रोडक्शन सोसाइटी असम के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता–निर्देशक एमी बरुआ की संस्था है। फिल्म निर्माण के अलावा सोसाइटी सामाजिक कार्यों में अग्रणी है, मुख्यरूप से बच्चों के पोषण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सामाजिक कार्यो में सक्रिय हैं। 'सेमखोर' दिमासा भाषा मे इनकी पहली फीचर फिल्म है।

Aimee Baruah Production Society is the flagship of the National Film Award-winning actor-director Aimee Baruah from Assam. Apart from film production, the Society is also actively involved in philanthropic pursuits and social work, primarily in the fields of children's nutrition and women empowerment. 'Semkhor' is its first feature film in Dimasa language

प्रशस्ति – प्रामाणिक विवरण के साथ आदिवासी महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों का चित्रण करने के लिए।

Citation - For imaging the hardships faced by tribal women with authentic details.

जीतिगे
सर्वश्रेष्ठ तुलु फ़िल्म
Jeetige | Best Tulu Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Tulu | **102 Min** | **Story & Direction:** Santhosh Mada | **Production Company:** AR Productions | **Script:** Shashiraj Kavoor | **DOP:** Unni Madavoor | **Editor:** Nithin Shetty | **Art Director:** Rajesh Bandyodu | **Music:** Saxaphone Jayaram | **Lyricist:** Amrutha Someshwara | **Singer:** Shashiraj Kavoor | **Costume Designer:** Meera Santhosh Mada | **Cast:** Naveen D. Padil, Roopa Vorkady, J.P. Thuminadu, Prabhakar Kappikad, Arun Rai, Chaithali Rai, Balakrishna Adoor, Sathya Jeevan Someshwara

FEATURE FILMS

कथासार - जीतिगे की कहानी एक नाविक, उसके माता–पिता और कोविड–19 महामारी के इर्द गिर्द घूमती है। विदेश में एक जहाज पर कार्यरत बेटे की शादी के लिए माता–पिता व्यस्त हैं। लेकिन उनकी बेचैनी तब बढ़ जाती है जब उन्हें पता चलता है कि जहाज पर कोरोनावायरस की शंका होने के चलते उनके बेटे को क्वारेंन्टीन कर दिया जाता है, जिससे उसके आने में देर होती है। पिता अपने बेटे की वापसी की अनिश्चितता को लेकर घबराए हुए हैं। फिल्म कोविड –19 महामारी के दौरान लोगों की प्रतिक्रिया, माता पिता की बेबसी और प्रकृति और इंसानों के बीच के संबंधों को उजागर करती है।

Synopsis - 'Jeetige' revolves around a sailor, his parents and the Covid-19 outbreak. The proud parents are busy making arrangements for their son's marriage who is employed on a ship abroad. But they become restless as their son gets quarantined at a Japan port due to suspected coronavirus cases in the ship, leading to a delay in his return. The father panics about the uncertainty of his son's return. The film captures the relationship between nature and humans, along with the helplessness of the parents and the reactions of the people during the Covid-19 pandemic.

परिचय

संतोष माडा (Santhosh Mada)

संतोष माडा की बतौर लेखक एवं निर्देशक 'जीतिगे' पहली फिल्म है। इससे पहले यह पुरस्कार विजेता मलयालम फिल्म निर्देशक जयराज और कामल के साथ काम कर चुके हैं। इसके साथ ही इन्होंनें कुछ विज्ञापन भी बनाए हैं और ममूटी अभिनीत मलयालम फिल्म 'शिकारी' के संवाद भी लिखे हैं।

Santhosh Mada makes his debut as a director and story writer with 'Jeetige'. Previously, he has worked with the award-winning Malayalam film directors Jayaraj and Kamal. He has also done a few commercials; and has written dialogues for the Mammootty-starrer Malayalam film 'Shikhari'.

PROFILE

ए आर प्रोडक्शन्स (AR Productions)

ए आर प्रोडक्शन्स निर्माता अरुण थोडार का फिल्म प्रोडक्शन हैं, अरुण मंगलोर के एक उद्यमी हैं। यह वर्तमान में बंगलुरू मे एक आईटी कंपनी का चला रहे हैं. इसके साथ ही यह सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहते हैं। 'जीतिगे' इनका पहला फिल्म प्रोडक्शन है।

AR Productions is a film banner belonging to producer Arun Rai Thodar, who is an entrepreneur from Mangalore. He is currently managing an IT company in Bengaluru, and also pursues charitable works. 'Jeetige' is his first movie production.

प्रशस्ति – महामारी के दौर में अप्रवास की बुराइयों को उजागर करने के लिए।

Citation - For highlighting the evils of immigration in the light of the pandemic

एके अय्यप्पनुम कोशियुम
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन

A K Ayyappanum Koshiyum
Best Direction

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 2,50,000/-

Malayalam | **177 Min** | **Director:** Sachidanandan K.R. | **Story, Dialogues & Screenplay:** Sachidanandan K.R. | **Editor:** Ranjan Abraham | **DOP:** Sudeep Elaman | **Music:** Jakes Bejoy | **Singer:** Nanchamma | **Stunt Choreographer:** Rajashekar, Mafia Sasi, Supreme Sunder | **Cast:** Biju Menon, Prithviraj Sukumaran, Anil Nedumangadu, Gowri Nanda, Ranjith, Ramesh Kottayam, Anu Mohan, Sabumon Abdusamad

के.आर सच्चिदानंदन यानी साचि रंगमंच अभिनेता, लेखक, निर्माता और मलयालम फिल्मों के निर्देशक हैं। 2017 में सेतु के साथ चॉकलेट फिल्म का सह–लेखन करने से पहले यह पेशेवर वकील थे। इस लेखक द्वय ने 'रॉबिन हुड', 'मेकअप मेन', और 'सीनियर' फिल्म का लेखन किया है। स्वतंत्र लेखक के तौर पर इनकी पहली फिल्म, 'रन बेबी रन' थी। जबकि इनके निर्देशन की शुरूआत 'अनारकली' से हुई, इसके बाद इन्होंनें 'चेत्तायीस', 'रामलीला', 'शेरलॉक टॉम्स', 'ड्राइविंग लाइसेंस' का निर्देशन किया। 2020 में हृदयाघात से इनका देहांत हो गया।

Sachidanandan K.R., aka Sachy, was a theatre artist, script writer, producer and director in Malayalam films. He was a criminal lawyer, before he quit and co-wrote (with Sethu) 'Chocolate' in 2017. The duo then co-wrote 'Robin Hood' (2009), 'Makeup Man' (2011) and 'Seniors' (2011). His first film as a solo writer was 'Run Baby Run' (2012). He made his directorial debut with 'Anarkali' (2015), followed by 'Chettayees' (2011), 'Ramaleela' (2017), 'Sherlock Toms' (2017) and 'Driving Licence' (2019). He passed away in June 2020 following a cardiac arrest.

प्रशस्ति – लोकप्रिय शैली में अनूठे तरीके से घटनाओं के चित्रण के लिए।

Citation - For structuring an innovative mise-en-scène in the popular format.

Synopsis of the film on page no. 115

सूररई पौत्रु
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (साझा)

Soorarai Pottru
Best Actor (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **153 Min** | **Director:** Sudha Kongara | **Production Company:** 2D Entertainment Pvt Ltd | **Cinematographer:** Niketh Bommi | **Music:** G.V. Prakash Kumar | **Editor:** Sathish Suriya | **Screenplay:** Shalini Ushadevi, Sudha Kongara | **Art Director:** Jacki | **Sound Design:** Vishnu Govind & Sree Shankar | **Costume Designer:** Poornima Ramasamy | **Cast:** Suriya, Aparna Balamurali, Paresh Rawal, Mohan Babu, Urvashi Karunas, Vivek Prasanna, Krishna Kumar

सुर्या सिवकुमार एक चर्चित अभिनेता, निर्माता और समाजसेवी हैं जिन्होंनें कुछ हिंदी फिल्मों को छोड़कर मुख्यतौर पर तमिल फिल्मों के लिए काम किया है। पिछले 25 सालों में इन्होंनें 40 से ज्यादा फिल्मों में मुख्य अभिनेता की भूमिका निभाई है। 2014 में इन्होंनें अपनी प्रोडक्शन कंपी 2डी एंटरटेन्मेंट की स्थापना की, तब से यह 15 फीचर फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं जिसमें समीक्षकों की सराही और पुरस्कार विजेता फिल्म, 'जय भीम', 'वयदिनिलै', 'पोमंगल वन्धाल', '24' और 'सूररई पौत्रु' शामिल है।

Suriya Sivakumar is a well-known actor, producer and philanthropist who works mainly in Tamil films, besides a few Hindi films. In the past 25 years, he has played lead roles in more than 40 films. He founded a production company, 2D Entertainment, in 2014, and has produced more than 15 feature films including critically-acclaimed and award-winning films 'Jai Bhim', '36 Vayadhinile', 'Ponmagal Vandhal', '24' and 'Soorarai Pottru'.

प्रशस्ति – सुदूर गांव के एक उद्यमी के वास्तविक जीवन के संघर्षों की भावनात्मक प्रस्तुति के लिए।

Citation - For the portrayal of the struggles of a real-life entrepreneur from a remote village with great empathy.

Synopsis of the film on page no. 115

तान्हा जी : द अन्संग वॉरीअर

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (साझा)

Tanhaji: The Unsung Warrior
Best Actor (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **135 min** | **Director:** Om Raut | **Production Company:** Ajay Devgn Ffilms & Super Cassettes Ind. Pvt.ltd | **Writter:** Prakash Kapadia , Om Raut | **Narration:** Sanjay Mishra | **Cinematographer:** Keiko Nakahara | **Editor:** Dharmendra Sharma | **Costume Designer:** Nachiket Barve & Mahesh Sherla | **Cast:** Ajay Devgn, Saif Ali Khan, Kajol, Neha Sharma, Sharad Kelkar

अजय देवगन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं। इससे पहले वह दो बार 1998 में 'ज़ख्म' के लिए और 2002 में 'दि लेजेंड ऑफ भगत सिंह' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। तीन दशक लंबे फिल्मी सफर में इन्होंनें 100 से ज्यादा हिंदी फिल्मों में अभिनय किया है। यह कई पुरस्कार जीत चुके हैं जिसमें फिल्मफेयर भी शामिल है, इसके अलावा 2016 में इन्हें भारत सरकार द्वारा भारत के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

Ajay Devgn is a National Award-winning actor, director and producer. Previously, he won the National Film Award for Best Actor twice – in 1998 for 'Zakhm' and in 2002 for 'The Legend of Bhagat Singh'. In his three-decade-long career, he has appeared in over 100 Hindi films. He has won many other awards including the Filmfare. In 2016, he was honoured by the Government of India with the 'Padma Shri', India's fourth highest civilian honour.

प्रशस्ति – एक असाधारण योद्धा की भूमिका को उत्साह और वीरता के साथ जीने के लिए।
Citation - living the role of an extraordinary warrior with gusto and valour.

Synopsis of the film on page no. 115

सूरराई पौत्रु
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

Soorarai Pottru
Best Actress

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **153 Min** | **Director:** Sudha Kongara | **Production Company:** 2D Entertainment Pvt Ltd | **Cinematographer:** Niketh Bommi | **Music:** G.V. Prakash Kumar | **Editor:** Sathish Suriya | **Screenplay:** Shalini Ushadevi, Sudha Kongara | **Art Director:** Jacki | **Sound Design:** Vishnu Govind & Sree Shankar | **Costume Designer:** Poornima Ramasamy | **Cast:** Suriya, Aparna Balamurali, Paresh Rawal, Mohan Babu, Urvashi Karunas, Vivek Prasanna, Krishna Kumar

अपर्णा बालामुरली एक अभिनेत्री, पार्श्व गायिका हैं, जो मुख्यतौर पर मलयालम और तमिल फिल्म जगत से जुड़ी रही हैं। यह भरतनाट्यम, मोहिनीआट्टम और कुच्चिपुड़ी की प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना हैं। इन्होंनें अपने अभिनय की शुरूआत मलयालम फिल्म 'यात्रा थुडरुन्नू' (2013) से की थी, लेकिन इन्हें ख्याति 'ओरु सेकेंड क्लास यात्रा' (2015) से मिली। इनकी कुछ अन्य फिल्मों में 'महेशिंडे प्रथिकारम' (2016) और 'संडे हॉलिडे' (2017) है।

Aparna Balamurali is an actress and playback singer associated mainly with the Malayalam and Tamil film industries. She is a trained classical dancer in Bharatanatyam, Mohiniyattam and Kuchipudi. She made her acting debut with the Malayalam film 'Yathra Thudarunnu' (2013), and gained popularity with her appearance in 'Oru Second Class Yathra' (2015). Some of her other films include in 'Maheshinte Prathikaaram' (2016) and 'Sunday Holiday' (2017).

प्रशस्ति – एक महिला उद्यमी के ताजगी भरे सजीव चित्रण के लिए।
Citation - For a refreshing, lifelike portrayal of a woman entrepreneur.

Synopsis of the film on page no. 115

एके अय्यप्पनुम कोशियुम
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता

A K Ayyappanum Koshiyum
Best Supporting Actor

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **177 Min** | **Director:** Sachidanandan K.R. | **Story, Dialogues & Screenplay:** Sachidanandan K.R. | **Editor:** Ranjan Abraham | **DOP:** Sudeep Elaman | **Music:** Jakes Bejoy | **Singer:** Nanchamma | **Stunt Choreographer:** Rajashekar, Mafia Sasi, Supreme Sundar | **Cast:** Biju Menon, Prithviraj Sukumaran, Anil Nedumangadu, Gowri Nanda, Ranjith, Ramesh Kottayam, Anu Mohan, Sabumon Abdusamad

बिजू मेनन मलयालम फिल्मों के अभिनेता हैं, इन्होंनें कुछ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। इन्होंनें अपने अभिनय की शुरूआत टेलीविजन से की और 1995 में इनकी पहली मलयालम फिल्म 'पुथरन' आई, तब से अब तक यह 150 से ज्यादा फिल्मों में विभिन्न भूमिकाओं निभा चुके हैं। इन्हें तीन बार केरल राज्य सम्मान से नवाजा जा चुका है जिसमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए 'आरक्करियम' भी शामिल है, इसके अलावा इन्हें दो बार फिल्मफेयर दक्षिण और 9 एशियानेट फिल्म अवार्ड हासिल हो चुके हैं।

Biju Menon is an actor seen in Malayalam, as well as a few Tamil and Telugu Films. He started as a television actor, and made his film debut in 1995 with the Malayalam film 'Puthran'. Since then, he has worked in over 150 films playing a variety of roles. He has won three Kerala State Film Awards including for the Best Actor in 2021 for 'Aarkkariyam'; two Filmfare Awards South; and nine Asianet Film Awards.

प्रशस्ति – गैरकानूनी चीजों को वश में करने के लिए अकेले संघर्ष करने वाले एक ईमानदार पुलिस अधिकारी की भूमिका के अद्भुत प्रदर्शन के लिए।

Citation - For the astounding performance in portraying the tale of an upright police officer and his single-handed struggle in taming the unlawful.

Synopsis of the film on page no. 115

सिवरंजनियुम इन्नुम सिला पेंगल्लुम
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री
Sivaranjaniyum Innum Sila Pengallum
Best Supporting Actress

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **116 Min** | **Director:** Vasanth S. Sai | **Production Company:** Hamsa Productions | **Story:** Asoka Mithran, Aadhavan B. Jeyamohan | **Screenplay & Dialogue:** Vasanth S. Sai | **DOP:** N. K. Ekambaram | **Editor:** Sreekar Prasad | **Music:** Ilaiyaraaja | **Cast:** Lakshmipriyaa Chandramouli, Parvathy Thiruvothu, Kalieswari Sreenivasan, Karunakaran, Sunder Ramu

लक्ष्मिप्रिया चंद्रमौली तमिल और मलयालम फिल्म उद्योग से जुड़ी अभिनेत्री हैं। इन्होंनें अपने अभिनय की शुरूआत 2012 से की और तब से अब तक यह 20 फिल्मों में मुख्य और सहअभिनेत्री की भूमिका निभा चुकी हैं। यह रंगमंच कलाकार भी है और इन्होंनें तमिल और अंग्रेजी नाटकों की देशभर में प्रस्तुति दी है। मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क से मानव संसाधन में स्नातकोत्तर कर चुकी लक्ष्मिप्रिया एक पूर्व जिमनास्ट, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेटर और फ्रिसबी खिलाड़ी हैं।

Lakshmipriyaa Chandramouli is an actress associated with the Tamil and Malayalam film industries. She made her acting debut in 2012 and has since played lead and supporting roles in about 20 films. She is also a theatre actress and has performed in Tamil and English plays staged across the country. A postgraduate in human resources from the Madras School of Social Work, she is also a former gymnast, international-level cricketer, and frisbee player.

प्रशस्ति – एक महत्वाकांक्षी महिला धावक के जीवन के सजीव चित्रण के लिए जिसे पारंपरिक गृहिणी की भूमिका निभाने के लिए मजबूर किया जाता है।

Citation - For the lifelike portrayal of an aspiring woman athlete who is forced to do the role of a conventional housewife.

Synopsis of the film on page no. 115

टक-टक

सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)

Tak-Tak | Best Child Artist (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | **91 Min** | **Director:** Vishal Kudale | **Screenplay and Writer:** Vishal Kudale, Ashish Kalariya | **Producer:** Vishal Kudale | **DOP:** Kartik Kumar Bhagat | **Editor:** Vardhan Dhaimodkar | **Cast:** Anish Gosavi, Soham Kumar, Sejal Panchpor, Swapnil Pandit, Rupali Godambe, Vishal Kudale, Harsh Aatpatkar

अनिश मंगेश गोसावी महाराष्ट्र के सतारा में फालतां के रहने वाले 17 वर्षीय कलाकार और छात्र हैं। 'टक–टक' बतौर बाल कलाकार इनकी पहली फिल्म है। जब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हुई तब वह 12 साल के थे। वह जिला स्तरीय लॉन टेनिस के खिलाड़ी है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में इनके नाम पर एक ही जगह और एक ही किरदार को निभाने का रिकॉर्ड दर्ज है।

Anish Mangesh Gosavi is a 17-year-old student and child actor hailing from Phaltan in Satara, Maharashtra. 'Tak-Tak' is his debut film as child actor. He was 12 years old when the shoot of the film commenced. He is also a district-level lawn tennis player. He holds a record for playing a single character and in a single location in both the India Book of Records and the Asia Book of Records.

प्रशस्ति – एक बच्चा जो गलती से तीन दिन तक कक्षा में कैद हो जाता है उसकी दुर्दशा के अतुलनीय प्रदर्शन के लिए।

Citation - A matchless performance in the depiction of the plight of a kid who accidentally is imprisoned in a classroom for three days.

Synopsis of the film on page no. 115

सुमी
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)
Sumi | Best Child Artist (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | **93 Min** | **Director & DOP:** Amol Vasant Gole | **Production Company:** Harshall Kamat Entertainment | **Screenplay:** Prasad Namjoshi | **Editor:** Gandhali Kulkarni | **Music:** Rohan | **Sound Design:** Rohit Pradhan | **Cast:** Akanksha Laxman Pingale, Divyesh Shailendra Indulkar, Nitin Bhajan.

आकांक्षा लक्ष्मण पिंगले महाराष्ट्र के पुणें की रहने वाली 16 वर्षीय अभिनेत्री हैं। अब तक इन्होनें दो मराठी फिल्म, 'क्षतिज', और 'नार्य' में काम किया है। इसके साथ ही हिंदी वेब सीरिज, 'माय नेम इज शीला' में भी यह अभिनय कर चुकी हैं। वर्तमान में यह 11वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। यह अभिनय और नृत्य में दिलचस्पी रखती हैं और अपना भविष्य इसी क्षेत्र में बनाना चाहती हैं। लेकिन उससे पहले इनका लक्ष्य अपनी पढ़ाई पूरी करना है।

Akanksha Laxman Pingale a 16 years old actor from Pune in Maharashtra. So far, she has acted in two Marathi films 'Kshitij' and 'Naarya', and a Hindi web series titled 'My Name is Sheela'. Currently, she is studying in 11th standard. She is interested in acting and dancing, and hopes to pursue her career in acting without compromising on her studies.

प्रशस्ति – अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी बाधाओं का सामना करने वाली एक युवा लड़की की आवश्यकता को चित्रित करने के लिए।
Citation - For depicting the necessity of a young girl who struggles against all odds to realise her goal.

Synopsis of the film on page no. 116

सुमी

सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)

Sumi | Best Child Artist (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | **93 Min** | **Director & DOP:** Amol Vasant Gole | **Production Company:** Harshall Kamat Entertainment | **Screenplay:** Prasad Namjoshi | **Editor:** Gandhali Kulkarni | **Music:** Rohan | **Sound Design:** Rohit Pradhan | **Cast:** Akanksha Laxman Pingale, Divyesh Shailendra Indulkar, Nitin Bhajan.

दिव्येश शैलेन्द्र इंदुलकर 16 वर्षीय अभिनेता हैं, इन्होंनें इससे पहले मराठी सीरियल और फिल्म 'काकन' में छोटी भूमिकाएं निभाई हैं। इन्होंनें कुछ विज्ञापनों और दो लघु फिल्म, 'आइशपथ' और 'भाविष्यातिल श्रीमंति' में भी अभिनय किया है। स्कूल के दौरान इन्होंनें विद्यावति पटवर्धन और अभिजीत पेडनेकर की अभिनय से जुड़ी वर्कशॉप में उपस्थिति दर्ज की थी। 'सुमी' में पहली बार यह अहम भूमिका में है।

Divyesh Shailendra Indulkar is a 16 years old actor who has previously played small roles in Marathi serials and movie 'Kaakan'. He also featured in few ads and two short-films 'Aaishapath' and 'Bhavishyatil Shrimanti'. While in school, he attended an acting workshop by Vidyatai Patwardhan and Abhijit Pednekar. He played lead roles in children's drama in school gatherings. 'Sumi' is his first major role in a feature film.

प्रशस्ति – प्रभावशाली अभिनय को पूर्णता से निभाने के लिए।

Citation - For playing a complimentary role to perfection.

Synopsis of the film on page no. 116

मी वसंतराव
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक

Mi Vasantrao | Best Male Playback Singer

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | **180 Min** | **Director:** Nipun Avinash Dharmadhikari | **Producers:** Chandrashekhar Gokhale, Darshan Desai, Niranjan Kirloskar | **Writers:** Upendra Sidhaye, Nipun Avinash Dharmadhikari | **DOP:** Abhimanyu Dange | **Editors:** Faisal Mahadik, Imran Mahadik | **Singer:** Rahul Deshpande | **Sound Designer & Mixing Engineer:** Anmol Bhave | **Cast:** Amey Wagh, Kaumudi Walokar, Rahul Deshpande, Pushkaraj Chirputkar

राहुल देशपांडे पुणे महाराष्ट्र के रहने वाले भारतीय शास्त्रीय गायक हैं। यह प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक पंडित वसंतराव देश पांडे के पोते हैं। इन्होंने कुमार गंधर्व के संगीत का अध्ययन करके संगीत में रुचि विकसित की। इनके संगीत के खजाने में ख्याल, टप ख्याल, ध्रुवपद, ठुमरी, कजरी, होरी, टप्पा, ग़ज़ल, अभंग, भजन, नाट्य संगीत और भावगीत शामिल हैं। इन्होंने 'बालगंधर्व' और 'कत्यार कलजत घुसाली' फिल्मों में पार्श्व गायन और 'मी वसंतराव' में अभिनय,पार्श्वगायन और संगीत दिया है। यह लोकप्रिय टीवी रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा–लिटिल चैंप्स' और 'संगीत सम्राट पर्व 2' के जज भी रह चुके हैं।

Rahul Deshpande is an Indian classical music singer from Pune, Maharashtra. He is the grandson of renowned Hindustani classical vocalist Pandit Vasantrao Deshpande. He developed an interest in music by studying the music of Kumar Gandharva. His repertoire includes khayal, tap khayal, dhruvpad, thumri, kajri, hori, tappa, ghazal, abhanga, bhajan, natyasangeet and bhavgeet. He has done playback singing in the films 'Balgandharva' and 'Katyar Kaljat Ghusali'. He has acted, done playback and given music in 'Mi Vasantrao'. He has judged popular TV reality shows 'Sa Re Ga Ma Pa-Little Champs' and 'Sangeet Samrat Parva 2'.

प्रशस्ति – शास्त्रीय हिंदुस्तानी शैली में दिल को छू लेने वाली प्रस्तुति के लिए।
Citation - For a soul-stirring rendition in classical Hindustani style.

Synopsis of the film on page no. 116

एके अय्यप्पनुम कोशियुम
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका

A K Ayyappanum Koshiyum
Best Female Playback Singer

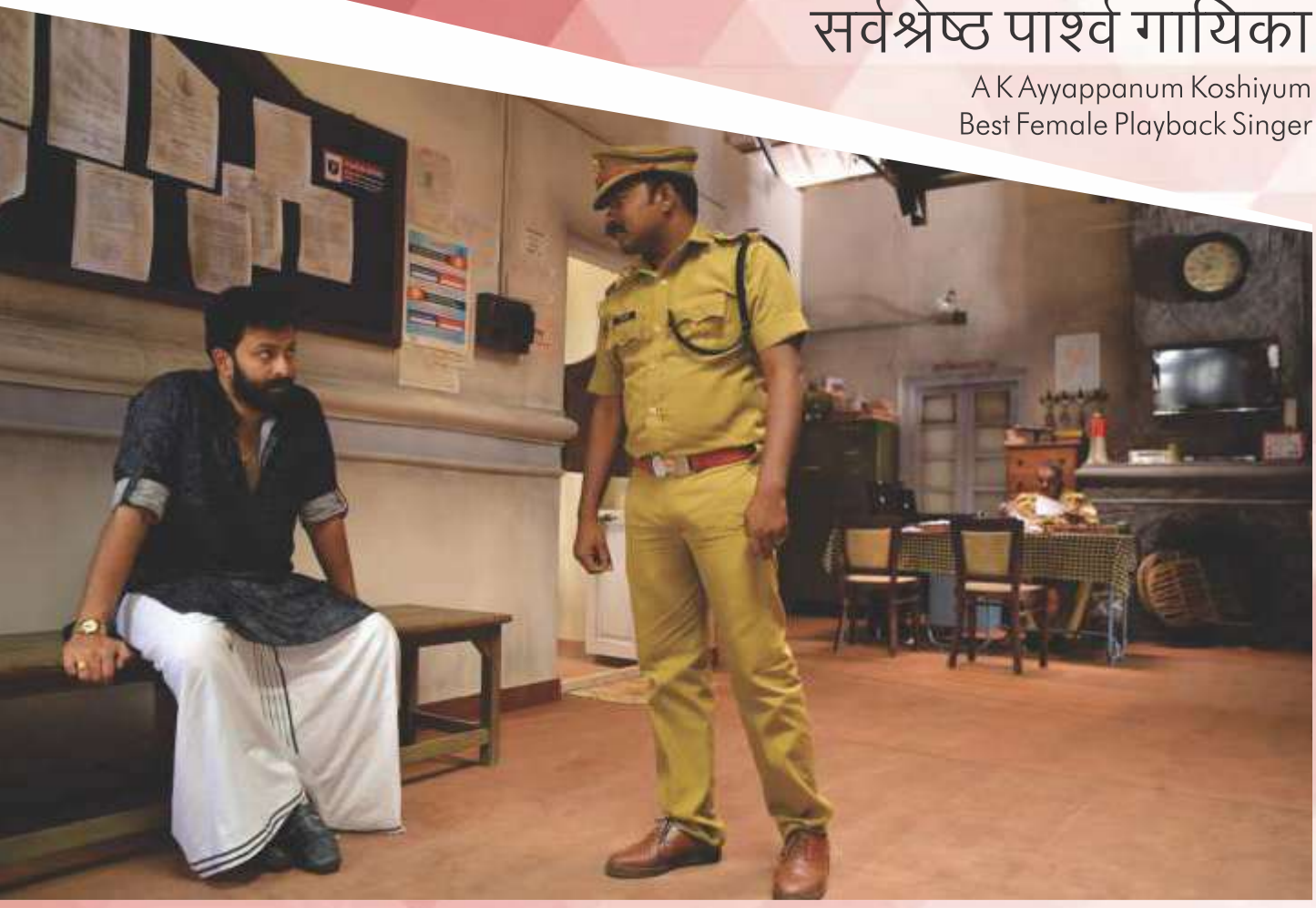

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **177 Min** | **Director:** Sachidanandan K.R. | **Story, Dialogues & Screenplay:** Sachidanandan K.R. | **Editor:** Ranjan Abraham | **DOP:** Sudeep Elaman | **Music:** Jakes Bejoy | **Singer:** Nanchamma | **Stunt Choreographer:** Rajashekar, Mafia Sasi, Supreme Sunder | **Cast:** Biju Menon, Prithviraj Sukumaran, Anil Nedumangadu, Gowri Nanda, Ranjith, Ramesh Kottayam, Anu Mohan, Sabumon Abdusamad

नंचम्मा एक लोक गायिका है जो केरल में आदिवासी गांव नाक्कुपाथि में इरुला समुदाय से हैं। मलयालम फिल्म 'एके अय्यप्पनम कोशियुम' में गीत गाने के बाद लोगों का ध्यान इनकी तरफ आकर्षित हुआ। फिल्म का शीर्षक गीत, 'कालक्कथा' इन्होंने ही इरुला भाषा में लिखा है और जैक्स बिजॉय ने इसे संगीतबद्ध किया है। इन्हें 2020 में केरल राज्य पुरस्कार की ओर से विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

Nanchamma is a folk singer who hails from the Irula community in the tribal village Nakkupathi in Kerala's Palakkad district. She has garnered public attention after singing playback in the Malayalam film 'AK Ayyappanum Koshiyum' (2020). The film's title song 'Kalakkatha' has been written in Irula language by her and composed by Jakes Bejoy. She received Special Jury Award of the Kerala State Film Award in 2020

प्रशस्ति – एक आदिवासी लोकगीत को उसकी मौलिकता के साथ संरक्षित करने के लिए।
Citation - For the preservation of a tribal folk song in all its nativity.

Synopsis of the film on page no. 115

अविजात्रिक
सर्वश्रेष्ठ छायांकन
Avijatrik
Best Cinematography

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Bengali | **139 Min** | **Direction, Screenplay & Dialogue:** Subhrajit Mitra | **Production Companies:** Gaurang Films, Bhandarkar Entertainment, NCKS | **Cinematographer:** Supratim Bhol | **Music:** Bickram Ghosh | **Sound Designer:** Tirthankar Majumdar | **Costume Designer:** Agnimitra Paul | **Cast:** Arjun Chakrabarty, Ditipriya Roy, Ayushman Mukherjee, Sabyasachi Chakrabarty

सुप्रतिम भोल सिनेमेटोग्राफर हैं जिन्होंनें मुख्यतौर पर बंगाली और हिंदी फीचर फिल्मों के लिए काम किया है। एफटीआईआई, पुणे के पूर्व छात्र सुप्रीतम ने लघु फिल्म, कॉरपोरेट फिल्म, म्यूजिक वीडियो, वृत्तचित्र के लिए भी सिनेमेटोग्राफी की है, इसके साथ ही यह हरियाणवी, ओड़िया और छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए भी काम कर चुके हैं। स्वतंत्र सिनेमेटोग्राफर के तौर पर इनकी पहली फिल्म 'सहज पाथेर गप्पो' थी। इनकी कुछ चर्चित फिल्मों में, 'अब्याक्तो', 'अविजात्रिक', 'पंचलैट', 'लोमाड', 'सहज पाथेर गप्पो', 'दादा लखमी', 'चोराबाली', 'गुलदस्ता' और 'श्रीमति' हैं।

Supratim Bhol is a cinematographer who has worked mainly in Hindi and Bengali feature films. An alumnus of FTII, Pune, he has also worked on short films, corporate films, music videos, advertisements and documentaries and done projects in Haryanvi, Odia and Chhattisgarhi languages too. His first film as an independent cinematographer was 'Sahaj Pather Gappo' (2016). Some of his notable films include 'Abyakto', 'Avijatrik', 'Panchlait', 'Lomad', 'Sahaj Pather Gappo', 'Dada Lakhmi', 'Chorabali', 'Guldasta', and 'Shrimati'.

प्रशस्ति – शास्त्रीय लालित्य की छवियों के माध्यम से स्क्रिप्ट की मांग को पूरा करने के लिए।
Citation - For fulfilling the aspirations of the script through the images of classical elegance.

Synopsis of the film on page no. 116

सूरराई पौत्रु
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक)

Soorarai Pottru
Best Screenplay Writer (Original)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **153 Min** | **Director:** Sudha Kongara | **Production Company:** 2D Entertainment Pvt Ltd | **Cinematographer:** Niketh Bommi | **Music:** G.V. Prakash Kumar | **Editor:** Sathish Suriya | **Screenplay:** Shalini Ushadevi, Sudha Kongara | **Art Director:** Jacki | **Sound Design:** Vishnu Govind & Sree Shankar | **Costume Designer:** Poornima Ramasamy | **Cast:** Suriya, Aparna Balamurali, Paresh Rawal, Mohan Babu, Urvashi Karunas, Vivek Prasanna, Krishna Kumar

फिल्मकार **शालिनी उषादेवी**, मलयालम, तमिल, हिंदी और अंग्रेजी भाषा के लिए काल्पनिक और गैर काल्पनिक विषयों पर लिखती है। इन्होंनें मलयालम मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'एकम' से निर्देशन में कदम रखा, वर्तमान में यह एक असल घटनाओं पर आधारित डॉक्यू–सीरिज और फीचर फिल्म पर काम कर रही हैं। फिल्म निर्देशक **सुधा कोंगारा** ने रेवथी की राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता, 'मित्र–माय फ्रेंड' से पटकथा लेखन की शुरूआत की। यह फिल्म तमिल ब्लॉकबस्टर थी जिसे कई भाषाओं में रीमेक किया गया। इनकी फिल्म, 'इरुडी सुत्तरु' को 4 फिल्म फेयर अवार्ड और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

Filmmaker **Shalini Ushadevi** has written and developed fiction and non-fiction content in Malayalam, Tamil, Hindi and English. She made her feature writing and direction debut with the Malayalam psychological thriller 'Akam'. Currently, she is working on a true crime docu-series and a feature film.
Film director **Sudha Kongara started** as a screenwriter for Revathi's National Award-winning film 'Mitr: My Friend'. She has made Tamil blockbusters which have seen multilingual remakes. Her film 'Irudi Suttru' won four Filmfare awards and a National Award.

प्रशस्ति – नायक के चरित्र के उतार चढ़ाव को दर्शाती एक मनोरंजक पटकथा के निर्माण के लिए।
Citation - For the construction of an engrossing screenplay that weaves through the ups and downs of the character of the protagonist.

Synopsis of the film on page no. 115

मंडेला

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद)

Mandela | Best Screenplay (Dialogue)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **143 Min** | **Director:** Madonne Ashwin | **Production Company:** YNOT Studios | **DOP:** Vidhu Ayyanna | **Editor:** Philomin Raj | **Screenplay:** Madonne Ashwin | **Music:** Bharath Shankar | **Lyrics:** Yugabharathi and Arivu | **Cast:** Yogi Babu, Sheela Rajkumar, Sangili Murugan, Mukesh, G.M. Sundar

मडोन अश्विन फिल्म निर्देशक हैं जो मुख्यतौर पर तमिल फिल्म उद्योग के लिए काम करते हैं। इन्हें अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'मंडेला' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यह फिल्म, निर्देशक के शिल्प और कहानी कहने की उनकी मजबूत समझ को प्रस्तुत करती है।

Mandonne Ashwin is a film director associated mainly with the Tamil film industry. He has won the National Award for his directorial debut feature 'Mandela'. Having won laurels as a promising upcoming director, this film marks the craft of the filmmaker and his strong sense of storytelling.

प्रशस्ति – बौद्धिकता से भरे हास्य से भरे रोचक संवादों के लिए, जो अचेतन की हास्य भावना को जीवित कर देते हैं।

Citation - For using crispy dialogues filled with wit and humour to bring alive the subliminal comic fervour to the fore.

Synopsis of the film on page no. 116

मी वसंतराव

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन(साउंड डिज़ाइनर)

Mi Vasantrao

Best Audiography (Sound Designer)

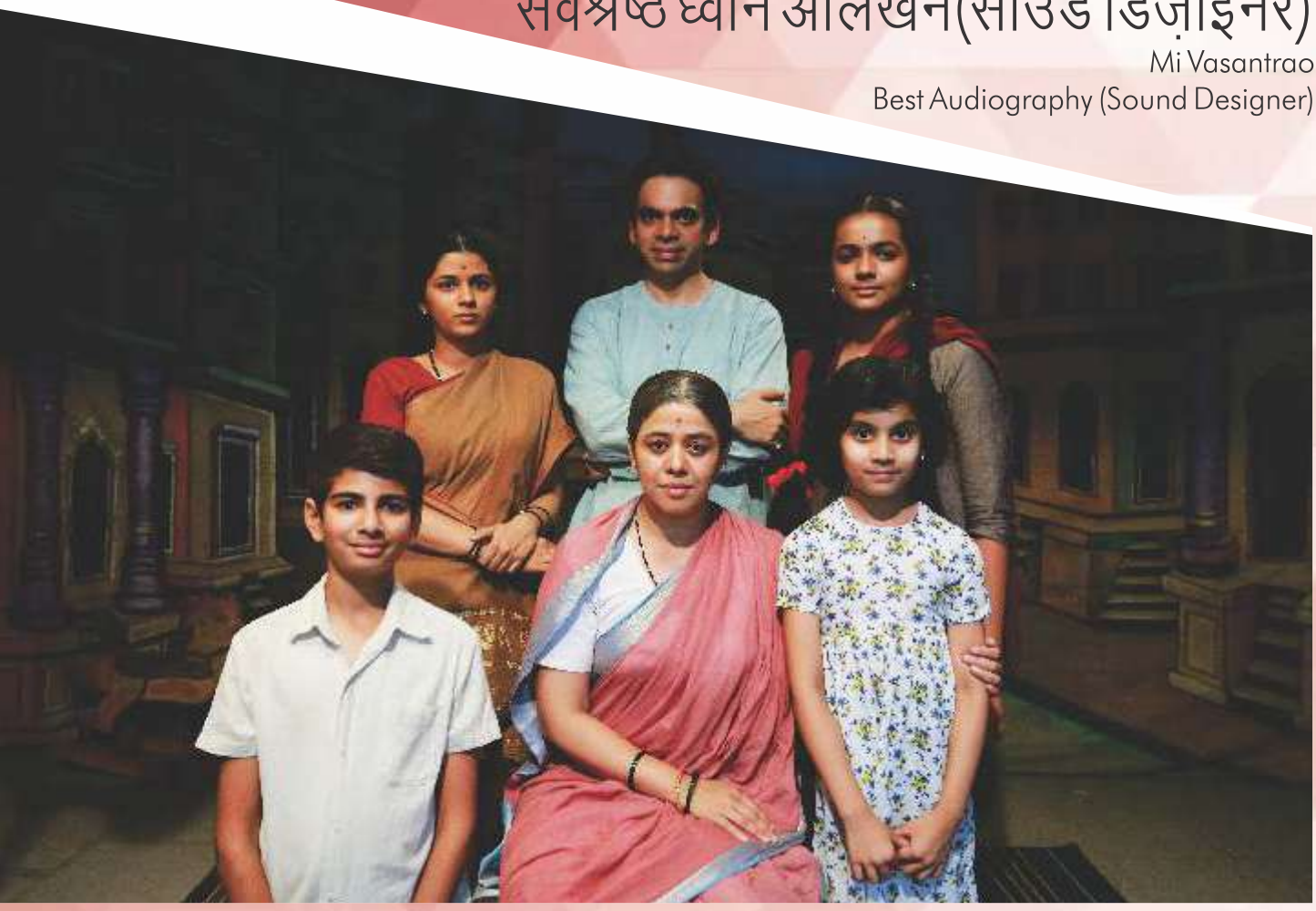

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | **180 Min** | **Director:** Nipun Avinash Dharmadhikari | **Producers:** Chandrashekhar Gokhale, Darshan Desai, Niranjan Kirloskar | **Writers:** Upendra Sidhaye, Nipun Avinash Dharmadhikari | **DOP:** Abhimanyu Dange | **Editors:** Faisal Mahadik, Imran Mahadik | **Singer:** Rahul Deshpande | **Sound Designer & Mixing Engineer:** Anmol Bhave | **Cast:** Amey Wagh, Kaumudi Walokar, Rahul Deshpande, Pushkaraj Chirputkar

अनमोल भावे पुरस्कार विजेता साउंड डिज़ाइनर हैं। यह 40 से ज्यादा फीचर फिल्म, 10 वृत्तचित्र और 8 लघु फिल्मों के लिए काम कर चुके हैं। यह सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन के लिए दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके हैं। पहली बार गैर फीचर फिल्म 'क्लोजर' के लिए 2007 में और दूसरी बार 2009 में मराठी फिल्म 'गंधा' के लिए। पुणे विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और एफटीआईआई, पुणे से ऑडियोग्राफी में डिप्लोमा कर चुके अनमोल ने बतौर लोकेशन साउंड रिकॉर्डिस्ट, साउंड डिजाइनर, साउंड पोस्ट–प्रोडक्शन सुपरवाइजर, मिक्सिंग इंजीनियर कई फीचर फिल्मों, वृत्तचित्रों, लघु काल्पनिक फिल्मों और विज्ञापन के लिए काम किया है।

Anmol Bhave is an award-winning Sound Designer. He has worked in more than 40 feature films, 10 documentary films, and eight short films. He won two National Film Awards for Best Sound Design for the non-feature film 'Closer' in 2007 and the Marathi feature film 'Gandha' in 2009. He has a diploma in Audiography from FTII, Pune and a Bachelor degree in Electrical Engineering from University of Pune. He has worked as location sound recordist, sound designer, sound post-production supervisor, mixing engineer for feature films, documentaries, short fiction films, ad films, etc.

प्रशस्ति – साउंडस्केप संरचना की उस कल्पना के लिए जो ना सिर्फ शास्त्रीय युग की बारीकियों को दर्शाता है बल्कि इसकी भव्यता से रोमांचित भी कर देता है।

Citation - For conceiving the architecture of the soundscape that not only recreates nuances of a classical era but also enthralls with its elegance.

Synopsis of the film on page no. 116

मालिक
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन
(अंतिम मिक्स्ड ट्रैक का पुनः ध्वनि आलेखक)
Malik | Best Audiography
(Re-Recordist of the Final Mixed Track)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **162 Min** | **Writer, Editor & Director:** Mahesh Narayanan | **Producer:** Anto Joseph | **DOP:** Sanu John Varghese | **Lyrics:** Anwar Ali | **Sound Designer:** Vishnu Govind | **Choreographer:** Shobi Paulraj | **Cast:** Fahadh Faasil, Nimisha Sajayan, Dileesh Pothan, Devaki Rajendran, Divya Prabha

विष्णु गोविंद फिल्मों में रि–रिकॉर्डिंग मिक्सर, साउंड डिज़ाइनर और साउंड एडिटर हैं। इन्होंनें फिल्म 'उंडा', और 'इश्क' के लिए श्रीशंकर गोपीनाथ के साथ सर्वश्रेष्ठ साउंड डिज़ाइन के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार प्राप्त किया है। 2012 से फिल्मों में सक्रिय विष्णु ने अभी तक मलयालम, हिंदी, तमिल और तेलुगी भाषा की करीब 150 फिल्मों में काम किया है।

Vishnu Govind is a film re-recording mixer, sound designer and sound editor. He won the Kerala State Film Awards for Best Sound Design (along with Sreesankar Gopinath) for the films 'Unda' and 'Ishq' in 2019. Active since 2012, he has worked in over 150 films in Malayalam, Hindi, Tamil and Telugu languages.

प्रशस्ति – एक कुशल ऑडियो स्केप के माध्यम से सजीव माहौल बनाने के लिए।
Citation - For creating a lifelike ambience through a dextrous audio scape.

Synopsis of the film on page no. 116

सिवरंजनियुम इन्नुम सिला पेंगल्लुम
सर्वश्रेष्ठ सम्पादन
Sivaranjaniyum Innum Sila Pengallum
Best Editing

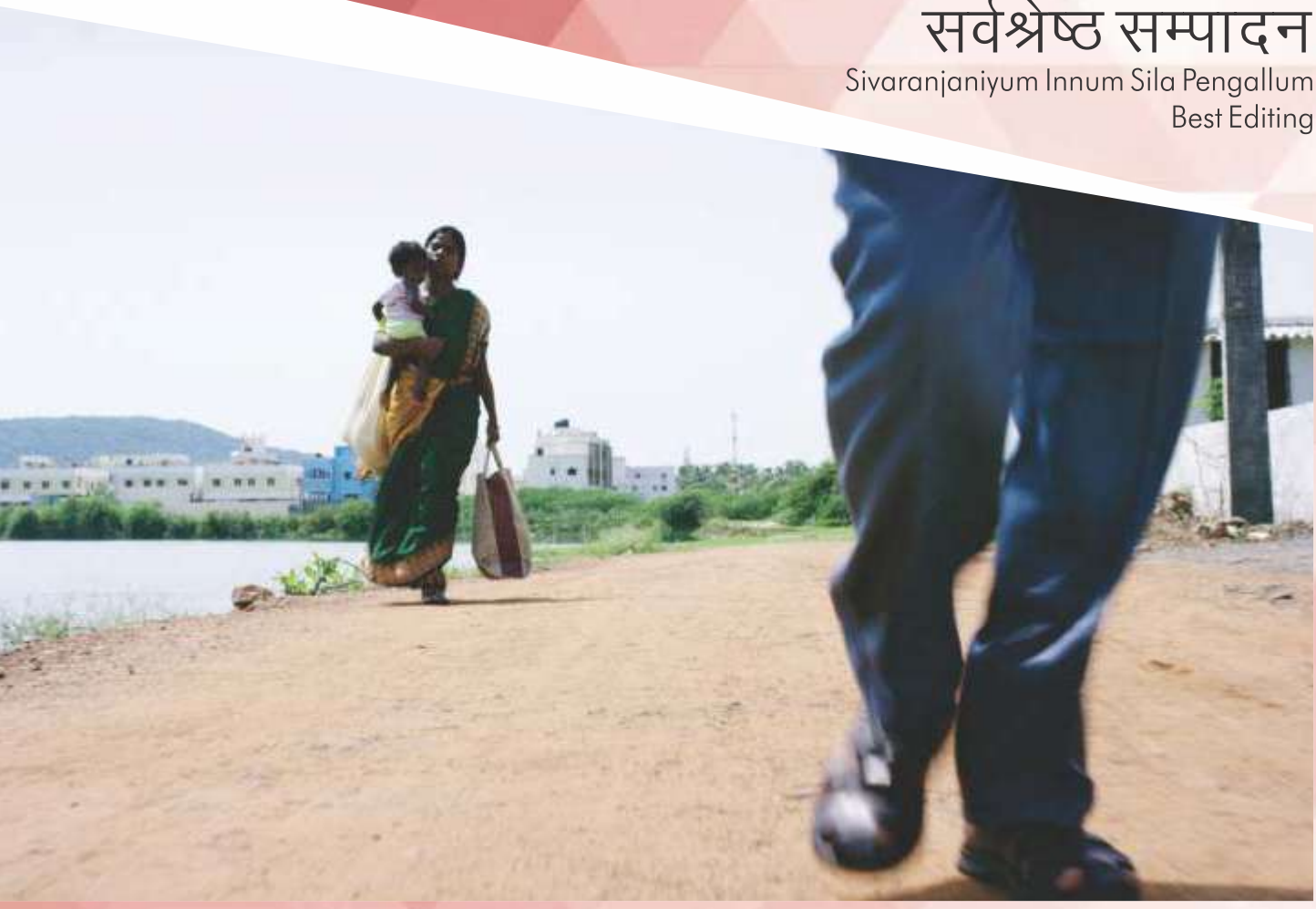

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **116 Min** | **Director:** Vasanth S. Sai | **Production Company:** Hamsa Productions | **Story:** Asoka Mithran, Aadhavan B. Jeyamohan | **Screenplay & Dialogue:** Vasanth S. Sai | **DOP:** N. K. Ekambaram | **Editor:** Sreekar Prasad | **Music:** Ilaiyaraaja | **Cast:** Lakshmipriyaa Chandramouli, Parvathy Thiruvothu, Kalieswari Sreenivasan, Karunakaran, Sunder Ramu

श्रीकर प्रसाद कई पुरस्कारों से सम्मानित फिल्म संपादक हैं। अपने 34 साल लंबे फिल्मी सफर में इन्होंनें तेलुगु, मलयालम, तमिल और हिंदी भाषा की करीब 600 फिल्मों का संपादन किया है। कई राज्य पुरस्कारों के अलावा, इन्हें संपादन के लिए कई बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है जिसमें 'राख' (हिंदी, 1988), 'राग–बिराग' (असमी,1996), 'नौकाकृतियामु' (अंग्रेजी, लघु 1996), 'द टेररिस्ट', 'वनप्रस्थम' (मलयालम 1999), 'कन्नथिल मत्तमिट्टा' (तमिल, 2002), 'फिराक' (हिंदी, 2008), और 'कुट्टी श्रंक', 'पजहस्सी राजा' और 'कमीने' के लिए एक विशेष जूरी पुरस्कार शामिल है।

Sreekar Prasad is a multiple award-winning film editor, who in his 34-year-long career, he has edited close to 600 films in Telugu, Malayalam, Tamil, and Hindi languages. Besides several state awards, he has won multiple National Film Awards for Best Editing for 'Raakh' (Hindi, 1988), 'Raag-Biraag' (Assamese,1996), 'Nauka Chritiamu' (English Short, 1996), 'The Terrorist' (Tamil, 1998), 'Vanaprastham' (Malayalam, 1999), 'Kannathil Muthamittal' (Tamil, 2002), 'Firaaq' (Hindi, 2008), and a Special Jury Award for 'Kutty Shrank', 'Pazhassi Raja' and 'Kaminey'.

प्रशस्ति – एक अस्थायी समयरेखा के निर्माण के लिए जो दर्शकों को, रचे गए पात्रों के साथ जोड़ने और उन्हें महसूस करने के लिए प्रेरित करते हैं।
Citation - : For the construction of a temporal timeline that beacons the audience to experience and empathise with the characters depicted.

Synopsis of the film on page no. 115

कप्पेला
सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन
Kappela | Best Production Design

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **113 Min** | **Director:** Muhammed Musthafa | **Producer:** Vishnu Venu | **Screenplay:** Muhammed Musthafa | **DOP:** Jimshi Khalid | **Editor:** Noufal Abdullah | **Production Designer:** Anees Nadodi | **Cast:** Anna Ben, Sreenath Bhasi, Roshan Mathew, Sudhi Koppa, Tanvi Ram, Vijilesh Karayad

अनीस नादोदी फिल्म कला निर्देशक और प्रोडक्शन डिज़ाइनर हैं जिन्होंनें मुख्यतौर पर मलयालम फिल्म उद्योग के लिए काम किया है। इन्होंनें फिल्मों में काम की शुरुआत बतौर सहायक कला निर्देशक, 'तियां', 'एडम जॉन', 'निमिर' आदि से की। स्वतंत्र रूप से कला निर्देशक के तौर पर इनकी पहली फिल्म थी 'सुडानी फ्रॉम नाइजीरिया', जिसे केरला राज्य सम्मान से नवाजा गया था। इन्होंनें करीब 20 फिल्मों में काम किया है जिसमें, 'वरधन', 'तमाशा', 'लुका', 'हलाल लव स्टोरी', 'कनकम कामिनी', 'कलहम' जैसी फिल्में शामिल हैं।

Anees Nadodi is a film art director and production designer, working mainly with the Malayalam film industry. He started his career as assistant art director in films like 'Tiyan' (2018), 'Adam John' (2017), 'Nimir' (2018), etc. His first independent work as an art director was 'Sudani from Nigeria' (2018), which won received five Kerala state film Awards. He has worked on 20 films including 'Varathan' (2018), 'Thamasha' (2019), 'Luca' (2019), 'Halal Love Story' (2020), 'Kanakam Kamini Kalaham' (2021), etc.

प्रशस्ति – विभिन्न दृश्यों के सजीव परिवेश और सावधानीपूर्वक संचालन के लिए।

Citation - For the life like ambience and meticulous handling of the various visual components.

Synopsis of the film on page no. 117

तान्हा जी : द अन्संग वॉरीअर

सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा डिज़ाईनर (साझा)

Tanhaji: The Unsung Warrior
Best Costume Designer (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **135 Min** | **Director:** Om Raut | **Production Companies:** Ajay Devgn Ffilms & Super Cassettes Ind. Pvt.ltd | **Writter:** Prakash Kapadia, Om Raut | **Narration:** Sanjay Mishra | **Cinematographer:** Keiko Nakahara | **Editor:** Dharmendra Sharma | **Costume Designer:** Nachiket Barve & Mahesh Sherla | **Cast:** Ajay Devgn, Saif Ali Khan, Kajol, Neha Sharma, Sharad Kelkar

महेश शेरला वेशभूषा डिजाइनर है जो करीब 45 से ज्यादा नाटक और 17 फिल्मों में काम कर चुके हैं। इन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से चार बार पुरस्कार प्राप्त हो चुका है इसके साथ ही इनके काम को और भी कई मंचो पर सराहा गया है। **नचिकेत बार्वे** मुंबई के पुरस्कार विजेता फैशन डिज़ाइनर और वेशभूषा डिजाइनर हैं। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद के पूर्व छात्र नचिकेत ईएएसएडी, पेरिस में भी अध्ययन कर चुके हैं। और लुई वुत्तों समूह के साथ काम कर चुके हैं। इन्हें महाराष्ट्र राज्य सम्मान और इनके कामों जैसे फिल्म 'कटयार कालिजात घुसाली' और 'अणि डॉ काशीनाथ घाणेंकर' के लिए अन्य अहम पुरस्कार मिल चुके हैं।

Mahesh Sherla is a costume designer who has worked on more than 45 plays and 17 movies. He has received four awards from the Maharashtra Government and multiple other accolades and honours for his work. **Nachiket Barve** is an award-winning fashion and costume designer based inMumbai. An alumnus of National Institute of Design (NID), Ahmedabad, he studied at ENSAD, Paris and worked with the Louis Vuitton group. He has also been awarded the Maharashtra State Award and other prominent awards for his work in films such as 'Katyar Kaljaat Ghusali', and 'Ani Dr. Kashinath Ghanekar'.

प्रशस्ति – मनोहर वेशभूषा के माध्यम से ऐतिहासिक काल के शैली की प्रस्तुति के लिए।

Citation - For the stylised recreation of the historical period through elegant costuming.

Synopsis of the film on page no. 115

नाट्यम

सर्वश्रेष्ठ मेकअप कलाकार

Natyam | Best Make-up Artist

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Telugu | **131 Min** | **Director:** Revanth Korukonda | **Production Company:** Nishrinkala Films | **Music:** Shravan Baradwaj | **Editor:** Revanth Korukonda | **Choreography:** Sandhya Raju | **Costume Designer:** Sandhya Raju | **Make Up Artist:** T V Rambabu | **Art Director:** Mahesh Upputuri | **Cast:** Sandhya Raju, Rohit Behal, Kamal Kamaraju, Adithya Menon, Rukmini Vijayakumar, Varun Tej

टी.वी राम बाबु ने 1995 में फिल्म जगत में बतौर सहायक रुपसज्जा कलाकार प्रवेश किया। तब से यह करीब 150 फिल्मों में बतौर रुपसज्जा कलाकार और 36 फिल्मों में प्रमुख रूपसज्जा कलाकार काम कर चुके हैं। यह मुख्य अभिनेत्री जैसे तमन्ना भाटिया, इलियाना डिक्रूज, कैथरीन ट्रेसा और कई अन्य कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं, 'नाट्यम' इनके अहम कामों में से एक है।

T.V. Ram Babu entered the film industry as an assistant make-up artist in 1995. He has since then worked in more than 150 films as a makeup artist and in 36 movies as Chief Makeup Artist. He has worked for leading actresses such as Tamannah Bhatia, Ileana D'Cruz, Catherine Tresa and many more. 'Natyam' is among some of his most notable works.

प्रशस्ति – एक प्रेरित और कल्पनाशील मेकअप के लिए जो स्क्रिप्ट की बारीकियों को उभारने का काम करता है।

Citation - For an inspired and imaginative make up that brings home the nuances embedded in the script.

Synopsis of the film on page no. 117

अल वैकुंठपुर्रमुलु

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत)

Ala Vaikunthapurramuloo
Best Music Direction (Songs)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Telugu | **165 Min** | **Director:** Trivikram Srinivas | **Production Companies:** Geetha Arts, Haarika & Hassine Creations | **Writer:** Trivikram Srinivas | **DOP:** P.S. Vinod | **Editor:** Naveen Nooli | **Music:** S. Thaman | **Cast:** Allu Arjun, Pooja Hegde, Tabu, Jayaram, Sushanth, Nivetha Pethuraj

थमन एस. एक संगीतकार, पार्श्वगायक हैं, जो मुख्यतौर पर तेलुगु फिल्मों से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा इन्होंनें कन्नड़, हिंदी और तमिल फिल्मों के लिए भी काम किया है। 1994 में बतौर सहायक संगीतकार भैरवा द्वीपम से इन्होंनें शुरुआत की। इनकी बतौर संगीतकार पहली तेलुगु फिल्म थी 'मल्ली मल्ली' और तमिल में इन्होंनें उसी साल 'सिंधनय सेई' में संगीत दिया। तब से अब तक यह 140 से ज्यादा फिल्मों के लिए संगीत दे चुके है जिसमें हिंदी फिल्म 'गोलमाल अगैन', और 'सिंबा' भी शामिल है। इन्होंनें 'बॉयज' फिल्म में पहली बार अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा। तेलुगु फिल्म दूकुडू के लिए 2012 में इन्हें सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का फिल्मफेयर अवार्ड प्राप्त हुआ।

Thaman S. (born as Ghantasala Sai Srinivas), is a music composer and playback singer associated mainly with Telugu films, besides few Kannada, Hindi and Tamil movies. He started his career as an assistant musician in 1994 with the Telugu film 'Bhairava Dweepam'. He made his debut as a music director in Telugu with 'Malli Malli', and in Tamil with 'Sindhanai Sei' – both in 2009. Since then, he has composed music for 140 films including Hindi films 'Golmaal Again' (2017) and 'Simmba' (2018). He made his acting debut with 'Boys' (2003). He won the Filmfare Award for Best Music Director (Telugu) for 'Dookudu' in 2012.

प्रशस्ति – कोने कोने तक पहुंचे फिल्म के थिरकाने वाले गानों के लिए।

Citation - For the foot-tapping songs of the film which reached the nook and corner.

Synopsis of the film on page no. 117

सूरराई पौत्रु
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड स्कोर)

Soorarai Pottru
Best Music Direction (Background Score)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Tamil | **153 Min** | **Director:** Sudha Kongara | **Production Company:** 2D Entertainment Pvt Ltd | **Cinematographer:** Niketh Bommi | **Music:** G.V. Prakash Kumar | **Editor:** Sathish Suriya | **Screenplay:** Shalini Ushadevi, Sudha Kongara | **Art Director:** Jacki | **Sound Design:** Vishnu Govind & Sree Shankar | **Costume Designer:** Poornima Ramasamy | **Cast:** Suriya, Aparna Balamurali, Paresh Rawal, Mohan Babu, Urvashi Karunas, Vivek Prasanna, Krishna Kumar

जि.वि.प्रकाश कुमार, कंपोजर, गायक, अभिनेता, संगीत निर्देशक और फिल्म निर्माता हैं, इन्होंनें तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी फिल्मों के लिए काम किया है। 1993 में महज 4 साल की उम्र में इन्होंनें बतौर गायक फिल्म जगत में प्रवेश किया। इन्होंनें करीब 95 फिल्मों के लिए गीत और पार्श्वसंगीत तैयार किया है। और करीब 400 गाने गाए हैं। बतौर अभिनेता इनके खाते में 25 से ज्यादा फिल्में हैं।

G.V. Prakash Kumar is a composer, singer, actor and music and film producer who has worked in Tamil, Hindi, Telugu, Kannada and Marathi films. He debuted as a singer at the age of four in 1993. He has worked on the songs and background score for 95 films, and has more than 400 songs to his credit. As an actor, he has earned acclaim for his work in over 25 films.

प्रशस्ति – फिल्म के अनूठे बैकग्राउंड स्कोर के लिए जो फिल्म के भावों और भावनाओं में बढ़ोतरी करता है।
Citation - For the unique background score of the film which adds to the emotional and mood of the film.

Synopsis of the film on page no. 115

सायना

सर्वश्रेष्ठ गीत

Saina | Best Lyrics

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **134 Min** | **Director:** Amole Gupte | **Producer:** Bhushan Kumar, Krishan Kumar, Sujay Jairaj, Rasesh Shah | **Co-Producer & Editor:** Deepa Bhatia | **DOP:** Piyush Shah | **Music & Background Score:** Amaal Mallik | **Lyrics:** Manoj Muntashir, Kunaal Vermaa | **Singers:** Shreya Ghosal, Armaan Malik | **Production Design:** Amit Ray, Subrata Chakraborty | **Cast:** Parineeti Chopra, Manav Kaul, Meghna Malik, Shubhrajyoti Barat, Eshan Naqvi

मनोज मुंतशिर एक कवि और गीतकार हैं। इनका गीत तेरी मिट्टी (केसरी) भारत के सबसे बेहतरीन देशभक्ति गीतो में शुमार है। इनके अन्य गीतों में 'तेरी गलियां', 'तेरे संग यारा', 'कौन तुझे', 'मैं फिर भी तुमको चाहूंगा', 'ओ देश मेरे', 'जय जय कारा' आदि शामिल हैं। इन्होंने 'बाहुबली' 1 व 2 के हिंदी में संवाद लिखे हैं। यह इंडियन आइडल और इंडिया गॉट टेलेंट के जज भी रह चुके हैं। इन्हें हिंदी सिनेमा को कविता से दोबारा परिचय कराने के लिए जाना जाता है।

Manoj Muntashir is a poet and lyricist in the Hindi film industry. His song'Teri Mitti' ('Kesari') is among the country's most favourite patriotic numbers. His other chartbuster tracks include 'Teri Galliya', 'Tere Sang Yara', 'Kaun Tujhe', 'Main Phir Bhi Tumko Chahunga', 'O Desh Mere', 'Jay-Jay Kara', etc. He wrote songs and dialogues for 'Bahubali 1' and 'Bahubali 2'.He is also seen on reality shows 'Indian Idol' and 'India's Got Talent' as a celebrity judge. He is credited to have re-introduced poetry in Hindi cinema.

प्रशस्ति – राष्ट्रीय विजेता की अंदरूनी ताकत को दर्शाते गीत के प्रेरणादायक बोलों के लिए।

Citation - For motivational lyrics of the song to depict the inner strength of the national champion.

Synopsis of the film on page no. 117

नाट्यम
सर्वश्रेष्ठ नृत्यकला
Natyam | Best Choreography

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Telugu | **131 Min** | **Director:** Revanth Korukonda | **Production Company:** Nishrinkala Films | **Music:** Shravan Baradwaj | **Editor:** Revanth Korukonda | **Choreography:** Sandhya Raju | **Costume Designer:** Sandhya Raju | **Makeup:** T V Rambabu | **Art Director:** Mahesh Upputuri | **Cast:** Sandhya Raju, RohitBehal, Kamal Kamaraju, Adithya Menon, Rukmini Vijayakumar, Varun Tej

संध्या राजू अभिनेत्री, निर्माता, और कुशल कुचिपुड़ी नर्तक हैं। यह हैदराबाद स्थित निश्रंखला डांस एकेडमी और निश्रंखला फिल्म्स की संस्थापक हैं, 'नाट्यम' इनकी पहली फिल्म है। इन्होंनें कुचिपुड़ी नृत्य के गुरू पद्म भूषण डॉ वेम्पति चिन्ना सत्यम हैं। बतौर अभिनेत्री, निर्माता, कोरियोग्राफ़र और कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर नाट्यम इनकी पहली फिल्म है।

Sandhya Raju is an actor, producer and accomplished Kuchipudi Dancer. She is the founder of Hyderabad-based Nishrinkala Dance Academy and Nishrinkala Films, which produced her debut Telugu film 'Natyam'. She learnt Kuchipudi from Padma Bhushan Guru Dr Vempati Chinna Satyam. 'Natyam' is her debut film as an actress, producer, choreographer and costume designer.

प्रशस्ति – कादंबरी गीत में अभिनेता के सहज नृत्य के लिए जो इसे रोचक बनाते हैं।

Citation - For the elegant movement of the actor for the song Kadambari, which makes it interesting.

Synopsis of the film on page no. 117

एके अय्यप्पनुम कोशियुम
सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन (साझा)

A K Ayyappanum Koshiyum
Best Action Direction (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **177 Min** | **Director:** Sachidanandan K.R. | **Story, Dialogues & Screenplay:** Sachidanandan K.R. | **Editor:** Ranjan Abraham | **DOP:** Sudeep Elaman | **Music:** Jakes Bejoy | **Singer:** Nanchamma | **Stunt Choreographer:** Rajashekar, Mafia Sasi, Supreme Sundar | **Cast:** Biju Menon, Prithviraj Sukumaran, Anil Nedumangadu, Gowri Nanda, Ranjith, Ramesh Kottayam, Anu Mohan, Sabumon Abdusamad

स्टंट मास्टर **राजशेखर** ने 1986 में बतौर स्टंट मैन फिल्म जगत में प्रवेश किया, तब से अब तक यह करीब 2687 फाइट दृश्यों को कोरियोग्राफ कर चुके हैं। इन्हें इनकी वास्तविक स्टंट कोरियोग्राफी के लिये जाना जाता है, सर्वश्रेष्ठ स्टंट निर्देशन के लिए इन्हें 2009 और 2010 में विजय अवार्ड प्राप्त हो चुका है। **माफिया ससि** उर्फ शशिधरन अब तक करीब 1000 फिल्मों में स्टंट निर्देशन और 50 फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म 'माफिया' में स्टंट निर्देशन के बाद से यह माफिया के नाम से चर्चित हुए हैं। फाइट कोरियोग्राफर के परिवार से आने वाले **सुप्रीम सुंदर** उर्फ सोमसुंदरम पिछले 15 सालों में करीब 168 फिल्मों में स्टंट निर्देशन कर चुके हे। इनके दादा, स्टंट सोमू अपने वक्त के प्रमुख स्टंट कोरियोग्राफर में से एक थे।

'Stunt Master' **Rajasekar** began as a stunt man in 1986 and has now choreographed about 2687 fights. Known for his realistic stunt choreography, he won the Vijay Award for Best Stunt Director in 2009 and 2010. **Mafia Sasi**, aka Sasidharan, has performed and directed stunts in over 1000 films and acted in 50 films. He earned the moniker 'mafia' after directing stunts in the Dharemdra-starrer film 'Mafia'. Coming from a family of fight choreographers, **Supreme Sundar**, aka Somasundaram, has directed stunts in about 168 films in 15 years. His grandfather 'Stunt Somu' was one of the leading stunt choreographers of his time.

प्रशस्ति – लड़ाई के दृश्यों को इतना खूबसूरती के साथ पिरोने के लिए, कि लगता है जैसे यह असली हो।

Citation - For composing the fight sequence so real that it may look like it is not composed.

Synopsis of the film on page no. 115

सेमखोर
विशेष उल्लेख
Semkhor | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

Dimasa | **93 Min** | **Director:** Aimee Baruah | **Production Company:** Aimee Baruah Production Society | **DOP:** Pradip Daimary | **Editor:** Rantu Chetia | **Sound Design & Mixing:** Amrit Pritam, MPSE | **Production Design:** Manoj Mishra | **Cast:** Aimee Baruah, Jagannath Seth, Sohandika Khersa, Prateek Hagjer

आइमी बरुआ 25 असमिया फिल्मों अभिनय कर चुकी हैं। इनकी मुख्य भूमिका वाली कई फिल्में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं। 'सेमखोर' बतौर निर्देशक इनकी पहली फिल्म है।

Aimee Baruah has acted in 25 Assamese feature films and played lead roles in many National Award-winning films. She makes her directorial debut with 'Semkhor'.

प्रशस्ति – फिल्म सेमखोर में आदिवासी महिलाओं की दुर्दशा के अत्यधिक विश्वसनीय चित्रण के लिए।
Citation - For a highly convincing portrayal of a tribal woman's plight in the movie 'Semkhor'.

Synopsis of the film on page no. 117

वान्कु
विशेष उल्लेख
Vaanku | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

Malayalam | **107 Min** | **Director:** Kavya Prakash | **Production Companies:** 7J Films & Shimoga Creations | **Story:** Unni R | **Script and Dialogues:** Shabna Mohammed | **DOP:** Arjun Ravi | **Editor:** Suresh Urs | **Music:** Ouseppachan | **Lyrics:** P.S. Rafeeque | **Cast:** Anaswara Rajan, Nandana Varma, Gopika Ramesh, Meenakshi, Vineeth, Shabna Mohammed, Darshan, Thesni Khan

विजुअल कम्यूनिकेशन में स्नातक, **काव्या प्रकाश** ने विज्ञापन फिल्मों के निर्माण के साथ काम की शुरूआत की, इनके विज्ञापन अपनी दृश्यात्मक खूबसूरती, कलात्मक समझ और दिल को छू लेना वाली प्रस्तुति के साथ खूबसूरत दृश्यात्मक कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। मलयालम फिल्म 'वान्कु' के साथ इन्होंनें फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा है।

A visual communication graduate, **Kavya Prakash** started her career as an ad filmmaker. Her ads are known for their visual beauty, aesthetic sensibility, and visual storytelling with heart-touching performances. She makes her debut as a director with the Malayalam feature film 'Vaanku'.

प्रशस्ति – अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म में सामाजिक समानता के लिए महिलाओं के अधिकारों से परिचित कराने के लिए।
Citation - For underlining the right of women for social equality for the film 'Vaanku' in her debut directorial.

Synopsis of the film on page no. 118

जून
विशेष उल्लेख
June | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

Marathi | **94 Min** | **Directors:** Vaibhav Khisti, Suhrud Godbole | **Production Companies:** Blue Drop Films Pvt. Ltd., Supri Advertising and Entertainment Pvt. Ltd. & Planet Marathi | **Screenplay:** Nikhil Mahajan | **DOP:** Quais Waseeq | **Editor:** Nikhil Mahajan and Hrishikesh Petwe | **Cast:** Siddharth Menon, Nehha Pendse Bayas, Resham Shrivardhankar, Kiran Karmarkar, Nilesh Divekar, Saurabh Pachauri

सिद्धार्थ मेनन – अभिनेता, नर्तक और गायक हैं यह एक दशक से भी ज्यादा वक्त से मंच और विभिन्न भाषा जैसे हिंदी, मराठी, इंग्लिश और तमिल फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इनकी पहली फिल्म पैडलर को 2012 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक प्रविष्टि प्राप्त हुई थी। इनकी फिल्म 'लोव', 'छप्पर फाड़ के', 'रजवाड़े एंड सन्स', 'शोर से शुरुआत', 'बेताल', 'हेप्पी जर्नी', 'क़रीब क़रीब सिंगल' और 'जून' को समक्षीकों ने काफी सराहा है। यह ब्रॉडवे शैली के संगीतमय डिजनी के 'अलादीन में मुख्य भूमिका निभा चुके हैं।

Siddharth Menon is an actor, dancer and singer who has worked for over a decade on stage and in films of different languages such as Hindi, Marathi, English and Tamil. His debut film 'Peddlers' was the official selection at the Cannes Film Festival in 2012. He won critical acclaim for his films 'LOEV', 'Chhappad Phaad Ke', 'Rajwade and Sons', 'Shor Se Shuruaat', 'Betaal', 'Happy Journey', 'Qarib Qarib Singlle' and 'June'. He played the titular role in the Broadway style musical Disney's 'Aladdin'.

प्रशस्ति – फिल्म 'जून' में किशोर मन के संघर्षों के प्रभावी चित्रण के लिए।

Citation - For an effective portrayal of the conflicts of the adolescent mind in the film 'June'.

Synopsis of the film on page no. 118

गोदाकाथ

विशेष उल्लेख

Godakaath | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

Marathi | **102 Min** | **Director:** Gajender Ahire | **Producer:** Krishna Kumar Soren | **Editor:** Santosh Gothoskar | **DOP:** Krishna Soren | **Music:** Gajender Ahire, Yash Pagagre, Arun Sahadevan | **Cast:** Kishore Kadam, Mrinmayee Godbole, Akshaya Naik, Vishal Sangale

किशोर कदम एक वरिष्ठ अभिनेता, गीतकार और मराठी कवि है जिन्हें फिल्मों में काम करते हुए 30 साल हो चुके हैं। यह पंडित सत्यदेव दुबे के शागिर्द हैं। यह मराठी, हिंदी और अंग्रेजी के नाटकों पर मंच पर अभिनय कर चुके हैं। अभिनय के लिए इन्हें कई प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मान हासिल हो चुका है। यह सौमित्र के नाम से मराठी कविताएं लिखते हैं, इन्होंनें कई फिल्म और सीरियल के लिए भी गीत लिखे हैं। इनकी पहली दो पुस्तक, 'आणि तारिही में' और 'बौल' को करीब 14 पुरस्कार प्राप्त हो चुके है।

Kishore Kadam is a veteran actor, lyricist and Marathi poet working in films for over 30 years. A disciple of Pt. Satyadev Dubey, he has stage acted in Marathi, Hindi and English plays. He has won various honours and awards for his acting. A veteran Marathi poet known by his pseudonym Saumitra, he has also penned lyrics for various films and serials. First of his two books 'Ani tarihi me' and 'Baul', has received around 14 awards.

प्रशस्ति – गोदाकाठ और अवांछित में सहानुभूतिपूर्ण किरदार के विश्वसनीय चित्रण के लिए।

Citation - For a convincing portrayal of the sympathetic soul in 'Godakaath' and 'Avwanchhit'.

Synopsis of the film on page no. 118

अवांछित
विशेष उल्लेख
Avwanchhit | Special Mention

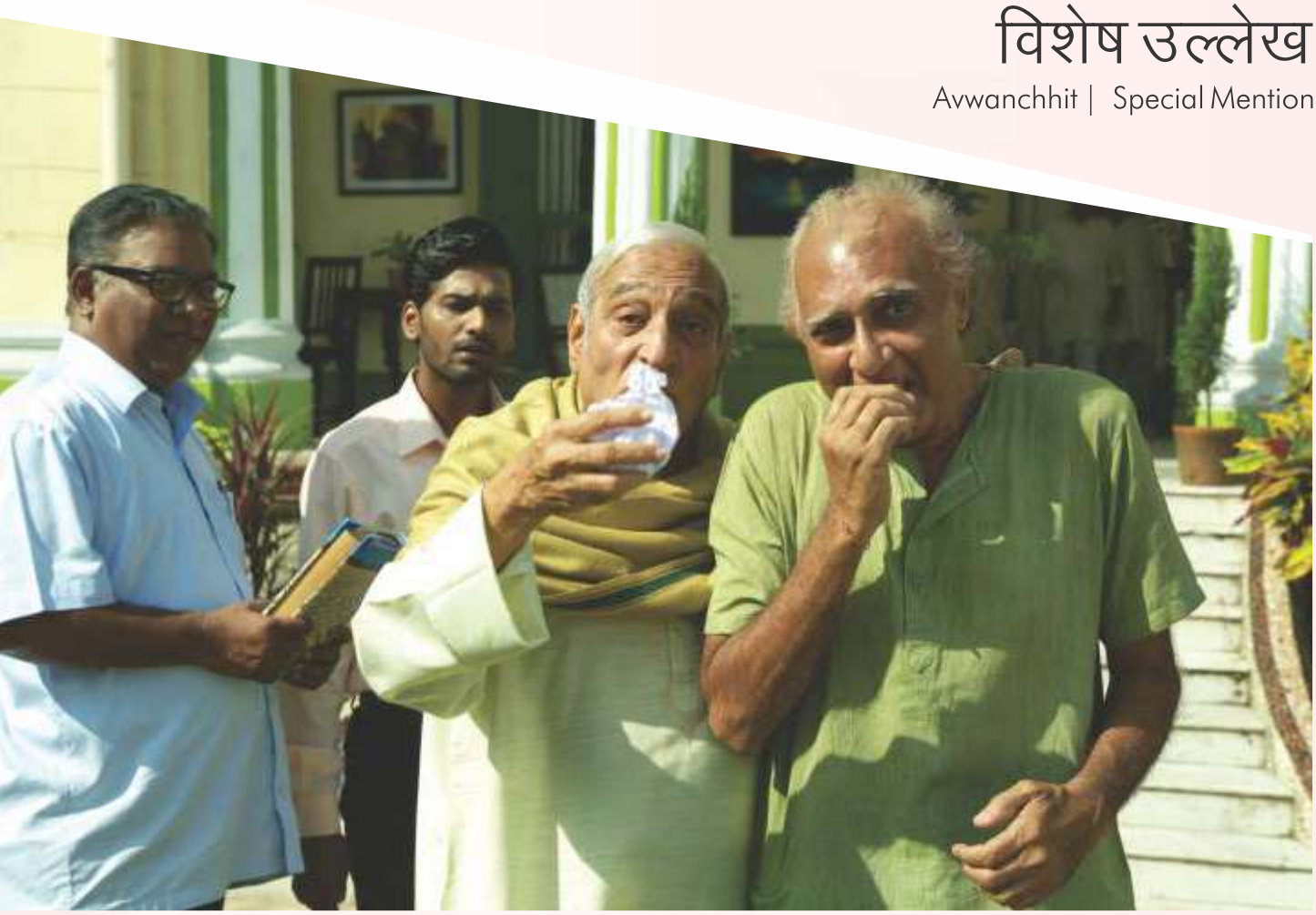

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

Marathi | **126 Min** | **Director:** Shubho Basu Nag | **Screenplay & Dialogue:** Tushar Gunjal, Kishore Kadam, Yogesh Vinayak Joshi | **DOP:** Atul Jagdale & Rippan Hussain | **Editor:** Nitin Rokade | **Music:** Anupam Roy | **Cast:** Kishore Kadam, Dr. Mohan Agashe, Abhay Mahajan, Mrinmayee Godbole, Mrinal Kulkarni

किशोर कदम एक वरिष्ठ अभिनेता, गीतकार और मराठी कवि है जिन्हें फिल्मों में काम करते हुए 30 साल हो चुके हैं। यह पंडित सत्यदेव दुबे के शागिर्द हैं। यह मराठी, हिंदी और अंग्रेजी के नाटकों पर मंच पर अभिनय कर चुके हैं। अभिनय के लिए इन्हें कई प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मान हासिल हो चुका है। यह सौमित्र के नाम से मराठी कविताएं लिखते हैं, इन्होंनें कई फिल्म और सीरियल के लिए भी गीत लिखे हैं। इनकी पहली दो पुस्तक, 'आणि तारिही में' और 'बौल' को करीब 14 पुरस्कार प्राप्त हो चुके है।

Kishore Kadam is a veteran actor, lyricist and Marathi poet working in films for over 30 years. A disciple of Pt. Satyadev Dubey, he has stage acted in Marathi, Hindi and English plays. He has won various honours and awards for his acting. A veteran Marathi poet known by his pseudonym Saumitra, he has also penned lyrics for various films and serials. First of his two books 'Ani tarihi me' and 'Baul', has received around 14 awards.

प्रशस्ति – गोदाकाठ और अवांछित में सहानुभूतिपूर्ण किरदार के विश्वसनीय चित्रण के लिए।
Citation - For a convincing portrayal of the sympathetic soul in 'Godakaath' and 'Avwanchhit'

Synopsis of the film on page no. 118

तुलसीदास जूनियर
विशेष उल्लेख
Toolsidas Junior | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

Hindi | **131 Min** | **Director:** Mridul Toolsidass | **Production Companies:** AGPPL & Super Cassettes Ind. Pvt.ltd | **Screenplay:** Mridul Toolsidass, Ashutosh Gowariker | **DOP:** Kamaljeet Negi | **Editor:** Chandrashekhar Prajapati | **Lyrics:** Swanand Kirkire | **Music:** Daniel B. George | **Cast:** Sanjay Dutt, Rajiv Kapoor, Varun Buddhadev

वरुण बुद्धदेव बाल कलाकार हैं, इन्होंनें कई सराहनीय फिल्मों और वेबसीरीज में अभिनय किया है जैसे 'आरआरआर', 'केदारनाथ', 'बाज़ार', 'बुलबुल', 'पृथ्वीराज'। यह करीब 100 से ज्यादा विज्ञापन फिल्मों में काम कर चुके हैं। तुलसीदास जूनियर बतौर मुख्य अभिनेता इनकी पहली फिल्म है।

Varun Buddhadev is a child actor who has worked in acclaimed films and web series such as 'RRR', 'Kedarnath', 'Bazaar', 'Bulbbul', and 'Prithviraj'. He has also done over 100 ad films. 'Toolsidas Junior' is his first film in a lead role.

प्रशस्ति – किशोर के रूप में अपनी उपलब्धि के पथ पर साहसिक प्रदर्शन के लिए।

Citation - For an assertive performance as a teenager on the path of achievement in 'Toolsidas Junior'.

Synopsis of the film on page no. 118

कथासार | Synopsis

एके अय्यप्पनुम कोशीयुम (AK Ayyappanum Koshiyum)

ए के अय्यप्पनम कोशियम की कहानी अट्टापद्दि पुलिस स्टेशन के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकार अय्यप्पन नायर, और किसी खास मकसद से गांव में आने वाले हविलदार कोशी कुरियन के बीच झगड़े के इर्द गिर्द घूमती है। अय्यप्पन एक ईमानदार पुलिस अधिकारी हैं, जबकि कोशी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति हैं। जब अय्यप्पन,कोशी को शराब रहित क्षेत्र में शराब ले जाने के आरोप में गिरफ्तार करता है तो वह गुस्से में आकर उससे बदला लेने की ठान लेता है। अब कोशी, अय्यप्पन को हर तरह से नुकसान पहुंचाता है। जिससे अय्यप्पन के अंदर का जानवर जाग जाता है। अंजाम में अंह की ऐसी लड़ाई शुरू होती है जिसमें कोई हार मानने को तैयार नहीं है।

'AK Ayyappanum Koshiyum' revolves around the clash between Ayyappan Nair, a senior police officer posted at the Attappadi police station, and Havildar Koshi Kurian, who comes to the village with a motive. Ayyappan is an upright police officer, while Koshi is a politically influential man. When Koshy is arrested by Ayyappan for carrying liquor in a no-alcohol zone, he gets angry and decides to teach him a lesson. Koshy causes Ayyappan professional and personal losses, awakening the beast in Ayyappan. The ego battle gets dangerous with neither willing to give up.

सूररई पौत्रु (Soorarai Pottru)

नेदुमारन राजंगम उर्फ मारा मदुरैय के छोटे से गांव का एक पूर्व भारतीय वायु सेना का अधिकारी है, जिसका सपना है एक ऐसी एयरलाइन शुरू करने का है जिसमें आम आदमी भी उड़ान भर सके। उसे सुंदरी उर्फ बोम्मी जो एक बेकरी चलाती है उससे प्यार हो जाता है और दोनों शादी कर लेते हैं। जब मारा की मुलाकात अपने आदर्श परेश गोस्वामी से होती है, जो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी का मालिक है। तो वह अपना विचार उसके सामने रखता है। लेकिन जब उसे ठुकरा दिया जाता है तो दृढ़ निश्चयी मारा अपनी मां पीची, बोम्मी और अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने मकसद को पूरा करने निकल पडता है।

Nedumaaran Rajangam aka Maara, an ex-Indian Air Force officer from a village in Madurai, dreams of starting an airline company and make the commoners fly. He falls in love with for Sundari aka Bommi, a baker, and marries her. When Maara meets his idol Paresh Goswami, the head of one of the biggest airline companies in the country, he puts forward his ideas to him, only to get rejected. Still, an unperturbed and determined Maara manages to achieve his goal with the support of his mother Pechi, Bommi, and friends.

तान्हा जी : द अन्संग वॉरीअर (Tanhaji: The Unsung Warrior)

तान्हाजी मालुसरे 17वीं सदी के एक गुमनाम योद्धा थे, जो छत्रपति शिवाजी के सबसे करीबी सहयोगियों और भरोसेमंद सिपाहसलारों में से एक थे। कोंडाना किला जो मराठों का गौरव था उसे उदयभान और उसकी मुगल सेना ने अपने कब्जे में कर लिया था। किले को वापस पाने के लिए तान्हाजी ने मुगलसेना पर गुरिल्ला युद्ध करने की योजना बनाई। मुट्ठी भर मराठा सैनिको के साथ तान्हाजी ने उन पर हमला बोल देते हैं। इस युद्ध में मराठों को कोंडाना किला वापस मिल जाता है, लेकिन वह अपने शेर–बहादुर तान्हाजी को खो देते हैं। तान्हाजी की वीरता आज भी राष्ट्र को गौरवान्वित करती है। उनके जाने के जो खालीपन आया उसे इतिहास में कभी कोई नहीं भर सका।

Tanhaji Malusare was an unsung warrior from the 17th century. One of Chhattrapati Shivaji's most trusted lieutenants, Tanhaji planned a surgical strike against the Mughal army headed by Udaybhan, to get back the Kondana Fort. When the fort, which was the pride of the Marathas, was under the control of Udaybhan and his Mughal army, Tanhaji struck armed only with a handful of Marathas. In the war, the Marathas won the Kondhana Fort, but they lost their Lion – the brave Tanhaji, whose valour still makes the nation proud. He left behind a void that none in history could ever fill.

सिवरंजनियुम इन्नुम सिला पेंगल्लुम (Sivaranjaniyum Innum Sila Pengallum)

शिवरंजनी कॉलेज में पढ़ने वाली एक होनहार धावक है, देवकी एक कामकाजी महिला है जो हमेशा अपनी निजता को बचाए रखती है। वहीं सरस्वती एक गृहिणी हैं जिसका काम खाना बनानाऔर अपने बच्चे की देखभाल करना है। तीनों महिलाएं – शिवरंजनी, देवकी और सरस्वती – समाज के विभिन्न वर्गों से संबंध रखती हैं। लेकिन उनके जीवन में जो एकरसता है वह उन्हें एक दूसरे से जोड़ती है। घरेलू हिंसा, परिवार की बाध्यता और कम उम्र में शादी और गर्भधारण करना, उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी है। यौनवाद और स्त्री द्वेष की उलझनों का सामना उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी में होता है। जिसने उनके वजूद को ही लगभग खत्म कर दिया है। फिल्म बहुत संवेदनशीलता के साथ उनकी जगह, आत्म मूल्य और खुद को लेकर उनके जागरूक होने की बारीकी को प्रदर्शित करती है।

Sivaranjani is a college student and a promising sprinter. Devaki is a working-women who keenly guards her privacy. Saraswathi is a nurturer who cooks meals and tends to her baby. All three women–Sivaranjani, Devaki and Saraswathi – belong to different strata of society, but are connected by monotony of their lives. Domestic violence, family dynamics and early marriage and pregnancy intrude into their lives. The casual sexism and entrenched misogyny play out in their everyday lives, threatening to usurp their individuality. The film sensitively captures their micro awakenings of identity, space and self-worth.

टक–टक (Tak-tak)

12 साल का विशाल जब जागता है तो उसे पता चलता है कि वह अपने खुद की कक्षा में बंद है। यही नहीं उसे पता चलता है कि आगे तीन दिनों तक स्कूल की छुट्टी है। ना खाना, ना बिजली और पूरी तरह से अकेलापन, इन सभी के बीच डर, चिंता और मतिभ्रम से गुजरता हुआ विशाल अकेला कक्षा में जूझता है। वह बहुत ही अजीब परिस्थितियों से गुजर रहा होता है, और जिंदा रहन के लिए अपने भीतर की बुराइयों और जिंदगी में मिलने वाले सुखों की कमी से लड़ रहा होता है। यह फिल्म उन सभी विकल्पों को बताती है जो विशाल उन परिस्थितियों में चुनता है जिसमें वह है, और अंत में जब वह बाहर आता है तो वह पूरी तरह से बदला हुआ व्यक्तित्व होता है।

कथासार | Synopsis

Vishal, a 12-year-old school boy, wakes up to find himself trapped inside his own classroom. Moreover, he discovers a three-day consecutive holiday in the school. With no food, poor electricity and almost no one in vicinity, he experiences anxiety, fear, hallucinations and struggles to stay alone in the classroom. He walks through the strange situation, fighting his demons and comforts of a normal life, just to stay alive. This film is all about the choices that Vishal makes about the situation that he is in. At the end, he comes out as a completely different person.

सुमी (Sumi)

सुमत उर्फ सुमी महाराष्ट्र के गांव की रहने वाली किशोरी है। वह अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती है, लेकिन स्कूल घर से 12 किमी दूर हैं और उसके पास साइकिल खरीदने के लिए पैसे नहीं है। वह उसी स्कूल में जाने वाले चिन्मय को मनाती है कि वह उसे साइकिल सिखा दे, वहीं उसके पिता कड़ी मेहनत करते हैं ताकि उसकी बेटी की साइकिले के लिए पैसे जमा हो सकें। रास्ते में कोई उसके पिता की जेब काट लेता है और दोनो पिता–बेटी निराश हो कर लौटते हैं। अब क्या सुमी का स्कूल जाने का सपना अधूरा रह जाएगा। क्या सुमि का परिवार लड़कियों की शिक्षा को लेकर तय रूढिवादी मान्यताओं को और आर्थिक बाधाओं को पार कर पाएगी।

Sumat aka Sumi is a young girl from rural Maharashtra. She wants to pursue further education, but can't afford a bicycle needed to go to the secondary school located 12 kilometres away. She convinces Chinmay, who goes to the same school, to teach her cycling. Meanwhile, Sumi's father, Vasant, works hard and accumulates enough money to buy his daughter a bicycle. On the way, he gets pick-pocketed, and both Vasant and Sumi return home utterly disappointed. Will Sumi go to school? Will her family break the financial and orthodox beliefs around girl education?

मी वसंतराव (Mi Vasantrao)

मी वसंतराव हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक वसंतराव के जीवन पर आधारित फिल्म है। फिल्म दिखाती है कि किस तरह वसंतराव जो महाराष्ट्र के विदर्भ में जन्मे और अपनी मां के सानिध्य में नागपुर में पले बढ़े औरआगे चलकर एक नामचीन हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित वसंतराव देशपांडे बने। कई रोमांचकों घटनाओं से गुजरते हुए उनकी जिंदगी और संगीत ने आकार लिया। जैसे उनकी पी.एल देशपांडे और बेगम अख्तर से खास दोस्ती, भारतीय सेना की जिंदगी, 1962 के युद्ध के दौरान भारत–चीन सीमा पर तैनाती से लेकर लाहौर में संगीत सीखना। और अंततः नाटक कत्यार कालिजात घुसली में प्रस्तुति देना।

'Mi Vasantrao' is a biopic on the life of Hindustani Classical vocalist Vasantrao Deshpande. The film shows how Vasantrao, who was born in Vidarbha, Maharashtra and raised in Nagpur by his mother single-handedly, became the celebrated Hindustani Classical vocalist Pandit Vasantrao Deshpande. It is full of exciting events which helped shapehis life and his music. Such as: his special friendship with P.L. Deshpande and Begum Akhtar, life in Indian Military Accounts, learning music in Lahore to his posting to the Indo-China border during the 1962 war, and finally performing in the play 'Katyaar Kaljaat Ghusli'.

अविजात्रिक (Avijatrik)

अविजात्रिक आपको वहां से आगे ले जाती है जहां पर 1959 में अपु ट्रायलॉजी, आपुर संसार के साथ खत्म हुई थी। अपु की जिंदगी अपने 6 साल के बेटे के इर्द गिर्द ही सिमट कर रह गई है। कुछ रोमांच की तलाश में वह अपनी मातृभूमिक को अलविदा कहकर शंकर और काजोल के साथ कहीं दूर किसी नई शुरूआत की तलाश में निकल पड़ता है। यह फिल्म इससे पहले की ट्रायलॉजी जिसमें अपु की आंतरिक यात्रा और आत्म विकास को दिखाया गया है उसके बजाए उसके बाहरी दुनिया को जानने की तीव्र उत्कंठा पर केंद्रित है। यह फिल्म अपु और इसके बेटे के बीच के गहरे बंधन के इर्द गिर्द घूमती है।

'Avijatrik' takes off from where 'The Apu Trilogy' had ended in 1959 with 'Apur Sansar'. Apu's life has come to a full circle as he lives his moments through his six-year-old son Kajol. Yearning for adventure, he bids farewell to his motherland and embarks on a spirited journey with Shankar and Kajol in search of new beginnings in a far-away land. The film focuses on Apu's overwhelming desire to explore the world outside, instead of his inner journey and self-growth, as portrayed in the earlier trilogy. It revolves around a sublime bond between Apu and his son.

मंडेला (Mandela)

एक स्थानीय नाई की किस्मत रातों–रात बदल जाती है जब वह गाँव के चुनाव में एक निर्णायक वोट बन जाता है।

A local barber's fate turns overnight when he become the single deciding vote in the village election.

मालिक (Malik)

फ्रेडी एक किशोर अपराधी है जिसे 14 दिनों के भीतर भीतर, एक बूढे होते कुख्यात तस्कर और स्थानीय डॉन सुलेमान को खत्म करने का काम सौंपा जाता है। संयोग से सुलेमान फ्रेडी का चाचा हैं। उसका जेल के अस्पताल में इलाज चल रहा है दूसरी तरफ पुलिस अधिकारी लगातर फ्रैडी को काम करने के लिए मजबूर कर रहे होते हैं।

फ्रैडी कोसुलेमान की मां, उसके अपने माता–पिता डेविड और मैरी, और अंत में खुद सुलेमान समझाता है और अपराध, मृत्यु और दर्द से घिरे हुए उसके अतीत को सुनाता है। जो कुछ पहले उन लोगों ने किया उसे करने के पीछे सबके पास अपनी वजहें है।

Freddy, a juvenile criminal, is given the task of eliminating Sulaiman, an aging patriarch, within a time period of 14 days. An infamous smuggler and local storngman, Sulaiman also happens to be Freddy's paternal uncle. While he is being treated in jail, Freddy is also continuously coaxed by police officers to do the deed. To convince him, a past ridden with crime, death and pain is recounted to Freddy

कथासार | Synopsis

by Sulaiman's mother, his own parents David and Mary, and also finally by Sulaiman himself, each giving their own reasons for their past actions.

कपपेला (Kappela)

जैसी अपने प्रेमी विष्णु से मिलने अकेली पहली बार वायनाड से कालीकट जाती है। जैसी का फोन एक बार गलती से विष्णु को लग जाता है। इसके बाद दोनों रोजाना फोन पर बात करने लगते हैं और दोनों को एक दूसरे से प्यार हो जाता है। अब दोनों को लगता है कि उन्हें मिलना चाहिए। वहीं रॉय नाम का एक शख्स है जो अपनी गुजर रही जिंदगी से इतर उसी दिन कालीकट में नौकरी के लिए साक्षात्कार देने जाता है। दुर्घटनावश वह इस जोड़े की राह में आ जाता है। जेसी ने कभी भी विष्णु को नहीं देखा है, क्या वह विष्णु से मिल पाएगी, क्या विष्णु वैसी ही इंसान है जैसा उसे लगता है।

Jessy travels all alone from Wayanad to Calicut to meet her beloved Vishnu for the first time. Jessy had once wrongly dialed Vishnu. This led to the two talking over phone everyday, and falling in love. Now, the two wanted to meet. Meanwhile, Roy, a man coming out of his comfort zone to have a job interview on the same day at Calicut, accidently becomes entwined in the path of the couple. As Jessy has never seen Vishnu, she thinks Roy is Vishnu. Will she meet Vishnu? Is Vishnu the man she believed he is?

नाट्यम (Natyam)

नाट्यम नृत्य के जरिए कहानी बताती है। यह कहानी एक जोशीली, उत्साही शास्त्रीय नर्तकी सितारा की है, जो आंध्रप्रदेश के नाट्यम के एक प्राचीन गांव की हुनरमंद शास्त्रीय नर्तकी है। वह अपने गांव में नृत्य सीखते हुए ही बड़ी हुई है, उसके गांव में कई नृत्य केंद्रित स्कूल या कलाक्षेत्र हैं।

एक नर्तकी के तौर पर वह अपनी काबीलियत साबित करना चाहती है, वह कादंबरी की कहानी सुनाकर अपने गुरू की भुला दी गई नृत्यकला को पुनर्जीवित करना चाहती है। उसका मानना है कि नृत्य के जरिये ऐसी कहानी कहानी बताने से हमारी दुनिया बदल सकती है. लेकिन उसके इस कदम से गांव में परेशानी भी खड़ी हो सकती है।

'Natyam' is to tell a story through dance. This is the story of a passionate classical dancer Sithara, a talented classical dancer from the ancient village of Natyam in Andhra Pradesh. She has grown up learning dance in the village which has many dance-centric schools or Kalakshetras. Eager to prove her worth as a dancer, she hopes to resurrect her guru's forgotten masterpiece choreography by narrating the story of Kadambari. She believes that to dance is to tell a story that can change our world. But her move may invite trouble in the village.

अल वैकुंठपुर्रमुलो (Ala Vaikunthapurramuloo)

वाल्मीकि एक मध्यमवर्गीय कर्मचारी है जो व्यापारी रामचंद्र के यहां काम करता है। जब उसे लड़का होता है उसी दौरान रामचंद्र की पत्नी को भी उसी अस्पताल में बेटा होता है। अपनी माली हालत को देखते हुए वाल्मीकि एक काम करता है, वह दोनों बच्चों को बदल देता है। इस तरह वाल्मीकि का बेटा राज वैकुंठपुरम में एक अमीर घराने में बढ़ा होता है वहीं रामचंद्र का असली बेटा बंटु मध्यम वर्गीय परिवार में परवरिश पाता है। बाद में जब बंटु को यह राज पता चलता है तो वह वैकुंठपुरम जाता है लेकिन उसे वहां पर कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

Valmiki is a middle-class employee working for businessman Ramachandra. When Valmiki's wife gives birth to a baby boy, at the same time in the same hospital, Ramachandra's wife too delivers a baby boy. Due to his financial status, Valmiki discretely swaps his baby with his millionaire boss's baby in the hospital. Thus, Valmiki's own son Raj grows up in the rich family at 'Vaikunthapurram', while Ramachandra's biological son Bantu is brought up in a middle-class family. Later, when Bantu learns this secret, he enters 'Vaikunthapurram'. But he will have to deal with the consequences there.

सायना (Saina)

सायना हरियाणा से निकली एक किशोरी की कहानी है जो बहुत कम उम्र में ही अपनी पूरी जिंदगी बैडमिंटन के नाम कर देती है। उसे अपने माता–पिता से हर तरह का समर्थन मिलता है। उसकी मां, उषा रानी का सपना है कि उसकी बेटी विश्व की बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी बने। और उसके पिता डॉ हरविर सिंह उसकी हर कही, अनकही इच्छा और ज़रूरतों को बगैर झुंझलाए पूरा करते हैं। सायना की गति को बनाए रखने के लिए वह अथक प्रयास करते हैं। लेकिन हर सपने की अपनी कीमत होती है, और जल्द ही साइना की जिंदगी और खेल में ज़रूरी स्तंभ यानी उसके कोच के साथ रिश्तों में दरारे पड़ने लगती है। फिल्म जितना सफलता हासिल करने के बारे में है उतना ही असफलता से मुकाबला करने के बारे में बताती है।

'Saina' traces the journey of a young girl from Haryana who dedicates her life at a very young age to badminton. She receives an unconditional and untiring support from her parents – her mother, Usha Rani, who dreams of seeing her daughter become the world's best badminton player; and her father, Dr. Harvir Singh, who fulfils her every unspoken wish and need, tirelessly to keep Saina's momentum going. But every dream has its costs, and soon cracks seem to appear on one of Saina's pillars, her coach. The film is as much about achieving success, as it is about coping with failure.

सेमखोर (Semkhor)

डिरो जो सेमखोर में समसा समुदाय से ताल्लुक रखता है, अपने पड़ोस के गांव जाता है और वहा पर उसकी मौत हो जाती है। उसकी मौत के बाद डिरो की पत्नी जो एक सहायक दाई की तौर पर काम करती है और अपने तीन बच्चों की देखभाल करती है। वह अपनी महज 11 साल की इकलौती बेटी की शादी दिनार से कर देती है। दुर्भाग्य से मुरी एक लड़की को जन्म देने के बाद मर जाती है। सेमखोर की परंपरा के मुताबिक अगर महिला बच्चे को जन्म देने के दौरान मर जाती है तो नवजात को उसकी मां के साथ जिंदा दफनाया जाता है। लेकिन डिरो की पत्री मुरी के बच्चे की रक्षा करती है, इस तरह सेमखोर में एक नई सुबह होती है।

कथासार | Synopsis

Diro, a man from the Samsa community in Semkhor, goes to a neighbouring village but gets confined there and eventually dies. After his death, Diro's wife, who worked as an assistant mid-wife, takes care of their three children. She gets their only daughter Muri, aged just eleven, married to Dinar. Unfortunately, Muri dies after giving birth to a girl child. As per the custom of Semkhor, if a woman dies during child birth, the infant is buried alive along with the mother. But Diro's wife protects Muri's infant, indicating a new dawn in Semkhor.

वान्कु (Vaanku)

रज़िया और उसकी तीन दोस्त – दीपा, ज्योति और शमीना स्नातक होने से पहले उन्हे क्या करने की इच्छा है इस राज पर चर्चा करते हैं। शमीना, आदिल के साथ फिल्म देखने जाना चाहती है, दीपा की इच्छा है कि वह प्रोफेसर वर्मा को गले लगाए, और ज्योति उम्मीद करती है कि वह जॉन के सामने अपने प्यार का इज़हार कर सके। जब रज़िया को उसकी इच्छा बताने के लिए जोर डाला जाता है तो वह डालते हैं तो वह कहती है कि वांकू (अज़ान) पढ़ना चाहती है, इस्लाम में महिलाओं का वांकू पढ़ना वर्जित माना जाता है। जैसे ही यह बात फैलती है तो उसके कॉलेज, परिवार और समुदाय में हलचल मच जाती है, क्या उसकी इच्छा पूरी हो पाएगी।

Raziya and her three friends–Deepa, Jyothi and Shameena–discuss their secret desires which they wish to fulfil before graduating. Shameena wants to go for a movie with Aadil; Deepa wishes to hug Professor Varma; and Jyothi hope to confess her love to John. After her friends's insist, Raziya reveals she wants to recite Vaanku (Azaan or call to prayer), which (a Muslim women reciting the Vaanku) is considered a taboo in Islam. As the word spreads, it creates a stir in her family, college and the community. Will she achieve her goal?

जून (June)

भारत के छोटे शहर की असली पृष्ठभूमि पर तैयार की गई फिल्म एक परेशान लड़के नील और रहस्यमयी महिला नेहा के इर्द गिर्द घूमती है। नील एक इंजीनियरिंग का छात्र है जो फेल होने के बाद अपने माता–पिता के पास औरंगाबाद लौट आता है। वह अपने अतीत के सदमे और मांता पिता की अपेक्षा पर खरा नहीं उतरने के दर्द से परेशान है। तभी, नेहा भी उसी शहर में अपने पति के बचपन के घर को देखने आती है। जैसे ही नील और नेहा का आमना सामना होता है, उनके बीच में एक संबंध विकसित होता है और नेहा नील को ठीक करना शुरू करती है, इसी बहाने वह खुद की परेशानियों को भी दूर कर रही होती है।

Set against a realistic backdrop of small-town India, the film paints a moving portrait of a troubled boy Neel and a mysterious woman Neha. Neel, an engineering student, returns to his parents' home in Aurangabad after failing his exams. He is haunted by a past trauma and the pressure of not living up to his parents' expectations. Meanwhile, Neha also arrives in the city, to visit her husband's childhood home. As Neel and Neha's pathkeep crossing, they develop a bond and Neha begins to heal him. She, in many ways, heals herself too.

गोदाकाठ (Godakaath)

युवा प्रीति एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में शीर्ष प्रबंधन के पद पर है। सत्ता को सबकुछ मानने वाली प्रीति के लिए रिश्ते नाते कोई मायने नहीं रखते हैं। लेकिन कुछ बड़े व्यक्तिगत झटकों के बाद वह सब कुछ छोड़ कर त्रयंबकेश्वर चली जाती है, जहां उसकी मुलाकात, स्थानीय जानवरों के डॉक्टर सदानंद से होती है। प्रकृति से प्यार करने वाला सदानंद प्रीति की देखरेख करता है। क्योंकि वह उसके साथ उन हरी भरी वादियों में घूमती है और आस पास की ऊर्जा महसूस करती है। इस तरह जैसे मौसम खुद को संवारता है वैसे ही प्रीति भी खुद को संवारती है। सदानंद, प्रीति को सिखाता है कि जिंदगी में भौतिकता के पीछे अंतहीन दौड़ लगाने के बजाए छोटी छोटी चीजों की तारीफ करना चाहिए।

Preeti, in her early 30s, is a top managerin an MNC. Driven by for power, she has little regard for personal relationships. But after a few major personal setbacks, she decides to quitit all and lands in Tryambakeshwar, where she meets Sadanand, a local veterinary doctor. A nature loving and caring Sadanand looks after Preeti, as she wanders through the green mountains with him, absorbing the life energy. The season and Preeti both start nurturing the life within them together. Sadanand teaches Preeti to appreciate the smaller things in life, instead of endlessly chasing material and fleeting things.

अवांछित (Avwanchhit)

निरुपमा वृद्धाश्रम के प्रमुख मधुसूदन रोजाना ऐसी जगह पर खुशिया फैलाने की कोशिश करते हैं जहां के लोगों में गहरी नकारात्मकता और ठुकराए जाने का दर्द भरा हुआ है। उनका इकलौते बेटा तपन ने खुद की दम पर ही खुद को बड़ा किया है। वह अपने पिता को उसके लिए कभी उपस्थित नहीं रहने और अपनी मां की मौत के लिए जिम्मेदार मानता है। फिल्म कोलकाता की पृष्ठभूमि में पिता–पुत्र के रिश्तों के बीच भावनाओं के ज्वार–भाटा को प्रस्तुत करती है। यह पहली मराठी फिल्म है जिसे व्यापक स्तर पर कोलकाता में शूट यिा गया है।

Madhusudhan, the Head of 'Nirupama' old age home, strives every day to spread happiness in a place that houses a deep sense of loss and rejection among its residents. His only son Tapan grew up training himself to survive the world alone. He blames Madhusudhan for being a father in absentia and also for his mother's death. The film takes us through an emotional roller-coaster of a father-son relationship in the backdrop of Kolkata, a city jostling between fading tradition and modernity taking over. It's the first Marathi film to be shot exclusively and extensively in Kolkata.

तुलसीदास जूनियर (Toolsidas Junior)

सच्ची घटना पर आधारित 13 साल के बच्चे की कहानी जिसने नब्बे के दशक में कोलकाता के रिवर्ड स्नूकर क्लब सर्किट में इतिहास रच दिया था। कुशल स्नूकर खिलाड़ी तुलसीदास का छोटा बेटे मिडी का तब दिल टूट जाता है जब वह अपने पिता को क्लब चैंपियनशिप के फाइनल्स में 5 बार के विजेता जिमी टंडन से गलत वजह

कथासार | Synopsis

से हारते हुए देखता है। यहां से उस बच्चे की झकझोर देने वाला सफर शुरू होता है जिसमें उसे अपने बडे भाई की मदद मिलती है। मिडी अब तक के सबसे रोचक फाइनल में तमाम तरह के प्रयासों के बाद जिमी टंडन के सामने होता है।

Based on a true story, this is a coming-of-age film about 13-year-old boy, who went on to create history in the revered Snooker Club circuits of Kolkata in the nineties. Midi, the younger son of prolific snooker playerToolsidas, is heart broken when he witnesses his father lose unfairly to five times winner Jimmy Tandon in the Finals of the Club Championship.From here on, begins the most heart-wrenching journey of a little boy, aided by his 17-year-old gambler brother. Midi does everything possible to be up against Jimmy Tandon in the most fascinating Final ever.

गैर फ़ीचर फ़िल्में
NON-FEATURE FILMS

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020
NATIONAL FILM AWARDS 2020

35 मि.मि. या बड़े गेज या डिजिटल प्रारूप में बनी किन्तु फ़िल्म प्रारूप अथवा वीडियो/डिज़िटल प्रारूप में जारी किसी भी भारतीय भाषा में बनी और केन्द्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा वृत्त–चित्र/न्यूजरील/ गैर–कथाचित्र/लधु कल्पित के रूप में प्रमाणीकृत फ़िल्म ग़ैर फ़ीचर फ़िल्म वर्ग के लिए पात्र है।

Films made in any Indian language, shot on 35 mm or in a wider gauge or digital format but released on either film format or Video/Digital format and certified by the Central Board of Film Certification as a Documentary/Newsreel/Non-Fiction/Short Fiction are eligible for non-feature film section.

गैर फ़ीचर फ़िल्में । एक नज़र में

- **टेस्टीमोनी ऑफ़ एना (दांगी)**
  सर्वश्रेष्ठ गैर–फ़ीचर फ़िल्म
  TESTIMONY OF ANA (Dangi)
  Best Non-Feature Film

- **परिआह (मराठी एवं हिंदी)**
  निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम गैर–फ़ीचर फ़िल्म
  PARIAH (Marathi and Hindi)
  Best Debut Non-Feature Film Of A Director

- **मांदल के बोल (हिंदी)**
  सर्वश्रेष्ठ मानवजातीय फ़िल्म
  MANDAL KE BOL (Hindi)
  Best Ethnographic Film

- **पबुंग स्याम (मणिपुरी)**
  सर्वश्रेष्ठ जीवनी फ़िल्म
  PABUNG SYAM (Manipuri)
  Best Biographical Film

- **नदादा नवनीता डॉ पंडित वेंकटेश कुमार (कन्नड़)**
  सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म
  NAADADA NAVANEETA DR PT VENKATESH KUMAR (Kannada)
  Best Arts And Culture Film

- **ऑन द ब्रिंक सीज़न 2–बैट्स (अंग्रेज़ी)**
  सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक एवं तकनीकी फ़िल्म
  ON THE BRINK SEASON 2 - BATS (English)
  Best Science And Technology Film

- **सरमाउंटिंग चैलेंजेज़ (अंग्रेज़ी)**
  सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन देने वाली फ़िल्म
  SURMOUNTING CHALLENGES (English)
  Best Promotional Film

- **मानाह आरु मानुह (असमिया)**
  सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फिल्म
  MANAH ARU MANUH (Assamese)
  Best Environment Film

- **जस्टिस डिलेड बट डिलीवर्ड (हिन्दी)**
  सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
  JUSTICE DELAYED BUT DELIVERED (Hindi)
  Best Film On Social Issues

- **थ्री सिस्टर्स (बांग्ला)**
  सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
  THREE SISTERS (Bengali)
  Best Film On Social Issues

- **ड्रीमिंग ऑफ़ वर्ड्स (मलयालम)**
  सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक फिल्म
  DREAMING OF WORDS (Malayalam)
  Best Educational Film

- **व्हीलिंग द बॉल (अंग्रेज़ी एवं हिंदी)**
  सर्वश्रेष्ठ गवेषणा साहसी फ़िल्म
  WHEELING THE BALL (English & Hindi)
  Best Exploration /Adventure Film

NON-FEATURE FILMS | AT A GLANCE

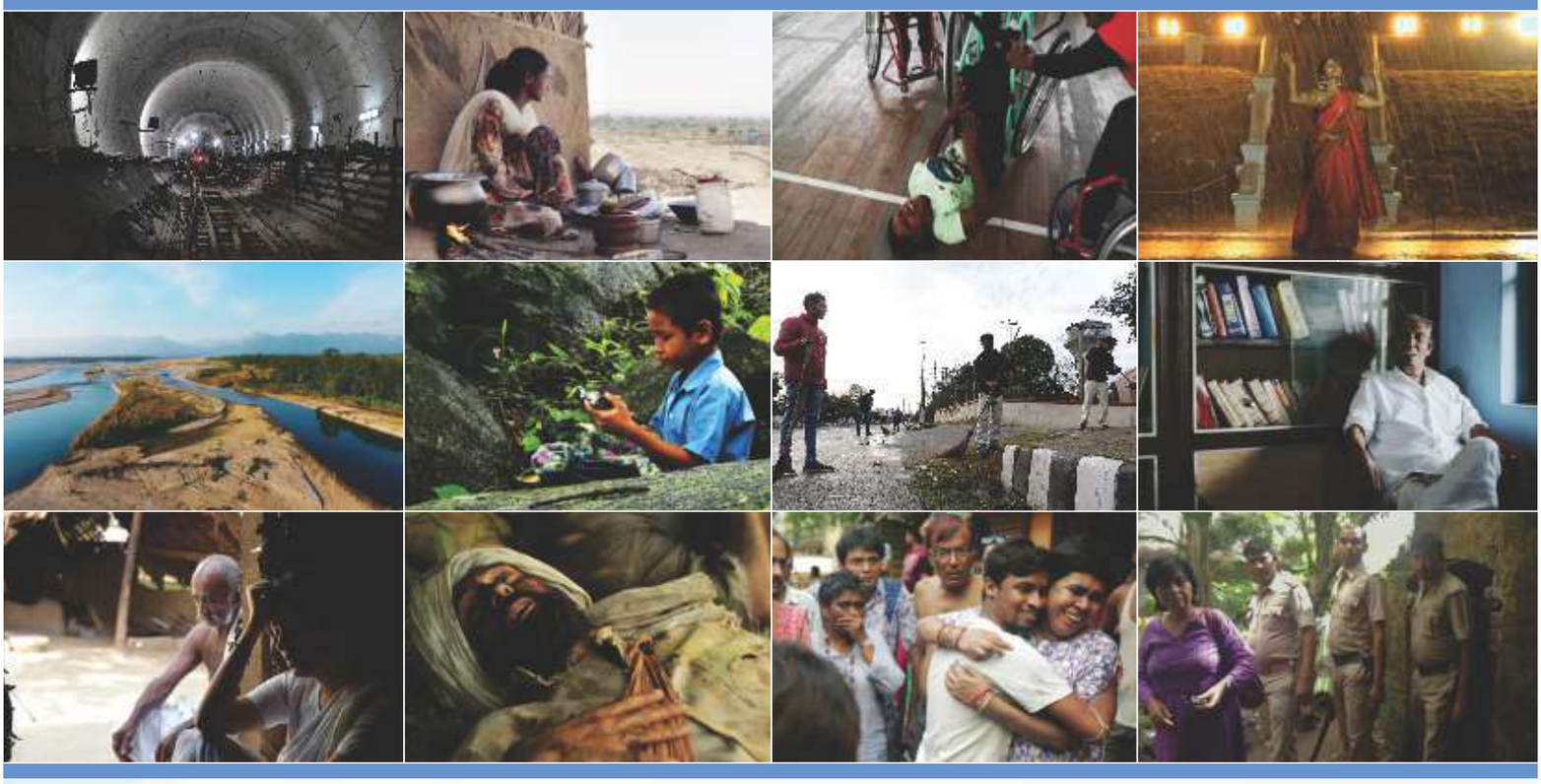

- **द सेविअरः ब्रिग. प्रीतम सिंह (पंजाबी)**
  सर्वश्रेष्ठ खोजी फ़िल्म

  THE SAVIOUR : BRIG.PRITAM SINGH (Punjabi)
  Best Investigative Film

- **एडमिटेड (हिंदी एवं अंग्रेज़ी)**
  निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार

  ADMITTED (Hindi & English)
  Special Jury Award

- **कचिचिनिठु (कारबी)**
  सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फ़िल्म

  KACHICHINITHU (Karbi)
  Best Short Fiction Film

- **कुंकुमार्चन (मराठी)**
  पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

  KUMKUMARCHAN (Marathi)
  Best Film On Family Values

- **ओह देट्स भानु (अंग्रेजी, तमिल, मलयालम एवं हिंदी)**
  सर्वश्रेष्ठ निर्देशन

  OH THAT'S BHANU (English, Tamil, Malayalam & Hindi)
  Best Direction

- **शबदिक्कुना कलप्पा (मलयालम)**
  सर्वश्रेष्ठ छायांकन

  SHABDIKKUNNA KALAPPA (Malayalam)
  Best Cinematography

- **पर्ल ऑफ़ द डेज़र्ट (राजस्थानी)**
  सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन

  PEARL OF THE DESERT (Rajasthani)
  Best Audiography

- **जादुई जंगल (हिन्दी)**
  सर्वश्रेष्ठ ऑन–लोकेशन साउंड रिकॉर्डिस्ट

  JADUI JANGAL (Hindi)
  Best On-Location Sound Recordist

- **बॉर्डरलैंड्स (बांग्ला, नेपाली, मणिपुरी, हिंदी एवं पंजाबी)**
  सर्वश्रेष्ठ संपादन

  BORDERLANDS (Bengali, Nepali Manipuri, Hindi & Punjabi)
  Best Editing

- **1232 किमीः मरेंगे तो वहीं जाकर (हिन्दी)**
  सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन

  1232 KMS: MARENGE TOH WAHIN JAAKAR (Hindi)
  Best Music Direction

- **रैपसोडी ऑफ़ रेंस–मोंसून्स ऑफ़ केरला (अंग्रेज़ी)**
  सर्वश्रेष्ठ प्रकथन / वॉइस ओवर

  RHAPSODY OF RAINS-MONSOONS OF KERALA (English)
  Best Narration/Voice Over

टेस्टीमोनी ऑफ़ एना

सर्वश्रेष्ठ गैर फ़ीचर फ़िल्म

Testimony of Ana | Best Non-Feature Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

Dangi | **24 Min** | **Director, Producer & Editor**: Sachin Dheeraj Mudigonda | **DOP:** Rohin Raveendran Nair | **Production Sound:** Nilesh Jatwa | **Sound Design:** Shreyank Nanjappa | **Sound Mixing:** Morgan Honaker | **Cast:** Anaben Pawar

NON-FEATURE FILMS

कथासार - दूर दूर से गांव वाले अनाबेन पवार से मिलने आते हैं, जो एक बुजुर्ग आदिवासी औरत है, वह बीमार लोगों का इलाज करती है। हालांकि लोग उस पर डायन होने का इल्जाम लगाते हैं। कुछ लोग अनाबेन को उसके घर से घसीट कर बाहर निकाल देते हैं और बुरी तरह पीटते हैं। यहां तक कि उसे नग्न करके घुमाया जाता है। वह इस बात का खुलासा करती है कि उसके गांव के यह लोग उसकी ज़मीन हथियाना चाहते हैं। उसके साथ ऐसा करने वाले चार आरोपियों को 2017 में गिरफ्तार किया गया जिनमें से दो लोगों की जमानत हो गई थी। अक्सर भीड़ उसके घर आती और उसे निकालकर बेतहाशा पीटती और छोड़ कर चली जाती। लेकिन वह निडरता के साथ उसी गांव में रहती है।

Synopsis - People travel from other villages to visit Anaben Pawar, an elderly tribal woman, to get treated for their ill-health. However, accusing her of witchcraft, some men from village drag Anaben out of her house, and assault her grievously. She reveals how these men in her village, greedy of her land, also paraded her naked. While four assaulters were arrested in 2017, two of them were granted bail. Often a random mob would turn up at her door, beat her and leave. Yet, she still stays in that same village, fearless.

परिचय PROFILE

सचिन धीरज मुडिगोंडा (Sachin Dheeraj Mudigonda)

सचिन धीरज मुडिगोंडा हैदराबाद के रहने वाले हैं जो इंजीनियर से फिल्मकार बने है। वर्तमान में वह ऑस्टिन के टेक्सास विश्वविद्यालय से फिल्म एवं मीडिया प्रोडक्शन में एमएफए कर रहे हैं। इनका वृत्तचित्र 'बबलमेन' विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों के अलावा, 2019 में एसएक्सएसडब्ल्यू डेनियस लॉन्गहॉर्न शोकेस में भी प्रीमियर हुआ था। इन्हों नें चेकगण राज्य के प्राग (FAMU) की प्रदर्शन कला अकादमी में ग्रीष्म कालीन फिल्म निर्माण कार्यशाला में भी भाग लिया है।

Sachin Dheeraj Mudigonda is an engineer-turned-filmmaker from Hyderabad, India. He is currently pursuing MFA program in Film & Media Production from University of Texas at Austin. His documentary 'The Bubbleman' premiered at SXSW Denius Longhorn Showcase in 2019, besides playing at various international film festivals. He has also attended the Summer Filmmaking Initiation Workshop at the Academy of Performing Arts in Prague (FAMU), the Czech Republic.

Citation - Brilliantly shot film about an elderly tribal woman show casing an epitome of resilience, grit and determination in the face of extreme adversities.

परिआह

निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Pariah

Best Debut Film of a Director

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 75,000/-

Hindi & Marathi | **26 Min** | **Director:** Vishesh Iyer | **Producer:** MIT School Of Film And Televison | **Screenplay:** Vishesh Iyer | **DOP:** Siddhant Temkar | **Editor:** Rasik Tirodkar | **Sound Designers:** Adwait Walujkar and Ishaan Devasthali | **Sound Recordist** : Souchandra Witkar | **Cast:** Gajanan Paranjape, Ekaparnika

NON-FEATURE FILMS

कथासार - 70 साल का योगेन्द्र भलामानस है और 6 साल की केतकी की तरफ आकर्षण को लेकर उसका खुद पर नियंत्रण नहीं है। वह खुद भी इस आकर्षण को लेकर बहुत घृणित महसूस करता है, केतकी को बेहतर जिंदगी देने के लिए वह कुछ भी कर सकता है। लेकिन उसका अत्यधिक आकर्षण उसे आगे मदद करने से रोकता है। केतकी की मां जो एकल पालक है, वह घरेलू सेविका का काम करती है और योगेन्द्र के बंगले के बाहर बने कमरे में रहती है। उसकी अनुपस्थिति में केतकी अपना ज्यादा वक्त योगेन्द्र के साथ बिताने लगती है, कुछ घटनाओं के बाद पदमा को योगेन्द्र की गतिविधियों पर शक होता है, जिससे उनकी जिंदगी जटिल और अवसान में बदल जाती है।

Synopsis - Yogendra is a 70-year-old virtuous man who is uncontrollably attracted towards a six-year-old Ketaki. He feels disgusted and miserable due to this 'inclination' but does everything he can to give Ketaki a better life. But his strong attraction prevents him from helping her even further. Ketaki's mother Padma, a single parent, works as a maid and also lives in the outhouse of Yogendra's bungalow. In her absence, Ketaki tends to spend more time with Yogendra. After few events, Padma starts to suspect Yogendra's actions around Ketaki, leading their lives into something complex and terminal.

परिचय

विशेष अय्यर (Vishesh Iyer)

विशेष अय्यर मुंबई के फिल्मकार और सिनेमेटोग्राफर हैं। यह पुण के एमआईटी स्कूल ऑफ फिल्म एंड टेलिविजन के पूर्व छात्र हैं। जहां इन्होंनें अपने फिल्मकार के कौशल को निखारा। इन्हें 2017 के मुंबई अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी का पुरस्कार प्राप्त हुआ था। 'परीह' इनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है।

Vishesh Iyer is a Mumbai-based filmmaker and cinematographer. He is an alumnus of MIT School of Film & Television in Pune, where he honed his skills as a filmmaker. He won the Best Cinematography Award at the Mumbai International Short Film Festival 2017. 'Pariah' is his directorial debut film.

PROFILE

एमआईटी स्कूल ऑफ फिल्म एंड टेलिविजन (MIT School of Film and Television)

एमआईटी स्कूल ऑफ फिल्म एंड टेलिविजन, पुणे की स्थापना 2015 में हुई। इसका उद्देश्य आधुनिक प्रशिक्षण के जरिए आने वाले कल के फिल्मकारों और तकनीशियनों जिनके पास बेहतर रचनात्मक क्षमताएं है, उनके ज्ञान कों संवारना है। ताकि वह आगे जाकर विश्व सिनेमा में अपनी उम्दा फिल्मों के निर्माण से सार्थक योगदान दें। यह विश्व सिनेमा में भारतीय फिल्म, फिल्म निर्माताओं और तकनीशियनों के लिए आला स्थिति की कल्पना करता है।

MIT School of Film and Television, Pune was established in 2015. It aims to provide advanced training to and nurture knowledge-driven filmmakers and technicians, who will have great potential and creative abilities to make and contribute the finest films in the world cinema. It envisages a 'niche position' for Indian films, filmmakers, and technicians in the world of cinema.

प्रशस्ति – नवोदित निर्देशक विशेष अय्यर द्वारा मानवीय भावनाओं की जटिलताओं की गहरी परतों को बेहद ही खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया गया है।

Citation - Complexities of human emotions are deeply layered which is handled brilliantly by this debut director Vishesh Iyer.

मांदल के बोल
सर्वश्रेष्ठ मानवजातीय फ़िल्म
Mandal Ke Bol | Best Ethnographic Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **32 Min** | **Director & DOP:** Rajendra Janglay | **Producer:** Madhya Pradesh Tribal Museum, Bhopal | **Editor:** Devanshi Srivastava | **Sound Recordist:** Harikumar Madhavan N | **Sound Designer:** Shashank Kothari

NON-FEATURE FILMS

कथासार - फिल्म भारत की सबसे पहली जनजातियों में से एक बैगा के बारे में विस्तार से प्रस्तुति देती है। अपने टैटू और जीवन के मूल तरीकों के लिए पहचानी जाने वाली बैगा जनजाति ने तमाम तरह के सामाजिक बदलावों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखा है। यह फिल्म इस प्राचीन जनजाति समुदाय की जीवनशैली, विश्वास और संस्कृति की एक दृश्य कथा है।

Synopsis - This film offers a keen look at one of the most primitive tribes of India, the Baiga. Known for their tattoos and primal ways of life, the Baigas have succeeded in retaining their cultural identity in spite of the changing social milieu. The film is a visual narrative of the culture, beliefs, and lifestyle of this intriguing ancient tribal community.

परिचय

राजेन्द्र जांगले (Rajendra Janglay)

3 दशक लंबे अपने फिल्मी सफर में **राजेनद्र जांगले** ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर 200 से ज्यादा वृत्तचित्रों का निर्देशन किया। वह अपने वृत्तचित्रों के लिए 5 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं. पिछले 20 सालों से वह मध्यप्रदेश सरकार के विभाग माध्यम के लिए क्रियेटिव डायरेक्टर के तौर पर सक्रिय थे। वर्तमान में वह मध्यभारत के आदिवासी समुदाय से जुड़ी फिल्म परियोजनाओं के निर्माण और निर्देशन में शामिल हैं।

In a career spanning over three decades, **Rajendra Janglay** has directed and shot for over 200 documentaries on various social and cultural issues. He has been awarded five National Film Awards for his documentaries. For over 20 years, he was active as the Creative Director (Films) for Madhya Pradesh Madhyam, a Government of M.P. undertaking. His present assignment involves producing, directing and shooting film projects on the tribal communities of Central India.

PROFILE

मध्यप्रदेश जनजाति संग्रहालय (Madhya Pradesh Tribal Museum)

MADHYA PRADESH
TRIBAL MUSEUM

मध्यप्रदेश जनजाति संग्रहालय, भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के आदिवासी लोक कला एवंम बोली विकास अकादमी की एक पहल है। अपनी तरह का अनूठा संग्रहालय राज्य की समृद्ध आदिवासी विरासत को प्रदर्शित ही नहीं करता है बल्कि विभिन्न माध्यमों जैसे फिल्म, प्रचार, पेंटिंग, ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए आदिवासी कला और संस्कृति के सभी पहलुओं को संरक्षित और प्रसारित करता है।

Madhya Pradesh Tribal Museum, Bhopal is an initiative of the Aadiwasi Lok Kala Evam Boli Vikas Academy, Department of Culture, Government of Madhya Pradesh. The museum, one of its kind, is committed not just to showcase the rich tribal heritage of the state but also to preserve and disseminate all aspects of tribal art and culture through a variety of mediums–such as films, publications, paintings, audio recordings and so on.

प्रशस्ति – प्राचीन आदिवासी समुदाय 'बैगा' की संस्कृति, विश्वास और जीवनशैली के दिलचस्प दृश्य चित्रण के लिए।

Citation - For its visual narrative of the culture, belief and lifestyle of intriguing ancient tribal community 'The Baiga'.

पबुंग स्याम

सर्वश्रेष्ठ जीवनी फ़िल्म

Pabung Syam | Best Biographical Film

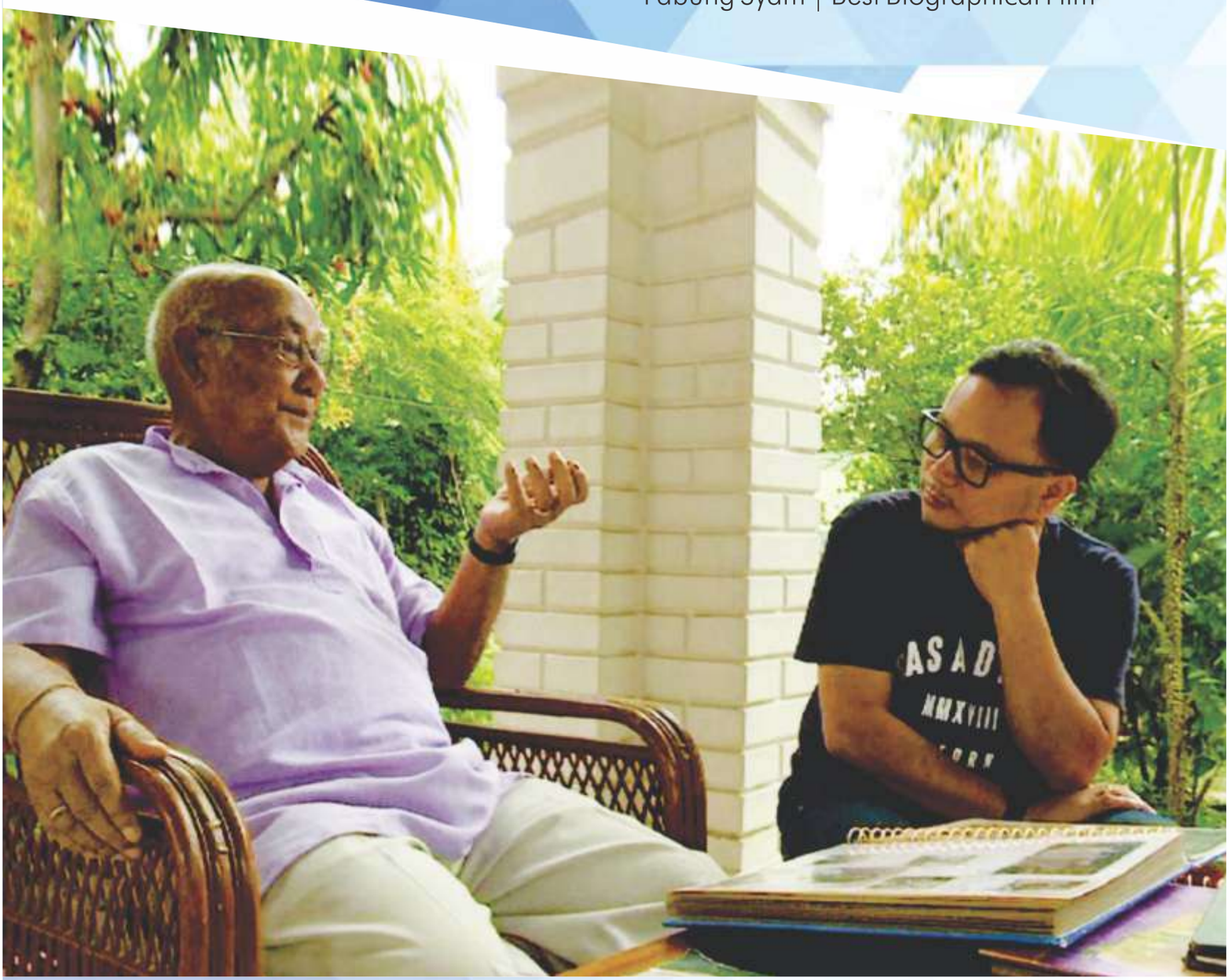

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Manipuri | **53 Min** | **Direction & Narration:** Haobam Paban Kumar | **Producer:** Films Division | **Camera:** Irom Maipak | **Sound:** Sukanta Majumdar | **Editing:** Sankha | **On Location Sound:** Laishram Devakumar

NON-FEATURE FILMS

कथासार - पाबुंग स्याम मणिपुर सिनेमा के जनक कहे जाने वाले अरिबम स्याम शर्मा के फिल्मी सफर और जिंदगी को उकेरती है। शर्मा फिल्म निर्देशक, अभिनेता, गायक और कंपोजर है, 1972 में मणिपुर फिल्म उद्योग में बनी पहली फीचर फिल्म मातामगी मणिपुर के वक्त से यह सिनेमा से जुड़े हैं। वह कई बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और दूसरे राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से नवाजे जा चुके हैं।

Synopsis - 'Pabung Syam' documents the life and film career of Aribam Syam Sharma, the father figure of the Manipuri cinema. Sharma is a film director, actor, singer and composer; and has been associated with the Manipuri film industry since its first full-length feature film 'Matamgi Manipur' (1972). He has won multiple National Film Awards, and several other national and international honours.

परिचय

हाओबम पबन कुमार (Haobam Paban Kumar)

हाओबम पबन कुमार 4 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके हैं जिसमें एक उन्हें अपने वृत्तचित्र 'अफस्पा 1958' के लिए 2008 मिला, जो यह सम्मान हासिल करने वाली पहली मणिपुरी फिल्म थी। इसके अलावा उनके पहली फीचर फिल्म 'लोकताक लायरम्बी' को 2016 में पुरस्कार प्राप्त हुआ। वह सत्यजित रे फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान, कोलकाता के पूर्व छात्र हैं।

Haobam Paban Kumar has won four National Film Awards including one for his documentary 'AFSPA 1958' in 2008 – the first Manipuri film to win the honour; and another for his debut feature film 'Loktak Lairembee' in 2016. He is an alumnus of Satyajit Ray Film & Television Institute (SRFTI), Kolkata.

PROFILE

फिल्म्स डिविजन (Films Division)

फिल्म्स डिविजन की स्थापना 1948 में भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत हुई। पिछले 67 सालों में, भारत के आजादी के बाद के इतिहास को लेकर 9000 वृत्तचित्र, लघु, फीचर, एनिमेशन फिल्म, न्यूज रील और न्यूज मैगजीन का निर्माण किया है। यह भारत के समकालीन जीवन और संस्कृति के प्रति अनुराग बढ़ाने और देश में वृत्तचित्र और लघु फिल्म के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

Films Division was established in 1948 under the Ministry of Information & Broadcasting, Government of India. In the last 67 years, it has recorded India's post-independence history by producing over 9000 titles, including documentary, short, featurette and animation films, news reels and news magazines. It is wedded to the objective of securing appreciation of India's contemporary life and culture, and to stimulate and promote the growth of documentary and short film movement in the country.

प्रशस्ति – पबुंग स्याम मणिपुर के उन फिल्म निर्माताओं में से हैं जिन्होंनें अपने कलात्मक भाव के जरिए मणिपुरी सिनेमा को भारतीय नक्शे पर अंकित किया है। मणिपुर के एक और महत्वपूर्ण फ़िल्मकार, उनके शिष्य हाओबम पबन कुमार द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म उनके जीवन एवं कार्यों की झलक दिखलाती है।

Citation - Pabung Syam is the pioneer filmmaker from Manipur, who placed the Manipuri cinema on the Indian map through his artistic expression. This film takes a look at his life & work, directed by his disciple Haobam Paban Kumar, another important filmmaker from Manipur.

नदादा नवनीता डॉ. पंडित वेंकटेश कुमार
सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म

Naadada Navaneeta Dr. Pt. Venkatesh Kumar
Best Arts and Cultural Film

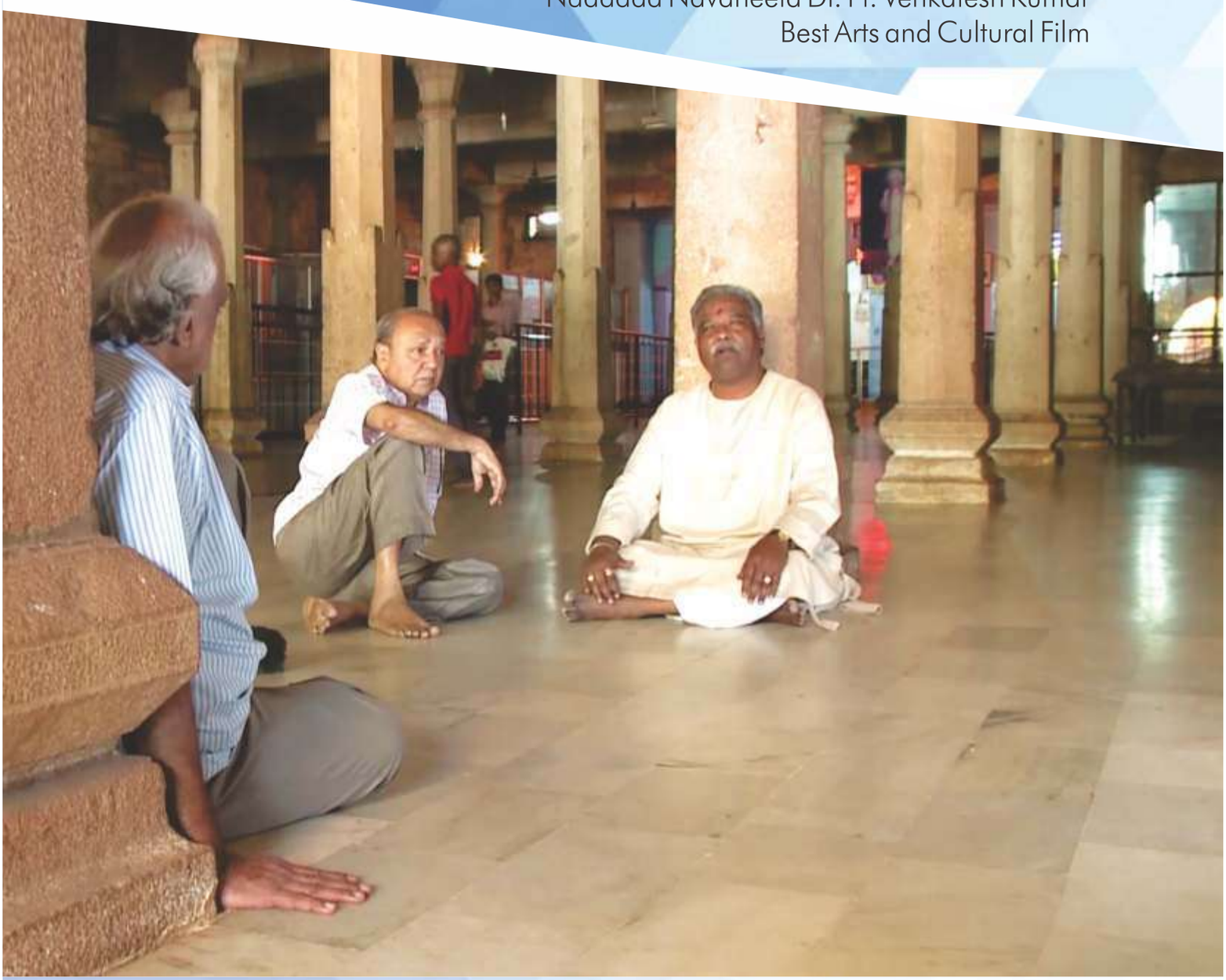

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Kannada | **43 Min** | **Director:** Girish Kasaravalli | **Producer:** Department of Information and Public Relations Govt of Karnataka | **DOP:** G.S. Bhaskar | **Editors:** Mohan Kamaakshi, M.N. Swamy

NON-FEATURE FILMS

कथासार - यह फिल्म हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज पद्म श्री डॉ. व्यंकटेश कुमार के निजी और संगीत के सफर को प्रस्तुत करती है। इन्होंने धारवाड़ के विश्वविद्यालय के संगीत एवं कला कॉलेज में संगीत की शिक्षा दी और हाल ही में सेवानिवृत्त हुए। वह एक 'ए' ग्रेड आकाशवाणी कलाकार हैं और नियमित रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम करते हैं। उन्हें भक्ति संगीत के प्रतिपादन के लिए भी जाना जाता है। कई पुरस्कारों से अलंकृत गिरीश कर्नाटक के एक सुदूर गाँव में जन्में और उन्होंने गडग में पद्म भूषण पुत्तराज गवई के मार्गदर्शन में किराना और ग्वालियर घराने में प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह फिल्म हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विभिन्न घरानों के बारे में उनके विचारों पर भी प्रकाश डालती है।

Synopsis - This film traces the musical and personal journey of Hindustani Classical legend Padma Shree Dr. Venakatesh Kumar. He taught music at the University College of Music & Fine Arts, Dharwad and retired recently. He is an 'A' grade Akashavani Artiste and has Hindustani Classical music concerts regularly. He is equally known for his rendering of Bhakti sangeet. He has been decorated with many awards. Hailing from a remote village in Karnataka, he was trained in Kirana and Gwaliar Gharana under Padma Bhushan Puttaraja Gavai in Gadag. The film also highlights his ideas about various Gharanas of Hindustani Classical Music.

परिचय

गिरीश कसरावल्ली (Girish Kasaravalli)

गिरीश कसरावल्ली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कन्नड़ फिल्मकार हैं और भारत में समांतर सिनेमा आंदोलन के अगुआ में से एक हैं। वह पिछले 5 दशकों से फिल्मनिर्माण कर रहे हैं। एफटीआईआई पुणे के गोल्ड मेडलिस्ट रह चुके गिरीश ने 15 फिल्म और 5 वृत्तचित्रों का निर्माण किया है। इन्हें कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों सहित करीब एक दर्जन से ज्यादा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, जिसमें चार बार सर्वश्रेष्ठ फिल्म 'घटश्रद्धा', 'ताबराना काथे', 'थावि साहेबा', और 'द्वीपा' के लिए सम्मान हासिल हुआ।

Girish Kasaravalli is a National Award-winning Kannada filmmaker and one of the pioneers of the Parallel Cinema movement in India. He has been making films for last five decades. A gold medalist from FTII, Pune, he has made 15 feature films and five documentary films. Along with many international honours, he has also over a dozen National Film Awards, including four Best Feature Films for 'Ghatashraddha' (1977), 'Tabarana Kathe' (1986), 'Thaayi Saheba' (1997) and 'Dweepa' (2002).

PROFILE

सूचना और जनसंपर्क विभाग
(Department of Information and Public Relations)

सूचना और जनसंपर्क विभाग कर्नाटक सरकार का एक विभाग है जो जनसंपर्क लिए कार्य करता है। यह विभिन्न विषयों सहित ऐसे व्यक्तित्व जिन्होंने कर्नाटक राज्य को गौरवान्वित किया है उन पर वृत्तचित्र बनाता है।

Department of Information and Public Relations is a division of Government of Karnataka and acts as a liaison of Public Relations. It also makes documentaries on various subjects including personalities that have brought glory to the state of Karnataka.

प्रशस्ति – एक दलित समुदाय से आने वाले हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित वेंकटेश कुमार का प्रशंसनीय चित्रण, जिन्होंने एक गुरु और प्रदर्शक के रूप में ऊंचाइयों को प्राप्त किया है ।

Citation - Naada Navaneeta is a wonderful portrayal of Hindustani classical singer Pandit Venkatesh Kumar who coming from a downtrodden community has attained great Heights as a guru and performer.

ऑन दि ब्रिंक सीजन 2–बैट्स

सर्वश्रेष्ठ विज्ञान एवं तकनीक फिल्म

On the Brink Season 2- Bats
Best Science and Technology Film

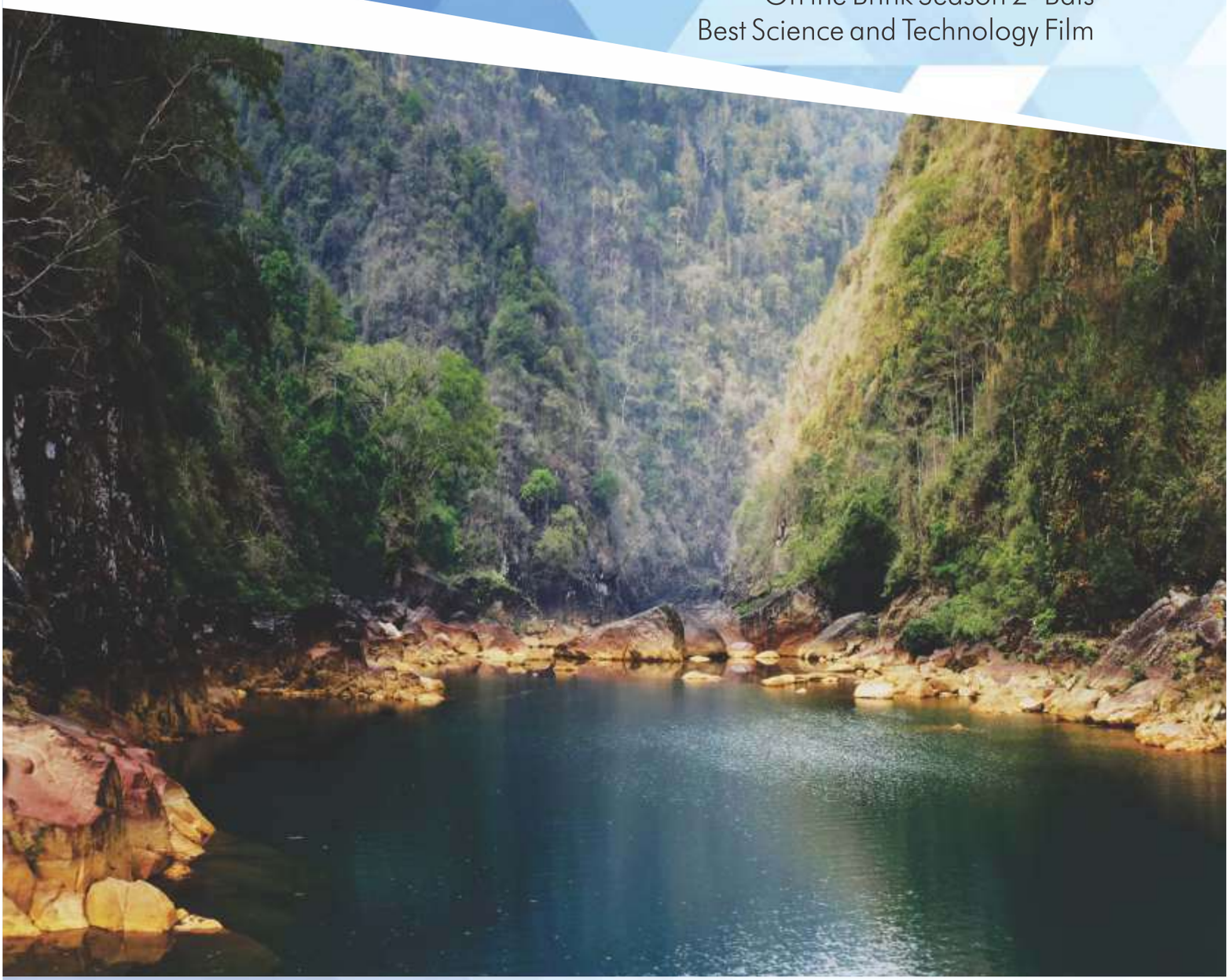

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

English | **24 Min** | **Director:** Akanksha Sood Singh | **Producer:** Roshni Nadar Malhotra | **Script Writer:** Ruth Berry | **Editor:** Sanjiv Monga | **Cinematography:** Praveen Singh | **Music:** Karthik Pai | **Narrator:** Charu Sharma | **Sound Design:** Sanjiv Monga

NON-FEATURE FILMS

कथासार - ऑन दि ब्रिंक भारत की प्रकृति की उन प्रजातियों और उनके निवास को अद्भुत चित्रण है, जिन्हें टेलिविजन पर शायद ही कभी देखा गया है। इनके दूसरे सीजन बेट्स यानी चमगादड़ पर है।

Synopsis - 'On the Brink' is an unprecedented portrayal of India's natural world, exploring species and habitats rarely seen on television. In its second season on 'Bats', the series journeys through the sub-continent, immersing audiences in the most incredible landscapes and habitats in the country and bringing them eye to eye with rarely spotted animals that live here. Grassroots conservationists help us understand why species that once lived in large populations are now literally On the Brink.

परिचय

आकांक्षा सूद सिंह (Akanksha Sood Singh)

आकांक्षा सूद सिंह पिछले 20 सालों से विशेष तथ्यात्मक फिल्म बना रही हैं। पिछले 5 सालों से वह भारत भर की विलुप्त और दुर्लभ प्रजातियों का फिल्मांकन कर रही हैं। जिसे ऑन दि ब्रिंक नाम की पुरस्कार विजेता श्रंखला के तहत निर्मित किया गया है। वह इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स के लिए निर्णायक मंडल (वृत्तचित्र) सदस्य में से एक रही हैं और जैक्सन वाइल्ड फिल्म फेस्टिवल की सलाहकार समीति की सदस्य हैं। वह भारत, पाकिस्तान और मलेशिया में विमेन ऑफ दि वाइल्ड की संस्थापक हैं।

Akanksha Sood Singh has been a 'special factual' filmmaker for about 20 years. For the last five years, she has been filming some of the most rare and endangered species across India under the award-winning series 'On the Brink'. She has been one of the Jurors (Documentary) for the International Emmy Awards and an Advisory Council member to Jackson Wild Film Festival. She is the founder of Women of the Wild in India, Pakistan and Malaysia.

PROFILE

रोशनी नादर मल्होत्रा (Roshni Nadar Malhotra)

रोशनी नादर मल्होत्रा, एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ और एचसीएल टेक्नोलॉजी की अध्यक्ष, शिव नादर फाउंडेशन की ट्रस्टी और हेबिटेट ट्रस्ट की सहसंस्थापक और ट्रस्टी हैं। इससे पहले वह नीला माधब पांडा निर्देशित बाल फिल्म 'हल्का' का निर्माण कर चुकी हैं। इसके अलावा 2019 से 'ऑन दि ब्रिंक', वन्यजीव श्रंखला का निर्माण भी कर रही हैं। इन्होंनें नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से संचार में स्नातक किया और केलोग स्कूल ऑफ मेनेजमेंट से एमबीए की डिग्री प्राप्त की।

Roshni Nadar Malhotra is the CEO of HCL Corporation, Chairperson of HCL Technologies, Trustee of the Shiv Nadar Foundation and cofounder and trustee of The Habitats Trust. She has previously produced the Nila Madhab Panda-directed children's film 'Halkaa' (2018) and the wildlife series 'On the Brink' from 2019. She holds an undergraduate degree in Communications from Northwestern University and an MBA from the Kellogg School of Management.

प्रशस्ति – एक युवती मेघालय में सुदूर स्थित गुफाओं में पाई जाने वाली चमगादड़ों की एक दुर्लभ प्रजाति के अध्ययन की चुनौती स्वीकार करती है।

Citation - A young woman takes upon the challenge of studying a rare species of bats found in remote caves in Meghalaya.

सरमाउंटिंग चैलेंजज़
सर्वश्रेष्ठ प्रचार फिल्म
Surmounting Challenges | Best Promotional Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

English | **28 Min** | **Director:** Satish Pande | **Producer:** Anuj Dayal, DMRC | **Screenplay**: Ahad Umar Khan, Satish Pande | **Editor:** Pawan Kumar | **DOP:** Rakesh Kumar Singh, Rajan Srivastava, Prashant Kumar | **Music:** Roy Mandis | **Voice Over:** Surjan Singh

NON-FEATURE FILMS

कथासार - दिल्ली मेट्रो के फेज 1 और 2 ने देश की राजधानी में लोगों के लिए एक मजबूत और तेज ट्रांजिट सिस्टम की नींव रखी, वहीं इसके फेज 3 की बदौलत मेट्रो शहर की कई नए और प्रमुख स्थलों तक पहुंच बना सकी। लेकिन जहां तक सिविल इंजीनियरिंग से जुड़ी चुनौतियों की बात है यह फेज सबसे कठनितम रहा। 160 किलोमीटर लंबे इस खंड में 11 विभिन्न गलियारों पर काम हुआ, जिसमें 30 विशाल सुरंग खोदने वाली मशीनों और करीब 30,000 लोगों का कार्यबल लगा। 28 मिनिट लंबी फिल्म दिखाती है कि किस तरह डीएमआरसी ने गैर पारंपरिक समाधानों के साथ तीसरे चरण के विस्तार के दौरान इन इंजीनियरिंग से जुड़ी चुनौतियों का सामना किया।

Synopsis - While Delhi Metro's Phase I and II laid the foundation of a robust mass rapid transit system in the national capital, its Phase III made the Metro accessible to a number of new major localities of the city. But it was also the toughest phase in terms of major civil engineering challenges it encountered. The 160 km-long stretch saw work on 11 different corridors with 30 mammoth tunnel boring machines and a workforce of nearly 30,000. The 28-minute-long film highlights how DMRC overcame such engineering challenges during its third phase of expansion with some out-of-the-box solutions.

परिचय

सतीश पांडे (Satish Pande)

सिनेमेटोग्राफर और निर्देशक **सतीश पांडे** दूरदर्शन, डीएवीपी, विज्ञान एवं तकनीकि मंत्रालय, इग्नू, प्रौढ़ शिक्षा विभाग आदि के लिए काम कर चुके हैं। इनके कामों में ड्रीम फुलफिल्ड (सर्वश्रेष्ठ प्रचार फिल्म, 2011 के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार), 'दि ग्रीन विश', 'देल्ही मेट्रो–ड्राइविंग देल्ही फॉरवर्ड', 'सर्कल ऑफ डांस' आदि शामिल हैं। यह 300 से ज्यादा कॉरपोरेट फिल्म, वृत्तचित्र, टीवी सीरियल, ऑडियो–वीडियो स्पॉट्स और रेडियो कार्यक्रमों के क्रियेटिव डायरेक्टर रह चुके हैं।

Cinematographer and director **Satish Pande** has worked with Doordarshan, DAVP, Ministry of Science & Technology, IGNOU, Deptt. of Adult Education, etc. Some of his works include 'The Dream Fulfilled' (winner of a National Film Award for Best Promotional Film, 2011), 'The Green Wish', 'Delhi Metro: Driving Delhi Forward', 'Circle of Dances', etc. He has been creative director of over 300 corporate films, documentaries, T.V. Serials, Audio and Video Spots and Radio programs.

PROFILE

अनुज दयाल, डीएमआरसी (Anuj Dayal, DMRC)

कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विशेषज्ञ **अनुज दयाल** पिछले 35 सालों से भारतीय **रेल्वे और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी)** के साथ जुड़े हुए हैं, जहां वर्तमान में वह कंपनी के प्रवक्ता और प्रधान कार्यकारी निदेशक हैं। दिल्ली मेट्री की कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विंग को उनके नेतृत्व में जापानी सरकार के द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी के तौर पर पहचान मिल चुकी है। इससे पहले इन्हें 2011 में डीएमआरसी की प्रचार फिल्म के निर्माण के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

Anuj Dayal is a Corporate Communications expert with 35 years of experience with the Indian Railway and the **Delhi Metro Rail Corporation (DMRC)** where he is currently its Spokesperson and Principal Executive Director in the company. The Corporate Communications wing of the Delhi Metro, under his leadership, has been recognised as a Centre of Excellence by the Japanese Government. Previously, he won a National Film Award for producing DMRC's Promotional Film in 2011.

प्रशस्ति – फिल्म दिखाती है कि किस तरह डीएमआरसी के इंजीनियरों ने घनी आबादी वाली कॉलोनियों के नीचे सुरंग खोदने सहित कई विशालकाय इंजीनियरिंग चुनौतियों का सामना किया।

Citation - Showcases DMRC engineers overcoming mammoth engineering challenges including critical tunnel boring underneath densely inhabited colonies

मानाह आरू मानुह
सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फ़िल्म
Manah Aru Manuh | Best Environment Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Assamese | **25 Min** | **Director:** Dip Bhuyan | **Producers:** Directorate, Manas National Park & Aaranyak | **Camera & Sound:** Dip Bhuyan | **Screenplay:** Dip Bhuyan, Jayanta Kumar Sarma | **Editing & Sound Mixing:** Simanta Sandilya Sarmah

NON-FEATURE FILMS

कथासार - फिल्म बोडो जातीय समूह के जीवन और एक विश्व प्राकृतिक धरोहर स्थल मानस नेशनल पार्क के प्राकृतिक परिदृश्य के साथ उनके जुड़ाव को प्रस्तुत करती है। फिल्म इन स्वदेशी समुदायों के 'जैवसंस्कृतिवाद' और सांस्कृतिक लोकाचार को बनाए रखने और आजीविका अर्जित करने के उनके संघर्ष को दर्शाती है। फिल्म उन 'संरक्षण आजीविका' की रणनीतियों और दृष्टिकोण पर केंद्रित है जिसके जरिए जंगलों पर निर्भर लोगों को वैकल्पिक आजीविका प्राप्त हो सके। फिल्म बताती है कि कैसे सरकारी दफ्तर और गैर सरकारी संगठनन के साथ स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयास प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण की पहल को मजबूत कर सकते हैं और समुदाय की 'आजीविका सुरक्षा' में सुधार कर सकते हैं।

Synopsis - The film portrays the lives of the Bodo ethnic group and their association with the natural landscape in the fringe of Manas National Park, a World Natural Heritage Site. It depicts the 'bioculturalism' of the indigenous communities and their struggle to maintain cultural ethos and earn livelihood. It focuses on the strategies and approach of 'Conservation Livelihood' which can provide alternative livelihood to forest-dependent people. The film reveals how the joint efforts of GO, NGO and local community can strengthen conservation initiatives for nature and wildlife and improve 'livelihood security' of the community.

परिचय

दीप भुञा (Dip Bhuyan)

दीप भुञा सिनेमेटोग्राफर, फिल्मकार और मीडिया शिक्षक हैं। इन्होंनें 2002 में 'फ्रेंड्स फोरएवर' से अपने फिल्मी सफर की शुरूआत की, और आगे चलकर इन्होंनें 35 से ज्यादा वृत्तचित्र और फिल्म बनाईं। इन्हें, 'शेष आशा' (सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, 2013) और 'रिजोनेन्स ऑफ मदर्स मेलोडी' (सर्वश्रेष्ठ फिल्म 2015) के लिए दो बार असम सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है। इनकी फिल्म इफ्फी के इंडियन पैनोरमा खंड में, एमआईएफएफ और सीएमएस वातावरण में प्रदर्शित की जा चुकी है। इनकी दो फिल्मों को आईडीपीए सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

Dip Bhuyan is a cinematographer, filmmaker and a media educator. He made his debut in 2002 with 'Friends Forever', and has since then made over 35 documentaries and a fiction film. He has been honoured twice by the Government of Assam – for 'Sesh Asha' (Best Director, 2013) and 'Resonance of Mother's Melody' (Best Film, 2015). His films have been screened at the Indian Panorama, IFFI and MIFF, and CMS Vatavaran. Two of his films have won the IDPA awards.

PROFILE

अरण्यक (Aaranyak)

अरण्यक एक गैर सरकार पर्यावरण संगठन हैं जो गुवाहाटी, असम में स्थित है। इसकी स्थापना 1989 में हुई थी। अरण्यक डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय का शोध केंद्र भी है। यह लगभग पूरे पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में प्रकृति संरक्षण पर काम करते हैं, मुख्य रूप से अनुसंधान, शिक्षा और कानून के माध्यम से वन्यजीव और जैव विविधता के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। 33 वर्षों में, इन्होंनें 150 से अधिक शोध पत्र, लगभग 100 तकनीकी रिपोर्ट, मोनोग्राफ, किताबें और कई शैक्षिक सामग्री प्रकाशित की हैं।

Aaranyak is a non-government environmental organisation based in Guwahati, Assam. Established in 1989, Aaranyak is a recognised research centre of Dibrugarh University, Assam. It works all over the Eastern Himalayan Region on nature conservation, focussing mainly on conservation of wildlife and biodiversity, through research, education and advocacy. In 33 years, it has published over 150 research papers, nearly 100 technical reports, monographs, books and brochures and numerous educational materials.

प्रशस्ति – विश्व प्राकृतिक विरासत मानस राष्ट्रीय उद्यान में आजीविका संरक्षण के तरीकों और रणनीति को उजागर करती फिल्म, जो बोडो स्वदेशी समूह और जंगल के बीच में एक मजबूत संबंध स्थापित करती है।

Citation - For highlighting the strategies and approaches of 'Conservation Livelihood' which strengthens the bond between Bodo indigenous group and jungle in the Manas National Park, a World Natural Heritage Site

जस्टिस डिलेड बट डिलीवर्ड
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Justice Delayed But Delivered
Best Film on Social Issues

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **14 Min** | **Director:** Kamakhya Narayan Singh | **Producer:** Mandeep Chauhan | **Screenplay:** Hardeep | **DOP:** Sanjay Kapoor, Abhishek Srivastav | **Editor:** Sandeep Chauhan

NON-FEATURE FILMS

कथासार - यह फिल्म राधिका गिल और रश्मि शर्मा को दिखाती है, दोनों ही भारतीय संविधान के अनुच्छेद 35 ए के चलते भेदभाव का शिकार हैं। राधिका ने सीमा सुरक्षा बल की प्रवेश परीक्षा पास कर ली थी लेकिन वह नियुक्ति नहीं पाती हैं क्योंकि उसके पास जम्मू–कश्मीर का स्थायी निवास प्रमाणपत्र (पीआरसी) नहीं है। इसी तरह, रश्मि शर्मा जो पीआरसी धारक हैं लेकिन उसके सारे अधिकार इसलिए छिन जाते हैं क्योंकि उसकी शादी एक गैर पीआरसी धारक से हुई है। उनकी दुर्दशा तब समाप्त हो जाती है जब अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया जाता है और 2019 में अनुच्छेद 35 ए को हटा दिया जाता है, जिससे उन्हें वह सभी अधिकार मिल जाते हैं, जिनके वे जन्म से हकदार थे।

Synopsis - The film encapsulates the journey of Radhika Gill and Rashmi Sharma, both victims of discrimination due to the Article 35A of the Indian Constitution. Radhika cleared the entrance test to join the Border Security Force (BSF), but is unable to join as she doesn't have the Permanent Resident Certificate (PRC) of Jammu and Kashmir. Similarly, Rashmi Sharma, a PRC holder, is stripped of all her rights as she is married to a non-PRC holder. Their predicaments end when Article 370 is abrogated and Article 35A deleted in 2019, conferring all the rights which they deserved since birth.

परिचय

कामाख्या नारायण सिंह (Kamakhya Narayan Singh)

कामाख्या नारायण सिंह ग्लोबल ट्रेवल चैनल ट्रेवलएक्सपी के क्रियेटिव डायरेक्टर हैं। इन्होंनें 220 से ज्यादा यात्रा वृत्तचित्रों का निर्देशन किया है। और करीब 40 देशों के साथ साथ भारत के कोने कोने में यात्रा कर चुके हैं। इनकी पहली फिल्म 'भोर' 25 से ज्यादा वैश्विक महोत्सवों में जा चुकी है जिसमें कायरो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, इजिप्ट 2019 भी शामिल है। इन्हें ओट्टावा फिल्म महोत्सव 2019 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान हासिल हो चुका है।

Kamakhya Narayan Singh is Creative Director with global travel channel Travelxp. He has directed over 220 travel documentaries and has travelled to and shot in over 40 countries and in every corner of India. His debut feature film 'Bhor' has travelled to 25 global festivals, including Cairo International Film Festival, Egypt 2019. He has won the Best Director Award at the Ottawa Film Festival 2019.

PROFILE

मनदीप चौहान (Mandeep Chauhan)

मनदीप चौहान बतौर कंटेट प्रोड्यूसर पिछले 13 सालों से विभिन्न न्यूज चैनलों के साथ काम कर चुके हैं। बतौर स्वतंत्र निर्माता इन्होंनें आर्टिकल 35ए और जस्टिस डिलेड बट डिलीवर्ड जैसे वृत्तचित्रों का निर्माण किया है।

Mandeep Chauhan has worked for 13 years with different news channels as a content producer. As an independent producer, he has produced documentaries such as '#Article35A' and 'Justice Delayed But Delivered'.

प्रशस्ति – एक शिक्षित वाल्मीकि लड़की राधिका और एक पीआरसी धारक रश्मि के सफर का चित्रण, जो अपने मूल अधिकारों और सुविधाओं से वंचित थी, लेकिन जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35 ए के खत्म होते ही उन्हें सामाजिक न्याय मिला ।

Citation - For its portrayal of the journeys of Radhika, an educated Valmiki girl, and Rashmi Sharma, a PRC holder, who were deprived of basic rights and privileges; but got social justice after the scrapping of Article 370 and 35 A in Jammu & Kashmir.

थ्री सिस्टर्स
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
Three Sisters | Best Film on Social Issues

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Bengali | **54 Min** | **Director:** Putul Mahmood | **Producer:** Ratnaboli Ray | **Editor:** Amitabh Chakraborty | **DOP:** Prabhdeep Singh | **Sound Designer:** Arkadeep Karmakar

NON-FEATURE FILMS

कथासार - तीन बहने, शिखा, रुपाशी और सीमा को उनके परिवार द्वारा 20 साल पहले जबरन कोलकाता में सरकार संचालित मानसिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। वह तभी से वहां रह रहीं थी और उनके परिवार से कभी कोई उनसे मिलने नहीं आता था। अगस्त 2017 में उनके परिवार को तीनों बहनों को वापस घर ले जाने के लिए मनाने का प्रयास किया गया। फिल्म तीनों बहनों के भारत–बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित उनके घर जाने की उनकी यात्रा, परिवार के प्रेम को लेकर उनकी ललक और उस प्यार को नकारे जाने की स्थिति में उनकी गरिमा और अनुग्रह को दर्शाती है।

Synopsis - Three sisters Shikha, Rupashi and Seema were forcibly admitted by their family to a government-run mental hospital in Kolkata 20 years ago. They have been living there ever, since separated from and neglected by their family who never visit them. In August 2017, an attempt was made to persuade their family to take the three sisters back home. As the film follows the three sisters to their home near the Indo-Bangladesh border, it captures their journey, their longing for familial love and their tremendous grace and dignity in the face of denial of that love.

परिचय

पुतुल महमूद (Putul Mahmood)

पुतुल महमूद, एफटीआई आई, पुणे की पूर्व छात्र, फिल्मकार, निर्माता, स्क्रिप्ट सलाहकार और शिक्षक हैं। इन्होंनें बंगाली फीचर 'कॉस्मिक सेक्स' का निर्माण किया और लघु फिल्म एवं वृत्तचित्रों का निर्देशन किया जिसमें इरफान खान अभिनीत, 'यू हू नेवर अराइव्ड', 'मैन ऑफ साइलेंस–सरदार वल्लभ भाई पटेल', 'आई शूट यू', 'थ्री सिस्टर्स' और 'अतासी' शामिल है। यह वर्तमान में कोलकाता के सत्यजित रे फिल्म एंव टेलिविजन संस्थान के निर्देशन और पटकथा लेखन विभाग में असोसियेट प्रोफेसर हैं।

Putul Mahmood, an alumna of the FTII Pune, is a filmmaker, producer, script consultant and teacher. She has produced Bengali feature 'Cosmic Sex' and directed short fiction and documentaries including Irrfan Khan-starrer 'You Who Never Arrived', 'Man of Silence: Sardar Vallabhbhai Patel', 'I Shoot U', 'Three Sisters' and 'Atasi'. She is currently an Associate Professor in the Direction and Screenplay Writing Department of the Satyajit Ray Film and TV Institute in Kolkata.

PROFILE

रत्नाबोली रे (Ratnaboli Ray)

रत्नाबोली रे एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक, अशोका फैलो, और मानसिक सेहत कार्यकर्ता हैं। यह हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड हायजीन से मानव अधिकार और सेहत में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। यह मानसिक सेहत देखरेख अधिनियम 2017 के प्रारुपण में सलाहकार थीं। उसी के राज्य–स्तरीय कार्यान्वयन के लिए पश्चिम बंगाल समिति में हैं। यह क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रिंट मीडिया में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी योगदान करती हैं।

Ratnaboli Ray is a trained psychologist, an Ashoka Fellow (1999) and a mental health activist. She was also trained in Human Rights and Health from the Harvard School of Public Health and Hygiene. She was an advisor in the drafting of the Mental Health Care Act, 2017, and is on a West Bengal committee for state-level implementation of the same. She contributes op-edits on various social issues in the regional and national print media.

प्रशस्ति – तीन बहनें जिन्हें जबरदस्ती उनके परिवार से जुदा करके कोलकाता के मानसिक अस्पताल में भर्ती कर दिया गया। यह फिल्म अपने परिवार के प्यार के लिए उनके जुनून और पागलपन और उस प्यार को नकारने पर उनके अद्भुत स्वाभिमान के सफर का चित्रण करती है ।

Citation - Three Sisters forcibly separated from their family, admitted in a mental hospital in Kolkata. This film is about a journey of their madness & passion for familial love, and showcases a tremendous self dignity to face the denial of that love.

ड्रीमिंग ऑफ़ वर्ड्स
सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक फ़िल्म
Dreaming of Words | Best Educational Film

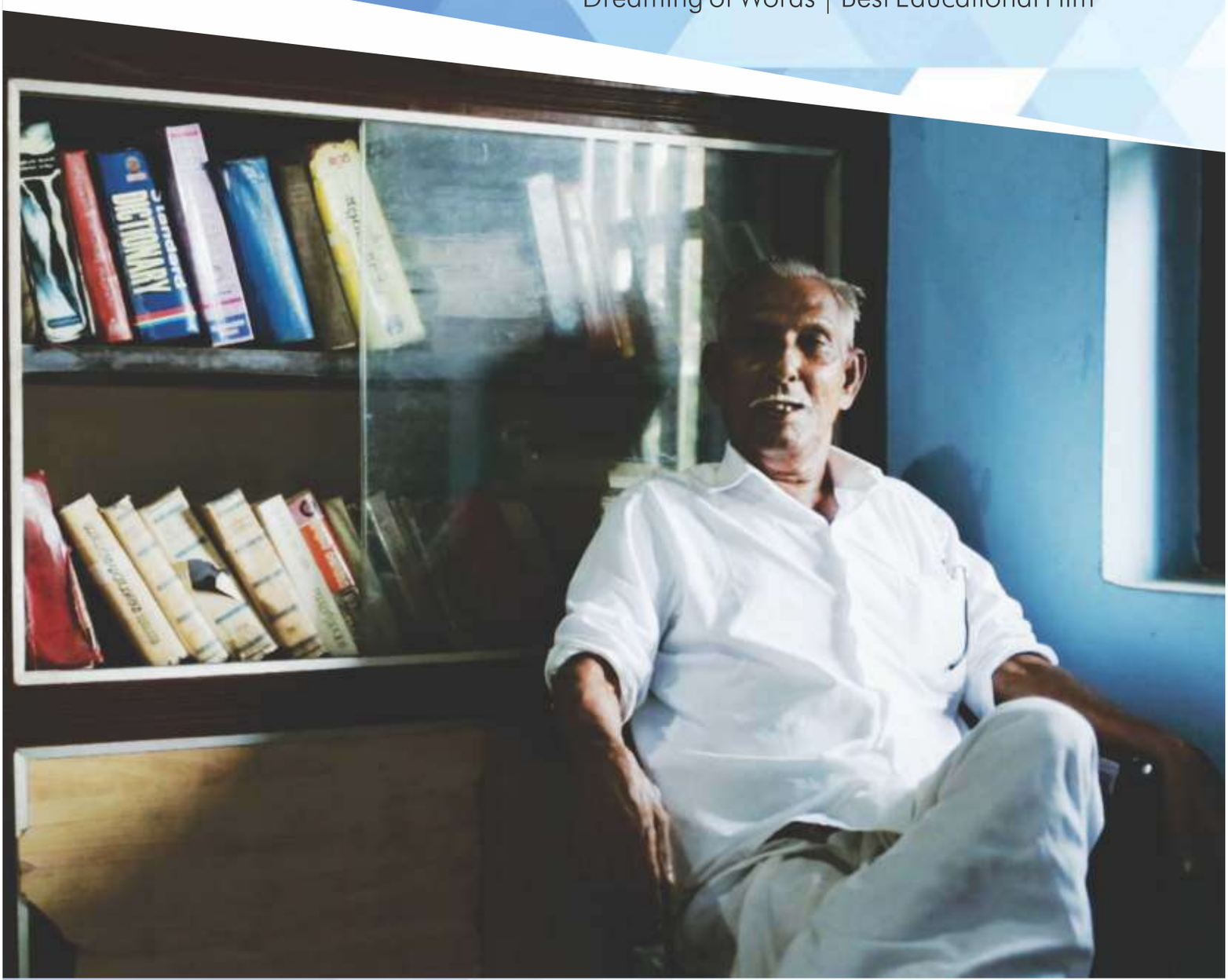

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **60 Min** | **Director:** Nandan | **Producer:** Nandan | **DOP:** Surjith S Pai | **Editor:** Sreevalsan R.S. | **Sound Designer:** Akshay Vaidya | **Music:** Arun Alat

NON-FEATURE FILMS

कथासार - निजात्येला श्रीधरन चौथी पास है। उन्होंनें चार भारतीय भाषाओं से जुड़ा शब्दकोश तैयार किया है। इसके लिए वह चार राज्यों में घूमे और व्यापक स्तर पर शोध की, इस बहुभाषी शब्दकोश को तैयार करने में उन्होंनें अपनी जिंदगी के 25 साल लगा दिए। इस अनूठे शब्दकोश की मदद से तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ का तुलनात्मक अध्ययन करने में सहायता मिलती है। ड्रीमिंग ऑफ वर्ड्स श्रीधरन की जिंदगी, उनके काम, भाषाओं के प्रति प्रेम, और शब्दकोश के प्रकाशन को लेकर उनके संघर्ष को दर्शाता है. फिल्म के जरिए हम भारत में सांस्कृतिक और भाषायी विविधता के दर्शन भी कर पाते हैं।

Synopsis - Njattyela Sreedharan, a fourth standard drop-out, compiles a dictionary connecting four Indian languages. Travelling across four states and doing extensive research, he spent 25 years making the multilingual dictionary. This unique dictionary offers a comparative study of Malayalam, Kannada, Tamil and Telugu. 'Dreaming of Words' traces Sreedharan's life, work, love for languages and the struggles to get the dictionary published. The film also explores the linguistic and cultural diversity in India.

परिचय | PROFILE

नंदन (Nandan)

नंदन केरल के लेखक और फिल्मकार हैं। जिन्हें 'ड्रीमिंग ऑफ वर्ड्स' और 'ब्रीथ' में उनके निर्देशन के लिए जाना जाता है। कॉलेज के दिनों में अकीरा कुरोसावा की 'रोशोमोन' देखने के बाद उन्होंनें फिल्म बनाने का फैसला किया। मुंबई में जाकर फिल्म बनाने का फैसला लेने से पहले वह बी.टेक करके बंगलुरू में काम कर रहे थे। मुंबई में इन्होंनें विज्ञापन फिल्म और फीचर फिल्म के लिए सहायक निर्देशक का काम किया। इन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कई बार सरहाना मिल चुकी है।

Nandan is a filmmaker and writer from Kerala known for directing 'Breath' and 'Dreaming of Words'. It was during his college days that he watched Akira Kurosawa's 'Rashomon' and decided to make films. He completed his B. Tech in Civil Engineering and worked in Bengaluru before moving to Mumbai to pursue filmmaking. There, he started by working as an assistant director in advertising films and feature films. He has received many accolades internationally.

प्रशस्ति – एक चौथी पास शख्स जो अब 70 साल के हो चुके हैं, जिसने किस तरह अपनी जिंदगी के 25 से ज्यादा साल, चार दक्षिण भारतीय भाषाओं के बहुभाषी शब्दकोश को संकलित करने में गुजार दिए।

Citation - A fourth standard dropout now in his 70s has selflessly spent more than 25 years of his life compiling a multilingual dictionary of the four South Indian languages.

व्हीलिंग द बॉल

सर्वश्रेष्ठ अन्वेषण | साहसिक फ़िल्म

Wheeling the Ball

Best Exploration | Adventure Film

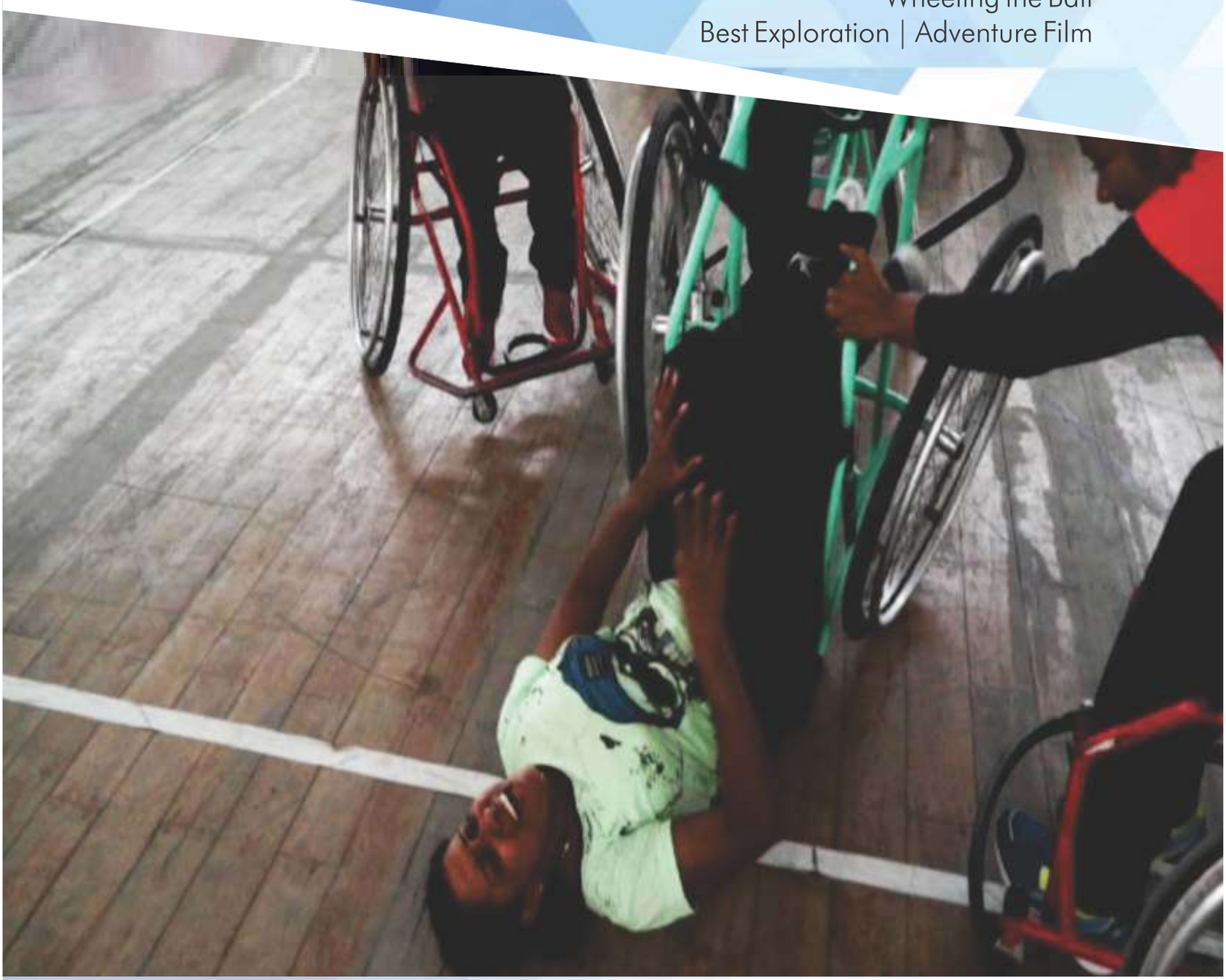

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

English & Hindi | **43 Min** | **Director**: Mukesh Sharma | **Producer:** Films Division | **DOP:** Mukesh Sharma, R.S. Guram, Shankar Chavan, Sreenivas, Sunil B. Rana | **Editor:** Mahesh Dhumal | **Sound Designer:** S. Sathiya Murthy, Atharva Gijare | **Narration:** Meshka Dhumal

NON-FEATURE FILMS

कथासार - चार व्हीलचेयर बॉस्केटबॉल खिलाड़ी महिलाओं की असल जिंदगी की कहानी, फिल्म खेल के लिए उनके जोश और जुनून को उजागर करती है।

Synopsis - This film, 'Wheeling the Ball', is about four women wheelchair basketball players. Through the narration of the actual life stories of these players, the film explores their passion for the sport.

परिचय

मुकेश शर्मा (Mukesh Sharma)

मुकेश शर्मा 1997 से फिल्म डिविजन के साथ बतौर कैमरामेन कार्यरत हैं और इन्होंनें कई वृत्तचित्रों की शूटिंग कर चुके हैं इनका वृत्तचित्र, 'सथ्यु –एक भोपाली सामाजिक कार्यकर्ता' (2011) को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के राष्ट्रीय प्रतियोगिता खंड में नामांकन मिला था। इनका वृत्तचित्र, 'प्रोग्रेसिव वोयेज' (2015) कोंकण रेलवे के 25 सालों पर केंद्रित था। इनकी फिल्म, नेपथ्य भारतीय सिनेमा के गौरवशाली सदी की पृष्ठभूमि में सिने तकनीशियनों के मूक प्रयासों और उपलब्धियों प्रस्तुत करती है।

Mukesh Sharma has been working as cameraman with Films Division from 1997 and has shot many documentaries. His documentary 'Sathyu, A Bhopali Activist' (2011) was nominated in the national competition section of Mumbai International Film Festival 2012. His documentary 'Progressive Voyage' (2015) focused on the 25 years of Konkan Railway. His film 'Nepathya' portrays the silent effort and achievements of the cine technicians in the back drop of the glorious century of Indian cinema.

PROFILE

फिल्म्स डिविजन (Films Division)

फिल्म्स डिविजन की स्थापना 1948 में भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत हुई। पिछले 67 सालों में, भारत के आजादी के बाद के इतिहास को लेकर 9000 वृत्तचित्र, लघु, फीचर, एनिमेशन फिल्म, न्यूज रील और न्यूज मैगजीन का निर्माण किया है। यह भारत के समकालीन जीवन और संस्कृति के प्रति अनुराग बढ़ाने और देश में वृत्तचित्र और लघु फिल्म के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

Films Division was established in 1948 under the Ministry of Information & Broadcasting, Government of India. In the last 67 years, it has recorded India's post-independence history by producing over 9000 titles such as documentary, short, featurette and animation films, news reels and news magazines. It is wedded to the objective of securing appreciation of India's contemporary life and culture, and to stimulate and promote the growth of documentary and short film movement in the country.

प्रशस्ति – अगर जुनून और समर्पण का भाव हो तो चाहे कितनी भी प्रतिकूल परिस्थितियां क्यों नहीं हो, कोई आपको ऊंचाई छूने से नहीं रोक सकता। व्हीलचेयर पर बैठी इन महिलाओं के पैरों ने हमेशा हवा से बात की।

Citation - Passion and determination are great fuels for scaling new heights against all adversities. These women in wheelchairs have air in their feet.

दि सेविअर–ब्रिग. प्रीतम सिंह
सर्वश्रेष्ठ खोजी फ़िल्म

The Saviour: Brig. Pritam Singh
Best Investigative Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Punjabi | **81 Min** | **Direction & Screenplay:** Dr. Paramjeet Singh Kattu | **Production Company**: Akal Productions | **Editors:** Gurpreet Cheema, Bir Saaz | **DOP:** Gurpreet Cheema | **Music:** Vinay Kumar Vaishnav | **Cast:** Dhanveer Singh, Mahabir Bhullar, Pali Sandhu, Roohi Joshi Kaushal

NON-FEATURE FILMS

कथासार - 1911 में फिरोजपुर, पंजाब में जन्मे प्रीतम सिंह उर्फ पूंछ के रक्षक और शेर बच्चा को 1937 में पंजाब रेजीमेंट में कमीशन किया गया। 1947 में जब श्रीनगर पर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के हमलावरों ने आक्रमण किया तब (तात्कालीन) लेफ्टिनेंट कर्नल सिंह ने 491 सैनिकों के साथ पूंछ में प्रवेश किया। इन्होंनें सक्षम शरणार्थियों और नागरिकों के बल पर दो नई बटालियन 9 व 11 मिलिशिया (जिसे अब जम्मू एवं कश्मीर लाइट इन्फैंट्री कहा जाता है) खड़ी की। इनके प्रयासों के बल पर, पुंछ में एक हवाई पट्टी का निर्माण हुआ जिससे भारत को मजबूती मिली और चिकित्सा सहायता, खाद्यान्न लाना और शरणार्थियों को निकालना संभव हो सका। इस तरह इन्होंनें मातृभूमि और पुंछ के 40,000 से अधिक लोगों को बचाने में मदद की।

Synopsis - Born in 1911 in Ferozepur, Punjab, Brig. Pritam Singh aka 'Saviour of Poonch' and 'Sher Bachcha' was commissioned in the Punjab Regiment in 1937. In 1947, when Srinagar was under attack by the raiders from Pakistan and Afghanistan, (then) Lt. Col. Singh entered Poonch with 491 soldiers. He raised two new battalions named 9 & 11 Militia (now called J & K Light Infantry) from the able-bodied refugees and citizens. Due to his efforts, an airstrip at Poonch was built which made it possible to bring in reinforcements, medical aid, food grains and also evacuate the refugees. He ultimately helped save the motherland and over 40,000 people of Poonch.

परिचय

डॉ. परमजीत सिंह कट्टू (Dr Paramjeet Singh Kattui)

डॉ. परमजीत सिंह कट्टू पंजाब के फिल्म लेखक और निर्देशक हैं। साहित्य में पीएचडी, एक शोध पुस्तक का प्रकाशन, एक पुस्तक का अनुवाद, 15 शोध पत्र और देश के नामचीन पत्रिका और अखबारों में 50 से ज्यादा लेख इनके नाम पर हैं। यह पुरस्कार विजेता लघु फिल्म जैसे, 'अड्डा खड्डा' (2012), 'स्ट्रे स्टार' (2018), 'टीजेलियर' (2021) का निर्माण कर चुके हैं। पिछले एक दशक से फिल्मी जगत से जुड़े परमजीत की आने वाली हिंदी लघु फिल्म है, 'वर्जित कथा'।

Dr Paramjeet Singh Kattu is a film writer and director from Punjab. A PhD in literature, he has published one research book, one translation book, 15 research papers and more than 50 articles in prominent magazines and newspapers. He has made award winning short films such as 'Adda Khadda' (2012), 'Stray Star' (2018); 'Teaseailure' (2021). He has been a filmmaker for over a decade. His upcoming short film in Hindi is 'Varjit Katha'.

PROFILE

अकल प्रोडक्शन (Akal Productions)

अकल प्रोडक्शन पंजाब के संगरुर में स्थित पीएफ अकल संस्थान समूह का हिस्सा है। यह महान शिक्षाविद महाराज संत अत्तर सिंह जी मस्ताना पर, 'ज्ञान ज्योत– दि एनलाइंटेड वन' और 'दि विजनरी सरदार गुरबख्स सिंह सिबिया' जैसी फिल्म का निर्माण कर चुके हैं। इनके हालिया प्रोडक्शन में 'दि सेवियर–ब्रिगेडियर प्रीतम सिंह' शामिल है जिसे 20 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

Akal Productions is based in Sangrur, Punjab and a part pf Akal Group of Institutes. It has produced works such as 'Gyan Jot: The Enlightened One' on a great educationist Maharaj Sant Attar Singh Ji Mastuana and 'The Visionary: Sardar Gurbaksh Singh Sibia' in 2021. Its latest production 'The Saviour: Brig Pritam Singh' has been awarded at 20 national and International awards.

प्रशस्ति – सेवियर एक शानदार शोधपरक और निर्बाध वृत्तचित्र है जो पुंछ इलाके के एक गुमनाम नायक ब्रिगेडियर प्रितम सिंह का सौंदर्यपूर्ण नाटकीय चित्रण प्रदर्शित करता है।

Citation - 'The Saviour' is a thoroughly researched and seamless documentary which also showcases the aesthetically dramatized portrayal of an unsung Hero of Poonch, Brig. Pritam Singh.

कचिचिनिठु
सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फ़िल्म
Kachichinithu | Best Short Fiction Film

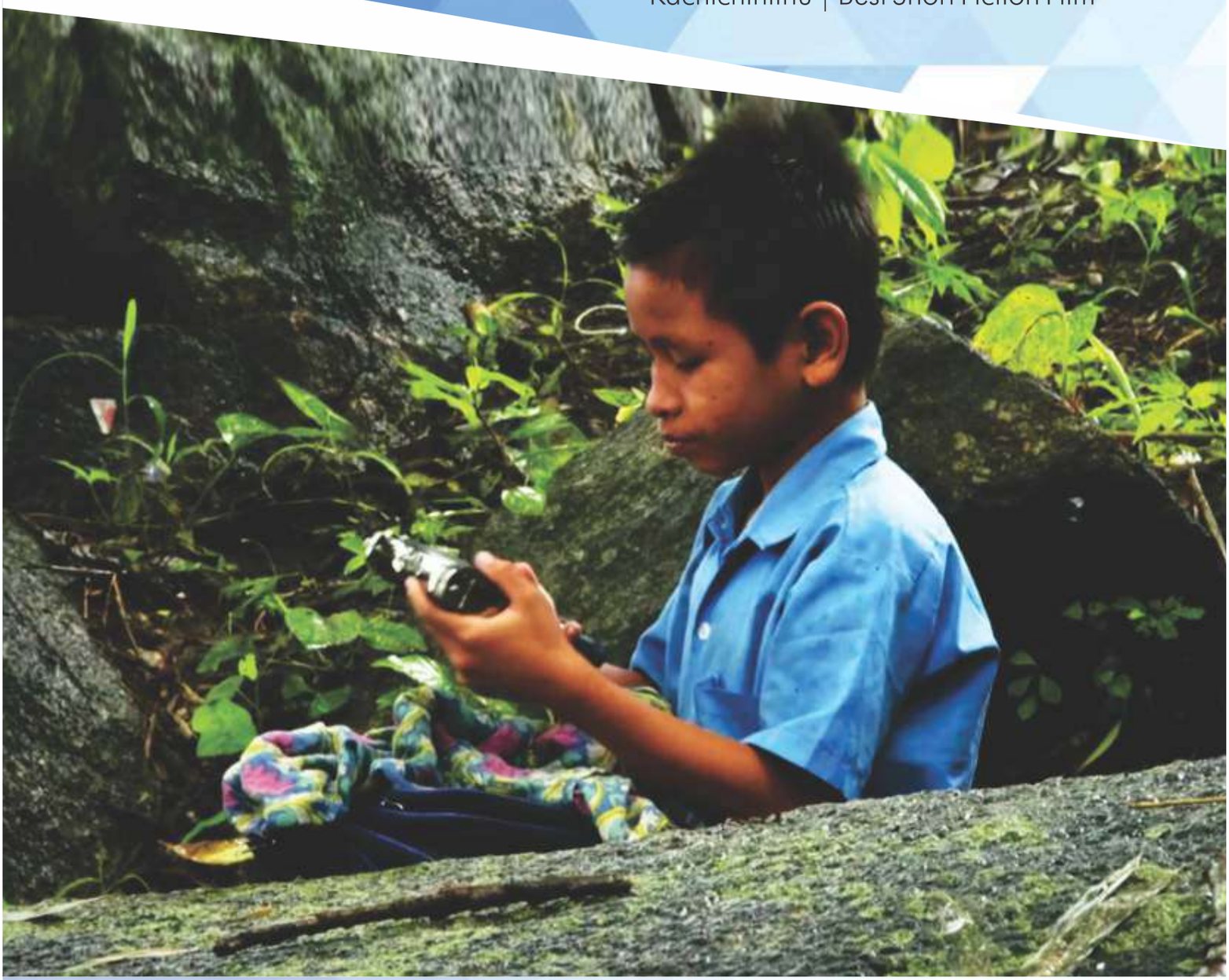

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Karbi | **15 Min** | **Direction, Story, Screenplay:** Khanjan Kishore Nath | **Producer:** Khanjan Kishore Nath | **DOP:** Jayanth Mathavan | **Editor:** Bikash Dutta | **Sound Design & Mixing:** Debajit Gayan | **Cast:** Clarsong Senar, Dipeswar Ronghang, Kamini Beypi

NON-FEATURE FILMS

कथासार - स्कूल जाने वाला लोन्सिग पहाड़ पर बसे गांव में अपने माता–पिता के साथ रहता है। वह रोजाना अपने किसान पिता के लिए टिफिन लेकर जाता है। एक दिन, स्कूल जाने के दौरान उसे रास्ते में एक बैग पड़ा मिलता है। बैग के अंदर एक पिस्तौल है, वह उसे सबकी नजरों से छिपा कर रख देता है। वह उसका ट्रिगर दबाने की कोशिश करता है लेकिन नाकाम रहता है। वह उसके साथ खेलने लगता है। धीरे धीरे उसके और पिस्तौल के बीच में एक संबंध कायम हो जाता है। एक दिन एक ऐसी घटना घटती है कि वह उस पिस्तौल को छोड़ने का फैसला लेता है।

Synopsis - Lonsing, a schoolboy, lives in a hilly village with his parent. Every day, he carries the tiffin for his father who is a farmer. One day, while going to school, he spots a small bag on the hilly road. He finds a pistol inside the bag and hides it from everyone. He tries to trigger it but fails. He starts playing with it. Gradually a bonding develops between him and the pistol. One day, a terrible incident happens, after which he decides to give up his pistol.

परिचय | PROFILE

खंजन किशोर नाथ (Khanjan Kishore Nath)

खंजन किशोर नाथ फिल्मकार, नागाओं अंतर्राष्ट्रीय लघु एवं वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव के महोत्सव निदेशक, असम की फिल्म सोसाइटी सिनेमालय के प्रमुख हैं। इनकी पहली फीचर फिल्म, 'दि बाइसिकल' थी। इन्होंनें कई लघु फिल्मों का निर्माण किया है। यह अपनी स्क्रिप्ट, 'वाय दि ब्लू हिल इज क्रायिंग' के लिए एशिया पेसिफिक स्क्रिप्ट लैब 2019 के प्राप्तकर्ता है। इनकी दूसरी फीचर फिल्म, 'कुकुहा' निर्माणाधीन है।

Khanjan Kishore Nath is a filmmaker, festival director of Nagaon International Short and Documentary Film Festival, and Head of Cinemalay, a film society based in Assam. His first feature film was 'The Bicycle' (2017). He has also made a number of short films. He is the recipient of Asia Pacific Script Lab 2019 for his script 'Why the Blue Hill is Crying'. His second feature 'Kukuha' is under pre-production.

प्रशस्ति – हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर भारत में एक युवा किस तरह अपनी मासूमियत खोने वाले एक युवा का उत्कृष्ट चित्रण।

Citation - An excellent depiction of a young boy losing his innocence in violence-infested northeast India.

कुंकुमार्चन
पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
Kumkumarchan | Best Film on Family Values

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Marathi | **21 Min** | **Writer & Director:** Abhijeet Arvind Dalvi | **Production Company:** Studio Filmy Monks | **Cinemetographer & Editor:** Mayur Hardas | **Editor:** Akshay Salve | **Art Director:** Nanabhau More, Avinash Makasare | **Sound Recordist & Dubbing:** Sarang Deshpande

NON-FEATURE FILMS

कथासार - यिह कहानी एक मेहतनकश मां और उसके दिव्यांग बच्चे के इर्द गिर्द बुनी गई है। कहानी में लड़का अपनी माँ के प्यार और कठिनाइयों को अच्छी तरह जानता है। कुमकुमारचन एक तरह की पूजा है, जहां देवी के चरणों में पवित्र कुमकुम चढ़ाकर उनकी पूजा की जाती है, फिल्म लड़के के नजरिए से कुमकुमारचन का सही अर्थ दिखाती है।

Synopsis - The story revolves around the relationship of a hard-working mother and her differently-abled son. The boy in the story recognises his mother's love and hardships. Kumkumarchan is a puja ritual, where the Goddess is worshipped by offering sacred Kumkum on her feet. The film showcases the true meaning of Kumkumarchan from the perspective of the boy.

परिचय

अभिजीत अरविंद दल्वी (Abhijeet Arvind Dalvi)

अभिजीत अरविंद दल्वी अभिनेता, लेखक और निर्देशक हैं जिनका जुड़ाव फिल्म, रंगमंच और टीवी शो से रहा है। इन्होंनें मराठी फीचर फिल्म 'ट्रिपल सीट' की कहानी, पटकथा और संवाद लिखे हैं। इन्होंनें, 'भेती लगि जिवा नाटक' का लेखन और निर्देशन किया है। रंगमंच लेखन के लिए इन्हें कई बार सम्मान प्राप्त हो चुका है। बतौर अभिनेता यह 'श्रीमति दामोदर पंत', 'खो–खो', 'मोरया', 'नीलकंठ मास्टर' और कुछ टीवी शो में अभिनय कर चुके हैं।

Abhijeet Arvind Dalvi is an actor, writer and director associated with films, theatre and TV shows. He wrote the story, screenplay and dialogues for Marathi feature film 'Triple Seat (2019). He wrote and directed a commercial play titled 'Bheti Lagi Jiva'. He has won many awards for his writings in theatre. As an actor he has featured in films such as 'Shrimant Damodar Pant', 'Kho-Kho', 'Morya', 'Nilkanth Master' and a few TV shows.

PROFILE

स्टूडियो फिल्मी मोंक्स (Studio Filmy Monks)

स्टूडियो फिल्मी मोंक्स फिल्म प्रोडक्शन हाउस है, जिसे फिल्मकार पुष्कर श्रीपाद तांबोली, परिणित दीपक मेधे और अभिजीत अरविंद दल्वी ने मिलकर स्थापित किया है। 'कुमकुमारचन' इनका पहला प्रोडक्शन है। यह प्रोडक्शन हाउस खासतौर पर कला, संस्कृति, संगीत, संगीत उपकरण और महाराष्ट्र की कला पर काम करता है।

Studio Filmy Monks is a film production house jointly founded and helmed by filmmakers Pushkar Shripad Tamboli, Pranit Deepak Medhe and Abhijeet Arvind Dalvi. 'Kumkumarchan' (2020) is their first production. The production house is specially working for arts, culture, music, musical instruments, and art forms in the state of Maharashtra.

प्रशस्ति – कुंकुमार्चन एक दिव्यांग बेटे का अपनी मां के प्रति प्यार और त्याग दर्शाती फिल्म है जो आपकी आंखों को नम कर जाती है।

Citation - 'Kumkumarchan' portrays a specially-abled son's pure love and sacrifice for his mother which leaves you in tears.

एडमिटेड

विशेष निर्णायक मंडल सम्मान

Admitted | Special Jury Award

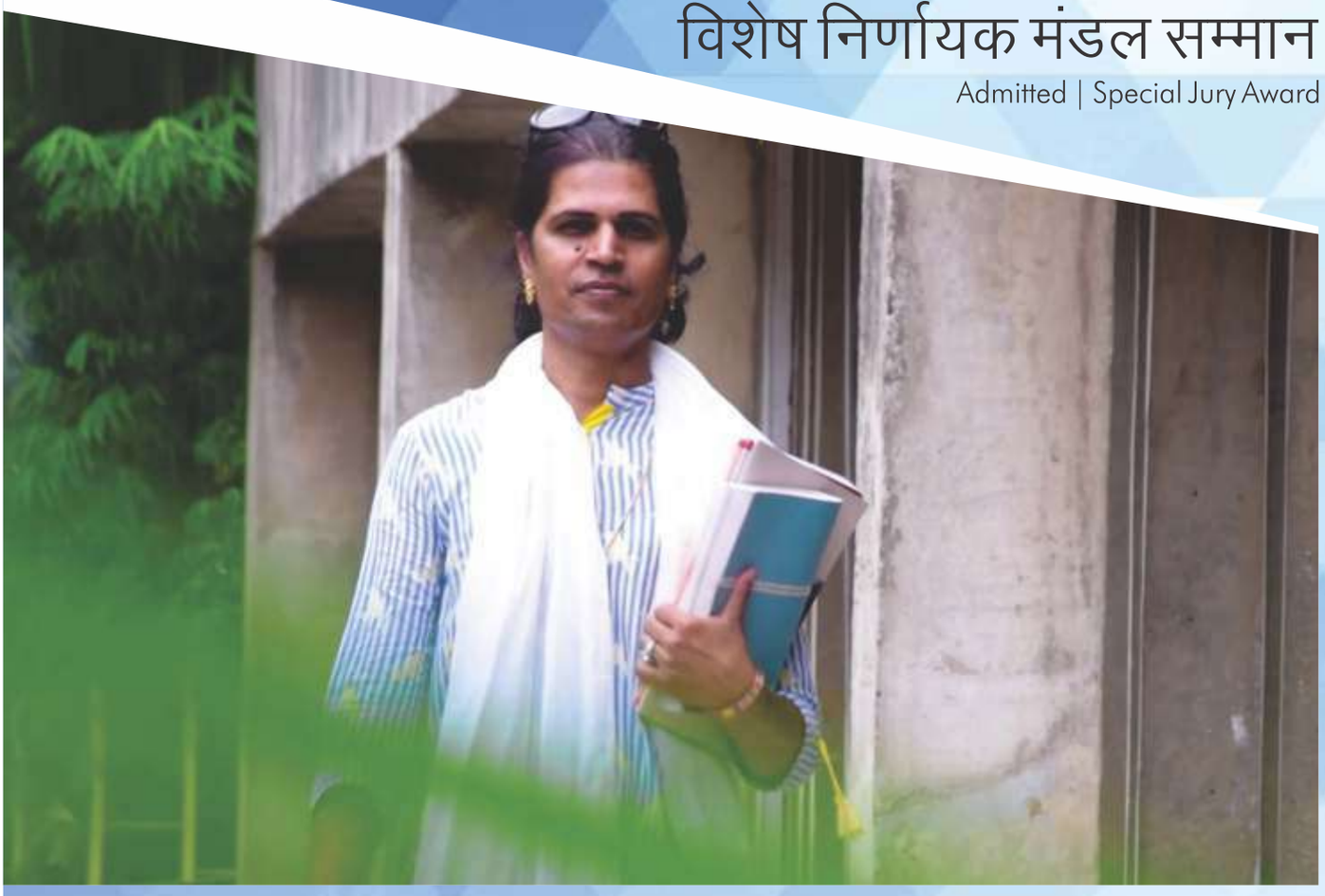

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Hindi partly English | **118 Min** | **Director & DOP:** Ojaswwee Sharma | **Production Company:** Pinaka Mediaworks LLP | **Editor:** Bhasker Pandey

ओजस्वी शर्मा चंडीगढ़ की रहने वाली फिल्म निर्देशक, निर्माता, और पटकथा लेखक हैं। इनके कामों की सूची में फिल्में, टेलीविजन शो और डिजिटल फीचर के साथ–साथ लघु फिल्में और वृत्तचित्र शामिल हैं। इनके लोकप्रिय लघु वृत्तचित्रों में 'स्कार्सः आफ्टर ए 100 इयर्स ऑफ जलियांवाला बाग नरसंहार' और 'समर्पण' शामिल हैं, वहीं अगर लघु फिल्मों की बात की जाए तो 'चौरासी', 'जुबान', 'द लास्ट डेट', 'लकी कबूतर', 'रूह', 'बदलती सोच', 'अकेलापन', 'बटर टोस्ट', 'द डिकोटॉमी ऑफ होप', 'द टाइड ऑफ टाइम' और 'बॉडीबिल्डिंग द इंडियन वे' आदि फिल्में शामिल हैं।

Ojaswwee Sharma is a film director, producer and screenwriter based in Chandigarh. His repertoire includes films, television shows and digital features as well as short narrative films and documentaries. His popular short documentaries are 'Scars: After A 100 Years of Jallianwala Bagh Massacre' and 'Samarpan', and short narratives include 'Chaurassi', 'Zubaan', 'The Last Date', 'Lucky Kabootar', 'Rooh', 'Badalti Soch', 'Loneliness', 'The Dichotomy of Hope', 'The Tide of Time' and 'Bodybuilding The Indian Way', etc.

प्रशस्ति – समानता और सम्मान हर नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार है, पंजाब विश्वविद्यालय के पहले ट्रांसजेंडर छात्र धनंजय चौहान की कहानी आत्मा को झकझोर देती है। और आपको गर्मजोशी से विश्वास दिलाती है कि बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना भी किया जा सकता है।

Citation - Equality and dignity for every citizen is not a concession but a birthright. The soul-stirring tale of Dhananjay Chauhan, the first transgender student of Punjab University, leaves you with a warm heart and a belief that you can overcome the challenges of epic proportions.

Synopsis of the film on page no. 162

ओह देट्स भानु
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन
Oh That's Bhanu | Best Direction

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

English, Tamil, Malayalam, Hindi | **112 Min** | **Director & Producer & Editor:** R.V. Ramani | **On-Location Sound:** R.V. Ramani, Asheesh Pandya | **Sound Mixing:** R.V. Ramani | **Cast:** Bhanumati Rao, Maya Krishna Rao, Tara Rao

आर.वी. रमनी ने 1985 में भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान पुणे से मोशन पिक्चर फोटोग्राफी में स्नातक किया। इनके खाते में स्वतंत्र रूप से 25 फिल्में और कई सम्मान हैं। इनकी फिल्मों का प्रदर्शन विभिन्न मचों और फिल्म महोत्सवों में हो चुका है। मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इनका पुराने कार्य का प्रदर्शन हो चुका है। यह मुंबई में फोटोपत्रकार के तौर पर कार्यरत हैं।

R.V. Ramani graduated from Film and Television Institute of India, Pune in 1985, with specialisation in Motion Picture Photography. He has more than 25 independent films to his credit and has won awards. His works have been shown in various platforms and film festivals. His retrospective has been presented at the Mumbai International Film Festival (MIFF). He has also worked as a photojournalist in Mumbai.

प्रशस्ति – निर्देशक अपनी फिल्म के जरिए दर्शकों को एक बेहतरीन कथकली नर्तक और रंगमंच अभिनेत्री भानुमति राव के जीवन की अहम यात्रा पर ले जाते हैं। भानुमति अब 90 पार कर चुकी हैं, किस तरह इस विनोदी महिला ने अपनी यादों की जकड़न और संबंधों की जटिलता के जरिये जिंदगी जी है। निर्देशक अपने प्रयोगात्मक फिल्म निर्माण के जरिए भानुमति के

Citation - The Director takes the audience on an eventful journey of the life of Bhanumati Rao, an elegant Kathakali dancer and theatre actor. Now in her mid-nineties, this witty woman lives through her spasms of memory, and complexities of relationships. The Director tries to touch Bhanumati's life, performance and beautiful mind through his intimate experimental filmmaking.

Synopsis of the film on page no. 162

शबदिक्कुना कलप्पा
सर्वश्रेष्ठ छायांकन

Shabdhikunna Kalappa
Best Cinematography

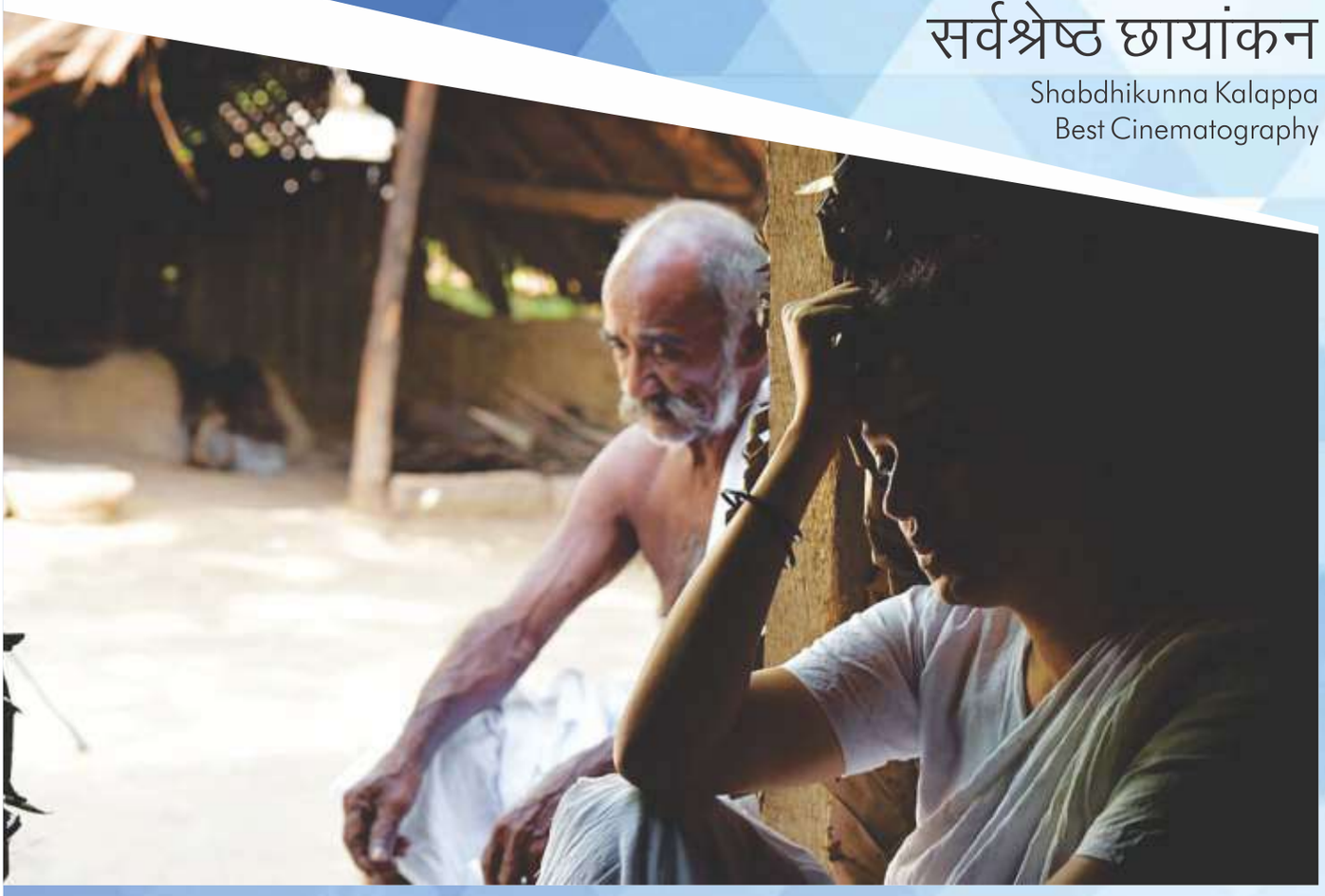

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam | **15 Min** | **Director:** Jayaraj | **Producer:** K. Balachandran | **Editor:** C.R Sreejith | **DOP:** Nikhil S. Praveen | **Screenplay:** Jayaraj | **Sound:** Ranganath Ravee | **Music:** Sachin Sankar Mannath

निखिल एस प्रवीण राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सिनेमेटोग्राफर हैं। इनकी फिल्म 'भयंकम' के लिए इन्हें 2017 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सहित कई मंचो पर जैसे, केरला फिल्म क्रिटिक्स असोसियेशन अवार्ड, बीजिंग अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी सम्मान हासिल हुआ। इन्हें फिल्म 'शब्धिकुन्ना काल्पपा' के लिए 2020 का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कोचिन मीडिया स्कूल से सिनेमेटोग्राफी में डिप्लोमा करने के बाद इन्होंनें एक दर्जन से ज्यादा फिल्मों के लिए काम किया है।

Nikhil S. Praveen is a National Award-winning cinematographer. His work in 'Bhayanakam' won him multiple Best Cinematography awards, including the National Film Award in 2017; the Kerala Film Critics Association Awards in 2018; and another at the Beijing International Film Festival in 2019. He also won the 2020 National Film Award for Best Cinematography for 'Shabdhikkunna Kalappa'. He did his diploma in cinematography from Cochin Media School, then worked on about over a dozen films.

प्रशस्ति – दृश्यों की बनावट और लहजे के जरिए मानवीय भावों को और सशक्त करने और वास्तविकताओं को दिखाने के लिए।

Citation - Capturing the raw realities and human emotions enhanced by the tones and textures of the visuals.

Synopsis of the film on page no. 162

पर्ल ऑफ़ द डेज़र्ट
सर्वश्रेष्ठ संगीत आलेखन
Pearl of the Desert | Best Audiography

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Rajasthani | **83 Min** | **Director:** Pushpendra Singh | **Producers:** Pushpendra Singh, Heejung Oh | **DOP:** Ravi Kiran Ayyagari | **Editor:** Reema Kaur, Pushpendra Singh | **Re-Recordist (Final mixed track):** Ajit Singh Rathore

अजित सिंह राठौर साउंड डिज़ाइनर, मिक्सिंग आर्टिस्ट और स्वतंत्र फिल्म निर्माता हैं। इन्होंनें अपने बैनर एएसआर फिल्मस के तले कई फीचर फिल्मों का निर्माण किया है। एफटीआईआई से स्नातक अजित को सर्वश्रेष्ठ साउंड डिज़ाइन और मिक्सिंग के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और गुजरात राज्य सम्मान सहति कई मंचों पर सम्मान प्राप्त हो चुका है। यह झाबुआ मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं।

Ajit Singh Rathore is a sound designing and mixing artist, and an independent film producer who has made many feature films under his banner ASR Films. He is a graduate of the Film and Television Institute of India (FTII), Pune and has received several accolades for his works, including the National Award and Gujarat State Award for Best Sound Design and Mixing. He hails from Jhabua district in Madhya Pradesh.

प्रशस्ति – शुष्क राजस्थान के बीच क्षीण होते मांगनियर लोक गायकों के संगीत को उत्कृष्ट तरीके से चित्रित करने के लिए ।

Citation - The music of dwindling Manganiyar folk singers excellently captured in their milieu amid arid Rajasthan.

Synopsis of the film on page no. 162

जादुई जंगल
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन

Jadui Jungle
Best On-Location Sound

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **33 min** | **Director & Editor:** Archana Chandrashekar | **Producers:** Pinky Bramha Choudhury, Shobhit Jain | **DOP:** Rabindra Kumar Barik, Aajad Singh Khichi, Iqbal Hussain | **On-Location Sound:** Sandip Bhati, Pradeep Lekhwar | **Voice Over:** K Harish Singh

12वीं पास करने के बाद **प्रदीप लेखवार** अपने गांव से देहरादून आ गए और पांच सालों तक एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस में काम किया। इस दौरान इन्होंने अपनी पढाई पूरी की और पत्रकारिता में स्नातक किया। इसके बाद यह एसपीएस कम्युनिटी मीडिया में गए और यहां पिछले आठ सालों में इन्होंने वृत्तचित्र निर्माण के विभिन्न आयामों को सीखा। **संदीप भाटी** मध्यप्रदेश के देवास में पले बढ़े हैं। पिता की मृत्यु की वजह से इनका जीवन संघर्षमय रहा। 2012 में यह समाज प्रगति सहयोग संस्था के कम्युनिटी मीडिया कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां इन्होंने फिल्म शो संचालित किए, साउंड रिकॉर्डिंग का काम किया और कहानी लेखन भी शुरु किया। काम के दौरान ही इन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की।

After 12th, **Pradeep Lekhwar** moved from his village to Dehradun and worked in a film production company for five years. During this time, he did his graduation and studied journalism. Thereafter, he joined SPS Community Media where in the last eight years, he learned the various aspects of documentary making. **Sandip Bhati** grew up in Dewas district of Madhya Pradesh. His life was full of struggles due to the death of his father in his childhood. In 2012, he joined the community media program of Samaj Pragati Sahyog Sanstha where he conducted its film shows, did sound recording work, and also started writing the story. He completed his studies while working.

प्रशस्ति – जंगलों के जादुई संगीत को पर्दे पर उतारने के लिए जो जंगल सफारी का एक अनूठा अनुभव देता है।

Citation - For capturing the magical sounds of forest which gives an immersive experience of a jungle safari.

Synopsis of the film on page no. 162

बॉर्डरलैंड्स
सर्वश्रेष्ठ संपादन
Borderlands | Best Editing

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Bengali, Nepali, Manipuri, Hindi, Punjabi | **67 Min** | **Director:** Samarth Mahajan | **Producers:** Sunil Doshi, Ashay Gangwar, Devaiah Bopanna, Samarth Mahajan | **DOP:** Omkar Divekar | **Editor:** Anadi Athaley | **Music:** Shayan Sinha, Laurie Kallevig, Survivor Girl Ukulele Band, Kamruzzaman Rabbi | **Cast:** Deepa, Dhauli, Noor, Kavita, Surjakanta, Rekha

अनादि अथाले भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान, पुणे से स्नातक हैं। इनकी बतौर निर्माता–संपादक पहली फिल्म थी, 'मोर मन के भ्रम', जिसने 17वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार जीता था। इनकी दूसरी फिल्म, 'रालंग रोड' 52वे कार्लोवी वेरी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मुख्य प्रतियोगी के हिस्से के तौर पर प्रदर्शित की गई थी।

Anadi Athaley graduated from the Film and Television Institute of India, Pune, and began producing and editing films. His first film as a producer-editor was 'Mor Mann Ke Bharam' which won the Special Jury Prize at the 17th Mumbai International Film Festival. His second film, 'Ralang Road' premiered at the 52nd Karlovy Vary International Film Festival, as part of the main competition.

प्रशस्ति – भारत की विभिन्न सीमाओं से आने वाली पांच महिलाओं की कहानियों को खूबसूरती के साथ पिरोने के लिए।
Citation - For its seamlessly intertwining the stories of five women from different borders of India.

Synopsis of the film on page no. 163

1232 किमी–मरेंगे तो वहीं जाकर
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन

1232 KMS: Marenge Toh Wahin Jaakar
Best Music Direction

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | **86 Min** | **Concept, Writing & Direction:** Vinod Kapri | **Editor:** Hemanti Sarkar | **Lyrics:** Gulzar | **Music:** Vishal Bhardwaj | **Cast:** Rambabu Pandit, Ashish Kumar, Ritesh Kumar Pandit, Krishna Pandit, Sonu Pandit,

विशाल भारद्वाज फिल्म निर्देशक, लेखक, कंपोजर, गायक और निर्माता हैं। इन्होंनें करीब 10 फिल्मों का निर्देशन, 5 फिल्मों का निर्माण और 50 से ज्यादा फिल्मों में संगीत दिया है। इनकी निर्देशित फिल्मों में, 'मकड़ी', 'दि ब्लू अंब्रेला', 'कमीने', '7 खून माफ', 'मटरू की बिजली का मन्डोला', 'रंगून', 'पटाखा' और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शेक्सपियर के नाटकों पर त्रयी– 'मकबूल', 'ओमकारा' और 'हैदर' भी निर्देशित की है। इनकी लिखित और निर्मित फिल्मों में मुख्यतौर पर, 'इश्किया', 'डेढ़ इश्किया' और 'तलवार' है। इन्हें 7 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

Vishal Bhardwaj is a film director, writer, composer, singer and films producer. He has directed 10 feature films, produced five and composed music for more than 50. His directorial work includes 'Makdee', 'The Blue Umbrella', 'Kaminey', '7 Khoon Maaf', 'Matru Ki Bijli Ka Mandola', 'Rangoon', 'Pataakha' as well as the internationally acclaimed Shakespeare Trilogy – 'Maqbool', 'Omkara' and 'Haider'. Prominent films written and produced by him are 'Ishqiya', 'Dedh Ishqiya' and 'Talvar'. He has received seven National Film Awards.

प्रशस्ति – भारत में कोविड–19 महामारी के दौरान घर लौटते मजदूरों के मनोभाव और कभी ना खत्म होने वाले जोश को गीत और संगीत के जरिए उभारने के लिए।

Citation - The music and songs bring out the pathos and never-say-die spirit of the labourers travelling home in Covid19-hit India.

Synopsis of the film on page no. 163

रैपसोडी ऑफ़ रेंस-मोंसून्स ऑफ़ केरला

सर्वश्रेष्ठ प्रकथन / वॉइस ओवर

Rhapsody of Rains: Monsoons of Kerala
Best Narration/Voice Over

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

English | **22 Min** | **Director:** Siraj Shah | **Producers:** M R Hari, Invis Multimedia Pvt. Ltd. | **Script:** Dr Meena T. Pillai & M R Hari | **Narration:** Shobha Tharoor Srinivasan | **Camera:** Vipin Chandran, Prathapan, Sudeep Ilamon, Mahesh S.R. | **Editor:** Manoj | **Music:** Santhosh Chandran

शोभा थरूर श्रीनिवासन एक चर्चित अंग्रेजी पार्श्व स्वर कलाकर हैं। इन्हें खासतौर पर केरल पर्यटन के लिए किए गए काम के लिए जाना जाता है।

Shobha Tharoor Srinivasan is famous for her English narrations, especially the works she has done for Kerala Tourism.

प्रशस्ति – मानसून में केरल के मनभावन दृश्य और भी खुशगवार लगने लगते हैं जब कथावाचक अपने खूबसूरत अंदाज और आवाज से उसे प्रस्तुत करती हैं।

Citation - The experience of breath-taking visuals of the monsoon in Kerala is immensely enhanced by the wonderful and mellifluous voice of the narrator.

Synopsis of the film on page no. 163

कथासार | Synopsis

एडमिटेड (Admitted)

एडमिटेड पंजाब विश्वविद्यालय के पहले ट्रांसजेंडर छात्र धनजंय चौहान की विवादास्पद जिंदगी को दिखलाता जीवनी डॉक्यू–ड्रामा है। यह फिल्म एक 'सबसे जुदा महिला' के सफर को प्रस्तुत करती है। जो तमाम तरह के लांछन, आत्म–घृणा और आत्म–इनकार से ऊपर उठकर अपने लिए ही नहीं बल्कि सैंकड़ों/हजारों लोगों के लिए जो सिर्फ उनके अभिविन्यास की वजह से एक सम्मानजनक जीवन से वंचित हैं, उन सभी के लिए गरिमापूर्ण जीवन का लक्ष्य रखती है। पंजाब विश्वविद्यालय देश का पहला विवि है जिसने ट्रांसजेंडर को शिक्षा का अधिकार देने के लिए अपने अधिकार में तीसरे लिंग को मान्यता और स्वाकार्यता दी और माना कि शिक्षा का अधिकार ही है जो अकेले ही ट्रांसजेंडरों के सामने आने वाली चुनौतियों की हल कर सकता हैं।

'Admitted' is a biographical docu-drama on the controversial life of Dhananjay Chauhan, the first transgender student of Panjab University. It explores the journey of a 'different wonder woman' who rose above stigma, self-loathing and self-denial aiming at the life of dignity for herself and also for several more who just because of their orientation are denied a respectful living. Panjab University is the first in the country to recognise and admit third gender to give them the right to education that alone can solve a significant volume of challenges faced by the transgenders.

ओह देट्स भानु (Oh That's Bhanu)

भानुमति राव एक विख्यात नर्तक और रंगमंच अभिनेत्री रह चुकी हैं। 90 साल से ज्यादा की हो चुकी भानुमति अपनी दो बेटियों, माया कृष्णा राव (दिल्ली में एकल रंगमंच अभिनेत्री) और तारा राव (बंगलुरू में मानव अधिकार प्रचारक) के साथ रहती हैं। भानुमति की याददाश्त और सुनने की क्षमता अब उनका साथ नहीं देती है, उन्होंनें एक गूढ़, जोशीला लेकिन फिर भी साधारण और व्यवहारिक जीवन व्यतीत किया है। दिल्ली और बंगलुरु में फिल्माई गई फिल्म में दर्शक उनकी धुंधलाती यादों, रिश्तों की जटिलताओं, प्यार और एक प्यारे से दिमाग में मौजूद प्रतिबिंबों के जरिए उनकी प्रस्तुति और जीवन की यात्रा का साक्षी बनते हैं।

Bhanumati Rao has been a famous dancer and a theater actor. In her mid-nineties now, she lives with her two daughters – Maya Krishna Rao, a contemporary solo theater practitioner in Delhi, and Tara Rao, a human rights campaigner in Bengaluru. Bhanumati, whose hearing and memory doesn't usually stand up, has led an enigmatic, passionate, yet a simple and pragmatic life. Featuring Bhanumati in Delhi and Bengaluru, the film takes the audience on a journey of her life and performance, through the spasms of memory, complexities of relationships, love and a reflection of what could constitute a beautiful mind.

शब्धिकुन्ना काल्प्पा (Shabdhikunna Kalappa)

फिल्म एक गरीब किसान की मार्मिक कथा प्रस्तुत करती है। ओसेफ अपने बैल कानन को परिवार के सदस्य की तरह रखता है। लेकिन सामाजिक ताकतों शोषण के नए तरीकों से ओसेफ बच नहीं पाता हे। उसे अपनी धान की फसल को गिरवी रखना पड़ता है और अपने प्रिय बैल को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि उसे अपनी बेटी की शादी के लिए दहेज जुटाना है। घटनाक्रम तेजी से आगे बढ़ता है और ओसेफ कानन के साथ नगरनिगम की इमारत के बाहर कसाईघर के बीच खुद को खडा पाता है। यह जगह उसे गहरे सदमें डाल देती है। वह अपनी बीवी और बेटी की डांट की परवाह किए बिना कानन को घर ले जाता है।

The film narrates a heart-warming tale about a poor farmer, Ouseph, and his ox Kannan, whom he treats as a member of the family. The social forces and the new ways of exploitation don't spare Ouseph. He mortgages his paddy field and sells Kannan to meet dowry and other expenses for his daughter's wedding. But Ouseph's chance rendezvous with Kannan among the bullocks marked for slaughter, outside the Municipal building, shocks him. He takes Kannan home, only to be scolded by his wife and daughter.

पर्ल ऑफ दि डेजर्ट (Pearl of the Desert)

पारंपरिक मंगनियार गीतों से सजी हुई 'पर्ल ऑफ द डेजर्ट' मुस्लिम जाति की परंपराओं, रीति–रिवाजों और शिष्टाचार की बारीकी को प्रदर्शित करती है। राजस्थान के थार रेगिस्तान में रहने वाले 12 साल के मोती खान के लिए गायन ही जिंदगी है, कहानी कहने का तरीका है। उनके पिता सत्तार खान चाहते हैं कि वे औपचारिक शिक्षा जारी रखें, लेकिन मोती के संगीत के प्रति रुजान के आगे वह भी झुक जाते हैं और उन्हें एक संगीत विद्यालय में भेज देते हैं। पारंपरिक और आधुनिक जीवन के बीच फंसा, मोती एक संगीत कार्यक्रम के ऑडिशन में भाग लेता है। संगीत में रम चुका मोती विश्व भ्रमण पर जाता है, और एक नायक के रूप में गांव लौटता है।

Punctuated by traditional Manganiyar songs, 'Pearl of the Desert' provides fascinating insight into the traditions, customs and etiquette of this Muslim caste. For 12-year-old Moti Khan from the Thar desert in Rajasthan, singing is part of his life, a way to tell stories. His father Sattar Khan wants him to continue with formal education, but gives in to Moti's determination and sends him to a music school. Stuck between the traditional and the modern life, Moti participates in an audition for a musical show. He gets cast in the musical and goes on a world tour, returning as a hero for his village.

जादुई जंगल (Jadui Jungle)

यह फिल्म बच्चों की नजर से मध्य भारत के जंगलों की जादुई मोहकता का अहसास कराती है और फिर जंगल की आग की कड़वी हकीकत सामने आती है।

Experiencing the enchanting life in the forests of Central India through the eyes of children and then there's the stark reality of the forest fires.

कथासार | Synopsis

बॉर्डरलैंड्स (Borderlands)

बॉर्डरलैंड भारतीय उप महाद्वीप में राजनीतिक और व्यक्तिक सीमाओं द्वारा परिभाषित जिंदगियों को खंगालती है। बातचीत और निरीक्षण के ज़रिये फिल्म लोगों के नियंत्रण के बाहर की दुनिया में मायने तलाशने के प्रयासों को जाहिर करती है।

'Borderlands' is an intimate exploration of lives defined by personal and political borders in the Indian sub-continent. Through conversations and observations, the film reveals people's efforts to find meaning in a world beyond their control

1232 किमी– मरेंगे तो वहीं जाकर (1232 KMS: Marenge Toh Wahin Jaakar)

लॉकडाउन के दौरान हजारो मजदूर बगैर खाने और पैसे के फंस गए थे। फिल्म गाजियाबाद में रहने वाले सात ऐसे ही लोगों की सफर के साथ बुनी गई है, यह लोग पहले लॉकडाउन के दौरान बगैर काम, बगैर दिहाड़ी के 8 बाय 8 फीट के कमरे में फंसे थे और उस पर मकानमालिक इन पर किराया देने दबाव बना रहा था। ठेकेदार इन्हें पिछले महीने के काम का पैसा देने से इंकार कर देता है। एक दिन घर में खाने को कुछ नहीं बचता है। ऐसे में यह लोग एक फैसला करते हैं, और इस तरह गाजियाबाद से बिहार के सहरसा जिले के मोहनपुर गांव तक की 1231 किमी की इनकी एतिहासिक यात्रा शुरू होती है।

Like thousands of workers who were stuck without work and money during the lockdown, this story encapsulates the journey of seven men in Ghaziabad who were forced to sit out the first term of the lockdown trapped in their 8x8-feet room with no work, no wages and the landlord pestering for rent. Their contractor had refused to pay them last month's salary.One day when their ration dried, they decide to undertake the epic journey of 1232 kilometres from Ghaziabad, where they were trapped, to Mohanpur village in Bihar's Saharsa district, their home.

रैप्सडी ऑफ रेन्स: मानसून ऑफ केरल (Rhapsody of Rains: Monsoons of Kerala)

केरल का मानसून का अनुभव दुनिया में सबसे अनोखा और मनोहर है। यह वृत्तचित्र केरल में बारिश के पहले बादल से लेकर उसके झूम के बरसने और फिर उसके सबसे बुरे अनुभवों को एक मानसूनी यात्रा के तौर पर दिखाने का प्रयास है। यह फिल्म केरल में पांच साल की लंबी अवधि में मानसून के पहले बादल के प्रवेश से लेकर मौसम की आखरी बारिश तक प्रत्येक पल को कैद करती है। फिल्म में समुद्र के किनारे, पहाड़ों और घने जंगलों में मानसून के भाव उभर कर आते हैं। बारिश की बूंदों की ध्वनि 'डॉल्बी 5.1' साउंड सिस्टम में मिश्रित मूल ध्वनियों के साथ दर्शकों को बारिश में भीगने वाले केरल का एक मूल अनुभव प्रदान करती है।

The monsoons in Kerala are one of the most splendid rain experiences in the world. This documentary is an attempt to chase the monsoons of Kerala from first cloud formations to best expressions of raining to worst experiences of downpours. The film captures the Kerala monsoons from the very first cloud entry to last raining of the season for a long period of five years. It captures the moods of the monsoon from sea sides, hillocks and thick forests with original sounds mixed in 'Dolby 5.1' sound system to offer the viewers an original experience of the rain-drenched Kerala.

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन

BEST WRITING ON CINEMA

68वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020

NATIONAL FILM AWARDS 2020

पुस्तकों, लेखों एवं समीक्षा के माध्यम से सिनेमा का एक कला के रूप में मूल्यांकन करने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

The awards aim at encouraging study and appreciation of cinema as an art form and dissemination of information and critical appreciation of this art form through publication of books, articles, reviews, etc.

दि लॉन्गेस्ट किस

दि लाइफ एंड टाइम्स ऑफ देविका रानी

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक

The Longest Kiss: The Life and Times of Devika Rani

Best Book on Cinema

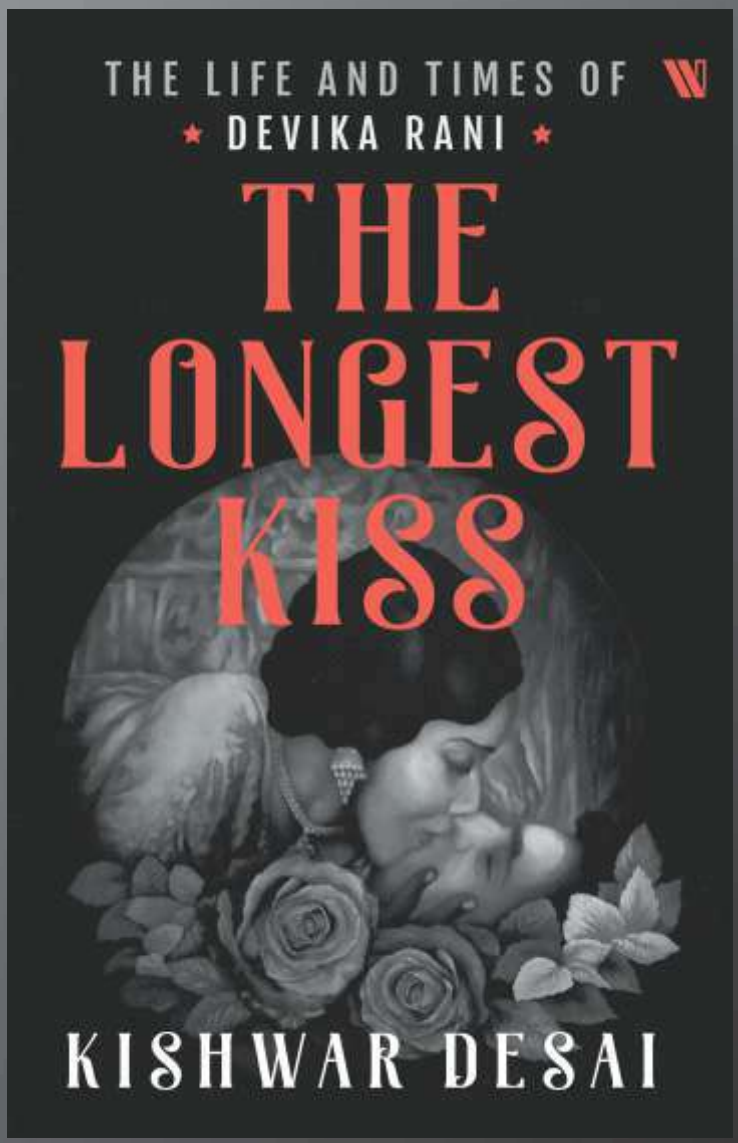

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 75,000/-

BEST WRITING ON CINEMA

पुस्तक परिचय - आश्चर्यजनक रूप से सुंदर और विलक्षण प्रतिभा की धनी देविका रानी भारत की पहली अंतर्राष्ट्रीय सुपरस्टार थी। इन्हें अपनी पहली फिल्म 'कर्मा' के लिए खूब सराहा गया था। जल्दी ही इन्होंनें हिमांशु राय से विवाह कर लिया। और फिर दोनों ने मिलकर बॉम्बे टॉकीज की स्थापना की। 1940 में हिमांशु राय की विवादास्पद मृत्यु के बाद देविका ने बॉम्बे टॉकीज की बागडोर संभाली और इसे बहुत गंभीरता के साथ चलाया। बाद में बाद में, उनकी मुलाकात सुंदर और एकांतप्रिय स्वेतोस्लाव रोरिक से हुई और फिर सबकुछ बदल गया। विवादों से घिरा और सभी के लिए पहेली की तरह रहीं देविका की मृत्यु हो गई। लॉन्गेस्ट किस पहली बार उनकी जिंदगी के उन पुर्जों को साथ लाता है जो दुनिया की नजर के सामने नहीं आए।

About the Book - Astonishingly beautiful and prodigiously talented, Devika Rani was India's first international superstar. She earned rave reviews for her first film, 'Karma' (1933). Soon, she married Himansu Rai, and together, they set up Bombay Talkies studio. After Himansu's controversial death in 1940, Devika took over Bombay Talkies and ran it with a steel hand. Later, she met the handsome and reclusive Svetoslav Roerich, and, nothing was ever the same again. Devika died as she had lived–amid controversy, and an enigma to most. The Longest Kiss, for the first time, pieces together the life that she kept away from the world.

लेखक परिचय ⁞ About the Author

किश्वर देसाई (Kishwar Desai)

किश्वर देसाई पुरस्कार विजेता लेखक और नाटककार हैं। लेखक बनने से पहले इन्होंनें टेलीविजन के लिए 20 साल तक प्रस्तोता और निर्माता के तौर पर काम किया। यह आर्ट्स एंड कल्चरल हेरिटेज ट्रस्ट की अध्यक्ष है जिसने अमृतसर के टाउनहॉल में दुनिया के पहले विभाजन संग्रहालय का निर्माण किया है। इनकी अन्य किताबों में, 'डार्लिंगजी– दि ट्रू लव स्टोरी ऑफ नरगिस एंड सुनील दत्त' (2007), 'जलियांवाला बाग– दि रियल स्टोरी' (2018), 'विटनेस दि नाइट' (2010), 'ओरिजिन्स ऑफ लव' (2012), 'और सी ऑफ इनोसेंस' (2013) शामिल है। यह दो नाटक, मंटो और देविका रानी– गॉडेस ऑफ दि सिल्वर स्क्रीन भी लिख चुकी हैं।

Kishwar Desai is an award-winning author and playwright. She worked in television as an anchor and producer for over 20 years before becoming a writer. She is the chairperson of The Arts and Cultural Heritage Trust which set up the world's first Partition Museum at Town Hall, Amritsar. Her other books include 'Darlingji: The True Love Story of Nargis and Sunil Dutt' (2007), 'Jallianwala Bagh: The Real Story' (2018), 'Witness the Night' (2010), 'Origins of Love' (2012), and 'Sea of Innocence' (2013). She has also written two plays - 'Manto!' and 'Devika Rani: Goddess of the Silver Screen'.

प्रकाशक परिचय ⁞ About the Publisher

वेस्टलैंड बुक्स (Westland Books)

1962 में स्थापित, **वेस्टलैंड बुक्स** एक अंग्रेजी भाषा के प्रमुख प्रकाशकों में से एक है, जो विभिन्न शैलियों में प्रिंट पुस्तकें और ई–पुस्तकें निकालता है। इसकी प्रमुख प्रकाशन विभागों में कॉन्टेक्स्ट है, जो साहित्यिक फिक्शन और नॉन–फिक्शन प्रकाशित करता है; वहींएका, भारतीय भाषाओं और अनुवाद में सर्वश्रेष्ठ समकालीन लेखन के लिए है; ट्रैंक्यूबार, भारतीय उपमहाद्वीप के सर्वश्रेष्ठ नए उपन्यासों का घर है तोबच्चों की किताबों के लिए रेड पांडा है। वेस्टलैंड का नेतृत्व 2017 से कार्तिका वी.के. संभाल रही हैं।

Founded in 1962, **Westland Books** is an English-language trade publisher, bringing out print books and e-books in various genres. Its key imprints include Context, which publishes literary fiction and non-fiction; Eka, for the best contemporary writing in Indian languages and in translation; Tranquebar, home to the best new fiction from the Indian subcontinent; the eponymous Westland Sport, Westland Business and Westland Non-Fiction, and Red Panda, for children's books. Westland Books is being headed by Karthika V.K. from 2017.

प्रशस्ति – भारतीय सिनेमा जगत की पहली महिला और पहली दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता देविका रानी के जीवन को विस्तार पूर्वक बताया गया है। पुस्तक देविका रानी द्वारा लिखे गए 400 पत्रों पर आधारित हैं और अच्छे से शोध कर लिखी गई है। बेहद दमदार तरीके से लिखी गई यह पुस्तक अपने शैशव काल में भारतीय फिल्म उद्योग के विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। और आगामी पीढ़ी के लिए एक अनमोल संसाधन है।

Citation - The life of the first Dadasaheb Phalke Award winner, 'The First Lady of Indian Cinema' Devika Rani is captured in great detail in this biography. The book is well researched and based on over 400 letters written over the years by Devika Rani. It is a compelling book, which offers

एमटी अनुभवांगलुदे पुस्तकम

विशेष उल्लेख

Anubhavangalude Pusthakam

Special Mention

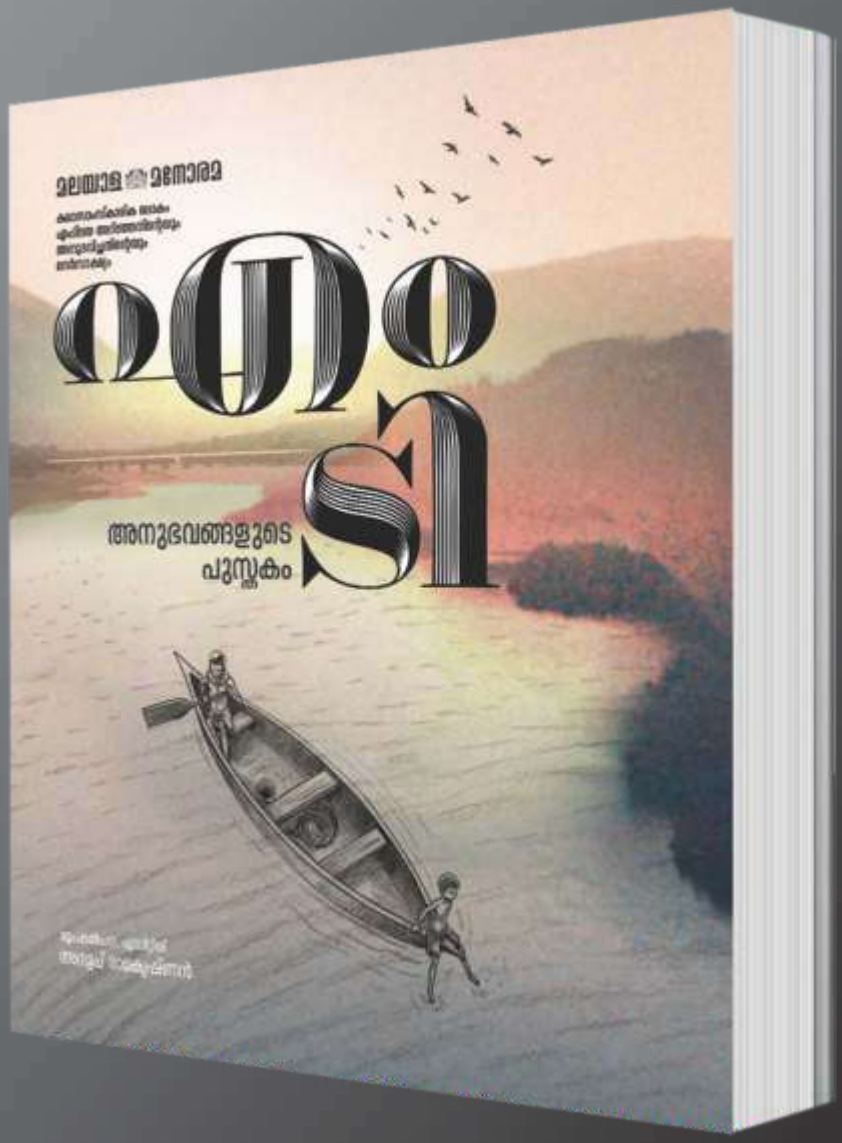

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

BEST WRITING ON CINEMA

पुस्तक परिचय - यह पुस्तक फिल्मकार और लेखक एमटी वासुदेवन नायर के पांच दशकों से अधिक के साहित्यिक और फिल्मी सफरनामे को प्रस्तुत करती है। इसमें केरल की कला और संस्कृति क्षेत्र के साहित्यिक लोग, फिल्म जगत के दिग्गजो और एमटी के करीबी रिश्तेदारों के साक्षात्कार शामिल किए गए हैं। इसमं एमटी की बेटी और नर्तक अश्वथी, नंबूथिरी और अभिनेता ममूटी (जिन्होंनें एमटी के कई किरदारों को परदे पर अमर कर दिया) के द्वारा एमटी के साथ लंबी बातचीत है। साक्षात्कार के अलावा, बातचीत, अनदेखी तस्वीरें और चित्रों के साथ इस दुर्लभ मल्टीमीडिया पुस्तक में एमटी के जीवन, फिल्म और कहानियों के संसार के उकेरती अनूप द्वारा बनाई गए पांच वृत्तचित्र भी हैं, जिन्हें क्यूआर कोड के जरिये देखा जा सकता है।

About the Book - This book captures legendary filmmaker and writer MT Vasudevan Nair's literary and film career spanning over five decades. It features interviews with literary and film luminaries in Kerala's arts and culture circle, and MT's close relatives. It also has long conversations with MT by renowned artist Namboothiri, actor Mammootty (who immortalised many of MT's characters on screen), and MT's daughter and dancer Aswathi. Besides interviews, conversations, unseen photos and illustrations, this rare multimedia book also has five documentaries by Anoop on MT's life, films and story universe, which can be watched via QR codes.

लेखक परिचय ⁞ About the Author

अनूप रामकृष्णन (Anoop Ramakrishnan)

अनूप रामकृष्णन 'एमटी अनुभवांगलुदे पुस्तकम' के लेखक, संपादक और डिजाइनर हैं। आईआईटी बाम्बे से इलेक्टिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और विजुअल कम्युनिकेशन डिजाइन में मास्टर कर चुके अनूप ने मलयाला मनोरमा के लिए डिजाइन कोऑर्डिनेटर का काम किया है। यह माइंडवे डिजाइन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और निदेशक हैं। यह इन्फोसिस, सिल्वर साइन और ई एंड वाय, की डिजाइन टीम के साथ भी काम कर चुके हैं। अखबार डिजाइनिंग, टाइपोग्राफी और ग्राफिक डिजाइन में नई तकनीकों के साथ प्रयोग करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था, 6 दिसंबर 2021 को इनका निधन हो गया।

Anoop Ramakrishnan was an author, editor and designer of 'MT Anubhavnadalude Pusthakam'. A graduate in Electrical Engineering and Master of Design in Visual Communication from IIT Bombay, he worked as a Design Coordinator in Malayala Manorama. He was the Director and Chief Creative Officer of Mindway Design. He also worked with the design team in Infosys, Silver Sign and E&Y. He was instrumental in experimenting with new techniques in newspaper designing, typography and graphic design. He passed away on December 6, 2021.

प्रकाशक परिचय ⁞ About the Publisher

मनोरमा बुक्स (Manorama Books)

मनोरमा बुक्स, करीब 100 साल पुराने अखबार समूह, मलयाला मनोरमा का पुस्तक प्रकाशन विभाग है। यह सभी विषयों की मौलिक पुस्तक और अनुवाद का प्रकाशन करता है। यह मलयालम के प्रख्यात और लोकप्रिय लेखकों का पसंदीदा मंच है।

Manorama Books is the book publishing division of the century-old newspaper group, Malayala Manorama. It publishes original titles and translations in all genres. It is the preferred platform of eminent and popular writers in Malayalam.

प्रशस्ति – यह पुस्तक पिछले 50 सालों से अधिक वक्त से कई प्रतिष्ठित मलयालम फिल्मों के लेखक रह चुके एम टी वासुदेवन के साथ संबंधित करीब 300 लोग जैसे फिल्मकार, लेखक, अभिनेता, तकनीशियन और अन्य लोगों के साक्षात्कार का दुर्लभ संग्रह है। इस पुस्तक से एम टी के लेखन के बारे में व्यापक जानकारी हासिल होती है। इस पुस्तक के जरिए पाठक केरल के विभिन्न सामाजिक राजनीतिक हालातों के विकास के साक्षी बनते हैं।

Citation - The book is a rare collection of interviews of around 300 people such as filmmakers, writers, actors, technicians, and others, who were associated with M.T. Vasudevan Nair, the legendary writer of many iconic Malayalam films, for over 50 years. The book gives us a comprehensive insight into MT's writing with very vivid details. Through this book, readers can witness the evolution of the various socio-political conditions of Kerala.

काली पाइने कालिरा सिनेमा
विशेष उल्लेख

Kali Paaine Kalira cinema | Special Mention

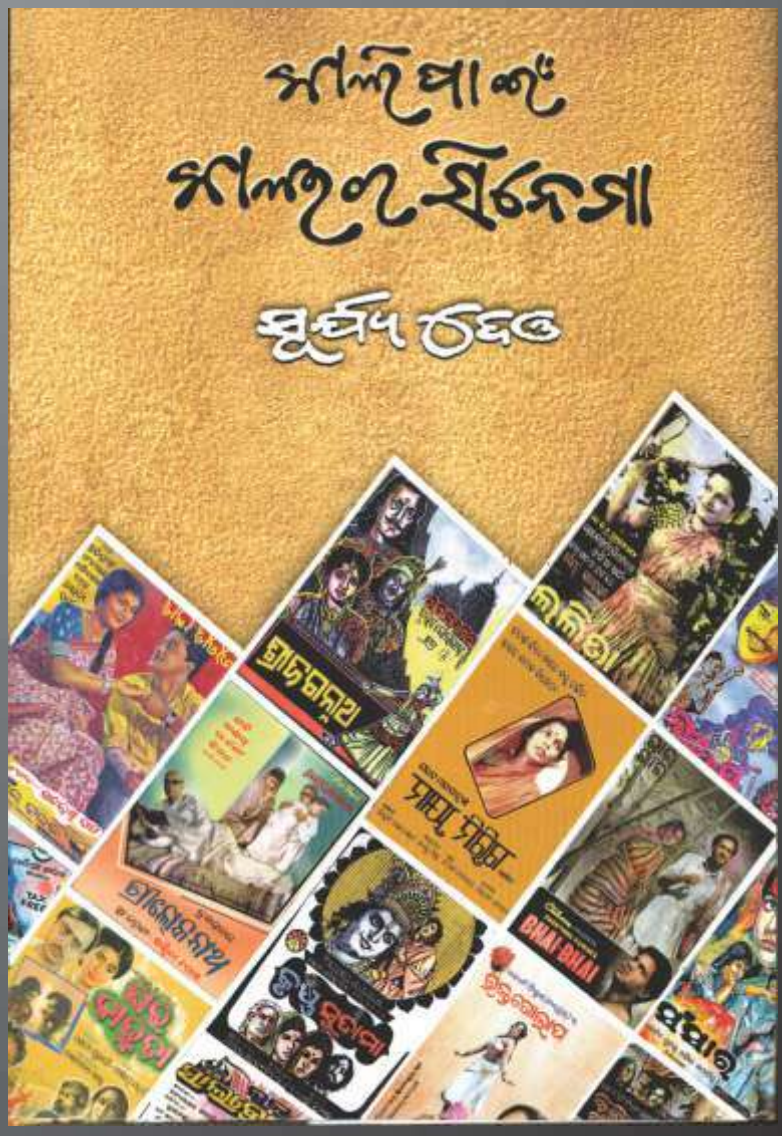

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

BEST WRITING ON CINEMA

पुस्तक परिचय - 'कालि पाइने कालिरा सिनेमा' (कल का सिनेमा कल के लिए) असंख्य स्रोतों से मिली जानकारी, दुर्लभ तस्वीरों के जरिए उडिया सिनेमा के विकास को प्रस्तुत करता है। अकादमिक सख्ती के साथ लिखी गई यह पुस्तक उड़िया सिनेमा की विरासत को वक्त के साथ लुप्त होने से बचाने का प्रयास करती है। पुस्तक में 21 क्लासिक उड़िया फिल्मों के इतिहास के साथ उनका विश्लेषण और फिल्म से जुड़े रोचक किस्से शामिल हैं। अत्यधिक मेहनत कर जुटाए गए और संकलित की गई प्रामाणिक जानकारी और दुर्लभ तस्वीरें, फिल्मों से जुड़े अनछुए पहलू और पर्दे के पीछे की कहानी इसे पठनीय बनाती है। यह पुस्तक उड़िया सिनेमा की यात्रा के संरक्षण का एक सराहनीय प्रयास है।

About the Book - 'Kali Paaine Kalira Cinema' (Yesterdays Films For tomorrow) traces the evolution of Odia cinema, interspersed with rare photographs and information pieced together from myriad sources. Written with academic rigour, the book attempts to preserve the heritage of Odia cinema from fading away with time. It contains the history of 21 classical Odia films, along with their analysis and some interesting anecdotes. Its authentic information and rare pictures – both painstakingly collected and compiled, trivia and behind-the-scenes details make it a lively read. The book is a commendable attempt at the preservation of Odia cinema's journey.

लेखक परिचय ⁞ About the Author

सुर्या देव (Surya Deo)

सुर्या देव ओडिसा के लेखक और पत्रकार हैं, जो पिछले दो दशकों से ओडिया फिल्मों के शोधार्थी और गहरे अनुयायी रहे हैं। वह फिल्म सोसाइटी के कार्यकर्ता भी रह चुके हैं। पत्रकारिता में स्नातोकोत्र कर चुके सूर्या कि किताबों में, 'भंगरूजा समय' (समय का पुनर्निर्माण, 2006) और 'ओडिया सिनेमारा रूपा रापंतारा' (ओडिया सिनेमा के बदलते चेहरे, 2010), 'झूरा मन झारा गीत' शामिल हैं (विस्टफुल हार्ट एंड वो अनफॉरगेटेबल मेलोडीज़, 2012); 'ओडिया सिनेमा गीताः 1936–69' (2015) और 'ओडिया सिनेमा गीताः 1969–78' (2022) शामिल हैं।

Surya Deo is an author and journalist in Odisha, who has been a keen follower and researcher of Odia films for more than two decades. He has also been a film society activist. A post-graduate in Journalism and Mass Communication, his other books include 'Bhangaruja Samaya' (Deconstruction of Time, 2006) and 'Odia Cinemara Rupa Rapantara' (Changing faces of Odia Cinema, 2010), 'Jhura Mana Jhara Giti' (The Wistful Heart and Those Unforgettable Melodies, 2012); 'Odia Cinema Geeta: 1936-69' (2015) and 'Odia Cinema Geeta: 1969-78' (2022).

प्रकाशक परिचय ⁞ About the Publisher

पक्षिघरा प्रकाशनि (Pakshighara Prakashani)

पक्षिघरा प्रकाशनि की स्थापना 1993 में हुई तब से अब तक यह करीब 4300 शीर्षक प्रकाशित कर चुके हैं। अपने संपादक बनोज त्रिपाठी की दूरदर्शिता और विश्वास के तहत, प्रकाशन घर ने कुछ नामचीन राष्ट्रीय और राज्य साहित्यिक हस्तियों को प्रकाशित किया और कई बार पुस्तकों पर सम्मान हासिल किया है।

Pakshighara Prakashani was established in 1993 and has since then published more than 4300 titles. Under the vision and belief of its Editor, Banoj Tripathy, the publication house published some of the biggest national and state literary figures and has won multiple recognition for its titles.

प्रशस्ति – अपने शीर्षक के अनुरूप पुस्तक कालि पाएने कालिरा सिनेमा (कल (बीते) का सिनेमा कल (आने वाले) के लिए) 21 क्लासिक ओडिया फिल्म के जरिए ओडिया फिल्म जगत के इतिहास के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेखक प्रत्यक फिल्म के निर्माण, इससे जुड़े हुए लोगों के लघु साक्षात्कार और कास्ट एवं क्रू और कहानी के बारे में विवरण प्रदान करते हैं। अहम बात यह है कि यह फिल्म की दुर्लभ तस्वीरों के साथ फिल्म के सामाजिक – सांस्कृतिक संदर्भ को प्रदान करने की कोशिश करती है जिसे ढूंढ पाना मुश्किल होता है।

Citation - True to its title, the book Kali Paine Kalira Cinema (Yesterday's Films for Tomorrow) provides an insight into the history of the Odia film industry through 21 classic films. The author provides details regarding the making of each movie, its story, cast and crew,and short interviews of the people associated with the films. More importantly, it tries to provide the socio-cultural context of these movies with rare images of the films, which are difficult to find.

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश पुरस्कार
FILM FRIENDLY STATE AWARD

68वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2020
NATIONAL FILM AWARDS 2020

राज्य सरकार द्वारा सिनेमा गतिविधियों और प्रमोशन के लिए समर्पित प्रयास, जो भारतीय सिनेमा के संवर्धन के लिए सकारात्मक माहौल बनाए, 'फ़िल्म अनुकूल राज्य' पुरस्कार के योग्य होगा।

A state government that makes dedicated effort in the direction of facilitating film shootings, and in creating a conducive environment towards promotion of Indian Cinema shall be eligible for the award for 'Most Film-Friendly State'.

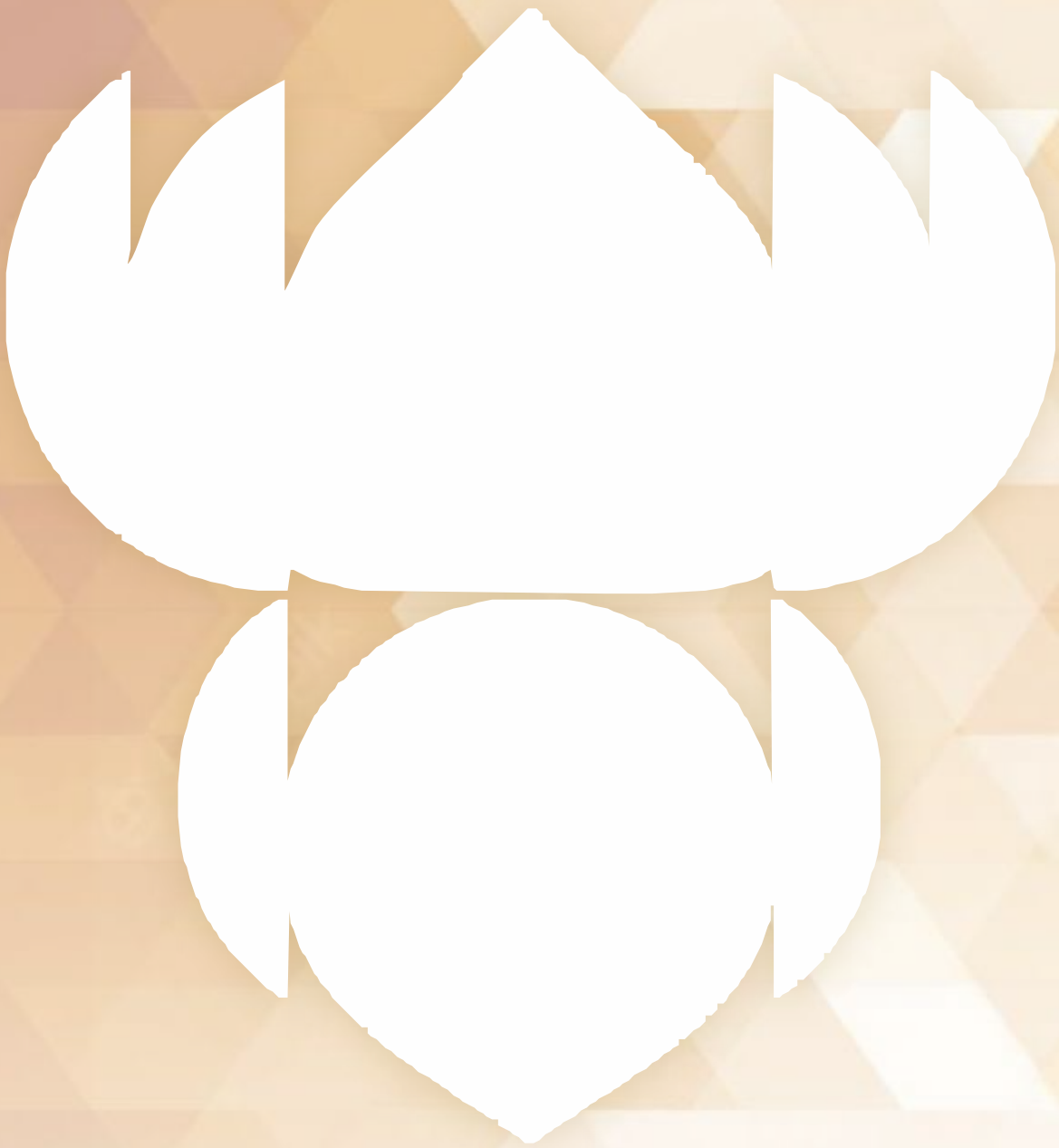

मध्य प्रदेश (Madhya Pradesh)

सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म अनुकूल राज्य
Most Film-Friendly State

रजत कमल एवं प्रशस्ति पत्र
Rajat Kamal & Certificate

प्रशस्ति (Citation)

राज्य द्वारा किए गए प्रयासों जैसे समय पर अनुमति, पुलिस सहायता, स्थानीय स्तर पर सहायता आदि जैसी सेवाएं / सुविधाएं प्रदान करने के लिए और शूटिंग स्थलों तक पहुंच सुलभ बनाने के लिए।

For the efforts undertaken by the state in providing services/facilities such as in-time permissions, police assistance, local on-ground support, etc. and making shooting locations easily accessible.

उत्तराखण्ड (Uttarakhand)

विशेष उल्लेख
Special Mention

प्रशस्ति पत्र
Certificate

प्रशस्ति (Citation)

फिल्मकारों को अपने राज्य में स्वागत करने के प्रति उनके सक्रिय प्रयासों एवं अच्छा काम जारी रखने के प्रोत्साहन हेतु, निर्णायक मंडल को उम्मीद है कि यह विशेष उल्लेख उन्हें आने वाले वर्षों में बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहित करेगा।

For their proactive approach towards welcoming filmmakers to their state and to motivate them to continue their good work. The jury hopes the **Special Mention** will encourage them to do better in the coming years.

उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh)

विशेष उल्लेख
Special Mention

प्रशस्ति पत्र
Certificate

प्रशस्ति (Citation)

फिल्मकारों के अपने राज्य में स्वागत करने के प्रति उनके सक्रिय दृष्टिकोण के लिए स्पेशल मेंशन सर्टिफिकेट (**विशेष उल्लेख प्रमाण–पत्र**) दिया जा रहा है, ताकि अपना अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रेरणा बनी रहे। निर्णायक मंडल को उम्मीद है कि विशेष उल्लेख उन्हें आने वाले वर्षों में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

For their proactive approach towards welcoming filmmakers to their state. The **Special Mention Certificate** is being given to motivate them to continue their good work. The jury hopes the Special Mention will encourage them to do better in the coming years.

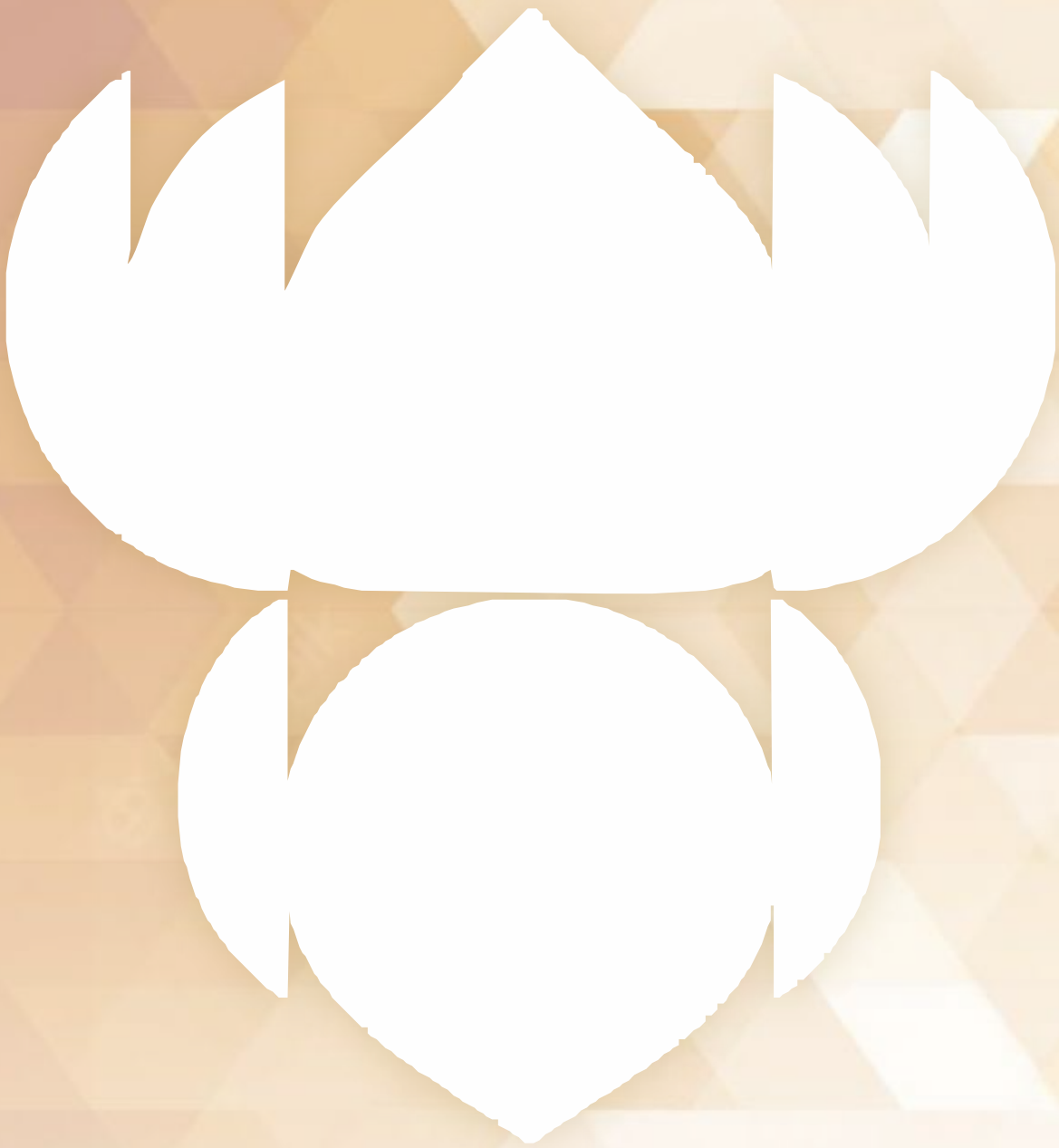

Directorate of Film Festivals Team

Indrani Bose, Deputy Director
Tanu Rai, Deputy Director
Tushar Karmarkar, Deputy Director
Rakesh Kumar, Deputy Director (Accounts)
Kaushalya Mehra
Sushant Shrotriya
Arvind Kumar
Mahesh Chand
P K Chawla
Gautam Singh
Nehjyoti Verma
Ganesh Chand
Kamlesh Kumar Rawat
Chandi Prasad
Govind Ram
Rajendra Kumar
Deepu Choudhary
Anup Kumar
Kailash Kumar
Vikram Singh
Amit Kumar
Ajay
Deepak
Deepak Toor

Projection and Technical Supervision, Siri Fort Auditorium and Film Division

Suresh, Asstt. Engineer (Civil)
Mahipal Saini, Asstt. Engineer (Elect.)
Ashok Hitaishi, Film Division

ACKNOWLEDGEMENTS

फ़िल्म निर्माता / निर्माण समूह , विगत डीएसपीए विजेताओं की फ़िल्म से संबंधित सामग्री, फ़ोटोग्राफ उपलब्ध करवाने के लिए :
भारतीय राष्ट्रीय फ़िल्म अभिलेखागार , पुणे (भारत सरकार)

फ़िल्म प्रभाग राष्ट्रीय पुरस्कार और डीएसपीए पुरस्कार विजेताओं की दृश्य – श्रव्य प्रस्तुति के लिए

Film Producers/Production Houses for providing the film-related material
Photographs of Past DSPA Winners:
National Film Archives of India, Pune (Government of India)

Films Division for DSPA and Doordarshan News for National Award Winners Audio Visual presentation

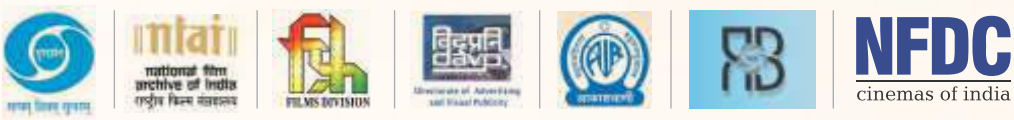

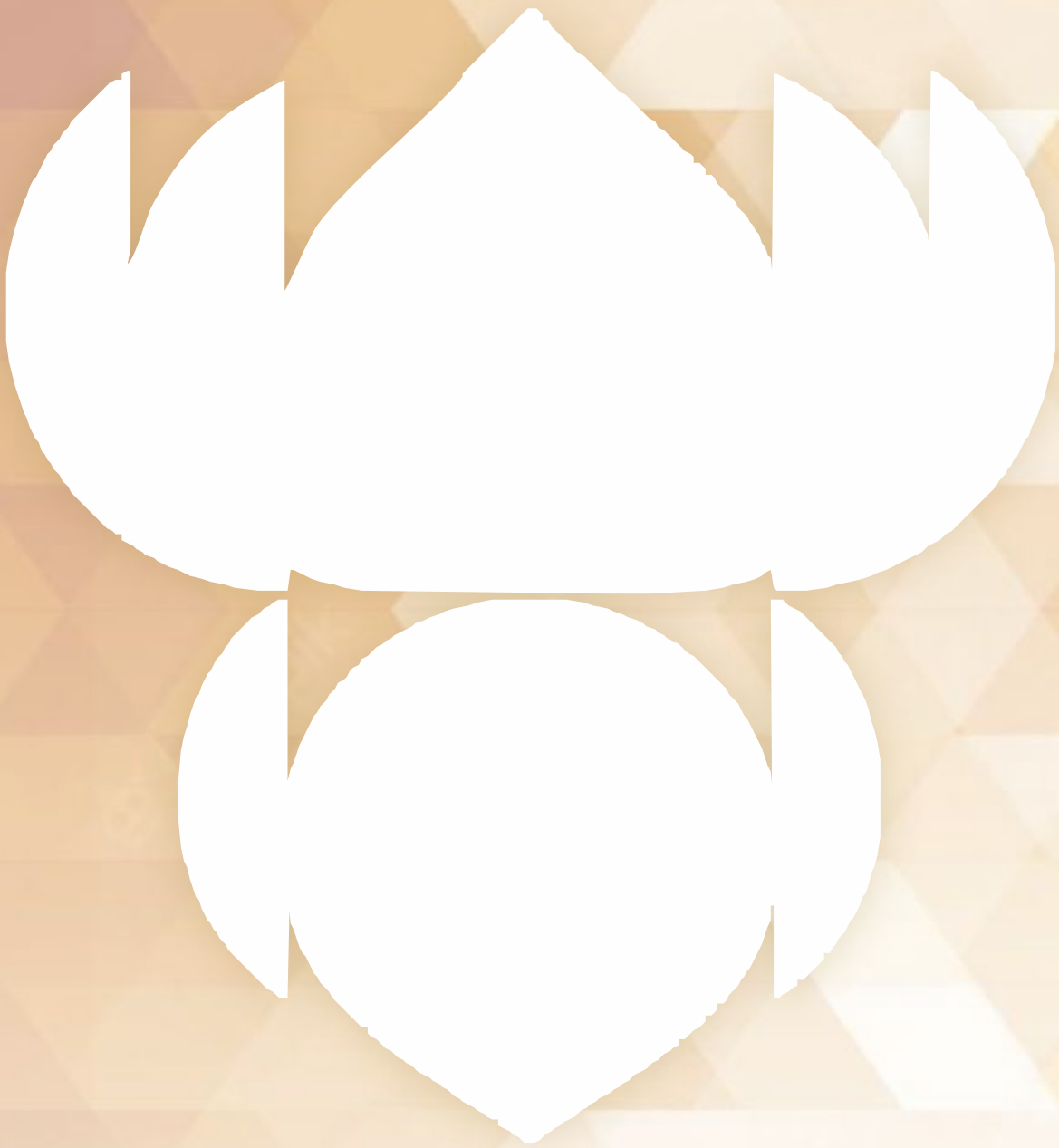

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

सिरी फोर्ट सभागार परिसर, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली–110049
Siri Fort Auditorium Complex, August Kranti Marg, New Delhi – 110049.